वार्षिक प्रतिवेदन
2018-19

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19

संरक्षक
रजनीश कुमार शुक्ल, कुलपति

संपादक मंडल
मनोज कुमार
कृष्ण कुमार सिंह
लेला कारूण्यकरा
अशोक कुमार मिश्र
अमित कुमार विश्वास

सहयोग :
आर. सी. यादव
किशोर जाधव

छायाचित्र : राजदीप राठौर

लेआउट डिजाइन
राजेश आगरकर

प्रकाशन प्रभारी
रामानुज अस्थाना

प्रकाशक
कुलसचिव
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

मुद्रक
मानक पब्लिकेशंस प्रा. लि.,
बी–7, सरस्वती काम्पलेक्स, सुभाष चौक, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली – 110092

कुलगीत

चेतना का दीप है यह, ज्ञान का हिमालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

नस्ल, धर्म और देशों की सीमाएँ टूट रहीं
एक पाँव रखकर देखो सौ राहें फूट रहीं
सत्य, अहिंसा और शोध के सपनों का आलय
हिंदी विश्वविद्यालय...

मटमैली चट्टानों का वर्धा का है जो पठार
बंजर पर हरियाली की जय का प्रतीक साकार
दुर्लभ पांडुलिपियों का यह अनुपम संग्रहालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

विद्या, बुद्धि, मनीषा की इस तपोभूमि का ताप बनें
चिंतन का आलाप बनें, अपने दीपक आप बनें
अंधकार के विरुद्ध है यह, महाज्योति प्रज्ञालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स, वर्धा – 442 001 (महाराष्ट्र) भारत
फोन / Phone : 07152–230901 / 230905 फैक्स / Fax : 07152–230903
वेबसाइट / Website : www.hindivishwa.org

वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19 (01.04.2018 से 31.03.2019)

एक झलक

स्थापना : भारत की संसद द्वारा 1996 में पारित अधिनियम के
अंतर्गत 1997 में महात्मा गांधी की कर्मभूमि वर्धा में
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) की स्थापना की गई।
क्षेत्रफल : लगभग 212 एकड़

विद्यापीठ / केंद्र

विद्यापीठ : 08 विभाग : 16 केंद्र : 05
क्षेत्रीय केंद्र : 01. प्रयागराज (इलाहाबाद) 02. कोलकाता)

अनुदान	(धनराशि लाख रुपयों में)	
संस्कृति मंत्रालय (अमृतलाल नागर चेयर)	:	
मानव संसाधन विकास मंत्रालय	:	33.90
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग :		
आवर्ती	:	1306.15
गैर–आवर्ती	:	500.00
वेतन :	:	1139.92
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा शोध परियोजना हेतु	:	..
अन्य (आईसीपीआर, जीएसडीएस, एनसीआरआई, सहायक ट्रस्ट)	:	38.21
योग	:	**3018.18**

संचालित पाठ्यक्रम

मुख्य परिसर, वर्धा : 127 (बी.ए. ऑनर्स, एम.ए., एम.फिल., पी–एच.डी., सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा)
क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज (इलाहाबाद) : 10 (एम.ए., एम.फिल., पी–एच.डी., डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा)
क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता : 05 (एम.ए., एम.फिल., डिप्लोमा)
दूर शिक्षा निदेशालय : 15 (स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा)
कुल : 157

विद्यार्थियों की संख्या

मुख्य परिसर (वर्धा) : 1213 क्षेत्रीय केंद्र (इलाहाबाद) : 90
क्षेत्रीय केंद्र (कोलकाता) : 16 दूर शिक्षा निदेशालय : 1601
कुल : 2920

उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या

प्रमाण पत्र / डिप्लोमा / पीजी डिप्लोमा / एडवांस्ड डिप्लोमा : 224
बी.ए. : 57 एम.ए. : 219 एम.फिल. : 174 पीएच.डी. : 35
कुल : 709

नियमित कर्मियों की संख्या

शैक्षणिक : 85 गैर–शैक्षणिक : 95
कुल : 180

प्रकाशन

पत्रिकाएँ : बहुवचन (4 अंक), पुस्तक–वार्ता (6 अंक)
पुस्तकें : 12, ई–पत्रिकाएँ : 4, भित्ति पत्रिकाएँ : 7

- अनुक्रमणिका -

कुलपति संदेश ...	001
प्रख्यात आगंतुक	003
सांविधिक अधिकारी	004
सांविधिक निकाय	005
• कार्य परिषद	005
• विद्या परिषद	006
• भवन निर्माण समिति	008
• वित्त समिति	008
• अध्ययन मंडल	009
• स्कूल बोर्ड	010
विश्वविद्यालय के अधिकारी	011
विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष / केंद्र निदेशक / प्रभारी	012
विभिन्न समितियों के संयोजक / समन्वयक / अधिकारी	013
परिसर में विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाएँ	014
विदेशियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम	014
आवासीय लेखक	015
विश्वविद्यालय के विद्यापीठ, विभाग एवं केंद्र	017
1. भाषा विद्यापीठ	018
2. साहित्य विद्यापीठ	026
3. संस्कृति विद्यापीठ	037
4. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	046
5. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	050
6. शिक्षा विद्यापीठ	057
7. प्रबंधन विद्यापीठ	063
क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज (इलाहाबाद)	064
क्षेत्रीय केंद, कोलकाता	066
दूर शिक्षा निदेशालय	068

शोध सहायता प्रकोष्ठ	070
लैबोरेट्री इन इन्फॉरमेटिक्स फॉर द लिबरल आर्ट्स (लीला)	075
प्रकाशन विभाग	075
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)	077
स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय	078
राजभाषा विभाग	080
महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय	080
खेल समिति	082
हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसीएच)	085
परिसर विकास विभाग	089
जनसंपर्क कार्यालय	090
पर्यावरण क्लब	091
अस्पताल	091
शिशु विहार	091
राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	092
हिंदी समय डॉट कॉम	093
नेट / जेआरएफ / आरजीएनएफ / अन्य शोधवृत्ति	094
नियोजन प्रकोष्ठ (प्लेसमेंट सेल)	095
विश्वविद्यालय के गैर–शैक्षणिक कर्मियों की सूची	097
जन सूचना कार्यालय	100
प्रवेश प्रकोष्ठ	101
परीक्षा विभाग	110
एम.फिल. उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची	115
पी–एच.डी. अधिसूचना प्राप्त शोधार्थियों की सूची	121
गतिविधियाँ : वर्धा मुख्य परिसर	123
छायाचित्र झलकियाँ	129

कुलाध्यक्ष

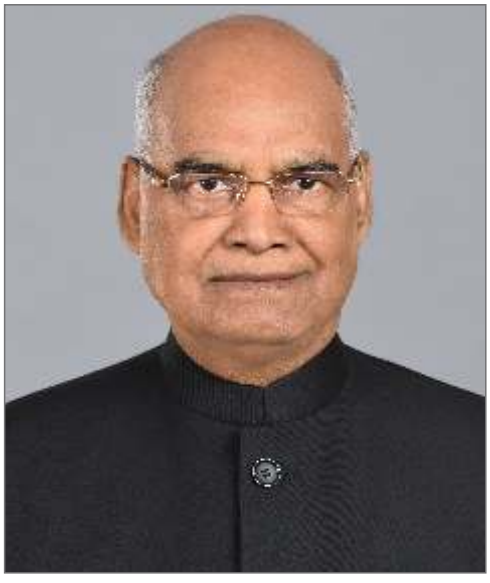

श्री राम नाथ कोविन्द
भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति

प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी

कुलपति

प्रो. गिरीश्वर मिश्र

प्रतिकुलपति

प्रो. आनंद वर्धन शर्मा
(... से 04.03.2019)

कार्यकारी कुलसचिव

श्री क़ादर नवाज़ ख़ान
(... से 01.06.2018)

कार्यकारी कुलसचिव

प्रो. कृष्ण कुमार सिंह
(01.06.2018 से ...)

कुलपति का संदेश

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (म.गा.अं.हिं.वि), वर्धा संसद के एक अधिनियम के माध्यम से अस्तित्व में आया, जिसे 08 जनवरी, 1997 को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई। इस अधिनियम में हिंदी के प्रचार और विकास के लिए एक शिक्षण विश्वविद्यालय की स्थापना के द्वारा भाषा, साहित्य, शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से हिंदी को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में समृद्ध और सक्षम बनाने की योजना समाहित थी। राष्ट्रीय नेताओं के साथ–साथ हिंदी के शुभचिंतकों की भी यह प्रबल इच्छा रही है कि सभी भारतीयों की भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ के अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिंदी को न केवल उसका उचित स्थान मिले बल्कि हिंदी दुनिया भर में फैले हुए भारतवंशियों के बीच भाषाई संचार में समन्वय स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य भी करे। 29 दिसंबर, 1997 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ इस दिशा में ठोस कार्यान्वयन प्रारंभ हुआ।

विश्वविद्यालय का मार्गदर्शन करने वाला ध्येय वाक्य 'ज्ञान, शांति और मैत्री' है। विश्वविद्यालय के अधिनियम में कहा गया है कि इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य सामान्य रूप से हिंदी भाषा और साहित्य को बढ़ावा देना एवं विकसित करना है। इस उद्देश्य के लिए विश्वविद्यालय का कार्य ज्ञान के विविध अनुशासनों तथा हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययन और अनुसंधान के लिए शिक्षण की प्रासंगिक शाखाओं में निर्देशात्मक शोध सुविधाएं प्रदान कराना है। देश–विदेश में हिंदी के प्रसार और इसके विकास के लिए आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना, हिंदी की कार्यात्मक शक्ति में सुधार के लिए अनुवाद और निर्वचन तथा भाषाविज्ञान जैसे क्षेत्रों में शोध, शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पेशकश, हिंदी में रुचि रखने वाले विदेशी विद्वानों को शिक्षण और शोध में शामिल करने तथा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाने के लिए भी अधिनियम में कहा गया है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की योजनाओं और पाठ्यक्रम में इन सभी घटकों को शामिल करने का प्रयास किया गया है।

विश्वविद्यालय में हिंदी भाषा और साहित्य, नाटक और फिल्म अध्ययन, अनुवाद और निर्वचन, भाषा विज्ञान, गांधीदर्शन और शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, दलित और आदिवासी अध्ययन, जनसंचार, प्रवासन और डायस्पोरा अध्ययन, समाज कार्य, शिक्षा, मनोविज्ञान और प्रबंधन अध्ययन के संबंध में पाठ्यक्रम और अकादमिक कार्यक्रम संचालित हैं। विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी और व्यवसाय की वैकल्पिक भाषा के रूप में हिंदी के अध्ययन को भी बढ़ावा देता है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय मुख्य रूप से एक आवासीय विश्वविद्यालय है और इसके दो क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता और प्रयागराज (इलाहाबाद) में हैं। विश्वविद्यालय का मिशन शिक्षा के लिए एक वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य की प्रतिबद्धता है।

विश्वविद्यालय की आकांक्षा सक्षम संकाय सदस्यों को आकर्षित करने, शिक्षण मानकों को बढ़ाने और सीमांत क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने और प्रतिभा पोषण के लिए एक लचीली प्रणाली स्थापित करने की है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय को सामाजिक और बौद्धिक संदर्भ में अधिक लचीला और जवाबदेह बनाया गया है। यह विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी शिक्षा प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय आज के समय में उपलब्ध, उपयुक्त और उन्नत आईसीटी प्रौद्योगिकी के लिए पहल कर रहा है। दुनिया की अन्य प्रमुख भाषाओं के साथ हिंदी की बराबरी के लिए विश्वविद्यालय सतत् प्रयासरत है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के लक्षित वर्ग को अकेले हिंदी भाषी लोगों के लिए सीमांकित नहीं किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय का मानना है कि हिंदीतर भाषी आबादी तक पहुंचना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि हिंदी भाषी आबादी तक पहुंचना। हिंदी को बहुभाषी वातावरण में काम करना है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि भारत एक बहु भाषी देश है और भारतीय भाषाएं उन विशेषताओं को साझा करती हैं जो राष्ट्र को एक समृद्ध बहुभाषी देश की पहचान प्रदान करती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, यह बहुभाषी वातावरण भारतीयों और दुनिया की अन्य ज्ञान प्रणालियों के बीच एक सेतु का निर्माण करता है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय बहुभाषी परिवेश के अनुकूल है। विश्वविद्यालय हिंदी को एक ऐसी भाषा के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहा है जो अपनी उच्च संप्रेषणीयता के द्वारा सभी भारतीयों तक पहुँचने की गारंटी है। हिंदी में बौद्धिक संवाद को अधिक प्रभावी बनाने और इसकी संप्रेषणीयता बनाने और बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह ध्यान देने योग्य बात है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रवासी भारतीयों के बीच भी हिंदी सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली भाषा है।

विश्वविद्यालय के सात विद्यापीठों में बी.ए., एम.ए., एम.फिल., और पी–एच.डी. के 127 पाठ्यक्रम संचालित हैं और कुछ पाठ्यक्रम कोलकाता और प्रयागराज (इलाहाबाद) के क्षेत्रीय केंद्रों में भी चलाए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय ने 'उन्नत भारत और स्वच्छ भारत अभियान' के दिशानिर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय परिसर के करीब स्थित दस गाँवों को गोद लिया है। इन गाँवों में जागरूकता फैलाने की दृष्टि से विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों का नियमित रूप से दौरा होता है।

विश्वविद्यालय के वर्धा परिसर में छात्रों और छात्राओं के लिए छात्रावास एवं अतिथिगृह, अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए छात्रावास एवं अतिथि गृह, विभिन्न स्कूलों और विभागों के अलग–अलग शैक्षणिक खंड/भवन और एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों एवं अधिकारियों हेतु आवास की सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय में एक पुस्तक विक्रय केंद्र सहित एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स भी है एवं बैंकिंग तथा डाकघर की भी सुविधा उपलब्ध है। परिसर में वर्षा जल संचयन का प्रावधान है। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम और अध्ययन–अध्यापन का वातावरण भारत और विदेशों के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थियों को आकर्षित करता है। विश्वविद्यालय का संपूर्ण परिसर वाई–फाई की सुविधा से युक्त है।

विश्वविद्यालय के पास एक बहुत सशक्त प्रकाशन विभाग है, जिसके माध्यम से विभिन्न पत्रिकाओं और पुस्तकों का प्रकाशन किया जाता है। हिंदी माध्यम से शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में एक हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसीएचएस) स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय मूल्यांकन के लिए क्रेडिट प्रणाली का अनुसरण करता है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से बी.एड., एम.ए., एम.बी.ए. और डिप्लोमा सहित पंद्रह पाठ्यक्रम चल रहे हैं। विश्वविद्यालय का विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ दुनिया भर के विदेशी छात्रों को हिंदी सीखने के लिए पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह प्रकोष्ठ निकट भविष्य में ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। शिक्षक विकास कार्यक्रम विश्वविद्यालय की एक प्रमुख विशेषता है। इसके द्वारा संकाय सदस्यों को पुनश्चर्या और अभिविन्यास पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है।

विश्वविद्यालय ने 'वर्धा हिंदी शब्दकोश', 'भोजपुरी हिंदी अंग्रेजी शब्दकोश', 'हिंदी समाज विज्ञान विश्वकोश' (6 खंडों में), 'स्पेनिश–अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश', 'सक्षम' (हिंदी वर्तनी परीक्षक), ई–सामग्री और ईपीजी पाठशाला समेत हिंदी में कई उल्लेखनीय सामग्रियों को तैयार करने का कार्य किया है। यू.जी.सी., आई.सी.एस.एस.आर., एम.जी.ए.एच.वी. और अन्य एजेंसियों द्वारा लगभग 27 प्रमुख और लघु शोध परियोजनाएं विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए जारी की गई हैं। विश्वविद्यालय में एक केंद्रीय पुस्तकालय है जिसमें लगभग 1,24,354 पुस्तकें हैं तथा साथ ही अलग–अलग संकायों/विभागों में विभागीय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है।

अंत में, आज हिंदी की कार्य–परिधि बदलते तकनीकी परिवेश में नए आयाम पा रही है। हिंदी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समृद्ध और सक्षम बनाने के दिशा में यह विश्वविद्यालय कृतसंकल्पित है। जैसा कि वर्ष 2018–19 के इस वार्षिक प्रतिवेदन और लेखा से स्पष्ट है अध्ययन, अध्यापन और शोध की दृष्टि से यह विश्वविद्यालय प्रगति पथ पर अग्रसर हो रहा है। यहाँ भी भाषिक तकनीक का विकास, कोश–निर्माण, महत्वपूर्ण ग्रंथों का प्रकाशन, विदेशी छात्रों के लिए हिंदी का अध्ययन, हिंदी हेतु प्रशिक्षण तथा परिचर्चा आदि का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। इन सभी कार्यों का विस्तृत विवरण इसमें सम्मिलित किया गया है। मैं इसके संपादक मंडल को हृदय से बधाई देता हूँ। मुझे विश्वास है कि यह विवरण विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए आगे चलने के लिए मार्ग भी प्रशस्त करेगा...

वर्धा, 14 अक्टूबर, 2019

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल
कुलपति

प्रख्यात आगंतुक

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्राथमिक सरोकारों में से महत्वपूर्ण यह है कि पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और पाठ्यसामग्री को नई शताब्दी की चुनौतियों और प्रश्नाकुलता के अनुरूप अद्यतन करते हुए इस क्षेत्र में नए विकल्पों को ज्ञात कर विकसित और विन्यस्त किया जाए। यह विश्वविद्यालय युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप पारंपरिक पाठ्यक्रमों से इतर ज्ञान के विविध अनुशासनों में शोध एवं मूल्यपरक शिक्षा को वरीयता देता है, इसलिए यहाँ अध्ययन–अध्यापन और अनुसंधान के क्षेत्रों में नई प्रविधि विकसित करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों से रू–ब–रू भी कराया जाता है। अपनी अवधारणा के मुताबिक विश्वविद्यालय ने अपने–अपने क्षेत्र के अनेक विद्वानों और जीवंत प्रतिभाओं से खुद को जोड़ा है। वर्ष 2018–19 में अध्ययन–अध्यापन के लिए विभिन्न अनुशासनों के शैक्षिक आयोजनों में अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने विश्वविद्यालय में उपस्थित होकर यहाँ के अकादमिक परिवेश को समृद्ध किया।

1. डॉ. अनुपम पचौरी, एनआईईपीए, नई दिल्ली
2. शॉन कश्यप, सह संपादक, ऑर्गनाइजर
3. डॉ. जितेंद्र सिंह, मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली
4. डॉ. दामोदर खडसे, वरिष्ठ लेखक, पुणे
5. प्रो. चांद किरण सलूजा, पूर्व आचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
6. प्रो. रामजी तिवारी, साहित्यकार, मुंबई
7. प्रो. टी. करुणाकरण, पूर्व कुलपति, गांधीग्राम ग्रामीण विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
8. डॉ. सी. आर. राजमौली, बी.आर. अंतरराष्ट्रीय मुक्त विद्यापीठ
9. प्रो. प्रदीप मिश्र, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,
10. प्रो. निशा सिंह, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
11. प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी, वरिष्ठ चिंतक
12. श्रीमती मृदुला सिन्हा, राज्यपाल, गोवा
13. श्री रामदास आठवले, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार
14. डॉ. रविशंकर मोर, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा
15. प्रो. मुहम्मद के. बशीर, कुलपति, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट
16. श्री जगदीश उपासने, कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल
17. प्रो. आनंद प्रकाश, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
18. श्री निरंजन गोस्वामी, परिवहन मंत्री, कोलकाता
19. श्री कलानंद मणि, पीसफुल सोसाइटी, गोवा
20. डॉ. शाहिद अली, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर
21. प्रो. जनक पांडे, वरिष्ठ शिक्षाविद् व मनोविज्ञानी
22. सुश्री लक्ष्मी देसाई, बोस्टन अमेरिका निवासी (मूल भारत वंशीय) नारीवादी चिंतक एवं लेखिका
23. श्री प्रोबीर गुहा, रंगकर्मी, कोलकाता
24. प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक
25. डॉ. सुरेखा ठक्कर, पूर्व कुलपति, एडमास विश्वविद्यालय, कोलकाता
26. डॉ. हरीश पाराशर 'ऋषु', केंद्र निदेशक, आकाशवाणी, नागपुर
27. प्रो. जी. गोपीनाथन, पूर्व कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
28. श्री संजीव लाभे, विदर्भप्रांत सहमंत्री, संस्कृत भारती, वर्धा
29. डॉ. निशा शेंडे, प्राध्यापिका, संत गाडगेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती
30. प्रो. रजनी रंजन झा, राजनीति विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
31. डॉ. राजाराम त्रिपाठी, पर्यावरणविद्, बस्तर, छत्तीसगढ़
32. डॉ. सरिता बुधू, कला एवं संस्कृति मंत्रालय, मॉरीशस
33. श्री मृत्युंजय कुमार सिंह, लेखक–कवि, पुलिस महानिदेशक, प. बंगाल
34. गौरी बसु, निदेशक, पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता
35. प्रो. चंद्रकला पाण्डेय, पूर्व राज्यसभा सांसद
36. प्रो. गिरीश नाथ झा
37. प्रो. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
38. प्रो. लाल चंद
39. प्रो. अनंत मिश्र
40. प्रो. ओम प्रकाश सिंह
41. डॉ. बलराम शुक्ल, सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

42. श्रीवरदा मालगे, संस्कृत भारती, नागपुर
43. श्री आलोक चंद्र पाण्डेय
44. श्री मंजुल भारद्वाज
45. सुश्री अंजू जेटली
46. प्रो. महेंद्र कुमार
47. श्री ब्रह्म प्रकाश
48. श्री शेखर सोनी
49. डॉ. सुगन बरंठ, अध्यक्ष, नई तालीम समिति
50. प्रो. नंद किशोर आचार्य, राजस्थान
51. प्रो. आर. रामदास, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद
52. प्रो. बिप्लव चौधरी, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांति निकेतन
53. डॉ. विजय दत्त श्रीधर, संस्थापक, माधवराव सप्रे संग्रहालय, भोपाल
54. श्री हरिवंश, उपसभापति, राज्यसभा
55. प्रो. पी. सी. जोशी
56. प्रो. डी. पी. सिंह
57. प्रो. एस. एन. चौधरी
58. डॉ. रत्ना धर
59. डॉ. समित घोषाल
60. डॉ. राम गंभीर
61. प्रो. राम किशोर शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
62. डॉ. दानिश इकबाल, रंगकर्मी

सांविधिक अधिकारी

श्री राम नाथ कोविंद	: कुलाध्यक्ष
प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी	: कुलाधिपति
प्रो. गिरीश्वर मिश्र	: कुलपति
प्रो. आनंद वर्धन शर्मा	: प्रतिकुलपति
प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	: अधिष्ठाता (भाषा विद्यापीठ)
प्रो. प्रीति सागर	: अधिष्ठाता (साहित्य विद्यापीठ)
प्रो. लेला कारूण्यकरा	: अधिष्ठाता (संस्कृति विद्यापीठ) (... से 06.01.2019)
प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	: अधिष्ठाता (संस्कृति विद्यापीठ) (07.01.2019 से ...)
प्रो. देवराज	: अधिष्ठाता (अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ) (... से 29.03.2019)
प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	: अधिष्ठाता (अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ) (30.03.2019 से...)
प्रो. मनोज कुमार	: अधिष्ठाता (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ) (... से 30.07.2018)
प्रो. कृपाशंकर चौबे	: अधिष्ठाता (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ) (31.07.2018 से ...)
प्रो. आनंद वर्धन शर्मा	: अधिष्ठाता (शिक्षा विद्यापीठ) (... से 14.06.2018)
प्रो. गिरीश्वर मिश्र	: अधिष्ठाता (शिक्षा विद्यापीठ) (15.06.2018 से 04.03.2019)
प्रो. मनोज कुमार	: अधिष्ठाता (शिक्षा विद्यापीठ) (05.03.2019 से ...)
प्रो. आनंद वर्धन शर्मा	: अधिष्ठाता (प्रबंधन विद्यापीठ) (... से 14.06.2018)
प्रो. गिरीश्वर मिश्र	: अधिष्ठाता (प्रबंधन विद्यापीठ) (15.06.2018 से 04.03.2019)
प्रो. मनोज कुमार	: अधिष्ठाता (प्रबंधन विद्यापीठ) (05.03.2019 से ...)
प्रो. मनोज कुमार	: अधिष्ठाता (विधि विद्यापीठ)
डॉ. मैत्रेयी घोष	: पुस्तकालयाध्यक्ष
डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर	: कुलानुशासक (... से 27.12.2018)
प्रो. मनोज कुमार	: कुलानुशासक (27.12.2018 से ...)
श्री क़ादर नवाज़ ख़ान	: वित्ताधिकारी
श्री क़ादर नवाज ख़ान	: कार्यकारी कुलसचिव (... से 01.06.2018)
प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	: कार्यकारी कुलसचिव (01.06.2018 से ...)

सांविधिक निकाय

कार्य परिषद

कार्य परिषद विश्वविद्यालय के प्रबंध एवं प्रशासन का सर्वोच्च निकाय है, जिसे कुलाध्यक्ष की अनुमति से परिनियम बनाने की शक्ति प्राप्त है। विनियम विश्वविद्यालय की प्राधिकृत संस्था द्वारा परिनियम एवं अध्यादेश को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं। प्रत्येक परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है और भारत के राजपत्र में प्रकाशित होता है।

कार्य परिषद के सदस्य

1	प्रो. गिरीश्वर मिश्र	कुलपति एवं अध्यक्ष	म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
2	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा	प्रतिकुलपति एवं सदस्य	म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
3	प्रो. सुधीर पाठक	सदस्य	10, शिवसुंदर अपार्टमेंट, खरे टाउन, लेन नं.–3, धरमपेठ, नागपुर 440010 (महाराष्ट्र)
4	डॉ. वंदना खुशालानी	सदस्य	प्राचार्य, दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय, 129 कुकरेजा नगर नागपुर 440014 (महाराष्ट्र)
5	प्रो. प्रेम सी. पतंजलि	सदस्य	डी.डब्ल्यू–97 डी, शालीमार बाग, दिल्ली–110088
6	डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी	सदस्य	ए–107, मधुर जीवन अपार्टमेंटस, ब्लॉक–34, सेक्टर 10, द्वारका, दिल्ली 110 075
7	डॉ. अरुण कुमार भगत	सदस्य	माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (नोएडा कैंपस) सी 56/4, सेक्टर–62, नोएडा (उ.प्र.)
8	डॉ. आर. एस. सर्राजु	सदस्य	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, प्रो. सी.आर. राव रोड गाचीबावली हैदराबाद–500046 (तेलंगाना)
9	डॉ. कविता श्रीधर शनवारे	सदस्य	एस.एफ.एस. कॉलेज से निवृत्त, नागपुर (महाराष्ट्र)
10	डॉ. दिनेश सी. राय	सदस्य	प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी 221 005 (उ.प्र.)
11	प्रो. चंद्रकांत एस. रागीट	सदस्य	कमिन्स महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, राम रक्षा, 4– सीता नगर, वर्धा रोड, नागपुर 440025 (महाराष्ट्र)
12	प्रो. मनोज कुमार	सदस्य	अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
13	प्रो. लेला कारूण्यकरा	सदस्य	अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
14	प्रो. अनिल कुमार राय*	सदस्य	प्रोफेसर, जनसंचार विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
15	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	सदस्य	प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
16	प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	सदस्य	अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
17	डॉ. रामानुज अस्थाना	सदस्य	सहायक प्रोफसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि. , गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
18	श्री क़ादर नवाज़ ख़ान (...से 01.06.2018 तक)	कार्यकारी कुलसचिव एवं पदेन सचिव	म.गां.अं.हिं.वि., गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र)
19	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह (01.06.2018 से...)		

* प्रो. अनिल कुमार राय (... से 12.03.2019) के स्थान पर प्रो. कृष्ण कुमार सिंह (13.03.2019 से ...) को कार्य परिषद का सदस्य बनाया गया। कार्य परिषद की 60 वीं बैठक 13 जून, 2018 को तथा 61 वीं बैठक 16 अक्टूबर, 2018 को संपन्न हुई।

विद्या परिषद

01.	कुलपति	अध्यक्ष
02.	प्रतिकुलपति	सदस्य
03.	अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ	सदस्य
	अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ	सदस्य
	अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ	सदस्य
	अधिष्ठाता, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	सदस्य
	अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	सदस्य
	अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ	सदस्य
	अधिष्ठाता, प्रबंधन विद्यापीठ	सदस्य
	अधिष्ठाता, विधि विद्यापीठ	सदस्य
04.	विभागाध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
	निदेशक, सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र	सदस्य
	निदेशक, विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : प्रदर्शनकारी कला विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : अंग्रेजी विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : उर्दू विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : संस्कृत विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : मराठी विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : स्त्री अध्ययन विभाग	सदस्य
	निदेशक : डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	सदस्य
	निदेशक : डॉ. भ.आ.कौ.बौद्ध अध्ययन केंद्र	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : अनुवाद अध्ययन विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : डायस्पोरा अध्ययन विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : जनसंचार विभाग	सदस्य
	निदेशक : म.गां.फ्यू.गु. समाजकार्य अध्ययन केंद्र	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : मानवविज्ञान विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : शिक्षा विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : मनोविज्ञान विभाग	सदस्य
	विभागाध्यक्ष : प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	सदस्य
05.	प्रो. वृषभ प्रसाद जैन	सदस्य
	प्रो. मनोज कुमार	सदस्य
	प्रो. लेला कारूण्यकरा	सदस्य
	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	सदस्य
	प्रो. विजय कुमार कौल	सदस्य
	प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	सदस्य
	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	सदस्य

	प्रो. कृपाशंकर चौबे	सदस्य
	प्रो. प्रीति सागर	सदस्य
	प्रो. अनिल कुमार पांडेय	सदस्य
	प्रो. फरहद मलिक	सदस्य
	प्रो. अवधेश कुमार	सदस्य
	प्रो. अखिलेश कुमार दुबे	सदस्य
06.	डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, एसोशिएट प्रोफेसर	सदस्य
	डॉ. शिरीष पाल सिंह, एसोशिएट प्रोफेसर	सदस्य
	डॉ. शोभा पालीवाल, एसोशिएट प्रोफेसर	सदस्य
	डॉ. रवीन्द्र टी. बोरकर, एसोशिएट प्रोफेसर	सदस्य
	डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
	डॉ. अमित राय, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
	श्री संदीप कुमार सपकाले, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
	डॉ. शैलेश मरजी कदम, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
07.	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	सदस्य
08.	पुस्तकालयाध्यक्ष	सदस्य
09.	कुलानुशासक	सदस्य
10	प्रो. अवधेश प्रधान, हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
	प्रो. गोविन्द प्रसाद शर्मा	सदस्य
	प्रो. सदानन्द गुप्त, उपाध्यक्ष, उ.प्र.हिंदी संस्थान, लखनऊ	सदस्य
	प्रो. कुमुद शर्मा, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य
11.	डॉ. गोविन्द प्रसाद, पूर्व विद्यार्थी	सदस्य
	डॉ. माधुरी इखार, पूर्व विद्यार्थी	सदस्य
12.	सुश्री नितप्रिया प्रलय, शोधार्थी प्रतिनिधि	सदस्य
	श्री दिनेश कुमार पांडेय, छात्र प्रतिनिधि	सदस्य
13.	कुलसचिव	पदेन सचिव

विद्या परिषद की 28 वीं बैठक 17 जुलाई, 2018 को तथा 29 वीं 04 मार्च, 2019 को संपन्न हुई।

भवन निर्माण समिति

क्र.	भवन निर्माण समिति के सदस्य	पद
1	माननीय कुलपति	अध्यक्ष
2	माननीय प्रतिकुलपति	सदस्य
3	प्रो. मनोज कुमार, अधिष्ठाता योजना	सदस्य
4	उपयोगकर्ता विभाग का प्रतिनिधि	सदस्य आवश्यकतानुसार
5	प्रो. के.के. सिंह	सदस्य
6	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय	सदस्य
7	वित्ताधिकारी	सदस्य
8	प्रो. आर. के. इंगले	सदस्य
9	मुख्य अभियन्ता, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सिविल) (या नामित सदस्य)	सदस्य
10	श्री वी.बी. ठाकरे	सदस्य
11	कार्यपालक अभियंता (विद्युत) केंद्रीय लोक निर्माण विभाग	सदस्य
12	श्री एम.बी. मैदम्वार	सदस्य
13	श्री तुषार वानखडे, कनिष्ठ अभियंता, म.गां.अं.हिं.वि,	सदस्य
14	श्री विजय कापसे	सदस्य
15	मुख्य वास्तुविद, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (या नामित सदस्य)	सदस्य
16	डॉ. विनोद राउत	सदस्य
17	कुलसचिव	सदस्य सचिव

भवन निर्माण समिति की 35 वीं बैठक 27 अप्रैल, 2018 को और 36 वीं बैठक 13 फरवरी, 2019 को संपन्न हुई।

वित्त समिति

अध्यक्ष

1. प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति एवं अध्यक्ष
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

सदस्य

2. प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, प्रतिकुलपति
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
3. संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
4. संयुक्त सचिव (के.वि. एवं भाषा)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
5. संयुक्त सचिव (के.वि.)
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली
6. प्रो. मनोज कुमार
   अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
7. डॉ. अब्दुल बारी अब्दुल अज़ीज़
   प्रधानाचार्य
   जी.एस. कॉलेज ऑफ कॉमर्स, जमनालाल बजाज मार्ग, वर्धा
8. डॉ. अनन्तराम त्रिपाठी
   सखु भाई मंदिर के निकट, श्रीनिवास कॉलोनी, साई नगर, वर्धा
9. श्री क़ादर नवाज़ ख़ान
   वित्ताधिकारी एवं पदेन सचिव
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

वित्त समिति की 30वीं बैठक 10.04.2018, 31वीं बैठक 08.05.2018, 32वीं बैठक 12.06.2018 और 33वीं बैठक 25.02.2019 को संपन्न हुई।

अध्ययन मंडल (बोर्ड ऑफ स्टडीज़)

क्र.	विभाग	गठन की तिथि	बैठक की तिथि	बाह्य विशेषज्ञ
1.	भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	04.05.2018	20 अगस्त, 2018	प्रो. ज्योत्स्ना रघुवंशी, केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली केंद्र, दिल्ली डॉ. अनिल ठाकुर, एसोशिएट प्रोफेसर, आई.आई.टी., काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)
2.	सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र	14.07.2017		प्रो. दिनेश जोशी, कंप्यूटर साइंस विभाग, अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती (महा.) प्रो. आर.सी.शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3	विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र	18.02.2019		प्रो. ठाकुर दास, नई दिल्ली (स्पेनिश भाषा के लिए) प्रो. अदिति झा, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी (चीनी भाषा के लिए) डॉ. उनिता सच्चिदानंद, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (जापानी भाषा के लिए) प्रो. प्रयास चतुर्वेदी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी (फ्रेंच भाषा के लिए) प्रो. बीना शर्मा (अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी)
4.	हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	15.02.2017	09.10.2018	प्रो. गजेन्द्र पाठक, हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना) प्रो. भारती गोरे, हिंदी विभाग, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, औरंगाबाद (महा.)
5.	संस्कृत विभाग	27.07.2018		प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, कुलपति, ला. ब. शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली श्री विजय कुमार मेनन, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विद्यापीठ, रामटेक (महा.)
6.	उर्दू विभाग	04.10.2018	08.10.2018	प्रो. अबुल कलाम, उर्दू विभाग, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना) डॉ. मोहम्मद काजिम, उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
7.	अंग्रेजी विभाग	13.08.2018		प्रो. अर्चना कुमार, बी.एच.यू., वाराणसी (उ.प्र.) प्रो. बी.पी. सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)
8.	मराठी विभाग	20.08.2018	08.10.2018	डॉ. निशा शेंडे, मराठी विभाग, महिला महाविद्यालय, अमरावती (महा.) डॉ. ए.जी. वाडेकर, मराठी विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)
9.	गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	10.11.2018		प्रो. आर.पी. द्विवेदी, निदेशक, गांधी अध्ययन पीठ, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.) प्रो. विजय कुमार राय, राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ.प्र.)
10.	स्त्री अध्ययन विभाग	24.01.2019	12.03.2019	प्रो. शाहिदा मुर्तजा, विभागाध्यक्ष, स्त्री अध्ययन विभाग, मौलाना आज़ाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना) प्रो. वैशाली गुडधे, प्रभारी विभागाध्यक्ष, स्त्री अध्ययन विभाग, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती (महा.)
11.	डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	13.12.2016	30.08.2018 04.12.2018	प्रो. प्रदीप आगलावे, अंबेडकर विचार विभाग, रा.तु.म. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर (महा.) डॉ. के. वाई. रत्नम, राजनीति विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना)
12.	डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	24.01.2018	29.02.2019	प्रो. एम. एल. कासारे, वर्धा (महा.) प्रो. भाऊ लोखंडे, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर (महा.)
13.	अनुवाद अध्ययन विभाग	16.06.2017	13.04.2018	प्रो. रामजी तिवारी, मुंबई (महा.) प्रो. के. एल. वर्मा, रायपुर (छग)
14.	प्रवासन एवं डायस्पोरा विभाग	08.06.2015	24.04.2018	डॉ. अतनु महापात्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर (गुजरात) डॉ. सदानंद साहू, इग्नू, नई दिल्ली
15.	जनसंचार विभाग	05.02.2019		प्रो. दीपक शिंदे, निदेशक, मीडिया अध्ययन केंद्र, स्वामी रामतीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड (महा.) प्रो. संजय द्विवेदी, अध्यक्ष, पत्रकारिता विभाग, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
16.	महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र	26.10.2016 03.01.2019	25.09.2018 01.03.2019	प्रो. जॉन मीनाचेरी, एम. एस. एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर (महा.) प्रो. पी. के. घोष, विश्व भारती, शांतिनिकेतन (प.बं.)
17.	मानवविज्ञान विभाग	21.12.2016 07.02.2019	04.05.2018 30.08.2018	प्रो. मिताश्री मित्रा, मानवविज्ञान विभाग, रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छग) डॉ. आर. गंभीर, मानवविज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे (महा.)
18.	प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग	24.07.2018	08.10.2018	डॉ. योगेन्द्र चौबे श्री अखिलेश दास
19.	शिक्षा विभाग	02.06.2017	09.07.2018	प्रो. विद्याशंकर शुक्ल, आगरा (उ.प्र.) प्रो. राजश्री वासणे, नागपुर (महा.)
20.	मनोविज्ञान विभाग	11.07.2014	06.04.2018	प्रो. के.एन. त्रिपाठी, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) प्रो. आनंद प्रकाश, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
21.	प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	01.08.2018	05.12.2018	प्रो. नम्रता शर्मा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर (म.प्र.) प्रो. रेखा सिंघल, आई.आई.एफ.एम., भोपाल (म.प्र.)
22	दूर शिक्षा निदेशालय प्रबंधन मंडल अध्ययन मंडल		 26.03.2019	डॉ. रेणु बत्रा, अपर सचिव, डीईबी, यूजीसी नई दिल्ली प्रो. संतोष पंडा, इग्नू, नई दिल्ली प्रो. सरोज पांडेय, इग्नू, नई दिल्ली प्रो. हरिचन्दन, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई (महा.)

स्कूल बोर्ड			
क्र.	विद्यापीठ	गठन	बाह्य विशेषज्ञ
1.	भाषा विद्यापीठ	18.11.2017	प्रो. दीप्ति मिश्रा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद (तेलंगाना) प्रो. के.एन. मूर्ति, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना)
2.	साहित्य विद्यापीठ	05.10.2018	प्रो. गोपेश्वर सिंह, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली प्रो. लालचंद राम, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
3.	संस्कृति विद्यापीठ	16.11.2016 06.12.2018	प्रो. पुष्पा मोतियानी, अहमदाबाद (गुजरात) डॉ. एम.एल. कासारे, वर्धा (महा.) प्रो. टी. करुणाकरण, वर्धा (महा.) प्रो. रामप्रकाश द्विवेदी, वाराणसी (उ.प्र.)
4.	अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	18.04.2017	प्रो. चंद्रशेखर भट्ट, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना) प्रो. अवधेश कुमार सिंह, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5.	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	28.01.2019	प्रो. जॉन मीनाचेरी, प्रिंसिपल, मातृ सेवा संघ समाज कार्य संस्थान, नागपुर (महा.) प्रो. एल.पी. पटेरिया, प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन विभाग, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छग.)
6.	शिक्षा विद्यापीठ	26.06.2018	प्रो. नमिता रंगनाथन, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली प्रो. चन्द्रभूषण शर्मा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, ए–24–25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर–62, नोएडा–201309 (उ.प्र.)
7.	प्रबंधन विद्यापीठ	22.11.2018	प्रो. नीना सिन्हा, यू.एस.एम.एड.आई.सी., दिल्ली प्रो. संतोष सदार, अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती (महाराष्ट्र)

विश्वविद्यालय के अधिकारी	
कुलाध्यक्ष	माननीय श्री राम नाथ कोविन्द
कुलाधिपति	प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी
कुलपति	प्रो. गिरीश्वर मिश्र
प्रतिकुलपति	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा
अधिष्ठाता : भाषा विद्यापीठ	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
अधिष्ठाता : साहित्य विद्यापीठ	प्रो. प्रीति सागर
अधिष्ठाता : संस्कृति विद्यापीठ	प्रो. लेला कारूण्यकरा (... से 06.01.2019) प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी (07.01.2019 से ...)
अधिष्ठाता : अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	प्रो. देवराज (... से 29.03.2019) प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल (30.03.2019 से ...)
अधिष्ठाता : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. मनोज कुमार (... से 30.07.2018) प्रो. कृपाशंकर चौबे (31.07.2018 से ...)
अधिष्ठाता : शिक्षा विद्यापीठ	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा (... से 14.06.2018) प्रो. गिरीश्वर मिश्र (15.06.2018 से 04.03.2019) प्रो. मनोज कुमार (05.03.2019 से ...)
अधिष्ठाता : प्रबंधन विद्यापीठ	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा (... से 14.06.2018) प्रो. गिरीश्वर मिश्र (15.06.2018 से 04.03.2019) प्रो. मनोज कुमार (05.03.2019 से ...)
अधिष्ठाता : विधि विद्यापीठ	प्रो. मनोज कुमार
अधिष्ठाता : छात्र–कल्याण	प्रो. अनिल कुमार राय (... से 26.10.2018) प्रो. कृपाशंकर चौबे (27.10.2018 से ...)
अधिष्ठाता : अकादमिक	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल (01.08.2018 से 20.09.2018)
अधिष्ठाता : शोध	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा (... से 31.07.2018) प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल (01.08.2018 से 20.09.2018)
कुलानुशासक	डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर (... से 27.12.2018) प्रो. मनोज कुमार (27.12.2018 से ...)
कुलसचिव (कार्यकारी) एवं परीक्षा नियंत्रक	श्री क़ादर नवाज़ ख़ान (... से 01.06.2018) प्रो. कृष्ण कुमार सिंह (01.06.2018 से ...)
वित्ताधिकारी	श्री क़ादर नवाज़ ख़ान
पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. मैत्रेयी घोष
अकादमिक संयोजक	डॉ. शोभा पालीवाल
संपादक	श्री अशोक कुमार मिश्र
क्षेत्रीय निदेशक (दूर शिक्षा)	डॉ. रवीन्द्र टी. बोरकर डॉ. एम. एम. मंगोडी डॉ. पी.के. पतंजलि
सहायक संपादक	श्री राकेश श्रीमाल डॉ. अमित कुमार विश्वास
जनसंपर्क अधिकारी	श्री बी.एस. मिरगे
राजभाषा अधिकारी एवं प्रकाशन प्रभारी	श्री राजेश कुमार यादव
सहायक क्षेत्रीय निदेशक	श्री यशराज सिंह पाल डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी
सहायक कुलसचिव (स्थापना एवं प्रशासन)	श्री सुशील बी. पखिडे
सहायक कुलसचिव (कुलपति कार्यालय, भंडार एवं क्रय, परिषद)	श्री राजेश अरोड़ा
सहायक कुलसचिव (परिसर विकास)	डॉ. राजेश्वर सिंह
सहायक कुलसचिव (अकादमिक)	डॉ. ज्योतिष पायेंङ
सहायक कुलसचिव (दूर शिक्षा)	श्री विनोद वैद्य

विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष / केंद्र निदेशक / प्रभारी	
विभागाध्यक्ष : भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय
निदेशक : सूचना एवं अभियांत्रिकी केंद्र	प्रो. विजय कुमार कौल
निदेशक : विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
विभागाध्यक्ष : हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह
विभागाध्यक्ष : गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी
विभागाध्यक्ष : जनसंचार विभाग	प्रो. अनिल कुमार राय (... से 26.10.2018) प्रो. कृपाशंकर चौबे (29.10.2018 से ...)
विभागाध्यक्ष : स्त्री अध्ययन विभाग प्रभारी : स्त्री अध्ययन विभाग	प्रो. शंभू गुप्त (04.09.2018 को सेवानिवृत्त) डॉ. सुप्रिया पाठक (04.09.2018 से ...)
निदेशक : डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	प्रो. लेला कारूण्यकरा
निदेशक : महात्मा गांधी फ्यूजी–गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र	प्रो. मनोज कुमार
प्रभारी : डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह
प्रभारी : अनुवाद अध्ययन विभाग प्रभारी : अनुवाद अध्ययन विभाग विभागाध्यक्ष : अनुवाद अध्ययन विभाग	डॉ. राम प्रकाश यादव (... से 09.10.2018) डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी (09.10.2018 से 13.10.2018) प्रो. देवराज (13.10.2018 से ...)
प्रभारी : डायस्पोरा अध्ययन विभाग	डॉ. राजीव रंजन राय
विभागाध्यक्ष : मानवविज्ञान विभाग	प्रो. फरहद मलिक
विभागाध्यक्ष : प्रदर्शनकारी कला विभाग	डॉ. ओमप्रकाश भारती डॉ. सतीश पावडे प्रो. अखिलेश कुमार दुबे
विभागाध्यक्ष : शिक्षा विभाग	डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर
विभागाध्यक्ष : मनोविज्ञान विभाग	डॉ. शिरीष पाल सिंह
विभागाध्यक्ष : प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	डॉ. शिरीष पाल सिंह
प्रभारी : अंग्रेज़ी विभाग	सुश्री मैत्रेयी
प्रभारी : उर्दू विभाग	डॉ. हिमांशु शेखर
प्रभारी : संस्कृत विभाग	श्री लेखराम दन्नाना
प्रभारी : मराठी विभाग	श्री धर्मेन्द्र शंभरकर
निदेशक : दूर शिक्षा निदेशालय	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह
प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद	प्रो. संतोष भदौरिया (... से 01.07.2018) डॉ. विधु खरे दास (02.07.2018 से ...)
प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता	प्रो. कृपाशंकर चौबे (... से 29.12.2018) डॉ. सुनील कुमार (14.01.2019 से ...)
प्रभारी, लीला	श्री गिरीश चन्द्र पांडेय
प्रभारी, परीक्षा	श्री कौशल किशोर त्रिपाठी

विभिन्न समितियों के संयोजक/समन्वयक/अधिकारी	
प्रभारी/संयोजक	समितियाँ
प्रो. गिरीश्वर मिश्र	कुलपति एवं अध्यक्ष नवाचार क्लब/आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ/पुस्तकालय सलाहकार समिति/रैंगिंग विरोधी समिति
प्रो. मनोज कुमार	समन्वयक, सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ/शिकायत निवारण प्रकोष्ठ/विश्वविद्यालय उद्योग प्रकोष्ठ/लायज़न ऑफिसर, अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ/नोडल अधिकारी, उन्नत भारत/सुगम्य भारत अभियान, मुख्य सतर्कता अधिकारी
कुलानुशासक	नोडल अधिकारी, रैंगिंग विरोधी दल
प्रो. अवधेश कुमार	भेदभाव विरोधी अधिकारी
डॉ. शोभा पालीवाल	समन्वयक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	प्रभारी, खेल समिति
डॉ. रवि कुमार	समन्वयक, ज्ञान प्रबंधन पॉलिसी निर्माण समिति
डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र	समन्वयक, व्यवसाय परामर्श, रोज़गार सूचना एवं नियोजन प्रकोष्ठ
डॉ. मैत्रेयी घोष	समन्वयक, महिला उत्पीड़न के विरुद्ध समिति
डॉ. सुप्रिया पाठक	समन्वयक, जेंडर संवेदनशीलता समिति
डॉ. अवंतिका शुक्ला	प्रभारी, वाद–विवाद प्रकोष्ठ
डॉ. शंभू जोशी	पूर्व छात्र संघ एवं पालक संचार प्रकोष्ठ
डॉ. रवीन्द्र टी. बोरकर	प्रतियोगी परीक्षाओं एवं नेट/सेट के लिए अनुशिक्षण कक्षाएँ तथा व्यवसायोन्नति प्रकोष्ठ
श्री राजेश कुमार यादव	राजभाषा समिति/न.रा.का.स.
डॉ. शंभू जोशी	जनसूचना अधिकारी
श्री गिरीश चन्द्र पाण्डेय	समन्वयक, डिजिटल इंडिया विक
श्री संदीप मधुकर सपकाळे	परामर्शदाता, समान अवसर प्रकोष्ठ
श्री क़ादर नवाज़ खान	नोडल अधिकारी, वेब पोर्टल तथा ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन
श्री राजेश लेहकपुरे	संयोजक, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा पर्यावरण क्लब

परिसर में विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाएँ

विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है –

1. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / दिव्यांग श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क में छूट दी जाती है।
2. छात्रावास : नियमित पाठ्यक्रम के छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती है। छात्रावास से संबंधित विश्वविद्यालय में लागू अध्यादेश / नियम के अनुसार छात्रावास में प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है।
3. लीला (LILA) एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला : 'लीला' (Laboratory in Informatics for the Liberal Arts) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित सूचना–प्रौद्योगिकी अनुषंग है। इक्कीसवीं सदी की विश्व व्यवस्था में सामान्यतः और शिक्षा के क्षेत्र में विशेषतः सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की केंद्रीय उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अभिकलन (Computing) से प्रगाढ़ व्यावहारिक परिचय को अनिवार्य पाठ्यचर्या के रूप में अपनी पाठ्यसंहिता के अंतर्गत रखा है। विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में अभिकलन–आधारित पाठ्यचर्याओं का निर्धारण एवं शिक्षण, अभिकलनमूलक स्वतंत्र पाठ्यक्रमों को चलाना, 'लीला' की जिम्मेदारियाँ हैं। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कंप्यूटर के अनिवार्य–शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।
4. केंद्रीय पुस्तकालय : महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों से संबंधित एक लाख से अधिक पाठ्यपुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के उपयोग हेतु महत्वपूर्ण शोध–पत्रिकाएँ एवं ऑनलाइन जर्नल उपलब्ध हैं।
5. क्रीड़ा और खेलकूद : विश्वविद्यालय स्तर का छात्र शारीरिक गतिविधियों तथा संगठित खेलकूद और खेल कार्यक्रमों के महत्व से अवगत होता है जिन्हें उसके शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ जोड़ना आवश्यक है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय खेलकूद मैदानों / स्थानों तथा क्रीड़ा उपकरणों के रूप में आधारभूत सुविधाएँ प्रदान करता है।
6. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र : विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जा रहा है।

विदेशियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रमुख दायित्वों में से एक हिंदी को विश्वभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना भी है। अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी के विकास के लिए केंद्रीय और समन्वयक अभिकरण के रूप में कार्य करने के लिए भी विश्वविद्यालय निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय ने सौंपे गए और अपेक्षित दायित्वों को पूरा करने के लिए विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ विदेशी विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों का संचालन, प्रबंधन, नियमन और शिक्षण करता है। अब तक इन पाठ्यक्रमों में यूरोप, अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों– जर्मनी, पोलैंड, बेल्जियम, क्रोएशिया, हंगरी, श्रीलंका, थाईलैंड, मॉरीशस, चीन, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, नेपाल, कोरिया, यू.एस.ए. आदि के विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर चुके हैं। विश्वविद्यालय ने विभिन्न महाद्वीपों के 11 देशों के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक अनुबंध किया है। ये देश हैं –श्रीलंका, हंगरी, मॉरिशस, जापान, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, रूस, चीन आदि।

संचालित पाठ्यक्रम :

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	लक्ष्य / पात्रता
1	आधार पाठ्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे विदेशी विद्यार्थी जिनका हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि से कोई परिचय नहीं है।
2	अल्पावधि गहन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे विदेशी विद्यार्थी जिन्होंने कम–से–कम 1 सेमेस्टर का हिंदी पाठ्यक्रम से पूरा किया है।
3	प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	12 सप्ताह (3 माह)	उन विदेशी विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम का शिक्षण जिनके साथ विश्वविद्यालय का अनुबंध है।
4	डिप्लोमा पाठ्यक्रम	2 सेमेस्टर (कोई विद्यार्थी 1 सेमेस्टर की पढ़ाई के बाद प्रमाणपत्र लेकर पाठ्यक्रम छोड़ सकता है।)	हिंदी भाषा से सामान्य परिचय अथवा 4 सप्ताह का आधार पाठ्यक्रम
5	बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति	6 सेमेस्टर	10+2 और / डिप्लोमा पाठ्यक्रम
6	एम.ए. हिंदी	4 सेमेस्टर	बी. ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति
7	पीएच.डी.	4–10 सेमेस्टर	संबद्ध विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि अथवा समतुल्य

शुल्क : $US : 238 प्रतिमाह (शिक्षण शुल्क, छात्रावास, भोजन, बिजली, इंटरनेट और व्यायामशाला, जिम की सुविधाएँ सम्मिलित)

सुविधाएँ : फ़ादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास (वातानुकूलित) में आवासीय सुविधा, वातानुकूलित व्याख्यान कक्ष, कंप्यूटर प्रयोगशाला, आईसीटी कक्ष एवं भाषा प्रयोगशाला, इंटरनेट (वाई–फाई), व्यायामशाला एवं क्रीड़ा–स्थल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, छात्र–मित्र आदि।

आवासीय लेखक (राइटर-इन-रेजीडेंस)

विश्वविद्यालय में एक अनूठी संकल्पना के तहत 'राइटर–इन–रेजीडेंस' का पद सृजित किया गया है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में अकादमिक और सांस्कृतिक वातावरण को विकसित करना है। अकादमिक उन्नयन की दृष्टि से एम.ए. स्तर के पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए अतिथि लेखकों को विश्वविद्यालय ने जोड़ा। एम.ए. अहिंसा एवं शांति अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए प्रो. नंद किशोर आचार्य और एम.ए. हिंदी साहित्य पाठ्यक्रम के लिए डॉ. प्रभात त्रिपाठी को अतिथि लेखक के रूप में नियुक्त किया गया। अतिथि लेखक का नाम आवासीय लेखक (राइटर–इन–रेजीडेंस) हो गया। प्रख्यात रंगकर्मी श्री हबीब तनवीर, श्री आलोक धन्वा, श्री राजकिशोर, श्री से.रा. यात्री, डॉ. सुरेश शर्मा, डॉ. विजय मोहन सिंह, श्री संजीव, श्री विनोद कुमार शुक्ल, प्रो. दूधनाथ सिंह, श्री ऋतुराज, प्रो. वागीश शुक्ल, श्री मदन सोनी, डॉ. अरुणेश नीरन, प्रो. अजित कुमार दलाल, श्रीमती चित्रा मुद्गल, प्रो. रमेश दवे, डॉ. दामोदर खड़से, डॉ. प्रतिभा राय, डॉ. सूर्यबाला, श्री महेश कटारे और श्री नवनीत मिश्र, आवासीय लेखक के रूप में और डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, श्री अरविंद मोहन, श्री नारायण कुमार और डॉ. शंकर लाल पुरोहित अतिथि अध्येता के रूप में परिसर में रहते हुए सृजन और अध्ययन करते रहे हैं। विश्वविद्यालय ने प्रो. एस. शेषारत्नम, प्रो. पुष्पिता अवस्थी, श्री मारुति चित्तमपल्ली और श्री आनंद भारती को राइटर–इन–रेजीडेंस के रूप में आमंत्रित किया। आवासीय लेखक तथा अतिथि अध्येता का पद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विभिन्न अनुशासनों के विद्यार्थी आवासीय लेखकों/अतिथि अध्येताओं से मिलकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं, जिससे उन्हें अपने शोध कार्य में मदद मिलती है। आवासीय लेखकों/अतिथि अध्येताओं की उपस्थिति से परिसर में संवाद और शैक्षिक वातावरण जीवंत होता है। वर्तमान में आवासीय लेखकों/अतिथि अध्येताओं का विवरण निम्नानुसार है

प्रो. एस. शेषारत्नम

साहित्यकार

जन्म : एलापाडु, जिला – कृष्णा, आंध्र प्रदेश

शिक्षा : पी–एच.डी., डी.लिट्.

कृतियाँ : दिनकर की कविता में विचार तत्व', 'डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व', 'समकालीन हिंदी दलित कविता : संवेदना एवं मूल्य दृष्टि', 'आधुनिक हिंदी साहित्य में चित्रित युद्ध की समस्या एवं उसकी प्रासंगिकता', 'मुक्त/दूर विद्या की आवश्यकता, अनिवार्यता एवं सार्वजनीनता', 'तेलुगु साहित्य की विविध विधाएँ', 'आपातकालीनोत्तर हिंदी कविता में पुराख्यानों की प्रासंगिकता', 'लोकानुरूप राम', 'हिंदी साहित्य को तेलुगु साहित्यकारों का योगदान', 'तेलुगु बाल साहित्य की विविध विधाएँ' आदि।

सम्मान : 'हिंदीतर भाषी हिंदी लेखक पुरस्कार', 'गंगाशरण सिंह पुरस्कार', साहित्य अकादमी पुरस्कार', 'वैश्विक सम्मान', 'सौहार्द पुरस्कार', 'साहित्य साधना सम्मान', 'हिंदी भाषा सम्मान' आदि।

संपर्क : 4–66–1/1, लॉसन्स बे कॉलोनी, विशाखापट्टनम–530017

मो. : 9848408040

ई–मेल : sesharatnam.surapaneni@gmail.com

प्रो. पुष्पिता अवस्थी

साहित्यकार

जन्म : 14 जनवरी, 1962, गुरगाँव, कानपुर (उ.प्र.)

शिक्षा : पी–एच.डी.

कृतियाँ : 'सूरीनाम का सृजनात्मक साहित्य', 'शब्द बनकर रहती हैं ऋतुएँ', 'अक्षत', 'ईश्वराशीष', 'हृदय की हथेली', 'रस गगन गुफा में अझर झरै', 'अंतर्ध्वनि', 'देववृक्ष', 'शैली प्रतिमाओं से', 'तुम हो मुझमें', 'छिन्नमूल', 'गोखरू', 'जन्म', 'भोजपत्र', 'आधुनिक काव्यालोचना के सौ वर्ष', 'कैरेबियाई देशों में हिंदी शिक्षण' आदि ।

सम्मान : डॉ. मोटूरिनारायण पुरस्कार, कैरेबियाई राष्ट्रीय हिंदी सेवा पुरस्कार (2004), सूरीनाम हिंदी सेवा सम्मान (2005), राष्ट्रीय साहित्य पुरस्कार (2007), शमशेर सम्मान (2008), हाउस ऑफ लार्ड सम्मान, लंदन (2013), आधारशिला सम्मान, नीदरलैंड (2014) आदि।

संपर्क : सुश्री पुष्पिता अवस्थी, निदेशक, हिंदी यूनिवर्स फाउंडेशन, पो. बा. 1080, 1810 के.बी. अलकमार, द नीदरलैंड

फोन. : 0031–72–540–2005

ई–मेल : info@pushpitaawasthi.com

श्री मारूति चित्तमपल्ली

पर्यावरण विशेषज्ञ, वन्यजीव संरक्षणवादी एवं सेवानिवृत्त उपवनसंरक्षक

जन्म : 05 नवंबर 1932

शिक्षा : दयानंद कॉलेज, सोलापुर से स्नातक, कोयम्बटूर फॉरेस्ट कॉलेज, बेंगलुरु, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, दिल्ली और देहरादून के वानिकी एवं वन्यप्राणी आदि संस्थानों से व्यवसायिक प्रशिक्षण, नांदेड, पुणे, पनवेल में विख्यात संस्कृत पंडितों से परंपरागत पद्धति से संस्कृत का अध्ययन एवं वन्य जीव प्रबंधन, वानिकी, वन्यप्राणियों एवं पक्षियों के व्यवहार संबंधी विशेष अध्ययन एवं शोध कार्य।

कृतियाँ : आनंददायी बगळे (संस्कृत साहित्यातील काही पक्षी), आपल्या भारतातील साप, केशराचा पाउस चित्रग्रीव–एक कबुतराची कथा, जंगलाचं देणं, जंगलाची दुनीया, पक्षिकोष, मृगपखिशास्त्र आदि।

सम्मान : नागभूषण पुरस्कार (2008), एस.डी.पाटील समाजसेवा पुरस्कार (2012), उत्कृष्ट साहित्य निर्माता राज्य पुरस्कार (1991–92), महराष्ट्र राज्य के मराठी विभाग द्वारा विंदा करंदीकर जीवन गौरव पुरस्कार (2017) आदि।

संपर्क : आर–1, अविरिका अपार्टमेंट, आठ रास्ता चौक, लक्ष्मीनगर, नागपुर – 440022

मो. : 7774897059

श्री आनंद भारती

पत्रकार

जन्म : 03 मार्च, 1956 (खगड़िया) बिहार

शिक्षा : एम.ए.

कृतियाँ : धर्मयुग, दिनमान, संडे ऑब्जर्वर, राष्ट्रीय सहारा, सहारा समय, लोकमत समाचार, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, दैनिक हिंदुस्तान सहित अनेक पत्र–पत्रिकाओं में विशेष रिपोर्टिंग और फीचर लेखन/राजनीतिक विश्लेषण। वर्ष 2015–16 में दिल्ली में रहकर भाजपा नेता और पूर्व राज्यपाल (स्व.) केदारनाथ साहनी की जीवनी के लिए रिसर्च और किताब का संपादन। कई टीवी धारावाहिकों और कुछ फिल्मों की स्क्रिप्ट राइटिंग/टीवी के लिए रिसर्च।

संपर्क : 401, रावी बिल्डिंग, जांगिड़ काम्प्लेक्स, नियर सिल्वर पार्क, मीरा रोड, मुंबई–401107

मो. : 9643413909/ 9920127771

ई–मेल : anandbharti03@gmail.com

विश्वविद्यालय के विद्यापीठ : विभाग एवं केंद्र

भाषा विद्यापीठ
भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
सूचना तथा भाषा अभियांत्रिकी केंद्र
विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र

साहित्य विद्यापीठ
हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
संस्कृत विभाग
उर्दू विभाग
अंग्रेजी विभाग
मराठी विभाग
प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म एवं नाटक)

संस्कृति विद्यापीठ
गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
स्त्री अध्ययन विभाग
डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र
डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ
अनुवाद अध्ययन विभाग
प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
जनसंचार विभाग
मानवविज्ञान विभाग
महात्मा गांधी फ्यूजी–गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र

शिक्षा विद्यापीठ
शिक्षा विभाग
मनोविज्ञान विभाग

प्रबंधन विद्यापीठ
वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग

विधि विद्यापीठ (पाठ्यक्रम संचालित करने की प्रक्रिया जारी है)

क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज (इलाहाबाद)

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

1. भाषा विद्यापीठ

यह विद्यापीठ हिंदी भाषा की प्रभावी कार्यात्मक क्षमता के विकास के प्रति समर्पित है। इस हेतु यह विद्यापीठ हिंदी भाषा के वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी अध्ययन में संलग्न है। यहाँ पर भारतीय भाषाओं के परिप्रेक्ष्य में विशेषतः देश और दुनिया की भाषाओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन और शोध पर विशेष कार्य किया जा रहा है। यह विद्यापीठ शोध, शिक्षण और प्रशिक्षण के विविध पाठ्यक्रमों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में हिंदी की प्रभावी भूमिका को रेखांकित करने के साथ विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयत्नशील है।

इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्नलिखित विभाग और केंद्र संचालित हैं :

1.1 भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
1.2 सूचना तथा भाषा अभियांत्रिकी केंद्र
1.3 विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र

1.1 भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

इस विभाग के उद्देश्य हैं : भाषा प्रौद्योगिकी के नए उभरते अनुशासन में विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तायुक्त रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करना। हिंदी भाषा का सम्यक विकास तथा अन्य भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के साथ संवाद स्थापित करना। उपलब्ध भाषा वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय ज्ञान को हिंदी में प्रस्तुत कर विश्व क्षितिज पर उपस्थित भाषाओं के साथ समकक्षता अर्जित करना। भाषा वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय अनुसंधानों के द्वारा विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और अग्रणी भूमिका के लिए तैयार करना। अद्यतन भाषा प्रौद्यौगिकी से परिचय और हिंदी हेतु उसके अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान करना।

पाठ्यक्रम : • बी.ए. भाषाविज्ञान (ऑनर्स) • एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी • एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी • पी–एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी • भाषा शिक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • भाषा विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

- (19–25 जून 2018). शब्दकोश शोधन प्रशिक्षण कार्यशाला।
- (25 अक्टूबर 2018). प्रो. गिरीश नाथ झा का 'भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी, मानक और सामग्री निर्माण –एक अवलोकन' विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (15 नवंबर, 2018). प्रो. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' का 'भर्तृहरि के वाक्यपदीय में आधुनिक भाषावैज्ञानिक अवधारणाएँ' विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (16 नवंबर, 2018). प्रो. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' का 'भर्तृहरि के वाक्यपदीय में पाश्चात्य अर्थवैज्ञानिक अवधारणाएँ' और 'पाश्चात्य अर्थविज्ञान के विभिन्न प्रारूप (टाइप्स)' विषयों पर विशेष व्याख्यान।

प्रो. उमाशंकर उपाध्याय के विशेष व्याख्यान : तिथि एवं विषय

- (03 दिसंबर, 2018). 'भाषा और लिपि' और 'भाषा चिंतन परंपरा'।
- (04 दिसंबर, 2018). 'भाषावैज्ञानिक शोध की विषयवस्तु' और 'संरचनात्मक शोध'।
- (05 दिसंबर, 2018) 'ऐतिहासिक शोध' और 'पाठ एवं प्रोक्ति विश्लेषण'।
- (04 फरवरी, 2019). 'ध्वनि परिवर्तन प्रक्रिया की सामाजिक क्रियाविधि' और 'स्वनिमिक विश्लेषण'।
- (05 फरवरी, 2019). 'रूपिम की पहचान एवं रूपिमिक प्रक्रिया' और 'शब्द साधन बनाम रूप साधन'।
- (06 फरवरी, 2019). 'पदबंध के संरचनात्मक और प्रकार्यात्मक स्तर एवं प्रकार' और 'संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक वाक्यगत कोटियाँ एवं प्रकार'।
- (07 फरवरी, 2019). 'कारकीय संबंध : भारतीय एवं पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य' और 'पूरक एवं व्यतिरेकी वितरण की अवधारणा'।
- (08 फरवरी, 2019). 'संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान' और 'भाषा विज्ञान के विभिन्न संप्रदाय'।
- (11 फरवरी, 2019). 'भाषा का सामाजिक संदर्भ' और 'भाषागत परिवर्तन प्रक्रिया का समाज भाषा वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य'।
- (12 फरवरी, 2019). 'व्यतिरेकी विश्लेषण एवं त्रुटि विश्लेषण' और 'कोशनिर्माण में सूचनाओं का व्यवस्थापन'।
- (13 फरवरी, 2019). 'शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण के विभिन्न स्तर' और 'भाषा शिक्षण एवं अनुवाद में व्यतिरेकी विश्लेषण की भूमिका'।
- (14 फरवरी, 2019). 'भारोपीय भाषा परिवार' और 'प्रजनक रूपांतरण व्याकरण : विभिन्न चरण एवं सिद्धांत'।
- (15 फरवरी, 2019). 'विभिन्न मॉडल : डीएसजी, जीपीएसजी, एलएफजी, एचपीएसजी, टीएजी आदि' और 'शोध–विषय का चयन, आँकड़ों का संकलन तथा प्रश्नावलियों का निर्माण'।
- (06 मार्च, 2019). 'स्वनविज्ञान बनाम स्वनिम विज्ञान' और 'स्वन, स्वनिम, सस्वन : स्वनिम और सस्वन निर्धारण'।
- (07 मार्च, 2019). 'स्वनिम निर्धारण के सिद्धांत' और 'रूपविज्ञान : परिभाषा, स्वरूप एवं शाखाएँ'।

- (08 मार्च, 2019). 'रूपिम : अवधारणा, प्रकार (रूप, रूपिम, संरूप)' और 'शब्दरचना, रूपसाधक, पदरचना'।
- (09 मार्च, 2019). 'हिंदी भाषा की रूपसंरचना एवं वाक्य संरचना' और 'कारक एवं कारकीय संबंध'।
- (11 मार्च, 2019). 'सस्यूर और आधुनिक भाषाविज्ञान का उदय' और 'संरचनात्मक भाषाविज्ञान के संप्रदाय और ब्लूमफील्ड'।

शोध परियोजना

प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल

- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा 'सामयिक अवधी का समाज भाषा वैज्ञानिक अध्ययन' विषय पर स्वीकृत बृहद् शोध परियोजना (2017–18), अवधि : 2 वर्ष।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
हनुमानप्रसाद शुक्ल	प्रोफेसर	03.01.2013	पी–एच.डी. हिंदी	महात्मा सर्वेश : जीवन और साहित्य	भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा शिक्षण, भारतीय काव्यशास्त्र, तुलनात्मक साहित्य
अनिल कुमार पांडेय	प्रोफेसर	15.06.2010	पी–एच.डी. भाषाविज्ञान	हिंदी और बांग्ला के विधेय पदबंधों का व्यतिरेकी अध्ययन (भाषाविज्ञान)	ध्वनि विज्ञान, रूपविज्ञान, वाक्य विज्ञान, कोश विज्ञान
एच.ए. हुनगुंद	सहायक प्रोफेसर	22.12.2006	पी–एच.डी. हिंदी	डॉ. बालशौर रेड्डी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भाषा एवं भाषाविज्ञान और अनुवाद
अनिल कुमार दुबे	सहायक प्रोफेसर	27.12.2006	पी–एच.डी. हिंदी	श्रीलाल शुक्ल के उपन्यास साहित्य का अनुशीलन	रूपविज्ञान, भाषाशिक्षण
धनजी प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	13.08.2012	पी–एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी	हिंदी संबंधवाची रचनाओं का आर्थी विश्लेषण : एक संगणकीय मॉडल	प्राकृतिक भाषा संसाधन, (NLP), रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

शुक्ल, हनुमानप्रसाद

- (13 अप्रैल, 2018). अनुवाद अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'अनुवाद कर्म : रचनात्मक अनुभव' विषय पर आयोजित व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता।
- (10–13 अक्टूबर, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित सारस्वत आयोजन (प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी एवं डॉ. अंबिकादत्त शर्मा के विशिष्ट व्याख्यान) के संयोजक।
- (14 दिसंबर, 2018). गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'भाषिक संदर्भ में हिंदी के विकास की दिशाएँ और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्तव्य।

पांडेय, अनिल कुमार

- (14 मई–10 जून, 2018). महामना पं. मदनमोहन मालवीय मिशन के अंतर्गत 'हिंदी शिक्षण–प्रशिक्षण केंद्र' म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग–मानव संसाधन विकास केंद्र, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में वर्धा में आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम में 09 जून, 2018 को विषय–विशेषज्ञ के रूप में 'हिंदी भाषा की वैज्ञानिकता' विषय पर व्याख्यान।
- (16 नवंबर –14 दिसंबर, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'संकाय प्रेरण कार्यक्रम' में 3 दिसंबर, 2018 को एक सत्र की अध्यक्षता।

हुनगुंद, एच.ए.

- (19–25 जून, 2018). भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'शब्दकोश शोधन प्रशिक्षण कार्यशाला' में सहभागिता।
- (30 जुलाई– 02 अगस्त, 2018). भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'पाठ्यक्रमों के पुनर्निर्माण एवं संशोधन–परिवर्धन विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
- (27 अगस्त–02 सितंबर, 2018). फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा

आयोजित 'शोध प्रविधि' कार्यशाला में सहभागिता।

- (25 जनवरी, 2019). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'मानवाधिकार' कार्यशाला में सहभागिता।
- (02 मार्च, 2019). न्यू आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा आयोजित एवं यूजीसी द्वारा प्रायोजित 'महात्मा @ 150' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'राष्ट्रभाषा हिंदी के लिए महात्मा गांधी का योगदान' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

दुबे, अनिल कुमार

- (2 फरवरी, 2019). यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण में साहित्य, समाज और मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पर्यावरण–संरक्षण और भाषा' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (21 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं. वि., वर्धा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का संयोजन।

प्रसाद, धनजी

- (19–25 जून, 2018). भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'शब्दकोश शोधन प्रशिक्षण कार्यशाला' में संयोजक–प्रशिक्षक और 1. 'शब्दकोश में त्रुटि–शोधन' एवं 2. 'शब्दकोश में प्रविष्टि और एकरूपता' विषयों पर विशेष व्याख्यान।
- (21–27 जून, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'योग कार्यशाला' में सहभागिता।
- (31 जुलाई, 2018). महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगीकरण संस्थान, वर्धा द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'हिंदी में टिप्पणी लेखन' विषय पर व्याख्यान।
- (29 दिसंबर, 2018). विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर 'हिंदी भाषा के विकास में विश्वविद्यालय के बढ़ते कदम' विषय पर वक्तव्य।
- (07–08 मार्च, 2019). टीचिंग लर्निंग सेंटर, आईआईटी, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित 'शेयरिंग टीचिंग–लर्निंग एक्सपीरिएंस कॉन्फ्रेरेंस (एसटीईसी, 2019)' में 'ब्लॉगिंग : ए डिजिटल वे टू शेयर स्टडी मटेरियल' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत।
- (09 मार्च, 2019). भाषाविज्ञान विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'रिलिवेंस ऑफ रूल बेस्ड एप्रोच इन एनएलपी' विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत।

प्रकाशन

शुक्ल, हनुमानप्रसाद

- (2018). विचार और अंतर्दृष्टि, नई दिल्ली : शिल्पायन, ISBN : 978–93–81610–94–7
- (2018). जे बूड़े सब अंग (सह–संपा. विजया सिंह) नई दिल्ली : शिल्पायन. ISBN : 978–93–81610–98–5
- (14 सितंबर, 2018). 'कैसे बनेगी हिंदी देश–भाषा', प्रभात खबर

पाण्डेय, अनिल कुमार

- (2019). वर्धा हिंदी कोश, परिवर्धित एवं संशोधित द्वितीय संस्करण, (संपादन) नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ, ISBN : 978–93–263–5229–1

हुनगुंद, एच. ए.

- (नवंबर–दिसंबर, 2018). 'प्रयोजनमूलक हिंदी की संकल्पना', 115–19, स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसीप्लिनरी स्टडीज, VI, 48, ISSN : 2278–8808
- (02 मार्च, 2019). 'राष्ट्र भाषा हिंदी के लिए महात्मा गांधी का योगदान' इंटरनेशनल मल्टीनेशनल रिसर्च जर्नल, ISSN : 23199318

प्रसाद, धनजी

- (2019). हिंदी का संगणकीय व्याकरण, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन।
- (जुलाई–सितंबर, 2018). 'मशीनी अधिगम : खुद से सीखती हैं मशीनें', विज्ञान आपके लिए (मुख्य संपा. डॉ. ओम प्रकाश शर्मा), 3 (18), 03–05, गाजियाबाद : लोक विज्ञान परिषद, ISSN : 2321–5321

उपलब्धि

हनुमानप्रसाद शुक्ल

निदेशक : मानक हिंदी प्रयोग कोश, कॉपर्स बेस्ड ऑनलाइन परियोजना, भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

अन्य जानकारी

हनुमानप्रसाद शुक्ल

- अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- अधिष्ठाता, अकादमिक एवं शोध, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- निदेशक, आनंद के. कुमारस्वामी अंतरराष्ट्रीय भाषा एवं संस्कृति संस्थान, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- निदेशक, विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- सदस्य, विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्, नई दिल्ली द्वारा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पीठ के लिए प्रोफेसर के रूप में चयनित।
- अध्यक्ष, संस्थागत शैक्षिक सत्यनिष्ठ पैनल।
- अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड, भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- अध्यक्ष, परिनियम तथा अध्यादेश समीक्षा एवं संशोधन समिति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- विश्वविद्यालय द्वारा गठित अनेक समितियों के अध्यक्ष / संयोजक / सदस्य।

अनिल कुमार पाण्डेय

- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- सदस्य, विद्यापरिषद्, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- सदस्य, स्कूल बोर्ड भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- विश्वविद्यालय द्वारा गठित अनेक समितियों के अध्यक्ष / संयोजक / सदस्य।

एच. ए. हुनगुंद

- सदस्य, स्कूल बोर्ड भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- सदस्य, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- नोडल अधिकारी (स्वच्छता दिवस), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

अनिल कुमार दुबे

- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।

धनजी प्रसाद

- भाषा विद्यापीठ की 'मानक हिंदी प्रयोग कोश परियोजना' की विशेष कार्य समिति में सदस्य।
- म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के 'वर्धा हिंदी शब्दकोश' के संशोधित में तकनीकी सहयोग।

संपादन एवं संपादन मंडल की सदस्यता

- म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा निर्मित 'भोजपुरी–हिंदी–अंग्रेजी शब्दकोश' में उपसंपादक।
- 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हिंदी रिसर्च' (ISSN : 2455–2232) संपादन मंडल में सदस्या संपादक डॉ. माधवी शर्मा, प्राचार्य, डी.बी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खेरली, अलवर, राजस्थान
- 'मीडिया पथ' पत्रिका (ISSN :2454–227X) के संपादकीय मंडल में सदस्य। संपादक : बलराम बिंद, मैरीटार, जिला–बलिया।

ऑनलाइन–समूह में सदस्यता

- 'हिंदी शिक्षण बंधु' ऑनलाइन समूह में सदस्य, लिंक : https://groups,google.com/forum/#!forum/hindishikshakbandhu!
- वैश्विक हिंदी सम्मेलन, ऑनलाइन समूह में सदस्य लिंक : https://groups,google.com/forum/#!forum/#!hindimumbai! (निदेशक : डॉ. एम. एल. गुप्ता 'आदित्य) बेबसाईट– www.vhindi.in

1.2 सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र

भाषा विद्यापीठ के अंतर्गत स्थापित सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र (जो पूर्व में कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग था) देश का एक अनूठा केंद्र है जो कि कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न पाठ्यक्रमों को पूर्णतः हिंदी माध्यम से सन् 2008 से निरंतर संचालित कर रहा है। प्राकृतिक भाषा का कंप्यूटर टेक्नोलॉजी माध्यम द्वारा मानवहित में नवीन एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर निर्माण एवं अध्ययन कार्य संगणकीय भाषाविज्ञान अर्थात् कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स है। संगणकीय भाषाविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी का एक विशिष्ट एवं अनिवार्य अंग होते हुए प्रौद्योगिकी के अन्य आयामों जैसे कि स्पीच टेक्नोलॉजी, डिजीटल सिग्नल प्रोसेसिंग, इमेज प्रोसेसिंग इत्यादि से परिपूर्ण है। इस विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का उद्देश्य अंतरानुशासिक विषयों जैसे भाषाविज्ञान, संगणक विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है। ये कार्यक्रम विद्यार्थियों पर केंद्रित हैं और नवाचारों को बढ़ावा देने वाले हैं। कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य विद्यार्थियों में समीक्षात्मक सोच का निर्माण करना है। विभाग में प्रयुक्त की जाने वाली शिक्षण पद्धति है– सैद्धांतिक चर्चा, हैंड्स ऑन सेशन, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति पर चर्चा शोध क्षेत्र, प्राकृतिक भाषा संसाधन, मशीनी अनुवाद, भाषा संश्लेषण, वाक् कॉर्पस, हिंदी : ओ.सी.आर., संगणक विज्ञान, कृत्रिम बुद्धि, संज्ञान विज्ञान, फॉरेंसिक भाषाविज्ञान। विभाग का उद्देश्य वर्तमान परिदृश्य में प्रौद्योगिकी की आवश्यकताओं के अनुरूप हिंदी के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना है। विभाग भाषा तकनीकी और कंप्यूटर के प्रायोगिक ज्ञान हेतु आधुनिक प्रयोगशाला और आईसीटी कक्षाओं से परिपूर्ण है।

पाठ्यक्रम : • मास्टर ऑफ इन्फॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग • मास्टर ऑफ कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स • एम.फिल. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स • पी–एच.डी. इन्फॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग • पी–एच.डी. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स • पी.जी.डी.सी.ए. • डी.सी.ए.।

गतिविधिः • (12–17 मार्च, 2019). 'प्राकृतिक भाषा संसाधन' विषय पर डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह, इं.गां.रा.जन.वि., अमरकंटक द्वारा विशेष व्याख्यान।

शोध परियोजना

डॉ. हर्षलता पेटकर

• 'हिंदी तकनीकी एवं प्रबंधन विषयों पर लिखी गई पांडुलिपियों के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता योजना', अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
विजय कुमार कौल	प्रोफेसर एवं निदेशक	13.08.2012	पी–एच.डी. भाषाविज्ञान	कश्मीरी संयुक्त क्रियाओं का अर्थ विन्यासात्मक अध्ययन	सैद्धांतिक भाषाविज्ञान, कंप्यूटेशनल / अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान
पीयूष प्रताप सिंह	सहायक प्रोफेसर	21.03.2007	पी–एच.डी. कंप्यूटर एप्लिकेशन	प्राकृतिक भाषा के वातावरण में कुशल निरूपण और सूचना पुनर्प्राप्ति प्रणाली	कृत्रिम बुद्धि
हर्षलता पेटकर	सहायक प्रोफेसर	16.05.2016	पी–एच.डी. इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग	ज्ञान आधारित हिंदी वाक् से पाठ प्रणाली	प्राकृतिक भाषा संसाधन, वाक् प्रौद्योगिकी

प्रकाशन

कौल, विजय कुमार

• (2018). 'भारत में भाषाविज्ञान की पारंपरिक व वैज्ञानिक धाराएँ : साहित्य', संगणक और तंत्रिका–विज्ञान (सं. प्रो. प्रसंनांशु एवं प्रो. विजय कुमार कौल), ISBN : 9789385212079

1.3 विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र

भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र' (16 मार्च, 2009 को स्थापित) 'विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र' के रूप में 5 फरवरी, 2016 को पुनर्गठित। इस केंद्र के उद्देश्य हैं– हिंदी भाषा के माध्यम से विदेशी छात्रों को पढ़ाना। हिंदी और विदेशी भाषाओं के बीच संचार की संभावनाओं का अन्वेषण। छात्रों को शिक्षित करने और उन्हें विदेशी भाषाओं के क्षेत्र में रोजगार के लिए तैयार करना। हिंदी माध्यम के छात्रों को गाइड करना। विदेशी छात्रों को हिंदी पढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिंदी भाषा का विस्तार करना।

पाठ्यक्रम : • प्रमाणपत्र : स्पेनिश, चीनी, जापानी, फ्रेंच • डिप्लोमा : स्पेनिश, चीनी, जापानी, फ्रेंच • एडवांस्ड डिप्लोमा : स्पेनिश, चीनी, जापानी, फ्रेंच • बी.ए. (ऑनर्स) : स्पेनिश, चीनी, जापानी, फ्रेंच • एम.फिल. स्पेनिश • पी–एच.डी. स्पेनिश • अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी में आधार पाठ्यक्रम • अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी में गहन पाठ्यक्रम • अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम • अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी में बी.ए. पाठ्यक्रम • अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी में एम.ए. पाठ्यक्रम।

शोध परियोजना

कुमार, रवि

• भारत–लैटिन अमेरिकी संबंध : साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अंतर्संबंधों का अन्वेषण।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
हनुमानप्रसाद शुक्ल	निदेशक	03.01.2013	पी–एच.डी.(हिंदी)	महात्मा सर्वेश : जीवन और साहित्य	काव्यशास्त्र / तुलनात्मक साहित्य / अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान
रवि कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	21.03.2007	पी–एच.डी. (स्पेनिश)	1986 से क्यूबा में राजनीतिक और आर्थिक सुधार प्रक्रिया	स्पेनिश भाषा, साहित्य संस्कृति / लैटिन अमेरिकी अध्ययन
अनिर्बाण घोष	सहायक प्रोफ़ेसर	09.07.2007	पी–एच.डी. (चीनी)	चीन–भारतीय द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंध (1979–1999)	चीनी भाषा और संस्कृति
सन्मति जैन	सहायक प्रोफ़ेसर	24.07.2013	एम.ए. (जापानी)	...	जापानी भाषा और संस्कृति
संदीप कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	03.05.2017	पी–एच.डी. (फ्रेंच)	केबेक और हिंदी उपन्यासों में आंगोआस	फ्रेंच भाषा और साहित्य

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

कुमार, रवि

- (14 अप्रैल, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के युवा विकास केंद्र द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'जीवन दक्षता का विकास कैसे करें' विषय पर व्याख्यान।
- (1–3 नवंबर, 2018). 'आर्टिस्टिक, लिटेरेरी एण्ड पेडागोगिक इनोवेशन्स इन द हिस्पानिक वर्ल्ड : इंटरडिस्सिपलनरी एप्रोचेज एण्ड ट्रेंड्स' विषय पर इंगलिश एण्ड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ट्रांस कल्चरलिज्म एण्ड बोर्डर नोसिस इन अमेरिकाज : इंटरप्ले ऑफ पावर / नॉलेज इन टोनी मोरिस मेरसी फ्रॉम लैटिन अमेरिकन सबाल्टर्न पर्सपेक्टिव' में सह–लेखक के रूप में शोध पत्र प्रस्तुति।
- (25 जनवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मानवाधिकार कार्यशाला' में सहभागिता।
- (02 फरवरी, 2019). 'पर्यावरण संरक्षण में साहित्य समाज और मीडिया की भूमिका' विषय पर यशवंत महाविद्यालय, वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इनवायरनमेंट कंजर्वेशन इन स्पेन : ए स्टडी ऑफ मीडियाज रेफलेक्सन' विषयक शोध पत्र प्रस्तुति।
- (11–13 फरवरी, 2019). 'मीडिया एंड कम्यूनिकेशन इन ससटेनवल डेवेलपमेंट' विषय पर विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉंफ्रेंस में 'लैटिन अमेरिका : एन अल्टरनेटिव मॉडेल ऑफ डेवेलपमेंट' विषयक शोध पत्र प्रस्तुति।
- (01 मार्च, 2019). 'लैटेस्ट ट्रेंड्स इन फॉरेन लैंग्वेज टीचिंग–लर्निंग एण्ड करिकुलम डिजाइनिंग' विषय पर वी.आई.टी., वेलोर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉंफ्रेंस में 'मेथड्स एण्ड एप्रोचेज ऑफ फॉरेन लैंग्वेज टीचिंग (एफ.एल.टी.): इवैल्यूएटिंग पेडागोगिकल पारालेल्स ऑफ स्पैनिश एण्ड हिंदी' विषयक शोध पत्र प्रस्तुति।
- (01 मार्च, 2019). 'दूओलिंगो एजूकेटर ट्रेनिंग प्रोगाम' में सहभागिता।

- (02 मार्च, 2019). 'महात्मा / 150' विषय पर न्यू आर्टस् कॉमर्स एण्ड साइंस कॉलेज, वर्धा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉफ्रेंस में 'ट्रेसिंग टेनेट्स ऑफ गांधियन वैल्यूज इन स्पेन एण्ड इंगलैंड' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुति।
- (08 मार्च, 2019). अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार एवं जे.एन.यू. नई दिल्ली द्वारा आयोजित वूमेन्स कॉनक्लेव, 2019 में सहभागिता।
- (05–29 मार्च, 2019). मानव संसाधन विकास केंद्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स इन ग्लोवल स्टडीज में भागीदारी।

घोष, अनिर्बाण

- (31 जुलाई, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता द्वारा मुंशी प्रेमचंद की 138 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 'चीन में प्रेमचंदः एक आलोचनात्मक अध्ययन' विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (13 जनवरी, 2019). प्रियदर्शिनी महिला महाविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित ''25 वीं विदर्भ पर्यावरण परिषद–2019'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पर्यावरण की चेतना में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की पहल' विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (25 जनवरी, 2019). यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा ''पर्यावरणीय संरक्षण में साहित्य, समाज एवं मीडिया की भूमिका'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत और चीन में जलवायु परिवर्तनः एक संक्षिप्त अवलोकन' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (18–19 फरवरी, 2019). ''भारत की अधिनियम पूर्व नीति के समरूप : भारत और आसीयान देशों के बीच साझेदारी में अवसरों, चुनौतियाँ एवं भविष्य के रूझान'' विषय पर कोलकाता सोसाइटी फॉर एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत और आसीयन तथा पूर्वी एशियाई देशों के बीच की सांस्कृतिक, अकादमिक संबंध बढ़ाने की सहयोग क्षेत्र' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (01 मार्च, 2019). ''विदेशी भाषा शिक्षण और पाठ्यक्रम तैयारियाँ'' विषय पर भाषा विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं भाषा विद्यापीठ, भेलोर तकनीकी संस्थान, तामिलनाडु द्वारा आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत और चीन में विदेशी भाषा शिक्षण : एक संक्षिप्त आलोचना' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (02 मार्च, 2019). 'महात्मा / 150' विषय पर न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एवं विज्ञान कॉलेज, वर्धा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'थान युनषान और महात्मा गांधी के बीच संपर्क : साहित्य में चीनी लोगों का दर्शन' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (07–08 मार्च, 2019). ''भारत में चीनी भाषा अध्ययन : वर्तमान रुझान और दृष्टिकोण'' विषय पर एशियाई भाषा विभाग, अरब एवं एशियाई अध्ययन विद्यापीठ, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्वत्रंतता के पहले भारत में चीनी अध्ययन : सन् 1943 में चीनी अकादमिक एवं सांस्कृतिक प्रतिनिधि मंडल की भारत सफर का इतिहास' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

जैन, सन्मति

- (14 मई–10 जून, 2018). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित ''अभिविन्यास पाठ्यक्रम'' में सहभागिता की जिसमें 'ए' श्रेणी प्राप्त किया।
- (19–25 जून, 2018). भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'शब्दकोश शोधन प्रशिक्षण कार्यशाला' में सहभागिता।
- (06–02 अगस्त, 2018). संस्कृत विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण कार्यशाला' में सहभागिता।
- (25 जनवरी, 2019). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मानवाधिकार कार्यशाला' में सहभागिता।
- (02 फरवरी, 2019). यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा ''पर्यावरणीय संरक्षण में साहित्य, समाज एवं मीडिया की भूमिका'' विषय पर आयोजित बहुविद्याशाखीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जापानी साहित्य एवं समाज में पर्यावरण चिंतन' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (16–17 फरवरी, 2019). मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल एंड अफेयर्स (Ministry of External & Embassy of Japan (Japanese Language Teachers' Training Centre, New Delhi) द्वारा तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणा में आयोजित Teachers Training Course C, में सहभागिता।
- (01 मार्च, 2019). भाषा विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं भाषा विद्यापीठ, वेलोर तकनीकी संस्थान, तामिलनाडु द्वारा ''विदेशी भाषा अध्ययन–अध्यापन एवं पाठय निर्माण में नवीनतम प्रयोग'' विषय पर आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी–भाषाओं को जापानी भाषा शिक्षण : मुद्दे एवं चुनौतियाँ विषय पर ऑनलाइन से शोध पत्र प्रस्तुत।
- (02 मार्च, 2019). न्यु आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा ''महात्मा / 150'' विषय पर आयोजित अंतरानुशासनिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अंडरस्टैडिंग ऑफ नॉन–वायोलेंस इन जापानीज एन इवेल्यूएशन विथ गांधीयन पर्सपेक्टिव' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

कुमार, संदीप

- (19–25 जून, 2018). भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'शब्दकोश शोधन प्रशिक्षण कार्यशाला' में सहभागिता।
- (06–20 अगस्त, 2018). संस्कृत विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित 'संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण कार्यशाला' में सहभागिता।
- (16 नवंबर–14 दिसंबर, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षण एवं शिक्षण, मानव संसाधन विकास केंद्र, भारत सरकार के अतर्गत आयोजित ''संकाय अनुप्रेरणा कार्यक्रम'' में सहभागिता की एवं 'ए' श्रेणी प्राप्त किया।

- (25 जनवरी, 2019). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'मानवाधिकार कार्यशाला' में सहभागिता।
- (02 फरवरी, 2019). यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा ''पर्यावरणीय संरक्षण में साहित्य, समाज एवं मीडिया की भूमिका'' विषय पर आयोजित बहुविद्याशाखीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जापानी साहित्य एवं समाज में पर्यावरण चिंतन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- (19, 20, एवं 22 जनवरी, 2019). राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय, चन्दौली, वाराणसी में ''भूमंडलीकरण के युग में विदेशी भाषाएँ'', उच्च शिक्षा में विदेशी भाषाओं की भूमिका एवं विदेशी भाषाओं का हिंदी माध्यम से अध्ययन की संभावनाएँ विषयों पर विशेष व्याख्यान दिया।
- (1 मार्च, 2019). भाषा विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं भाषा विद्यापीठ, वेलोर तकनीकी संस्थान, तमिलनाडु द्वारा ''विदेशी भाषा अध्ययन–अध्यापन एवं पाठ्य निर्माण में नवीनतम प्रयोग'' शीर्षक पर आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी–भाषाओं को जापानी भाषा शिक्षणः मुद्दे एवं चुनौतियाँ विषय पर ऑनलाइन से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- (2 मार्च, 2019). न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एवं विज्ञान कॉलेज, वर्धा द्वारा ''महात्मा @ 150'' शीर्षक पर आयोजित अंतरानुशासनिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अफ्रीका में फ्रांसीसी उपनिवेशों में गांधीवादी विचारों का प्रभाव' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

कुमार, रवि

- (मई, 2018). स्पेनिश–अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश, सह–संपादक, वर्धा : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय।
- (जून, 2018). 'थेओरिआ दे लास रेलासियोनेस इंतेर्नासिओनालेस एस्तादोसेंत्रिकास इ ला पारादोखा दे ला सेगूरीदाद पारा एल सूर ग्लोबाल (आसिया इ अमेरिका लातिना) वालोरासियोन क्रितिका पोर लोस रेआलिस्तान सूबाल्तेर्नो–पेरिफिकोस मोहम्मद अयूब इ कार्लास एस्कूदे, रेविस्ता आसिया अमेरिका लातिन', आन्यो 3, 3, नूमेरो 5, अर्जेंटीना : बूएनोस आइरेस विश्वविद्यालय।
- (जनवरी, 2019). 'हैट्रोटोपियाज क्रिऐटेड थ्रू मीडिया नरौटिव्य एण्ड मैन्यूफैक्चरिंग कांसेंट फॉर वूमेन एम्पावरमेंट इन साउथ एशिया', जर्नल कम्यूनिकेशन मीडिया वाच, 10 (1), उड़ीसा, भारत।

घोष, अनिर्बाण

- (मार्च, 2019). 'थान युनषान और महात्मा गांधी के बीच संपर्क : साहित्य में चीनी लोगों का दर्शन', महात्मा/150, 271–272, वर्धा : गांधी अध्ययन केंद्र।

जैन, सन्मति

- (2018). जापानी–अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश, वर्धा : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय।

उपलब्धियाँ

डॉ. रवि कुमार

- (जून, 2018). डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम लाइफ एचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित। यह पुरस्कार उन्हें राष्ट्र के विकास में विशिष्ट योगदान और शिक्षण, शोध एवं प्रकाशन के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने पर प्रदान किया गया है।
- (अक्टूबर, 2018). अकादमिक उत्कृष्टता राष्ट्रीय पुरस्कार।

डॉ. अनिर्बाण घोष

- (24 नवंबर–5 दिसंबर, 2016). विदेशी अध्ययन विद्यापीठ, चीनी कम्युनिकेशन विश्वविद्यालय, पेईचिङ द्वारा आयोजित "एस.ई.सी.एच. मेधा परियोजना" विषयक कार्यशाला में भाग लिया और 'हिंदी भाषा, साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं संप्रेषण' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- (4 दिसंबर, 2018). हिंदी विभाग, पेईचिङ फॉरेन स्ट्डीज विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में "भारत में चीनी अध्ययन' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
- (4 दिसंबर, 2018). हिंदी विभाग, पेईचिङ अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में "हिंदी एवं भारतीय संस्कृति' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

प्रो. वृषभ प्रसाद जैन का विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
वृषभ प्रसाद जैन	प्रोफेसर/निदेशक : व्याकरण	30.06.1999	पी–एच.डी. (भाषाविज्ञान)	ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ फिलमोर्र्स केस ग्रामर एंड पाणिनियन कारक सिस्ट	भाषाविज्ञान, भारतीय विद्या, प्रतीक विज्ञान, व्याकरण और कोश विज्ञान

2. साहित्य विद्यापीठ

यह विद्यापीठ भारतीय तथा विश्वसाहित्य के साथ संवाद स्थापित करने और तुलनात्मक अध्ययन एवं शोध कार्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य के प्रति समर्पित है। विद्यापीठ की मूल संकल्पना देश–दुनिया के भाषायी एवं साहित्यिक वैविध्य के पीछे सक्रिय समान मानवीय चेतना और उसकी सृजनशीलता में साम्य की धारणा पर अवलम्बित है। वैश्विक दृष्टिकोण से भाषा और साहित्य बहुविधागत है, किन्तु उनके सर्जक मानस और आस्वादक चिह्न, अपने संस्कारों के भेद के बावजूद, बुनियादी प्रकृति में एक से है। इस कारण विभिन्न भाषाओं के साहित्य के बीच संवाद की अपार संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं का सन्धान और शोध, विद्यापीठ की वरीयताएं हैं। साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत निम्नलिखित विभाग हैं –

2.1 हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
2.2 संस्कृत विभाग
2.3 उर्दू विभाग
2.4 अंग्रेजी विभाग
2.5 मराठी विभाग
2.6 प्रदर्शनकारी कला विभाग

2.1 हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

हिंदी साहित्य का भारतीय तथा विश्व भाषाओं के साहित्य के साथ संवाद और तुलनात्मक अध्ययन एवं शोध इस विभाग की मुख्य गतिविधियाँ हैं। विभिन्न भाषाओं के साहित्य से संवाद की संभावनाओं का संधान एवं शोध विभाग की उच्च प्राथमिकता है। विभाग में ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ साहित्य के घनिष्ठ संबंध को दृष्टिगत रखते हुए अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध पर विशेष बल दिया जाता है। विभाग में तुलनात्मक साहित्य अध्ययन को वरीयता दी जाती है। इसमें हिंदी साहित्य को आधार बनाकर हिंदीतर भारतीय साहित्य एवं विश्व साहित्य के अध्ययन में तुलनात्मक साहित्य अध्ययन–पद्धति का प्रमुखता से उपयोग किया जाता है। हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग समग्रता में साहित्य के अध्ययन–अध्यापन एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध है।

पाठ्यक्रम : • बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) • एम.ए. हिंदी साहित्य • एम.ए. हिंदी तुलनात्मक साहित्य • एम.फिल. हिंदी साहित्य • एम.फिल. तुलनात्मक साहित्य • पीएच.डी. हिंदी साहित्य • पीएच.डी. तुलनात्मक साहित्य।

गतिविधियाँ

- (05 अक्टूबर, 2018). प्रख्यात कवि कुँवर नारायण तथा प्रख्यात आलोचक मैनेजर पाण्डेय पर श्री माहेश्वर द्वारा निर्मित दो फिल्मों का प्रदर्शन।
- (11 अक्टूबर, 2018). प्रो. लाल चंद का 'लोकतंत्र और धूमिल का काव्य' विषय पर विशेष व्याख्यान ।
- (13 दिसंबर, 2018). प्रो. अनंत मिश्र का काव्य पाठ और विशेष व्याख्यान ।
- (13 दिसंबर, 2018). प्रो. ओम प्रकाश सिंह का 'कविता कैसे पढ़ी जाए' विषय पर विशेष व्याख्यान।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
कृष्ण कुमार सिंह	प्रोफ़ेसर	01.07.2010	पी–एच.डी.	अवतारवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि : भक्तिकालीन हिंदी साहित्य के संदर्भ में	भक्तिकालीन साहित्य
प्रीति सागर	प्रोफ़ेसर	20.07.2009	पी–एच.डी.	मैथिलीशरण गुप्त के काव्य पर महाभारत का प्रभाव	आधुनिक हिंदी कविता
अवधेश कुमार	प्रोफ़ेसर	06.06.2017	पी–एच.डी.	विजयदेव नारायण साही और उनका साहित्य	हिंदी काव्य और समीक्षा
अखिलेश कुमार दुबे	प्रोफ़ेसर	12.05.2017	पी–एच.डी.	सतरहवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में बनारसी दास जैन के अर्द्धकथानक का सामाजिक–सांस्कृतिक परिदृश्य	मध्यकालीन हिंदी भक्ति कविता, आधुनिक हिंदी कविता, दलित आत्मकथा
रामानुज अस्थाना	सहायक प्रोफ़ेसर	21.12.2006	पी–एच.डी.	जयशंकर प्रसाद (हिंदी) और भारतीदासन (तमिल) के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन	भक्ति साहित्य तुलनात्मक साहित्य
अशोक नाथ त्रिपाठी	सहायक प्रोफ़ेसर	21.12.2006	पी–एच.डी.	निराला के कथा साहित्य का उत्तर आधुनिक अध्ययन	हिंदी आलोचना
उमेश कुमार सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	04.01.2007	पी–एच.डी.	गुरु नानक देव और संत रविदास की कविता का तुलनात्मक अध्ययन	हिंदी तुलनात्मक अध्ययन
बीर पाल सिंह यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	10.07.2009	पी–एच.डी.	प्रगतिवादी साहित्य चिंतन और रामविलास शर्मा	हिंदी आलोचना
सुनील कुमार*	सहायक प्रोफ़ेसर	21.07.2009	पी–एच.डी.	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में बाल मनोविज्ञान	कथा साहित्य
रूपेश कुमार सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	17.06.2010	डी.फिल.	रामविलास की साहित्येतिहास संबंधी मान्यताएँ और इतिहास दृष्टि	समकालीन विमर्श

(* कोलकाता केंद्र में पदस्थ)

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

सिंह, कृष्ण कुमार

- (07 जून, 2018). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज, नागपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम में 'साहित्य और समाज' विषय पर व्याख्यान।
- (14 दिसंबर, 2018). शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा के फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत 'उच्चतर शिक्षा में संप्रेषण कौशल' विषय पर व्याख्यान।
- (29 जनवरी, 2019). भोजपुरी अध्ययन केंद्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'भोजपुरी लोक संस्कृति : विरासत व वर्तमान' विषय पर व्याख्यान।
- (07–09 फरवरी, 2019). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं हिंदी विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय, केरल के संयुक्त तत्वावधान में 'इक्कीसवीं सदी में हिंदी साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्राध्यक्ष के रूप में व्याख्यान।
- (08 मार्च, 2019). हिंदी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय में 'संत काव्य परंपरा और कबीर' विषय पर व्याख्यान।
- (25 मार्च, 2019). महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई तथा हिंदी भाषा विभाग, भाषा अध्ययन प्रशाला एवं अनुसंधान केंद्र, जलगाँव के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'हिंदी भाषा और संप्रेषण' समारोह में बीजभाषण।

सागर, प्रीति

- (21–25 मई, 2018). भाषा शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा 'पाठ्यपुस्तक विश्लेषण' विषय पर आयोजित कार्यशाला में विषय–विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागिता।
- (25–29 जून, 2018). भाषा शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुंसधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा 'उच्चतर माध्यमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण' विषय पर आयोजित कार्यशाला में विषय–विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागिता।
- (20–30 अक्टूबर, 2018). डॉ.पी.के. राजन मेमोरियल कैम्पस, कन्नूर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में एडजंक्ट फैकल्टी के रूप में कार्य किया।
- (14 जनवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में स्थापित हिंदी का राष्ट्रीय संसाधन केंद्र द्वारा 'बीसवीं शताब्दी की हिंदी कविता के प्रमुख प्रस्थान' विषय पर आयोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'सरोज स्मृति : प्रथम शोकगीत' और 'कनुप्रिया : शिल्प और संवेदना' विषय पर व्याख्यान / पाठ लेखन एवं रिकार्डिंग का कार्य किया।
- (07–09 फरवरी, 2019). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं हिंदी विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय, केरल के संयुक्त तत्वावधान में 'इक्कीसवीं सदी में हिंदी साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इक्कीसवीं सदी की हिंदी कहानी : प्रवृत्तियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर व्याख्यान दिया एवं 'इक्कीसवीं सदी का हिंदी साहित्य और नये विमर्श' सत्र की अध्यक्षता की।
- (06–08 फरवरी, 2019). हिंदी विभाग, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़) द्वारा 'मध्यकालीन हिंदी कविता का अन्य ललित कलाओं से अंतर्संबंध' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की कविता का चित्रकला एवं अन्य ललित कलागत अंतर्संबंध' विषय पर व्याख्यान दिया ।
- (15 फरवरी, 2019). विश्वशांति स्तूप वर्धापन दिन समारोह में विशिष्ट अतिथि एवं व्याख्यान।
- (31 मार्च–01 अप्रैल, 2019). पालि सोसाइटी ऑफ इंडिया एवं डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'दि रिवाइवल ऑफ बुद्धिज्म इन मॉडर्न इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी साहित्य एवं महात्मा बुद्ध' विषय पर व्याख्यान एवं एक सत्र की अध्यक्षता।

कुमार, अवधेश

- (27–29 अप्रैल, 2018). हिंदी विभाग, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय सांस्कृतिक चेतना के प्रमुख आयाम और विश्वकवि तुलसीदास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रामहिं केवल प्रेम पियारा' विषय पर व्याख्यान।
- (14 मई–10 जून, 2018). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज, नागपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम में 18 मई, 2018 को 'व्यक्तित्व विकास, नैतिकता एवं अध्यापन कौशल' एवं 'प्रबंधन एवं जीवन नियोजन' और 28 मई 2018 को 'प्रबंधन एवं जीवन नियोजन' विषय पर व्याख्यान।
- (03 अगस्त, 2018). भारतीय हिंदी परिषद्, इलाहाबाद तथा हिंदी विभाग, बुन्देलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी द्वारा आयोजित 'महाकाव्यात्मक प्रतिभा मैथिलीशरण गुप्त' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीय चेतना' विषय पर व्याख्यान।
- (16 नवंबर–14 दिसंबर, 2018). शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत 27 नवंबर 2018 को 'समय से कार्य के प्रति जवाबदेही' और 29 नवंबर 2018 को 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता' विषय पर व्याख्यान।
- (09 जनवरी, 2019). हिंदी विभाग, बी.बी.ए.यू., लखनऊ में 'हिंदी का भक्तिकाल और तुलसी' विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (02–03 फरवरी, 2019). हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उ.प्र. हिंदी संस्थान, लखनऊ एवं उ.प्र.

भाषा संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'महात्मा गांधी और हिंदी साहित्य' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी पर आधारित हिंदी काव्य की विवेचना' विषय पर व्याख्यान।

- (07–09 फरवरी, 2019). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं हिंदी विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय, केरल के संयुक्त तत्वावधान में 'इक्कीसवीं सदी में हिंदी साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं संभावनाएँ' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इक्कीसवीं सदी की हिंदी कविता : प्रवृत्तियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत।
- (14–16 फरवरी, 2019). स्नातकोत्तर हिंदी विभाग, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा एवं उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में 'भारतीय साहित्य के विविध आयाम' विषय पर व्याख्याान एवं एक सत्र की अध्यक्षता।
- (20–22 फरवरी, 2019). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय समाज, शिक्षा और साहित्य में गांधी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी साहित्य में गांधी' विषय पर व्याख्यान।
- (27–28 फरवरी, 2019). हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, एवं हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'भाषिक संदर्भ में हिंदी के विकास की दिशाएँ और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी की विविध शैलियाँ' विषय पर व्याख्यान एवं एक सत्र की अध्यक्षता।
- (15–16 मार्च, 2019). हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा 'छायावाद एक पुनर्पाठ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महाप्राण निराला और छायावाद' विषय पर व्याख्यान।

दुबे, अखिलेश कुमार

- (27–29 अप्रैल, 2018). हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 'भारतीय सांस्कृतिक चेतना के आयाम और विश्व कवि तुलसी' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'तुलसी की भक्ति : लोकमुक्ति का साधन' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।
- (13–15 जनवरी, 2019). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, उ.प्र. हिंदी संस्थान, लखनऊ, शास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा 'शिक्षा दर्शन और समाज प्रासंगिक विमर्श के प्रमुख आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं लेखक शिविर में 'माध्यम का प्रश्न और शिक्षा' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।
- (07–09 फरवरी, 2019). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं हिंदी विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय, केरल के संयुक्त तत्वावधान में 'इक्कीसवीं सदी में हिंदी साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इक्कीसवीं सदी की हिंदी कविता : संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।

अस्थाना, रामानुज

- (17–18 फरवरी, 2019). बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं अमृतलाल नागर सृजन पीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'अमृतलाल नागर : कथा लोक और लोकभाषा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, में ''सुहाग के नूपुर' में 'शिलप्पदादिहारम' का अभिग्रहण' विषय पर व्याख्यान।

त्रिपाठी, अशोकनाथ

- (7–8 दिसंबर, 2018). भारतीय हिंदी परिषद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ एवं बी.के. बिड़ला कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, कल्याण द्वारा '21 वीं सदी की कथेतर गद्य विधाएँ : दशा, दिशा और संभावनाएँ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी रिपोर्ताज : दशा दिशा और संभावनाएँ' विषय पर व्याख्यान।
- (7–9 फरवरी, 2019). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'इक्कीसवीं सदी में हिंदी साहित्य : प्रवित्तियाँ और संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इक्कीसवीं सदी के हिंदी रिपोर्ताज' विषय पर व्याख्यान।
- (15–16 मार्च, 2019). हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा 'छायावाद एक पुनर्पाठ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'निराला का काव्य लोक' विषय पर व्याख्यान।

सिंह, उमेश कुमार

- (2–3 फरवरी, 2019). हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उ.प्र. हिंदी संस्थान, लखनऊ एवं उ.प्र. भाषा संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'महात्मा गांधी और हिंदी साहित्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मॉरीशस में गांधी' विषय पर व्याख्यान।
- (17–18 फरवरी, 2019). बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं अमृतलाल नागर सृजन पीठ, म.गां.अं.हिं.वि, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'अमृतलाल नागर : कथा लोक और लोक भाषा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भूख और नाच्यों बहुत गोपाल में चित्रित जीवन का विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषय पर व्याख्यान।

• (27–28 फरवरी, 2019). गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी एवं हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'भाषिक संदर्भ में हिंदी के विकास की दिशाएँ और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विदेशों में हिंदी प्रचार–प्रसार' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता।

यादव, बीर पाल सिंह

• (01–04 मई, 2018). सेंटर ऑफ एकेडमिक लीडरशिप एण्ड मैनेजमेंट, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, पंडित मदन मोहन मालवीय मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'अकादमिक नेतृत्व' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता।

• (21–25 मई, 2018). भाषा शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा 'पाठ्यपुस्तक विश्लेषण' विषय पर आयोजित कार्यशाला में विषय–विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागिता।

• (25–29 जून, 2018). भाषा शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुंसधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा 'उच्चतर माध्यमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण' विषय पर आयोजित कार्यशाला में विषय–विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागिता।

• (9 सितंबर, 2018). अजीम प्रेमजी फाउंडेशन लर्निंग एंड सिसोर्स सेंटर, चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान 'स्त्री चेतना और मीरा' विषय पर दिया।

• (08–10 सितंबर, 2018). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली तथा मीरा स्मृति संस्थान, चित्तौड़गढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 'मीरा : दर्शन और भक्ति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संत कवियों का जीवन–दर्शन और मीरा की भक्ति' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

• (20–30 अक्टूबर, 2018). डॉ.पी.के. राजन मेमोरियल कैंपस, कन्नूर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में एडजंक्ट फैकल्टी के रूप में कार्य किया।

• (01–05 दिसंबर, 2018). भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा 'गांधी और उनके समकालीन : जीवन और चिंतन' विषय पर आयोजित शरद स्कूल में सहभागिता।

• (15 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में स्थापित हिंदी का राष्ट्रीय संसाधन केंद्र द्वारा 'बीसवीं शताब्दी की हिंदी कविता के प्रमुख प्रस्थान' विषय पर आयोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'दलित कविता का भाषिक पक्ष' विषय पर व्याख्यान /पाठ लेखन एवं रिकार्डिंग का कार्य किया।

• (26 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में स्थापित हिंदी का राष्ट्रीय संसाधन केंद्र द्वारा 'बीसवीं शताब्दी की हिंदी कविता के प्रमुख प्रस्थान' विषय पर आयोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'विमर्श केंद्रित हिंदी कविता' विषय पर व्याख्यान/पाठ लेखन एवं रिकार्डिंग का कार्य किया।

• (05–06 मार्च, 2019). हिंदी एवं प्रयोजनमूलक हिंदी विभाग, स्वशासी प्रकोष्ठ, शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, छिंदवाड़ा एवं उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन, भोपाल द्वारा 'आधुनिक भारतीय समाज में वृद्धजनों की दशा और दिशा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीज वक्तव्य दिया।

• (31 मार्च–01 अप्रैल, 2019). पालि सोसाइटी ऑफ इंडिया एवं डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'दि रिवाइवल ऑफ बुद्धिज्म इन मॉडर्न इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'धम्मपद में मानवता' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

सिंह, रूपेश कुमार

• (07–08 फरवरी, 2019). हिंदी विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित 'इक्कीसवीं सदी में हिंदी साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आदिवासी केंद्रित हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ' विषय पर व्याख्यान।

• (23–24 फरवरी, 2019). दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, प्रयाग में आयोजित 'सामाजिक न्याय और विकास' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आदिवासी साहित्य में न्याय का स्वरूप' विषय पर व्याख्यान।

• (28–30 मार्च, 2019). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

प्रकाशन

सिंह, कृष्ण कुमार

• (28 अप्रैल–12 मई, 2018). पुस्तकें मनुष्य की सबसे विश्वसनीय मित्र हैं, 05, अलवर : भर्तृहरि टाइम्स।

• (2018). 'चंदू, मैंने सपना देखा : मानवीय चेतना की अभिव्यक्ति', नागार्जुन (सं. अरविन्दाक्षन), 126–133, दिल्ली : विजया बुक्स, ISBN 978–93–81480–82–3.

सागर, प्रीति

• (2019). 'सवाल उठाती स्त्रियाँ', स्त्री की दुनिया (सं.), 216–226, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन, ISBN 9789388684–13–2.

- (2019). 'हिंदी कहानियों में वृद्ध जीवन', आधुनिक भारतीय समाज में वृद्धजनों की दशा और दिशा (सं.), 33–41, दिल्ली : जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स, ISBN 978–9388522–41–0
- (2019). 'प्रेम बनाम साम्प्रदायिकता', साम्प्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता एवं साहित्यक (सं.), 196–204, नई दिल्ली : अनन्या प्रकाशन। ISBN 978–93–87145–87–0

दुबे, अखिलेश कुमार

- (01 नवंबर, 2018 –28 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'प्रकृति, पर्यावरण और आधुनिक कविता' शीर्षक माड्यूल (चारों क्वाड्रेट्स सहित) का निर्माण, हिंदी का प्रथम ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।
- (25 जनवरी, 2019). 'तुलसी की भक्ति : लोकमुक्ति का साधन' हिंदी समय डॉट कॉम, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, ISSN 2394–6687.

त्रिपाठी, अशोक नाथ

- (अप्रैल, 2018). 'अधूरे में पूर्ण की संभावना : चमेली', पदचिन्ह, 2, 13–17, ISSN - 2231–1351.
- (मार्च–अप्रैल, 2018). 'दीनदयाल और अंबेडकर के बहाने', पुस्तक–वार्ता, 75, 66–69, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि., ISSN 2349–1809.
- (मई–अगस्त, 2018). 'माटी के कवि त्रिलोचन का स्मरण', पुस्तक–वार्ता 76–77, 65–67, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि., ISSN 2349–1809.
- (मई, 2018). 'अर्थ का अर्थ', हिंदी समय डॉट कॉम, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि., ISSN - 2394–6687.
- (सितंबर–अक्टूबर, 2018). 'रचना समय पर मार्खेज की महत्वपूर्ण प्रस्तुति', पुस्तक–वार्ता, 78, 57–59, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि., ISSN 2349–1809.
- (नवंबर–दिसंबर, 2018). 'साहित्यकारों पर जरूरी विमर्श', पुस्तक–वार्ता, 79, 58–60, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि., ISSN 2349–1809.

सिंह, उमेश कुमार

- (2018). 'अप्रवासी हिंदी कविता और कथा साहित्यिक में मानवीय मूल्य', तेजेन्द्र शर्मा का रचना संसार, कानपुर : विनय प्रकाशन, ISBN–978–81–89187–61–3.
- (जुलाई–सितंबर, 2018). मॉरीशस की हिंदी कहानियों में भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्य, प्रवासी संसार, 13
- (2018). हिंदी दलित कविता में प्रतिरोधी अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक पुनर्जागरण।

यादव, बीर पाल सिंह

- (जून, 2018). 'सबको अमर देखना चाहता हूँ, खुद को अजर देखना चाहता हूँ', साहित्य विकल्प, 04(06), 129–136, ISSN–2394–3335)
- (2019). 'साहित्य और वृद्ध विमर्श', आधुनिक भारतीय समाज में वृद्धजनों की दशा और दिशा (सं.), 22–32, नई दिल्ली : जे.टी.एस. पब्लिकेशन, ISBN–978–93–88522–41–0
- (2019). 'साम्प्रदायिकता और पुलिस', साम्प्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता एवं साहित्य (सं.), 196–204, नई दिल्ली : अनन्य प्रकाशन, ISBN–978–93–87145–87–0

सिंह, रूपेश कुमार

- (01 नवंबर, 2018–28 फरवरी, 2019). 'बीसवीं शताब्दी की हिंदी कविता में प्रेम का स्वरूप' और 'बींसवीं शताब्दी की हिंदी कविता में स्त्री स्वर' विषयों पर पाठ्यनिर्माण, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि. एवं भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय।

उपलब्धियाँ

डॉ. उमेश कुमार सिंह

- मॉरीशस साहित्य अकादमी, मॉरीशस द्वारा अंतरराष्ट्रीय हिंदी सेवी सम्मान, 2018

2.2 संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ के अंर्तगत मार्च 2016 को स्थापित हुआ। विभाग का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा की समृद्धि, संस्कृत साहित्य का संरक्षण एवं व्याकरण, साहित्य, दर्शन, वेद, उपनिषद् आदि वाङ्मय का विशिष्ट अध्ययन के साथ–साथ अन्य भारतीय एवं विदेशी भाषा तथा तत्संबंधी साहित्य के साथ संबध स्थापित कर व्याकरणिक, साहित्यिक, दार्शनिक एवं सांस्कृतिक पथ को सुगम बनाना है। आधुनिक वैज्ञानिक युग में संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता को वैश्विक पटल पर प्रसारित कर इसकी उपादेयता को सर्वजन समक्ष समुपस्थापित करना है। संस्कृत भाषा में अंतर्निहित उन सभी वैज्ञानिक तत्वों तथा तथ्यों को समुद्घाटित कर व्यावहारिक रूप में प्रतिष्ठापित करना साथ ही अंतरानुशासनात्मक अध्ययन पर बल देना है।

संचालित पाठ्यक्रम : • बी.ए. (संस्कृत) • एम.ए. (संस्कृत) • संस्कृत भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा • संस्कृत भाषा में डिप्लोमा • संस्कृत भाषा में सर्टिफिकेट

गतिविधियाँ

- (06 अप्रैल, 2018). 'आलोचना के सार्वभौम मापदंड के रूप में रससिद्धांत' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. बलराम शुक्ल, सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने व्याख्यान दिया।
- (07 अप्रैल, 2018). 'पाणिनीयअष्टाध्यायाः भाषाशास्त्रियासंदर्भाः' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें डॉ. बलराम शुक्ल, सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने अपना विशिष्ट व्याख्यान दिया।
- (06–20 अगस्त, 2018). संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्रीवरदा मालगे, संस्कृत भारती, नागपुर ने प्रशिक्षण दिया।
- (23–29 अगस्त, 2018). संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया।
- (15–25 जनवरी, 2019). संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री. आलोक चन्द्र पाण्डेय ने प्रशिक्षण दिया।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
लेखराम दन्नाना	सहायक प्रोफेसर	28.12.2015	पी–एच.डी.	लघुशब्देन्दुशेखरव्याख्यायाः स्वरसन्ध्यन्तमंजर्याः पंचसन्ध्यन्तचन्द्रिकायाश्च विशिष्टमध्ययनम्	संस्कृत व्याकरण एवं दर्शन

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

दन्नाना लेखराम

- (06–08 अप्रैल, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा '21 वीं सदी में विद्यालय द्वारा शिक्षाः बदलते आयाम, हस्तक्षेप और उभरते विकल्प' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय समाज संस्कृति और शिक्षा सत्र में सह–अध्यक्ष के रूप में सहभागिता की।
- (01–04 मई, 2018). एएमयू, अलीगढ एवं पी.एम.एम.एम.एन.एम.आय.टी, एम.एच.आर.डी., नई दिल्ली तथा शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा शैक्षणिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की।
- (14 मई–10 जून, 2018). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम में सहभागिता की तथा 'ए' श्रेणी प्राप्त किया।
- (19–25 जून, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शब्दकोश शोधन प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागिता।
- (06–20 अगस्त, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, संस्कृत विभाग द्वारा पंचादश संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण कार्यशाला के संयोजक के रूप में सहभागिता।
- (23–29 अगस्त, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत सप्ताह समारोह में संयोजक के रूप में सहभागिता।
- (19 दिसंबर, 2018). विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी शाखा वर्धा के द्वारा गीता जयंती के उपलक्ष्य में 'कर्मयोग और कार्यकर्ता' विषय पर व्याख्यान।
- (22–23 जनवरी, 2019). शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 45वें कमलनयन बजाज मेमोरियल इंटर विद्यापीठ में ज्यूरी सदस्य के रूप में सहभागिता।
- (15–25 जनवरी, 2019). म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा, संस्कृत विभाग द्वारा एकादश दिवसीया संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में संयोजक के रूप में सहभागिता।
- (04–07 फरवरी, 2019). राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठम्, तिरुपति, (आ.प्र.) द्वारा आयोजित 13वें अखिल भारतीयसंस्कृतच्छात्रप्रातिभसमारोहः 2019

में सहभागिता।

- (2 मार्च, 2019). महिला विकास संस्था, न्यू आर्ट्स कॉमर्स एवं विज्ञान कॉलेज द्वारा अंतरानुशासनिक गांधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'वर्तमान और भविष्यः उभयोपकारक गांधी–दर्शन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
- (15–16 मार्च, 2019). संस्कृत विभाग एवं प्राकृत भाषा, सावित्रीबाई फुले विद्यापीठ और ईश्वर आश्रम ट्रस्ट, श्रीनगर द्वारा आयोजित 'इन्फ्ल्यूएंस ऑफ कश्मीर शैविज्म ऑन इंडियन इन्टेक्चुअल ट्रेडीशन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'व्याकरणिक कोटियों की शैवदर्शनात्मक मीमांसा' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (24–25 मार्च, 2019). संस्कृत विभाग, कविकुलगुरु कालिदास, संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक द्वारा 'द इम्पैक्ट ऑफ इंडियन फिलॉसफी इन करेंट सिनेरियो' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में माहेश्वरसूत्राभिहितस्वराणां दार्शनिकविमर्शः विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

दन्नाना, लेखराम

(2018). 'माहेश्वराभिहितस्वराणां दार्शनिकविमर्शः', अजंता, 25–32, अजंता प्रकाशन।

उपलब्धियाँ

- (03–07 फरवरी, 2019). राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठम, तिरुपति, (आ.प्र.) द्वारा आयोजित 13वें अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह, 2019 में एम.ए.संस्कृत (द्वितीय वर्ष) के छात्र अभिषेक शाण्डिल्य तथा रमेश मालाकार को वन एक्ट प्ले तथा नृत्य स्पर्धा में तृतीय स्थान, एम.ए. संस्कृत प्रथम वर्ष के छात्र सुमीत कुमार को लोक नृत्य में प्रथम स्थान का पुरस्कार दिया गया। एम.ए. संस्कृत द्वितीय वर्ष के छात्र अभिषेक शाण्डिल्य ने एक पात्र अभिनय स्पर्धा में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। भारती साहू, जी. नवीन, पिन्टू मंडल, रिषिका, कपील रिन्के, दीपक, पूजा, गोपाल कुमार, पियूष कान्ति बरमन एम.ए.संस्कृत प्रथम वर्ष के छात्रों को नृत्य स्पर्धा में तृतीय स्थान का पुरस्कार मिला।

2.3 उर्दू साहित्य विभाग

विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत उर्दू साहित्य विभाग वर्ष 2016 में स्थापित हुआ। विभाग का उद्देश्य मुख्यतः संस्कृति और साहित्य के महत्व एवं प्रासंगिकता से अवगत कराना है। उर्दू संस्कृति, भाषा और साहित्य के प्रति विद्यार्थियों में जागरुकता पैदा करना और साथ ही देश तथा देश के बाहर इसके विकास के प्रति कार्यरत रहना भी विभाग का प्रमुख उद्देश्य है। दूसरी भाषाओं की तुलना में उर्दू भाषा और साहित्य की विशेष खूबियों की तरफ भी उर्दू में दिलचस्पी रखनेवालों का ध्यान आकृष्ट करना भी हमारा उद्देश्य है। विभाग में विभिन्न स्तर के पाठ्यक्रम संचालित है। ये पाठ्यक्रम एम. ए. उर्दू, उर्दू भाषा में डिप्लोमा, उर्दू भाषा में सर्टिफिकेट, उर्दू भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा उन छात्र–छात्राओं के लिए संचालित है जो उर्दू भाषा सीखने में विशेष रुचि रखते हैं।

पाठ्यक्रम : • एम. ए. उर्दू • उर्दू भाषा में डिप्लोमा • उर्दू भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा • उर्दू भाषा में सर्टिफिकेट।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
हिमांशु शेखर	सहायक प्रोफेसर	22.12.2015	पी.–एच.डी., उर्दू	ज़फर पयामी की अदबी तखलीक का फिक्री व फन्नी जायेजा	उर्दू उपन्यास

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

शेखर, हिमांशु

- (01–04 मई, 2018). अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एवं पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी., एम.एच.आर.डी., नई दिल्ली तथा शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं. हिं.वि., वर्धा द्वारा शैक्षणिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता।
- (14 मई–10 जून, 2018). टीएलसीएच, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा यूजीसी–एमएचआरडी, आरएसटीडीएम, नागपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम में सहभागिता तथा 'ए' ग्रेड प्राप्त किया।
- (15–25 जनवरी, 2019). संस्कृत विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., द्वारा आयोजित संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागिता।
- (02 मार्च, 2019). महिला विकास संस्था, न्यू आर्टस कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज द्वारा अंतरानुशासनिक गांधी विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'उर्दू अदब पर गांधी के असरात' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

2.4 अंग्रेजी विभाग

विश्वविद्यालय के मूल उद्देश्यों की प्राप्ति में अंग्रेजी की महत्वपूर्ण, सकारात्मक एवं सहयोगी भूमिका को पहचानते हुए English for Hindi की संकल्पना के साथ मार्च 2016 में साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत अंग्रेजी साहित्य विभाग की स्थापना की गई। यह विभाग अपने नाम के अनुरूप विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा और साहित्य की समझ विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग न सिर्फ विद्यार्थियों को भाषायी और साहित्यिक निपुणता प्रदान कर, रोजगार के अच्छे अवसरों के रूप में उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने की सोच रखता है, बल्कि उन्हें वर्तमान प्रगतिशील समाज में सार्थक भूमिका निभाने के लिए भी तैयार करता है।

इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विभाग द्वारा एम.ए. (अंग्रेजी साहित्य) एवं अंग्रेजी भाषा में सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / एडवांस्ड डिप्लोमा जैसे सुसंगत और प्रासंगिक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं। ये पाठ्यक्रम भावों और विचारों की रटंत अभिव्यक्ति के बजाय मौलिक रूप से सोचने–समझने का सामर्थ्य विकसित करते हैं।

पाठ्यक्रम : ● बी.ए. अंग्रेजी ऑनर्स ● एम.ए. अंग्रेजी ● अंग्रेजी भाषा में डिप्लोमा ● अंग्रेजी भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा ● अंग्रेजी भाषा में सर्टिफिकेट।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
मैत्रेयी	सहायक प्रोफेसर प्रभारी अध्यक्ष	22.12.2015	स्नातकोत्तर	–	अंग्रेजी साहित्य, अंग्रेजी में भारतीय साहित्य

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

मैत्रेयी

- (06–08 अप्रैल, 2018). म.गां.अं.हिं.वि. के हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा '21 वीं सदी में विद्यालय द्वारा शिक्षा : बदलते आयाम, हस्तक्षेप और उभरते विकल्प' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय समाज संस्कृति और शिक्षा सत्र में सह–अध्यक्ष के रूप में सहभागिता।
- (01–04 मई, 2018). अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एवं पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी., एम.एच.आर.डी., नई दिल्ली तथा शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं., वर्धा द्वारा शैक्षणिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता।
- (14 मई–10 जून, 2018). टीएलसीएच, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा यूजीसी–एमएचआरडी, आरएसटीडीएम, नागपुर युनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम में सहभागिता तथा 'ए' ग्रेड प्राप्त किया।
- (31 अगस्त–09 सितंबर, 2018). अंग्रेजी विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., द्वारा 'स्ट्रेंथेनिंग बेसिक इंग्लिश लैंग्वेज स्किल्स थ्रू थियेटर एक्सपीरिएंसेज' विषय पर आयोजित कार्यशाला में संयोजक के रूप में सहभागिता।
- (19–20 दिसंबर, 2018). अंग्रेजी विभाग, डीएवी पीजी, कॉलेज द्वारा आयोजित और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित डिबेटिंग द पोस्ट–ट्रूथ फिनोमिनॉन : इंडियन लिट्रेचर कल्चर एंड क्रिटिकल डिस्कोर्स' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'पोस्ट ट्रूथ फिनोमिनॉन : ए रियलिटी ऑर मिथ इन' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (28–30 मार्च, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा प्रायोजित 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य संभावनाएं चुनौतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सह–अध्यक्ष के रूप में सहभागिता।

2.5 मराठी विभाग

मराठी भाषा सभी प्रादेशिक भाषाओं में एक महत्वपूर्ण भाषा है। मराठी भाषा में प्राचीन काल से भरपूर मात्राओं में साहित्य लेखन किया जा रहा है। मराठी भाषा का साहित्य सभी भारतीय भाषाओं अनुवाद के माध्यम से प्रसारितं हुआ है। मराठी साहित्य के सभी विधाओं हिंदी और अग्रेजी में विपुल मात्रा में अनुवाद हुआ है और मराठी भाषा का साहित्य विश्व के कोने–कोने में पहुंच गया है। महाराष्ट्र में राजकाज की भाषा मराठी है। मराठी भाषा में उच्च शिक्षा और अनुसंधान की स्थिति अन्य भाषाओं की तुलना में बेहतर है। तकनीकी रूप में भी मराठी भाषा अन्य भाषाओं से काफी आगे है। मराठी भाषा में ई–गवर्नेंस का प्रयोग सफल हो रहा है। उपरोक्त बिंदुओं को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में मराठी भाषा और साहित्य के अध्ययन हेतु प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने हेतु मराठी विभाग की स्थापना सत्र 2015–16 से की गई है।

पाठ्यक्रम : • एम.ए. मराठी • मराठी भाषा में डिप्लोमा • मराठी भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा • मराठी भाषा में सर्टिफिकेट

गतिविधि

• (27 फरवरी, 2019). 'मराठी भाषा दिवस' समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. निशा शेंडे ने विचार व्यक्त किए।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
धर्मेन्द्र एन. शंभरकर	सहायक प्रोफेसर*	04.08.2017	एम.फिल.		मराठी भाषा, दलित एवं संत साहित्य

(* मराठी विभाग के प्रभारी, शिक्षा विभाग में पदस्थ)

2.6 प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म एवं नाटक)

नाट्यकला और फिल्म अध्ययन के क्षेत्र में विशिष्ठ तथा उच्च गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य के उद्देश्य से उन कुछ महत्वपूर्ण विभागों में है जहां फिल्म तथा नाट्यकला का अध्ययन स्नातकोत्तर स्तर पर एक साथ किया जाता है। साथ ही एम.फिल. तथा पी–एच.डी. स्तर नाट्यकला और फिल्म अध्ययन के विशिष्ठ क्षेत्रों में अंतरानुशासनिक शोध अध्ययन का अवसर प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों से विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर फिल्म निर्माण तथा अभिनय और मंच विन्यास जैसे रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों में मुख्य रुप से नाट्यकला तथा फिल्म निर्माण के क्षेत्र में रोजगार के विशेष अवसर प्रदान करेगा। विभाग द्वारा अंतर अनुशासनिक अध्ययन एवं शोध को भी उत्साहित किया जाता है। विभाग अपने पाठ्यक्रमों का संचालन राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय ख्याति के अतिथि विशेषज्ञों, अध्यापकों के अलावा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, राष्ट्रीय अकादमी तथा अन्य उच्च स्तरीय संस्थानों के अनुभवी अध्यापकों के सहयोग से करती है!

पाठ्यक्रम : • बी.वोक. (फिल्म निर्माण) • बी .वोक. (अभिनय एवं मंच विन्यास) • एम.ए. प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक)
• एम.फिल. प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) • पी–एच.डी. प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक)

गतिविधियाँ

• (13–14 अगस्त, 2018). ख्यातिलब्ध फिल्म समीक्षक सुश्री लक्ष्मी देशाई बोस्टन अमेरिका का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
• (14–17 अगस्त, 2018). श्री प्रोबीर गुहा कोलकाता के मार्गदर्शन में 'अभिनय' की विशेष कार्यशाला आयोजित की गई।
• (20–22 अगस्त, 2018). 'व्यक्तित्व विकास और सम्प्रेषण कौशल' विषय पर आयोजित कार्यशाला में डॉ.सुरेखा ठक्कर ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।
• (21–31 अगस्त, 2018). नाट्य प्रशिक्षण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री मंजुल भरद्वाज ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।
• (25–29 सितंबर, 2018). 'वस्त्र विन्यास' विषय पर आयोजित कार्यशाला में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से स्नातक सुश्री अंजू जेटली ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।
• (18 अक्टूबर, 2018). 'दृश्य विन्यास' विषय पर विशेष कार्यशाला में प्रो.महेन्द्र कुमार ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।
• (13 नवंबर, 2018). श्री ब्रम्ह प्रकाश ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।
• (27–29 नवंबर, 2018). फोटोग्राफी (सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक) विषय पर आयोजित कार्यशाला में श्री शेखर सोनी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

नाट्य निर्माण :

संगोष्ठी, कार्यशाला, अधिवेशन के अलावा विभाग के अध्यापकों और विद्यार्थियों द्वारा निम्न नाटकों का निर्माण और प्रदर्शन किया गया–

• 'गांधी एक यात्रा' नाटक का प्रदर्शन 1 सितंबर, 2018 को मगांअंहिंवि, वर्धा में किया गया।
• 'भारतेंदु चरित' नाटक का प्रदर्शन 9 सितंबर, 2018 को मगांअंहिंवि, वर्धा में किया गया।

शोध परियोजना

• डॉ. सतीश पावड़े ने 'मेलघाट की लोककला : लोक संस्कृति का दस्तावेजीकरण', संगीत अकादेमी, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त परियोजना कार्य को जनवरी 2019 में संपन्न किया।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
ओमप्रकाश भारती	सह प्रोफेसर	04.04.2012	पी–एच.डी. नाट्य कला	पूर्वांचलीय लोकनाट्य परम्परा में नटुआ नाच : अध्ययन और विश्लेषण	नाटक, फिल्म
सतीश पावड़े	सहायक प्रोफेसर	15.07.2010	पी–एच.डी. नाटक (रंगमंच)	मराठी नाटकों पर एब्सर्ड थिएटर का प्रभाव	नाटक, फिल्म, जनसंचार एवं प्राचीन कला इतिहास
विधु खरे दास	सहायक प्रोफेसर*	12.03.2012	पी–एच.डी. थियेटर	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटककारों के तथ्य व शिल्प का अध्ययन : प्रमुख आधुनिक पश्चिमी रंग सिद्धांतों के संदर्भ में।	नाटक

(*विश्वविद्यालय के प्रयागराज (इलाहाबाद) केंद्र में कार्यरत)

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

भारती, ओम प्रकाश

- (3 जुलाई, 2018). डुडली स्कूल, सुवा, फ़िजी में 'भारतीय शास्त्रीय नृत्य' विषय पर विशेष व्याख्यान तथा प्रदर्शन।
- (22 अगस्त, 2018). भारतीय उच्चायोग, सुवा तथा फ़िजी सरकार द्वारा सुवा में आयोजित हिबिकस फेस्टिवल में 'भारत की सांस्कृतिक परंपराएँ' विषय पर व्याख्यान।
- (5 सितंबर, 2018). स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, सुवा में शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में 'शिक्षकों की सामाजिक भूमिका तथा एस. राधाकृष्णन' विषय पर व्याख्यान।
- (13 सितंबर, 2018). फ़िजी नेशनल यूनिवर्सिटी, लटौका तथा हिंदी परिषद, फ़िजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 'गिरमिटया की प्रदर्शनकारी परंपराएँ' विषय पर व्याख्यान।
- (02 अक्तूबर, 2018). महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ पेसेफिक, सुवा व भारतीय उच्चायोग, सुवा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 'विश्व शांति के प्रतीक महात्मा गांधी' विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (11 नवंबर, 2018). गिरमिट दिवस के उपलक्ष्य में लम्बासा, फ़िजी में आयोजित कार्यक्रम में 'महात्मा गांधी और इंडेचर्ड लेबरर सिस्टम का उन्मूलन' विषय पर व्याख्यान।

पावड़े सतीश

- (19–20 नवंबर, 2018). इंदिरा कला, संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ (छ.ग.) द्वारा 'भारतीय रंग परंपरा में आधुनिक बोध' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संस्कृत रंगमंच में आधुनिकता का बोध' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (21–22 फरवरी, 2019). हिंदी संगम फाउंडेशन, अमेरिका तथा हिंदी विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में '21 वीं सदीं में हिंदी शिक्षण के नए आयाम' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी शिक्षण : नाट्यकला के विशेष संदर्भ में' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (28 फरवरी, 2019). डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद तथा देवगिरी महाविद्यालय, औरंगाबाद, के संयुक्त तत्वावधान में 'आज की मराठी समीक्षा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जीवनवादी नाट्यसमीक्षा' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (2 मार्च, 2019). न्यू आर्टस, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा तथा रा.तु.म. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'महात्मा गांधी@150' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नाटक और फिल्मों की गांधी दृष्टि' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (28–30 मार्च, 2019). म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा द्वारा 'गांधीवादी दृष्टि : साहित्य और समाज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि' विषयक सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य।

प्रकाशन

भारती, ओम प्रकाश

- (जुलाई–दिसंबर, 2018). 'फ़िजी के गिरमिटियों की लोक कलाएँ', नाट्य भारती, नई दिल्ली : सागर कलर स्केन एंड प्रिंटर्स, ISSN : 2321.130X
- (जनवरी–जून, 2019). 'फ़िजी की रामलीला–प्रदर्शन एवं शिल्प', नाट्य भारती, नई दिल्ली : सागर कलर स्केन एंड प्रिंटर्स, ISSN : 2321.130X

पावड़े, सतीश

- (जुलाई–अक्टूबर, 2018). 'प्रतिरोध का नाटक बनाम प्रचार तंत्र का नाटक', सृजन समय, 42–45, वर्धा : सृजन समय, ISSN : 2456.77JX
- (जुलाई, 2018). 'सहृदय विजया', शब्दसृष्टि, 6, 68, नवी मुंबई : शब्दसृष्टि।

- (अगस्त, 2018). 'नाट्य प्रशिक्षण में निर्माणवाद', ऋणानुबंध, 238–241, ग्वालियर : आर्टिस्ट कम्बाइन।
- (सितंबर , 2018). 'द थियेटर ऑफ द एब्सर्ड, आलोचना', नागपुर : विजय प्रकाशन।
- (अक्टूबर–दिसंबर, 2018). 'भरत के नाट्यशास्त्र में भाषा की राजनीति, अजंता, VII (IV), 42–46, औरंगाबाद : अजंता प्रकाशन ISSN : 2277. 5730
- (अक्टूबर–दिसंबर, 2018). 'खैरलांजी का अन्वयार्थ : धावांत खैरलांजी', सम्यकवाणी, 13–15, नागपुर : सम्यकवाणी प्रकाशन।
- (दिसंबर, 2018).'नाट्य प्रसंग, आलोचना', नागपुर : आकार प्रकाशन।
- (जनवरी–फरवरी, 2019). 'मराठी रंगमंच का पूर्वार्ध : स्त्री कलाकारों का सर्जनात्मक प्रतिरोध', जनकृति, 45–46, 94–98, रांची : जनकृति, ISSN : 2454.2725
- (जनवरी–मार्च, 2019) 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जीवनवादी नाट्यसमीक्षा, अंजताए टप्प्;प्द्धए 136–139, औरंगाबाद : अंजता प्रकाशन, ISSN : 2277.5730
- (फरवरी, 2019). 'फुले–आंबेडकरांची कलादृष्टि', प्रबुद्ध भारत, 13, मुंबई : प्रबुद्ध भारत।
- (मार्च, 2019). 'नाटक और फिल्मों की गांधी दृष्टि', प्रिंट एरिया, स्पेशल इश्यू, 239–243, वर्धा : गांधी स्टडी सेंटर, ISSN : 2319.9318
- (मार्च, 2019). 'गिरीश कर्नाड की नाट्यदृष्टि', वसंत, 10–14, मुंबई : वसंत प्रकाशन।
- (मार्च, 2019). 'मराठी रंगमंच और भूमंडलीकरण का यथार्थ', अक्षरनामा, 40–50, नागपुर : अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल।

उपलब्धियाँ

डॉ. ओम प्रकाश भारती

- सांस्कृतिक राजनयिक के रूप में भारतीय उच्चायोग, फ़िजी में विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रतिनियुक्त।

डॉ. सतीश पावड़े

- 16 दिसंबर, 2018 को श्रेयस सार्वजनिक वाचनालय, हिंगणघाट में श्रेयस नाट्यकला गौरव पुरस्कार, 2018 (राज्यस्तरीय) से सम्मानित।
- 16 मार्च, 2019 को मातोश्री सूर्यकांतादेवी पोटे चैरिटेबल ट्रस्ट, अमरावती में मराठी वाङ्मय पुरस्कार, 2019 (राज्यस्तरीय) से सम्मानित।

3. संस्कृति विद्यापीठ

यह विद्यापीठ संस्कृति एवं समाज विज्ञान के अन्य विमर्शों को समाहित करते हुए बहुसांस्कृतिक अकादमिक विकास के प्रति समर्पित है। विश्वविद्यालय की भूमिका को निश्चित करने तथा यहाँ संचालित कार्यक्रमों के लिए गांधी दृष्टि के साथ यह विद्यापीठ शांतिपूर्ण विकास के मूल्यों का मार्ग प्रशस्त करता है। आज के यथार्थ को स्वीकारते हुए मूलवासियों एवं आदिवासियों की जीवन दृष्टि को, स्त्री, दलित एवं अन्य दमित वर्गों के सामाजिक न्याय प्राप्त करने के संघर्ष को अकादमिक बहसों के जरिए सामने लाना इस विद्यापीठ की समग्र दृष्टि एवं कार्यक्रमों का अभिन्न हिस्सा है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्न विभाग और केंद्र हैं :

3.1 गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
3.2 स्त्री अध्ययन विभाग
3.3 डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र
3.4 डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

3.1 गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग

गांधी एवं शांति अध्ययन भारत में सामाजिक विज्ञानों के अध्ययन के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। यह विषय गांधी की अवधारणा और शांति से इसकी संबद्धता को व्यापक दायरे में समझने की एक दृष्टि देता है। अंतरानुशासानिक चरित्र का यह पाठ्यक्रम गांधी की अवधारणा उसकी चुनौतियाँ, मानव सुरक्षा, नैतिक दृष्टि, सुशासन, विकेन्द्रीकरण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं इसकी राजनीति के साथ–साथ भू–राजनीति एवं सतत् विकास की शिक्षा को अपने में शामिल करता है। यह विषय विद्यार्थी को विकास, सतत विकास एवं शांति के साथ उसकी संबद्धता को शिक्षण, शोध एवं विस्तार के व्यापक कार्यक्रमों तक पहुँचाता है। गांधी एवं शांति के विभिन्न पहलुओं को व्यापक दृष्टि से व्याख्यायित करने वाला यह पाठ्यक्रम न सिर्फ विद्यार्थियों के कौशल एवं क्षमता निर्माण में वृद्धि करता है, बल्कि उन्हें विकास एवं शांति के क्षेत्र में आने वाली समस्याओं और चुनौतियों को वैश्विक संदर्भ में समझकर स्थानीय स्तर पर उसके समाधान के लिये प्रेरित भी करेगा और साथ ही देश और समाज के नीति–निर्धारण एवं विकास की नई रणनीति तय करने में मददगार भी होगा। गांधी के मूल्यों एवं सिद्धांतों के प्रति गंभीर अध्ययन व शोध के साथ–साथ मानवता के लिए प्रतिबद्धता पैदा करने के उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। अंतरानुशासनिक पद्धति से तैयार यह पाठ्यक्रम संपूर्ण मानविकी एवं समाज वैज्ञानिक अध्ययन का ऐसा सम्मिलित अध्ययन प्रस्तुत करता है, जो अब तक के ज्ञानानुशासनों को देखने व समझने की नई दृष्टि देता है।

पाठ्यक्रम : • गांधी एवं शांति अध्ययन में एम.ए. • गांधी एवं शांति अध्ययन में एम.फिल.
• गांधी एवं शांति अध्ययन में पी–एच.डी. • गांधी एवं शांति अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

- (31 जुलाई, 2018). राजेश कुमार यादव ने प्रेमचंद जयंती : परिप्रेक्ष्य गांधी विषय पर व्याख्यान दिया।
- (09 अगस्त, 2018). नई तालीम समिति के अध्यक्ष डॉ. सुगन बरंठ ने 'भारत छोड़ो आंदोलन का दार्शनिक पक्ष' विषय पर व्याख्यान दिया।
- (04 अक्टूबर, 2018). प्रो. नंद किशोर आचार्य ने 'मानवाधिकार के दार्शनिक पक्ष' विषय पर व्याख्यान दिया।
- (16 जनवरी, 2019). बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रो. रजनी रंजन झा ने 'प्रधान मंत्री कार्यालय : विकास एवं आकलन' विषय पर व्याख्यान दिया।
- (25 जनवरी, 2019). मानवाधिकार विषय पर प्रो. विजेंद्र कुमार, प्रो. मनोज कुमार, डॉ. एम.एल कासारे तथा डॉ. सुरेश खैरनार ने व्याख्यान दिए।
- (26 मार्च, 2019). प्रो. नंद किशोर आचार्य ने 'पत्रकारिता एवं राष्ट्रवाद' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
नृपेंद्र प्रसाद मोदी	प्रोफेसर	22.03.2007	पी–एच.डी. गांधी विचार	सर्वोदय विचार में लोक नीति का स्वरूप :एक समीक्षात्मक अध्ययन	गांधी एवं शांति अध्ययन, राजनीति
राकेश कुमार मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	16.03.2007	पी–एच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन	गांधीजी और किसान आंदोलन	शांति अध्ययन, इतिहास मीडिया
मनोज कुमार राय	सहायक प्रोफेसर	16.03.2007	पी–एच.डी. गांधी अध्ययन	आधुनिक युग में योग और शांति की गांधीवादी अवधारणा की प्रासंगिकता	कानून गांधीविचार और दर्शन शास्त्र
डी. एन. प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	20.03.2007	पी–एच.डी. हिंदी साहित्य पी–एच.डी. गांधी विचार	धर्मवीर भारती के उपन्यास, निबंध एवं कहानियाँ महात्मा गांधी का शैक्षणिक चिंतन	गांधी साहित्य एवं शांति अध्ययन तथा गांधी दर्शन, फिल्म और पत्रकारिता
चित्रा माली	सहायक प्रोफेसर	15.06.2010	पी–एच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन	अहिंसक प्रतिरोध के बदलते स्वरूप	अहिंसा एवं शांति अध्ययन, मानवाधिकार

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

मोदी, नृपेन्द्र प्रसाद

- (21–27 जून, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित योग कार्यशाला में सहभागिता।
- (23–27 अक्टूबर, 2018). सिद्धगिरि गुरुकुल ज्ञानपीठ, कणेरी मठ, कोल्हापुर, महाराष्ट्र एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्राम स्वरा सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता।
- (20–22 फरवरी, 2019). हिन्दी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधी नगर के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय समाज, शिक्षा और साहित्य में गांधी विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता एवं 'साहित्य में गांधी' पर शोध पत्र प्रस्तुत।
- (30 मार्च, 2019). म.गां. शिक्षा एवं कल्याण समिति, परभनी और महात्मा गांधी अध्ययन केन्द्र, एम.पी.मंडल डिग्री कॉलेज, औरगांबाद द्वारा आयोजित समेलन में 'आधुनिक युग में गांधी सत्याग्रह की प्रासंगिकता' विषय पर प्रपत्र वाचन।

मिश्रा, राकेश कुमार

- (26–28 अप्रैल, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा प्रायोजित 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
- (26–28 अप्रैल, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'बा–बापू 150वीं जयंती' पर कार्यक्रम हेतु आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
- (02 अक्टूबर, 2018). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'गांधी का आलोक' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'गांधी और राजनीति' विषयक पत्र प्रस्तुत।
- (16 दिसंबर 2018). भारत भवन, भोपाल में कहानी और जीवन विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (12 जनवरी, 2019). साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बहुभाषिक कथा पाठ में हिंदी साहित्य का प्रतिनिधित्व एवं कहानी पाठ।
- (25 जनवरी, 2019). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित मानवाधिकार कार्यशाला का संयोजन।
- (29–30 जनवरी, 2019). एशियॉटिक सोसायटी ऑफ इंडिया में 'डेव्लपमेंट ऑफ हिंदी लैंग्वेज इन बंगाल' विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (12–21 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि.वि., वर्धा और महात्मा गांधी ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद के संयुक्त तत्वाधान में ग्रामीण सामुदायिक सहभागिता विषय पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में सहभागिता।
- (19–24 फरवरी, 2018). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि.वि., वर्धा और जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर, कोल्हान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'शोध प्रविधि का आधार पाठ्यक्रम' पर व्याख्यान।
- (25 फरवरी, 2019). लक्ष्मीबाई शासकीय महिला महाविद्यालय एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संत काव्य धारा में स्त्री चिंतन' विषय पर विशेष व्याख्यान।
- (28–30 मार्च, 2019). म.गां.अं.हिं.वि.वि., वर्धा, भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं गांधी विचार परिषद, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य, संभावनाएं एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

प्रसाद, डी.एन.

- (26–28 अप्रैल, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में बा–बापू 150वीं जयंती वर्ष पर कार्यक्रम हेतु आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
- (28–30 जुलाई, 2018). मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल द्वारा आयोजित पच्चीसवीं पावस व्याख्यान माला में 'अंधायुग का प्रेरक प्रतिपाद्य' विषय पर व्याख्यान।
- (02 अक्टूबर, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा गांधी–150वीं के परिप्रेक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सत्य का आलोक : परिप्रेक्ष्य गांधी' विषय पर प्रपत्र वाचन।
- (10 दिसंबर, 2018). लोक महाविद्यालय, वर्धा (राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर) द्वारा गांधी 150वीं के परिप्रेक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महात्मा गांधी और मानवाधिकार' विषय पर प्रपत्र वाचन।
- (11–13 जनवरी, 2019). प्रियदर्शिनी महिला महाविद्यालय, वर्धा (राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर) द्वारा 25वीं विदर्भ पर्यावरण परिषद, 2019 में सहभागिता एवं 'पर्यावरण चेतना की परिधि महिला' विषय पर प्रपत्र वाचन।
- (25 जनवरी, 2019). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'मानवाधिकार कार्यशाला' में सहभागिता।
- (02 फरवरी, 2019). यशवंत महाविद्यालय, वर्धा (राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर) द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण में साहित्य, समाज और मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी का पर्यावरण चिंतन' विषय पर प्रपत्र वाचन।
- (20–22 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय समाज, शिक्षा और साहित्य में गांधी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी की वाग्मिता' शीर्षक से प्रपत्र वाचन।
- (02 मार्च, 2019). न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा (राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर) द्वारा आयोजित

महात्मा @150 विषयक अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में 'गांधी विचार : पाठ्यक्रम संरचना' शीर्षक से प्रपत्र वाचन।

माली, चित्रा

- (02 अक्टूबर, 2018). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'गांधी का आलोक' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'गांधी और राजनीति' विषयक पत्र प्रस्तुति।
- (25 जनवरी, 2019). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यशाला में सहभागिता।
- (12–21 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और महात्मा गांधी ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण सामुदायिक सहभागिता विषय पर आयोजित दस दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में सहभागिता।
- (28–30 मार्च, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं गांधी विचार परिषद, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'आर्थिक सत्ता और ब्यूटी मिथ' विषय पर संयुक्त पत्र वाचन।

प्रकाशन

मोदी, नृपेन्द्र प्रसाद

- (अप्रैल, 2018). 'महाराष्ट्र के भक्त राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज', पद्चिन्ह, 7 (2), वाराणसी, ISSN: 2231.1351
- (04 अप्रैल, 2018). 'गांधी तिलक की विरासत : जय प्रकाश', न्यूमेन, 5 (4) परभणी : न्यूमेन पब्लिकेशन, ISSN: 2348.1390
- (मार्च, 2019). 'आधुनिक युग में गांधी सत्याग्रह की प्रासंगिकता', स्कॉलर्स इन्पॅक्ट, 6 (1), 62–65

मिश्रा, राकेश कुमार

- (2019). 'नागरी सभ्यता' (कहानी संग्रह), पंचकूला : आधार प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, ISBN: 978.93.87555.39.6

प्रसाद, डी.एन.

- (2018). 'आलोचना का लोचन आलोकित होता है, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी की आलोचनाधर्मिता से', अभिनव इमरोज : व्यक्ति विषेष दस्तावेज –2 (सं.), 340–343, नई दिल्ली : सभ्या प्रकाशन। ISBN :978.93.83785.42.1
- (2018). 'शिक्षा का माध्यम एवं भाषा नीति पर गांधी का चिंतन', गांधी–दृष्टि : युवा रचनात्मकता के आयाम (सं.), 214–241, नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ। ISBN :978.93.263.5551.3
- (2018). 'गांधी संचयन' (सं.), नई दिल्ली : सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन। ISBN: 78.81.7309.721.8
- (2018). 'रंग निर्देश', दिल्ली : प्रिय साहित्य सदन, ISBN: 978.93.82699.45.3
- (2018). 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में मानवतावाद', दिल्ली : प्रिय साहित्य सदन, ISBN: 978.93.82699.46.0
- (अप्रैल, 2018). 'शिक्षा का वैचारिक कुंभ', पुस्तक–वार्ता, 75, 32–35, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि., ISSN: 2349.1809
- (अप्रैल, 2018). 'सामाजिक संघर्ष से युद्ध करती कहानियाँ, सुसंभाव्य, 3 (11), 16, भागलपुर : सुसंभाव्य प्रिंटिग प्रेस, ISSN: 2321.3922
- (जुलाई, 2018). 'बहादुर पान... आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अंतिम शब्द', वाणी, 91 (7), 11–16, इन्दौर : श्री मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति, ISSN: 2230.9209
- (जुलाई, 2018). 'समाज में उठने वाली ध्वनियाँ पकड़ने वाले कवि त्रिलोचन और चम्पा', प्रयाग–पथ, 4 (6), 68–71, इलाहाबाद : प्रयाग पथ कार्यालय, ISSN: 2395.4000
- (जुलाई–सितंबर, 2018). 'आचार्य शुक्ल की करुणा की व्याख्या', चिंतन सृजन, 16 (1), 7–12, दिल्ली : आस्था भारती, ISSN: 0973.1490
- (अगस्त, 2018). 'कथा की त्र्यबंक दृष्टि', समावर्तन, 11 (5), 33–34, उज्जैन : समावर्तन कार्यालय, ISSN: 2348.8638
- (दिसंबर, 2018). 'गांधी दर्शन की अहिंसा', अणुव्रत, 64 (3), 16–18, नई दिल्ली : अणुव्रत महासमिति।
- (जनवरी, 2019). 'गांधी की वाग्मिता', समावर्तन, 11 (10), 60–63, उज्जैन : समावर्तन कार्यालय, ISSN: 2348.8638
- (जनवरी, 2019). 'प्रसाद की कहानी 'गुण्डा' को फिर से पढ़ते हुए', सोच विचार, 10 (7), 47–48, वाराणसी, सेवक प्रकाशन, ISSN: 2319.4375
- (मार्च, 2019). 'गांधी विचार : पाठ्यक्रम संरचना', प्रिटिंग एरा, 212–214, वर्धा : गांधी अध्ययन केंद्र, न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, ISSN: 2319.9318

माली, चित्रा

- (मार्च 2019). 'आर्थिक सशक्तीकरण और विशाखा गाइडलाइन्स', न्यूमेन, 6 (3), परभणी : न्यूमेन पब्लिकेशन।
- (मार्च, 2019). 'वर्तमान समय और स्त्री', स्कोलर्स इम्पैक्ट, 6 (6), महाराष्ट्र।

3.2 स्त्री अध्ययन विभाग

स्त्री–अध्ययन वस्तुतः ज्ञान की सत्ता–संरचना पर 'ज्ञान–बहिष्कृतों' द्वारा किया गया एक सैद्धांतिक–दार्शनिक हस्तक्षेप है, जो प्रत्येक व्यक्ति की बराबरी एवं एक समतामूलक समाज की स्थापना में विश्वास करता है। यह समाज के प्रत्येक तबके के अनुभवों को केंद्र में रखकर ज्ञान के प्रति एक नया दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो कि एकपक्षीय ज्ञान की रूढ़ सीमाओं को तोड़कर ज्ञान को उसके बहुआयामी व समग्र रूप में प्रस्तुत करता है। यह सिर्फ एक विषय नहीं है, वरन् यह एक परिप्रेक्ष्य है जो हमें दुनिया को देखने का एक नया नज़रिया देता है और इसीलिए ज्ञानानुशासन की सीमाओं का अतिक्रमण करते हुए यह एक अंतरानुशासनिक, बहु–अनुशासनिक एवं परा–अनुशासनिक स्वरूप अख़्तियार करता है। स्त्री अध्ययन की शुरुआत इस तथ्य के साथ होती है कि स्त्री या पुरुष होना मात्र जैविकीय ही नहीं, सामाजिक निर्मिति भी है और इस सामाजिक निर्मिति के आधार पर ही दुनिया के सारे ज्ञान–विज्ञान रचे गए हैं।

एक अकादमिक अनुशासन के बतौर 'स्त्री अध्ययन' सिर्फ स्त्रियों का या स्त्रियों के लिए ही नहीं है बल्कि यह विभिन्नताओं का संयोजन है। यह 'संपूर्ण मानवता' का अध्ययन है जिसके जरिए हम हाशिए पर खड़े उन सभी समूहों का अध्ययन करते हैं जिन्हें मुख्यधारा का ज्ञान नजरअंदाज करता है। एक विषय के रूप में यह महज कुछ जानकारियों या सूचनाओं को जान लेने या सीख लेने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह जेंडरगत विभेदों के बरक्स उस समतामूलक स्त्रीवादी चेतना को अपने जीवन–व्यवहारों में आत्मसात करने से भी संबंधित है जो बदलाव की शैक्षणिक राजनीति का जरिया हैं। अतएव सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन इस विषय का केंद्रीय अभिप्रेरक बिंदु है जिसे भारतीय स्त्री–अध्ययन संगठन के संस्थापक सदस्यों द्वारा एक 'शैक्षणिक रणनीति' के रूप में स्वीकार किया गया है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में वर्ष 2003 में स्थापित यह स्त्री अध्ययन विभाग भी अपने वास्तविक जनतांत्रिक स्वरूप में स्त्री–अध्ययन की मूल अभिप्रेरणाओं से संचालित है। साथ ही यह देश में स्त्री अध्ययन का अपनी तरह का इकलौता केंद्र है जो भारत के संदर्भ में इस अंग्रेजीमय विमर्श को हिंदी की व्यापक दुनिया से जोड़ता है और इस तरह भाषाई विविधता लेकिन अंग्रेजी श्रेष्ठता वाले इस देश में ज्ञान के लोकतांत्रिकरण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हम इसे स्त्री–विमर्श का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाने के लिए प्रयासरत हैं। हिंदी माध्यम में स्त्री अध्ययन को पूर्णकालिक विषय के रूप में शुरू किए जाने के निम्नलिखित उद्देश्य हैं– 1. स्त्री अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्ट अंतरानुशासनिक केन्द्र के रूप में विकास, 2. स्त्री अध्ययन में शिक्षण, अनुसंधान एवं क्षेत्रगत गतिविधियों का क्रियान्वयन, 3. जन चेतना विकास एवं जेंडर संवेदना के प्रशिक्षण हेतु "जेंडर संसाधन केंद्र" के रूप में विकास, 4. भारतीय संदर्भ में स्त्री अध्ययन की सैद्धांतिकी का विकास, 5. जेंडर एवं सामाजिक विकास के राजनीतिक अर्थशास्त्र का अध्ययन, 6. अकादमिक विमर्श एवं नारीवादी आंदोलन के वैश्विक संदर्भों के मध्य अंतर्संबंधों का अध्ययन।

पाठयक्रम : • एम.ए. स्त्री अध्ययन • एम.फिल. स्त्री अध्ययन • पी–एच.डी. स्त्री अध्ययन • जनसंचार एवं स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

- (14 अप्रैल, 2018). मुंबई विश्वविद्यालय की कुसुम त्रिपाठी ने 'विश्वविद्यालयों में जेंडर संवेदनशीलता' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
- (अगस्त 2018). डॉ. आरती सेठी, ब्राउन विश्वविद्यालय ने 'विदर्भ में कपास का राजनीतिक अर्थशास्त्र और महिला श्रम' विषय पर व्याख्यान दिया।
- (9 अगस्त, 2018). महाश्वेता देवी स्मृति व्याख्यानमाला में प्रो. बद्रीनारायण ने 'महिलाओं के हाशिएकरण की राजनीति एवं चुनौतियां' विषय पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की ।
- (26 सितंबर, 2018). संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ के शिक्षक तथा छात्र–छात्राओं ने स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस उपलक्ष्य में स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा एक परिचय व परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- (15 नवंबर, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में डॉ. राम पुनियानी ने "जनतंत्र के समसामयिक सरोकार एवं स्त्री" विषय पर व्याख्यान दिया।
- (11 दिसंबर, 2018). पटना विश्वविद्यालय, पटना की ज्योति वर्मा ने 'शोध कार्य में सामाजिक प्रतिनिधित्व' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
- (8 मार्च, 2019). म.गां.अं.हिं.वि. के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें चर्चा सत्र एवं फिल्म महोत्सव के माध्यम से स्त्री विमर्श पर चर्चा की गई।
- (12–13 मार्च 2019). 'जनसंचार एवं स्त्री में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' पाठयक्रम शुरू किए जाने के निमित्त पाठयक्रम निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- (28–30 मार्च, 2019). ''जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ'' पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वरिष्ठ चिंतक प्रो. नंदकिशोर आचार्य, विश्वविद्यालय के संस्कृति विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, कुलानुशासक प्रो.मनोज कुमार, गांधी विचार परिषद के निदेशक भरत महोदय, मध्य प्रदेश के महू स्थित ब्राउस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आशा शुक्ल एवं आईआईएएस शिमला की पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंद्रकला पाडिया, स्त्री अध्ययन विभाग की प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. अवंतिका शुक्ला आदि वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए।

शोध परियोजनाएँ : शोध के प्राथमिकता क्षेत्र (2015–18) : • महिला के विरुद्ध अपराध • मानव–दुर्व्यापार (ह्यूमन ट्रैफिकिंग) • भाषा और जेंडर • मध्य भारत में विस्थापन एवं स्त्री • सांस्कृतिक संकट (जेंडर के संदर्भ में) • श्रम, अर्थव्यवस्था एवं जेंडर • साहित्य, इतिहास एवं जेंडर

वर्धा जिले में क्षेत्रगत कार्य (विद्यार्थियों के सहयोग से) : • साठोडा ग्राम में स्त्री शिक्षा की स्थिति का आकलन • विदर्भ में किसान आत्महत्या के पीड़ित परिवारों की स्थिति • वर्धा जिले में स्त्री सशक्तीकरण हेतु कार्यरत संगठनों का अध्ययन • वर्धा जिले के पुलिस थानों में स्त्री विषयक रिपोर्टों की समीक्षा • दैनिक अखबारों में स्त्री विषयक खबरों का विश्लेषण • निजी एवं सार्वजनिक जीवन में जेंडर असमानता की पड़ताल • अस्पतालों में स्त्री स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
सुप्रिया पाठक	सहायक प्रोफ़ेसर	20.03.2007	पी–एच.डी., स्त्री अध्ययन	पारसी–हिंदी रंगमंच एवं महिलाएँ	स्त्री एवं मीडिया, साहित्य एवं नारीवादी सैद्धांतिकी गांधी दर्शन एवं स्त्री
अवंतिका शुक्ला	सहायक प्रोफ़ेसर	27.03.2007	पी–एच.डी., स्त्री अध्ययन	कथक की परंपरा, घराने एवं स्त्री प्रश्न	स्त्री एवं श्रम, प्रदर्शन कलाओं में स्त्रियां, जाति, वर्ग एवं जेंडर के प्रश्न, नारीवादी शोध प्रविधि
शरद जायसवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	09.07.2009	एम.ए.		वर्ग, जाति एवं जेंडर, सांप्रदायिकता, जाति व जेंडर का सवाल

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

पाठक, सुप्रिया

- (14 अप्रैल, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के जेंडर संवेदनशीलता समिति, द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान का संयोजन। मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई की कुसुम त्रिपाठी ने 'विश्वविद्यालयों में जेंडर संवेदनशीलता' विषय पर व्याख्यान दिया।
- (14–15 अप्रैल, 2018). हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खलीलाबाद, गोरखपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत में स्त्री अध्ययन : संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर बीज वक्तव्य।
- (9 अगस्त, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित महाश्वेता देवी स्मृति व्याख्यानमाला कार्यक्रम (प्रो. बद्रीनारायण ने 'महिलाओं के हाशियाकरण की राजनीति एवं चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान दिया) में समन्वयक के रूप में सहभागिता।
- (18–20 अगस्त, 2018). मॉरीशस में ग्यारहवें विश्व हिंदी सम्मेलन में म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा की तरफ से सहभागिता।
- (14 सितंबर, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 'हिंदी दिवस का स्त्रीवादी परिपेक्ष्य' विषय पर वक्तव्य।
- (15 नवंबर, 2018). शोध संवाद, विशेष व्याख्यान, प्रो.राम पुनियानी, सेवानिवृत प्रोफेसर, आई आई टी, मुंबई (स्त्री एवं लोकतंत्र के समसामयिक संदर्भ) स्त्री अध्ययन विभाग।
- (11 दिसंबर, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित शोध संवाद (पटना विश्वविद्यालय, पटना की ज्योति वर्मा ने 'शोध कार्य में सामाजिक प्रतिनिधित्व का सिद्धांत' विषय पर व्याख्यान दिया) में समन्वयक के रूप में सहभागिता।
- (12–21 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'संकाय विकास कार्यक्रम' में सहभागिता।
- (8 मार्च , 2019). डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज विज्ञान विश्वविद्यालय, महू, इंदौर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समेकित विकास कार्यक्रम एवं स्त्री सशक्तीकरण' विषय पर बीज वक्तव्य।
- (28–30 मार्च, 2019). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टिः सत्ता, सामर्थ्य, संभावनाएँ, विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में समन्वयक के रूप में सहभागिता।
- (23–24 मार्च, 2019). आर्यभट्ट कॉलेज तथा वुमेन रिसोर्स सेंटर, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में नई दिल्ली में 'भारत में स्त्री विमर्श' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'वर्तमान समय में स्त्री अध्ययन केंद्रों का परिदृश्य' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

शुक्ला, अवंतिका

- (9 अगस्त, 2019). अनुवाद विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'ड्रग अब्यूस, चाइल्ड अब्यूस एंड डोमेस्टिक वोयलेंस इन अवर सिस्टम इन्क्लूडिंग अवर ज्यूडीशियल सिस्टम' कार्यक्रम में संचालक।
- (1–15 सितंबर, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में आयोजित 'स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता' का संयोजन।
- (1 अक्टूबर, 2018). सेवाग्राम में आयोजित 'कार्यान्जली उत्सव में गांधी प्रश्न मंजूषा' का संयोजन।
- (10–12 दिसंबर, 2018). वैनीकोम पुणे में 'जेंडर बजटिंग विथ क्लाइमेट चेंज' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
- (21 फरवरी, 2019). दयालबाग शैक्षिक संस्थान, आगरा में 'जेंडर सेन्सिटाइजेशन और स्त्री अध्ययन के सामाजिक आयाम' विषय पर वक्तव्य।
- (20 फरवरी, 2019). 'स्त्री अध्ययन : एक विषय के रूप में संकल्पना एवं संभावना' और 'महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के प्रकार एवं उनके वैधानिक उपचार' विषय पर जवाहर लाल नेहरू कॉलेज में वक्तव्य।
- (24 फरवरी, 2019). क्रांतिवीर नाना सिंह पाटिल अकादमी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'वैचारिक लेखन : स्त्रीवादी परिप्रेक्ष्य' विषय पर वक्तव्य।
- (12–13 मार्च, 2019). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा मीडिया एवं जेंडर विषय पर पी.जी डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
- (28–30 मार्च, 2019). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ', विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।

जायसवाल, शरद

- (अगस्त, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'हाशिये की राजनीति और महिलाएँ' विषय पर आयोजित महाश्वेता देवी स्मृति व्याख्यानमाला का संयोजन।

- (8 दिसंबर, 2018). समाजशास्त्र विभाग, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित रिफ्रेशर पाठयक्रम में व्याख्यान।
- (15 नवंबर, 2018). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'जनतंत्र के समसामयिक सरोकार और स्त्री' विषय पर प्रो. राम पुनियानी के विशेष व्याख्यान समारोह का संयोजन।
- (05 जनवरी, 2019). बारहवें अखिल भारतीय मुस्लिम मराठी साहित्य सम्मलेन, पुणे में व्याख्यान। (24 फरवरी 2019). 'साझी विरासत, शमा हर रंग में जलती है' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान। (मार्च, 2019). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित 'फिल्म महोत्सव' का संयोजन।
- (11–12 मार्च 2019). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'मीडिया एवं जेंडर में पी.जी डिप्लोमा पाठ्यक्रम' हेतु आयोजित पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का संयोजन।
- (28–30 मार्च, 2019). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ', विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का सह–संयोजन।

प्रकाशन

पाठक, सुप्रिया

- (2018). स्त्री विमर्श के विविध आयाम, नई दिल्ली : प्रकाशन संस्थान।
- (2018). 'अकादमिक स्त्रीवादी आलोचना के साहित्यिक सरोकार', वर्तमान परिपेक्ष्य में सौन्दर्यशास्त्र के नए आधार (सं.), नई दिल्ली : अनुज्ञा बुक्स ISBN 978–93–86810–73–1
- (2018). 'भारत में विकलांगता का नारीवादी विमर्श', रि इनवेंटिग दिव्यांग, नई दिल्ली : शिवालिक प्रकाशन, ISBN 978–93–87195–61–5
- (2018). नई दिशाएं, अंक 15 रजत जयंती विशेषांक (संपादकीय सहयोग), नई दिल्ली : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग।
- (2018). 'अदृश्य होती जिंदगियाँ : भारत में स्त्रियों पर तेजाबी हमले', हिंदी समय डॉट कॉम, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (18–20 अगस्त, 2018). 'हिंदी का वैश्विक भविष्य उज्ज्वल है : केशरी नाथ त्रिपाठी' (साक्षात्कार), विश्व हिंदी बुलेटिन, 11 वां विश्व हिंदी सम्मेलन।
- (18–20 अगस्त, 2018). 'विश्व हिंदी सम्मेलन से अपेक्षाएँ' (साक्षात्कार), प्रमुख हस्तियाँ, विश्व हिंदी बुलेटिन, 11 वां विश्व हिंदी सम्मेलन।
- (नवंबर, 2018). 'विश्व हिंदी सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट', मीडिया नवचिंतन (संपादकीय सहयोग), भोपाल : अटल बिहारी बाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय।
- (दिसंबर 2018). 'मानवाधिकारों का सार्वभौमिक परिपेक्ष्य एवं स्त्री', नई दिशाएँ, रजत जयंती विशेषांक, अंक : 15, नई दिल्ली : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग।
- (22 अप्रैल, 2018). 'बिहार दिवस हम महिलाओं की नजर से' सन्मार्ग, पटना संस्करण।
- (फरवरी, 2019). 'बापू के आंदोलन की अदृश्य सहयात्री : कस्तूरबा', अंतिम जन, नई दिल्ली : गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति।
- (मार्च, 2019). 'इतिहास में स्त्रियों की अदृश्यता' (ईकाई लेखन), दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (मार्च, 2019). 'इतिहास लेखन में लैंगिकता', (ईकाई लेखन) दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (मार्च, 2019). 'नारीवादी इतिहास लेखन की आवश्यकता', (ईकाई लेखन) दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।

शुक्ला, अवंतिका

- (दिसंबर, 2018). 'उदारीकरण के बाद शिक्षित मध्यमवर्गीय महिलाओं की कार्य में सहभागिता एवं प्रवासन', मानव, 2, 27–56, नई दिल्ली : सीरियल प्रकाशन।

जायसवाल, शरद

- (मई–अगस्त, 2018). 'पेशेवर महिलाएँ : बदलती पीढ़ी की अभिव्यक्ति', पुस्तक–वार्ता, 76–77, वर्धा : म.गां.अं.हि.वि., वर्धा
- (जनवरी, 2019). 'सांप्रदायिकता का युद्धस्थल', अकार, 51, कानपुर

उपलब्धियाँ

डॉ. अवंतिका शुक्ला

- म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित खेल महोत्सव, 2019 में बैडमिंटन (एमेच्योर) प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।

3.3 डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र के उद्देश्य हैं– 1. दलित एवं आदिवासी अध्ययन की सैद्धांतिकी का विकास, 2. दलित एवं आदिवासी अध्ययन के स्वरुप, क्षेत्र एवं आयामों को परिभाषित एवं विकसित करना, 3. दलित एवं आदिवासी अध्ययन की प्रासंगिकता, 4. दलित एवं आदिवासी विकास के मुद्दों की समझ पैदा करना, 5. दलित एवं आदिवासियों के अधिकार एवं संरक्षण के लिए नीतियों को बनाना, 6. दलित एवं आदिवासियों के सशक्तीकरण के लिए अंबेडकर की विचारधारा की समझ विकसित करना और उनके ऊपर होने वाले सभी प्रकार के अत्याचारों एवं हिंसा के विरोध में स्वर को मुखर करना, भारतीय दलित एवं अमेरिकन अश्वेत समुदायों के साथ अन्य देशों के वंचित समूहों का तुलनात्मक अध्ययन करना। 7. भारतीय आदिवासी समाज तथा अन्य देशों के आदिवासी समाज के साझे मुद्दों के प्रति समझ पैदा करना और उन देशों में निवास कर रहे दूसरे समुदायों के बीच संवेदनशीलता पैदा करना।

पाठ्यक्रम : • एम.ए., दलित एवं जनजाति अध्ययन • एम.फिल. दलित एवं जनजाति अध्ययन
• पी–एच.डी. दलित एवं जनजाति अध्ययन • दलित विचार में पी.जी. डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

• (18 अप्रैल, 2018). हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद के प्रो. आर. रामदास ने 'अम्बेडकर एवं आदिवासी शिक्षा' विषय पर व्याख्यान दिया।
• (02 नवंबर, 2018). राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार श्री रामदास आठवले ने 'दलित पैंथर आंदोलन' विषय पर व्याख्यान दिया।
• (27 नवंबर, 2018). 'संविधान दिवस' पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
• (03 जनवरी, 2019). 'सावित्रीबाई फुले जयंती' पर कार्यक्रम का आयोजन।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
एल.कारूण्यकरा	निदेशक / प्रोफेसर	23.04.2008	पी–एच.डी., इतिहास	अंबेडकर और दलाई लामा XIV के बौद्ध धर्म के योगदान का आधुनिकीकरण	दलित इतिहास एवं दलित अध्ययन
राकेश सिंह फकलियाल	सहायक प्रोफेसर	08.05.2017	पी–एच.डी. इतिहास	गांधी एवं अंबेडकर के सामाजिक विचार : एक तुलनात्मक अध्ययन	आदिवासी इतिहास एवं आदिवासी अध्ययन

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

फकलियाल, राकेश सिंह

• (14 मई–10 जून, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम में सहभागिता।
• (06 अगस्त, 2018). गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'परमाणु मुक्त विश्व : विभ्रम या यथार्थ' विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में सहभागिता।
• (21 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता।
• (31 मार्च–01 अप्रैल, 2019). बौद्ध अध्ययन, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा पालि इंडिया ऑफ सोसायटी, अंतरराष्ट्रीय 10 वीं पालि दिवस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डॉ. अंबेडकर और बौद्ध धर्म' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

कारूण्यकरा, लेला

• (2018). 'फ्रॉम दलित टू पवित्र दलित : हिस्ट्री ऑफ दलित आइडेंटिटी', नागपुर : दलविश पब्लिशर्स।

3.4 डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

वर्धा स्थित राष्ट्रभाषा प्रचार समिति में 14 अप्रैल, 2004 को बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की जयंती के दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष व महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. जी. गोपीनाथन द्वारा भारतीय संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के अगाध हिंदी–प्रेम एवं हिंदी के प्रति उनकी संवैधानिक प्रतिबद्धता को देखकर और भारत में बौद्ध धम्म एवं दर्शन को पुनर्जीवित करने के उनके कार्य को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय में 'बौद्ध अध्ययन केंद्र' की आधारशिला रखी गई। जिस प्रकार वर्धा से महात्मा गांधी का नाम जुड़ा है, उसी प्रकार वर्धा की राष्ट्रभाषा प्रचार समिति एवं भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन का नाम जुड़ा है। वे सन् 1942 से सन् 1951 तक राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के प्रधानमंत्री रहे। हिंदी और बौद्ध धम्म व दर्शन के क्षेत्र में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण है, उन्होंने पालि भाषा के त्रिपिटक व अट्ठकथाओं समेत कई प्रमुख बौद्ध ग्रंथों का हिंदी भाषा में अनुवाद किया। उनके इस विशेष योगदान को देखते हुये ही, इस केंद्र का नाम 'डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र' रखा गया।

बौद्ध अध्ययन व पालि भाषा एवं साहित्य में पठन–पाठन और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 11 वीं पंचवर्षीय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की इपोक मेकिंग थिंकर्स योजना के अंतर्गत वर्ष 2007–2008 में यह केंद्र स्थापित किया गया। विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. जी. गोपीनाथन के द्वारा डॉ. एम. एल. कसारे को केंद्र का कार्यकारी निदेशक अप्रैल 2008 से बनाया गया। इससे पहले डॉ. एम. एल. कसारे केंद्र से जून 2007 से एक अतिथि शिक्षक के रूप में जुड़े हुए थे। डॉ. कसारे ने सत्र 2008–2009 में सबसे पहले बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया फिर तीन और डिप्लोमा व एम.ए. बौद्ध अध्ययन में शुरू किया। इसके बाद अप्रैल 2012 से डॉ. सुरजीत कुमार सिंह केंद्र के नए प्रभारी निदेशक बनाए गए, उन्होंने केंद्र के पुस्तकालय में किताबों की संख्या में वृद्धि की और उसका आधुनिकीकरण करते हुए पुस्तकालय को पूर्ण कंप्यूटरीकृत किया, साथ ही कौसल्यायन जी के परमप्रिय शिष्य डॉ. भदंत सावंगी मेधांकर के नाम पर पुस्तकालय का नाम रखा। डॉ. सुरजीत कुमार सिंह ने केंद्र को एक शोध केंद्र के रूप में परिवर्तित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए एम. फिल. व पी–एच. डी. बौद्ध अध्ययन को आरंभ कराया, उनके द्वारा एक शोध पत्रिका संगायन का संपादन भी किया जाता है। आज केन्द्र का डॉ. भदन्त सावंगी मेधांकर विभागीय पुस्तकालय है, जिसमें लगभग 2400 पुस्तकें उपलब्ध हैं। जो बौद्ध धम्म एवं दर्शन से संबंधित अनेक ग्रंथ, पालि भाषा, बौद्ध संकर संस्कृत, तिब्बती भाषा आदि भाषाओं में प्रकाशित हैं।

पाठ्यक्रम : • एम. ए. बौद्ध अध्ययन • बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • पालि भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • तिब्बती भाषा एवं धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • एम. फिल. बौद्ध अध्ययन • पी–एच.डी. बौद्ध अध्ययन • पालि भाषा में डिप्लोमा

गतिविधियाँ

- (31 जुलाई, 2018). 'बौद्ध धम्म में प्रज्ञा, शील, समाधि का स्वरूप' विषय पर केंद्र द्वारा प्रो. भिक्षु सत्यपाल, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
- (01 अगस्त, 2018). 'धम्मपद का बौद्ध धम्म में महत्व' विषय पर केंद्र द्वारा प्रो. भिक्षु सत्यपाल, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
- (02 अगस्त, 2018). 'धम्मपद में चित्त की अवधारणा एवं महत्व' विषय पर केंद्र द्वारा प्रो. भिक्षु सत्यपाल, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
- (03 अगस्त, 2018). 'धम्मपद का दैनिक जीवन में महत्व' विषय पर केंद्र द्वारा प्रो. भिक्षु सत्यपाल, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
- (05 अक्टूबर, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में बौद्ध अध्ययन के पठन–पाठन के 10 वर्ष पूर्ण होने पर केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रति कुलपति प्रो. आनंदवर्धन शर्मा, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. के. के. सिंह, प्रो. एल. कारुण्यकरा, प्रो. एम. एल. कासारे ने विचार व्यक्त किए। केंद्र की सहायक प्रोफेसर डॉ. शुभांगी शंभरकर ने स्वागत वक्तव्य दिया और प्रभारी डॉ. सुरजीत कुमार सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।
- (05 जनवरी, 2019). केंद्र द्वारा डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन व्याख्यानमाला–2019 में आचार्य सूर्यकांत भगत, प्रो. एम. एल. कासारे, बी. एस. मिरगे, डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, प्रो. के. के. सिंह, डॉ. कृष्ण चंद पांडेय आदि ने विचार व्यक्त किए।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
सुरजीत कुमार सिंह	सहायक प्रोफेसर	01.07.2010	पी–एच.डी.	जातक अट्ठकथा में वर्णित मृतक संस्कार	बौद्ध अध्ययन, पालि भाषा एवं साहित्य, बौद्ध दर्शन, बौद्ध इतिहास, बौद्ध कला एवं स्थापत्य
कृष्ण चंद पांडेय	सहायक प्रोफेसर	04.04.2016	पी–एच.डी.	'भाषा, सत और विकल्पः आचार्य धर्मकीर्ति के भाषा–दर्शन का अनुशीलन'	पालि भाषा और साहित्य, योगाचार दर्शन, बौद्ध ज्ञानमीमांसा और तर्कशास्त्र, अपोहवाद

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

सिंह, सुरजीत कुमार

- (14 अप्रैल, 2018). बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख पत्र प्रस्तुत किया।
- (01–04 मई, 2018). अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ व म.गां.अं.हि.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'अकादमिक लीडरशिप कार्यक्रम' में सहभागिता।
- (29 जुलाई, 2018). पालि प्रचारिणी सभा और पालि–प्राकृत विभाग, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय पालि परिषद् के वार्षिक कार्यक्रम में व्याख्यान।
- (12–21 फरवरी, 2019). फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के मानव संसाधन विकास केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'संकाय विकास कार्यक्रम' में सहभागिता। ।

पांडेय, कृष्ण चंद

- (06–08 अप्रैल, 2018). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के तत्वावधान में आयोजित '21वीं सदी में विद्यालय शिक्षा : बदलते आयाम, हस्तक्षेप और उभरते विकल्प' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शिक्षा में विकल्प' सत्र में सह अध्यक्ष के रूप में सहभागिता।
- (08–09 अप्रैल, 2018). दिग्विजय नाथ पी. जी. कॉलेज, गोरखपुर द्वारा वर्तमान वैश्विक परिपेक्ष्य में बौद्ध शिक्षा की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बौद्ध शिक्षा दर्शन और उसकी प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान तथा एक सत्र की अध्यक्षता।
- (13–15 जनवरी, 2019). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ, शिक्षा शास्त्र विभाग, म.गां.काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं विद्याश्री न्यास के संयुक्त तत्वावधान में 'शिक्षा, दर्शन और समाज : प्रासंगिक विमर्श के प्रमुख आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बौद्ध शिक्षा दर्शन : विमर्श के आयाम विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (20–22 फरवरी, 2019). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय समाज, शिक्षा और साहित्य में गाँधी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय संस्कृति, समाज एवं गांधी' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

सिंह, सुरजीत कुमार

- (अप्रैल और अक्टूबर, 2018). संगायन, 12 वें तथा 13 वें अंक का संपादन, दिल्ली : पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद्। ISSN: 2319–6343.

4. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

विश्वविद्यालय में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ हिंदी के माध्यम से विविध ज्ञानानुशासनो कें साथ संबद्ध हो कर शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध की सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस विद्यापीठ के अंतर्गत अनुवाद अध्ययन विभाग देश का एकमात्र ऐसा विभाग है, जो अनुवाद की तकनीकी, प्रणालीगत और रोजगारपरक संभावनाओं को यथार्थ में परिणत करने के लिए सतत् प्रयासरत है।

इस विद्यापीठ के अंतर्गत दो विभाग संचालित हैं :

4.1 अनुवाद अध्ययन विभाग

4.2 प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

4.1 अनुवाद अध्ययन विभाग

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय, वर्धा की स्थापना का मूल लक्ष्य हिंदी भाषा की व्यावहारिक क्षमताओं का विकास करके उसे एक समृद्ध और संपन्न अंतरराष्ट्रीय भाषा बनाना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के एक उपकरण के रूप में वर्ष–2003 में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ अस्तित्व में आया, जिसके अंतर्गत अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग प्रारंभ किया गया। वर्ष 2015 में इस विभाग का नाम बदलकर अनुवाद अध्ययन विभाग किया गया । इस विभाग ने 'हिंदी को भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अनुवाद के माध्यम से समृद्ध बना कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय अस्मिता की पहचान की भाषा बनाने' को दृष्टिबोध के रूप में ग्रहण किया तथा निम्नांकित उद्देश्य निर्धारित किए : 1. अनुवाद के माध्यम से संस्कृतियों के बीच आपसी समझ का विस्तार कर विश्व–बंधुत्व की भावना को बढ़ावा देना, 2. अनुवाद–विज्ञान को अंतरानुशासनिक ज्ञान–माध्यम के रूप में विकसित करते हुए उसे आधुनिक प्रौद्योगिकी से जोड़ना और हिंदी मशीनी अनुवाद प्रणाली का विकास करना, 3. निर्वचन को एक स्वतंत्र अध्ययन–अनुशासन के रूप में विकसित करना, 4. अंतर प्रतीकात्मक अनुवाद प्रविधि को कंप्यूटर, सिनेमा, दूरदर्शन, आकाशवाणी आदि के संदर्भ में विकसित करना, 5. अनुवाद को सांस्कृतिक, सामाजिक तथा प्रयोगपरक प्रविधियों से जोड़ते हुए उसके व्यावहारिक पक्ष का विकास करना, 6. भारतीय एवं अन्य देशों के श्रेष्ठ साहित्य का हिंदी में अनुवाद करना तथा अनूदित कृतियों की समीक्षा, परीक्षण एवं मूल्यांतकन कर अनुवाद की गुणवत्ता में वृद्धि करना, 7. अनुवाद हेतु उपयोगी कोशों का निर्माण करना, 8. आशु अनुवादकों के प्रशिक्षण एवं कौशल विकासार्थ समय–समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्यशालाएँ आयोजित करना, 9. अनुवाद प्रौद्योगिकी और मशीनी अनुवाद के क्षेत्र में शोध को प्रोत्साहित करना, 10. विद्यार्थियों को अनुवाद के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदानक कर उन्हें कुशल अनुवादक के रूप में स्थापित होने में सहयोग करना, 11. अनुवाद–शिक्षण एवं प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार की संभावनाएँ तलाशना।

पाठ्यक्रम : • एम. ए. अनुवाद अध्ययन • एम.फिल अनुवाद अध्ययन • पी–एच.डी. अनुवाद अध्ययन • पी.जी. डिप्लोमा : अनुवाद • पी.जी. डिप्लोमा : प्रयोजनमूलक हिंदी • पी.जी. डिप्लोमा : निर्वचन

शोध परियोजनाएँ

डॉ. अन्नपूर्णा सी.

'अनुवाद की विविध विधाओं में संकेत विज्ञान की अनुप्रयुक्तियों का विश्लेणात्मक अध्ययन', म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा वित्त प्रदत्त।

डॉ. हरप्रीत कौर

'पंजाबी लोक काव्य का हिंदी लिप्यंतरण एवं लोककाव्य में निहित प्रतिरोध के स्वर का विश्लेणात्मक अध्ययन', म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा वित्त प्रदत्त।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पद	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. /एम. फिल. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
देवराज	प्रोफेसर	18.01.2013	पी–एच.डी., हिंदी	नई कविता में रोमानी और यथार्थवादी अवधारणाओं की भूमिका (सन् 1950 से 1970 तक)	आधुनिक कविता
अन्नपूर्णा सी.	सह प्रोफेसर*	02.01.2007	पी–एच.डी., हिंदी	सजातीय और विजातीय भाषाओं के बीच अनुवाद की समस्याएँ : कामायनी के तेलुगु और अंग्रेजी अनुवाद के विशेष संदर्भ में	अनुवाद मूल्यांकन और अनुवाद
अनवर अहमद सिद्दीकी	सहायक प्रोफेसर	21.12.2006	पी–एच.डी., अनूदित नाटक	आठवें दशक के प्रयोगशील प्रतिनिधि अनूदित हिंदी नाटक : भाषागत एवं रंगमंचीय प्रयोग	
राम प्रकाश यादव	सहायक प्रोफेसर**	09.07.2009	पी–एच.डी., हिंदी	हिंदी साहित्य के इतिहास में मान और मूल्य	अनुवाद अध्ययन, सामाज भाषाविज्ञान और अनुवाद
हरप्रीत कौर	सहायक प्रोफेसर	27.08.2012	पी–एच.डी., हिंदी	समकालीन हिंदी और पंजाबी स्त्री कविता में स्त्री विमर्श (1990 से अब तक)	आधुनिक कविता, स्त्री अध्ययन, अनुवाद
गोपाल राम	सहायक प्रोफेसर***	26.12.2012	एम.फिल.		भाषाविज्ञान

(*हैदराबाद विश्वविद्यालय में धारणाधिकार पर, **विदेश में अध्यापन, ***जेएनयू, नई दिल्ली में धारणाधिकार पर)

प्रकाशन

कौर, हरप्रीत

• (2019). 'बेदखली दे कागज' काव्य संग्रह, नवीं दुनिया, 76, कनाडा : परिचाला। ISBN 978–81–927506–3–7

• (2019). 'मैं लाम दी जंज दा लाडा हां', पाकिस्तानी कवि जाबाज जाफरी की कविताओं का शाहमुखी से गुरमुखी अनुवाद नवीं दुनिया, 62 कनाडा : परिचाला। ISBN 978–81–927506–9–9

अन्य जानकारियाँ

विभागीय ब्लॉग : विभाग द्वारा 'निर्वचन' नामक एक ब्लॉग तैयार किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य पाठकों को अनुवाद प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यक जानकारी, विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के विषय में विस्तृत सूचना, संगोष्ठियों/शिविरों की जानकारी, आयोजन संबंधी समाचार, अनुवाद–कार्य संबंधी मूल्यांकनपरक सामग्री तथा विभिन्न भाषाओं से हिंदी में अनूदित रचनाएँ उपलब्ध कराना है।

अनूदित ग्रंथ प्रकोष्ठ : विभाग ने यह निश्चय किया है कि पुस्तकालय में एक अनूदित ग्रंथ प्रकोष्ठ स्थापित किया जाए। इसका उद्देश्य समस्त अनुशासनों से संबंधित अनूदित ग्रंथों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना और अनुवाद केंद्रित शोध व अध्ययन को प्रोत्साहित करना है।

अनुवाद शोध मंच : वर्ष 2013 में स्थापित अनुवाद शोध मंच का उद्देश्य अनुवाद के शोधार्थियों और अन्य छात्रों के शोध के अधुनातन क्षेत्रों की जानकारी प्रदान करना तथा अनुवाद एवं निर्वचन के व्यावहारिक पक्ष को विकसित करने की दृष्टि से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करना है।

एकीकृत अनुवादक सूची : नवीन विश्व परिदृश्य में अनुवाद की महत्ता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इसी के साथ विश्व भर के उन अनुवादकों को आपस में जोड़ने की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है, जो अपनी मातृ–भाषा अथवा अन्य भाषाओं से हिंदी में और हिंदी से अन्य भाषाओं में अनुवाद कार्य कर रहे हैं। इसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए अनुवाद अध्ययन विभाग ने 'एकीकृत अनुवादक सूची' तैयार करने की योजना प्रारंभ की है। इस सूची में पंजीकृत अनुवादकों को समय–समय पर अनुवाद कार्यशालाओं में आमंत्रित किया जाएगा, उन्हें अनुवाद अध्ययन के क्षेत्र में होने वाले शोध से परिचित कराया जाएगा, उनके लिए अनुवाद की नई तकनीक सुलभ बनाने के प्रयास किए जाएँगे तथा उन्हें मशीनी अनुवाद के महत्व से परिचित कराया जाएगा। इससे अनुवाद–कार्य के व्यावसायिक उपयोग की संभावनाएँ बढ़ेंगी।

ज्ञान सर्जन केंद्र : यह एक ऐसा केंद्र होगा, जिसकी स्थापना होने पर विज्ञान, समाज विज्ञान एवं मानविकी विषयों से जुड़ी शोध एवं संदर्भ सामग्री, विशेष रूप से अंग्रेजी व सामान्य रूप से अन्य भाषाओं से अनुवाद के माध्यम से हिंदी में आ सकेगी। अभी तक इस प्रकार की सामग्री मुख्यतः अंग्रेजी भाषा में है, जिस कारण हिंदी माध्यम से शोध एवं कक्षा अध्यापन में अनेक कठिनाइयाँ आती हैं। प्रस्तावित केंद्र इस समस्या के हल की दिशा में ठोस प्रयास करेगा। ज्ञान सर्जन केंद्र की स्थापना हेतु विस्तृत प्रस्ताव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रेषित किया जा चुका है।

अनुवाद विश्वकोश : यह हिंदी में ऐसा पहला कोश होगा, जिसमें अनुवाद, अनुवाद प्रौद्योगिकी, अनुवाद की पारिभाषिक शब्दावली, अनुवाद–प्रक्रिया, अनुवाद हेतु प्रयोग में आने वाले प्रमुख साधन, अनुवाद व्याकरण आदि विविध पक्षों की वैज्ञानिक जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध होगी।

4.2 प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग का गठन अंतर–अनुशासनिक शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने के लिए गया है। इस विभाग में सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी अनुशासनों यथा समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीति विज्ञान, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन आदि के संधि–क्षेत्र में डायस्पोरा से जुड़े विभिन्न मुद्दों का अनुशीलन किया जा रहा है। प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग द्वारा शोधात्मक गतिविधियों के अंतर्गत भारतीय डायस्पोरा के ऐतिहासिक संदर्भ, उसकी सभ्यतागत धरोहर, सामाजिक एवं सांस्कृतिक निरंतरता एवं रूपांतरण, मेजबान समाज के संदर्भ में उनका आर्थिक एवं राजनैतिक जीवन, भारतीय स्वभूमि तथा भारतीय डायस्पोरा के बीच संप्रेषण एवं जुड़ाव को समृद्ध करने वाले तत्वों को सम्मिलित किया गया है। विश्व संस्कृति में भारतीय डायस्पोरा एक महत्वपूर्ण और कुछ संदर्भों में विशिष्ट स्थान निर्मित कर रहा है। वर्तमान भारतीय डायस्पोरा का उद्भव अंग्रेजों द्वारा भारत में राजनैतिक प्रभुत्व स्थापित करने तथा उसे औपनिवेशिक शासन प्रणाली के हिस्से के रूप में अंगीकार करने से मुख्यतः जुड़ा है। उन्नीसवीं शताब्दी में अनुबंधित श्रमिकों के रूप में बड़े पैमाने पर भारतीयों को सुदूरवर्ती औपनिवेशिक बागान क्षेत्रों में ले जाया गया। इन्हीं परिस्थितियों में मॉरीशस, त्रिनिदाद, सूरीनाम, दक्षिण अफ्रीका, फिजी, श्रीलंका, गयाना, मलेशिया एवं अन्य देशों में बसे भारतीय मूल के लोगों ने विविध गतिविधियों से एक विशिश्ट पहचान निर्मित की है। विभाग द्वारा औपनिवेशिक युग से वर्तमान तक भारतीय डायस्पोरा के गठन संचालन की प्रक्रिया का अध्ययन किया जा रहा है। विभाग के अध्ययन एवं शोध गतिविधियों का केंद्र–बिंदु अनुबंध आधारित श्रम व्यवस्था एवं वैश्वीकृत प्रवासन तंत्रों से निर्मित भारतीय डायस्पोरा है। विभाग के शोध गतिविधियों एवं अध्ययन के

उद्देश्य हैं : 1. मेजबान (होस्ट) समाजों में प्रवासन, अवस्थापन (बसाव) तथा पहचान निर्माण की प्रक्रियाएँ, 2. प्रवासन तथा स्वभूमि (होमलैंड): स्मृतियां, वृतांत एवं मौखिक इतिहास, 3. मेजबान समाजों की गतिशील शक्ति–संरचना के संदर्भ में भारतीय डायस्पोरा समुदायों में नृजातीय पहचान का उभारः एक समन्वयकारी अथवा विघटनकारी शक्ति के रूप में, 4. वैश्विक तथा राश्ट्रीय स्तर पर पहचान का संघर्श एवं भारत में उभरती नृजातीय–चेतना के संदर्भ में भारतीय डायस्पोरा, 5. भारतीय डायस्पोरा समुदायों का आपसी जुड़ाव तथा पारदेशीय संजाल (ट्रांसनेशनल नेटवर्क) तथा भारतीय स्वभूमि से उसका जुड़ाव, 6. मेजबान समाजों (होस्ट सोसाइटी) के सामाजिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक–तकनीकी तथा औद्योगिक विकास में भारतीय डायस्पोरा का योगदान, 7. डायस्पोरा तथा भारतीय राज्यः संस्थाएं, अभिकरण एवं नीतियाँ, 8. भारतीय डायस्पोरा का नृजाति–विवरणात्मक अध्ययन, 9. भारतीय डायस्पोरा के बारे में भारतीय लेखकों, डायस्पोरा लेखकों एवं गैर भारतीय लेखकों द्वारा सृजित साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, 10. भारतीय डायस्पोरा में उभरते नवीन सांस्कृतिक स्वरूपों एवं लोकप्रिय संस्कृति संबंधी शोध।

पाठ्यक्रम : • एम.ए. प्रवासन एवं डायस्पोरा • एम.फिल. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन • पी–एच.डी. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन
• भारतीय डायस्पोरा में पी.जी. डिप्लोमा

गतिविधि

• विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

शोध परियोजनाएँ

• 'भारत में बसे तिब्बती शरणार्थियों की जीविकोपार्जन रणनीति एवं आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन', 50 हजार रुपये, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा प्रदत्त।

लघु शोध परियोजना

• डायवरसिटीज ऑफ़ आइडेंटिटी : इमेजिन्ड इंडिया इन यंगर जेनेरेशन ऑफ़ इंडियन डायस्पोरा, सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद, दिल्ली द्वारा वित्त प्रदत्त, बृहद शोध परियोजना, राशि 25 लाख रुपये।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पीएच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
राजीव रंजन राय	सहायक प्रोफेसर	24.06.2010	डी.फिल. मानवविज्ञान	सोशियो–इकोनामिक स्टेटस, हेल्थ एंड वेलबींग ऑफ ए सोशल ग्रुप इन हैबिटिंग इन रूरल एंड अर्बन एरिया इन गोरखपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश।	सामाजिक सांस्कृतिक मानव विज्ञान, भारतीय डायस्पोरा, अंतरराष्ट्रीय प्रवासन, ट्रांसनेशनलिज्म
मुन्नालाल गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	27.05.2013	पीएच.डी. मानवविज्ञान	झारखंड आंदोलन एवं राज्य निर्माण का संथाल जनजाति की संस्कृति पर प्रभाव	सामाजिक सांस्कृतिक मानव विज्ञान, भारतीय डायस्पोरा और गांधी विचार, भारतीय इतिहास

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

राय, राजीव रंजन

• (18–20 अगस्त, 2018). भारत सरकार द्वारा मॉरीशस में आयोजित 11 वें विश्व हिंदी सम्मेलन में सरकारी प्रतिनिधि के रूप में सहभागिता।
• (18–19 जनवरी, 2019). 'डायस्पोरा एंड होमलैंड' विषय पर इतिहास विभाग, डीएवी पी.जी. कॉलेज, बनारस द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इमेजिंड इंडिया ऐज़ होमलैंड इन आईडेंटिटी फॉरमेशन एमंग इंडियन डायस्पोरा' विषयक प्रपत्र प्रस्तुत।
• (19–20 जनवरी, 2019). 'इंडिया एंड द गिरमिटिया डायस्पोरा : लींकिंग फॉर डेवलपमेंट एंड प्रोस्पेरिटी' विषय पर इंडियन डायस्पोरा इंटरनेशनल सेंटर, बीएचयू, बनारस द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
• (20–26 जनवरी, 2019). विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बनारस में आयोजित 15 वें प्रवासी भारतीय दिवस समारोह में सहभागिता।
• (21 जनवरी, 2019). 'डायस्पोरा एंड इट्स रूट' विषय पर आर्य महिला पी.जी.कॉलेज, बनारस द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कल्चरल रूट सर्च : डायस्पोरा रिकनेक्सन विथ इंडिया' विषयक प्रपत्र प्रस्तुत।
• (02 फरवरी, 2019). यशवंत ग्रामीण शिक्षण संस्था द्वारा संचालित, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण में साहित्य, समाज और मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित बहुविद्याशाखीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सोशल फॉरेस्ट्री : एनवारमेंटल' पर प्रपत्र प्रस्तुत।

गुप्ता, मुन्नालाल

- (25–26 सितंबर, 2018). 'वर्तमान संदर्भ में भारतीय जनजातियों में पारंपरिक ज्ञान की प्रासंगिकता' विषय पर भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रपत्र वाचन तथा एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता।
- (21–22 दिसंबर, 2018). महात्मा गांधी की 150 जयंती पर महात्मा–विनोबा–जयप्रकाश चिंतन केंद्र, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड में 'गांधी और गिरमिटिया' विषय पर व्याख्यान।
- (18–19 जनवरी, 2019). 'डायस्पोरा एंड होमलैंड' विषय पर इतिहास विभाग, डीएवी पी.जी. कॉलेज, बनारस द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गिरमिटिया इतिहास के स्रोत के रूप में लोक गीत' विषयक प्रपत्र वाचन।
- (21 जनवरी, 2019). 'डायस्पोरा एंड इट्स रूट' विषय पर आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, बनारस द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लोक गीतों में अभिव्यक्त गिरमिटिया जीवन' विषयक प्रपत्र वाचन।
- (20–26 जनवरी, 2019). विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बनारस में आयोजित 15वें प्रवासी भारतीय दिवस समारोह में सहभागिता।
- (23 जनवरी, 2019). भूगोल विभाग, उदय प्रताप कॉलेज, बनारस में 'डायस्पोरा एक भौगोलिक परिचय' विषय पर व्याख्यान।
- (23–24 फरवरी, 2019). एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज, यू.जी.सी–ह्यूमन रिसोर्स डेवेलपमेंट सेंटर, रांची विश्वविद्यालय, रांची में इतिहास विषय पर आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में 'भारतीय समुद्रपारीय प्रवासन एवं डायस्पोरा' विषय पर व्याख्यान।
- (30 मार्च, 2019). 'महात्मा गांधी इन द चेंजिंग टाइम्स' विषय पर मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद रिसर्च सेंटर, औरंगाबाद द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महात्मा गांधी और गिरमिटिया श्रमिकों के मानवाधिकारों का संघर्ष' विषयक प्रपत्र वाचन।

प्रकाशन

गुप्ता, मुन्नालाल

- (मार्च–अगस्त, 2018). 'प्रवासी भारतीय और लोकप्रिय संस्कृति', गगनांचल, 41 (2–4), 168–172, नई दिल्ली : भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, ISSN: 0971–1430
- (मार्च, 2019). 'महात्मा गांधी और गिरमिटिया श्रमिकों के मानवाधिकारों का संघर्ष', स्कॉलर इम्पैक्ट इंटरनेशनल जर्नल, 6(1), 66–68, ISSN : 2394-7632

5. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इस विद्यापीठ में जनसंचार विभाग, म.गां.फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र और मानवविज्ञान विभाग संचालित हैं। मानवविज्ञान विभाग की स्थापना 17 सितंबर 2009 को की गई। मानवविज्ञान में आधुनिक शिक्षा के साथ रोजगार के नए अवसरों के अनुरूप विद्यार्थियों को शिक्षित किया जाता है। विषय से सबंधित शोध को बढ़ावा देना इस विभाग का मुख्य उद्देश्य है। मानवविज्ञान का प्रमुख अध्ययन क्षेत्र जनजातीय समुदाय है। इसलिए विदर्भ और महाराष्ट्र के अन्य क्षेत्रों में बसे जनजातीय समुदाय पर शोध इस विभाग का मुख्य कार्य है। फोरेंसिक साइंस में स्नातकोत्तर डिप्लोमा इस विभाग का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पाठ्यक्रम है।

इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्नलिखित केंद्र एवं विभाग संचालित हैं :

5.1 जनसंचार विभाग

5.2 म.गां. फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र

5.3 मानवविज्ञान विभाग

5.1 जनसंचार विभाग

जनसंचार विभाग मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत आता है। जनसंचार विभाग वर्ष 2004 में स्थापित किया गया। जनसंचार विभाग अपने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को संचार के विविध क्षेत्रों में तकनीकी सूक्ष्मता की विकसित समझ तथा अपने विषय की विशेषज्ञता प्रदान करता है। यह विभाग स्तरीय शोध के लिए निरंतर गतिशील है। विभाग द्वारा राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर के मीडिया शोध विशेषज्ञों को आमंत्रित कर ज्ञानवर्द्धन के प्रयास किए जा रहे हैं। जनसंचार विभाग मीडिया अध्ययन के लिए नई सूचना प्रौद्योगिकी के साथ जुड़कर विशेश कार्यक्रमों को चलाता है, जैसे मीडिया शोध में गुणवत्ता, तात्कालिक विषयों पर लेखन, कौशल आधारित शिक्षा, मीडिया प्रशिक्षण, जनसंपर्क एवं विज्ञापन की नई प्रवृत्तियाँ, नवाचार और मीडिया प्रबंधन, पत्रकारिता के नैतिक मूल्य, टीवी और फिल्म निर्माण, विद्यार्थियों में सूचना तकनीक की कुशलता आदि। विभाग के समृद्ध विभागीय पुस्तकालय, अत्याधुनिक उपकरण से लैस स्टूडियो, न्यूज तथा तकनीक प्रशिक्षण कक्ष के उपयोग द्वारा अध्ययनरत विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास किया जाता है। टीवी निर्माण में उच्च व्यावसायिक गुणवत्ता की दृष्टि से विद्यार्थियों को अच्छा प्रशिक्षण मिलने हेतु मीडिया लैब में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे एवं अन्य सामग्री का प्रयोग किया जाता है। स्मार्ट क्लास रूम, अपडेट कंप्यूटर सुविधाओं के साथ ही विद्यार्थियों को टीवी कार्यक्रम निर्माण एवं ग्राफिक्स डिजाइन के लिए एपल मैक प्रो कंप्यूटर की सुविधा भी मीडिया लैब में उपलब्ध है। समकालीन सामाजिक प्रतिमान के समानांतर मीडिया क्षेत्र में नई दिशा देना विभाग का लक्ष्य है।

पाठ्यक्रम : • बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार • एम.ए.जनसंचार • एम.फिल. जनसंचार • पी–एच.डी. जनसंचार

गतिविधियाँ

- (10 जनवरी, 2019). विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांति निकेतन के प्रो. बिप्लव चौधुरी का 'संचार के सिद्धांत' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। न्यूज़ 18 लोकमत के एंकर विलास बढ़े और कैमरामेन रमेश भट्ट का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
- (27–30 मार्च 2019). जनसंचार विभाग द्वारा हिंदी के चार पुरोधा संपादकों–गणेश मंत्री, नारायण दत्त, प्रभाष जोशी, धर्मवीर भारती की पत्रकारिता पर आयोजित संगोष्ठी में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने चार व्याख्यान दिए। इस अवसर पर माधवराव सप्रे संग्रहालय, भोपाल के संस्थापक विजय दत्त श्रीधर, डॉ मंगला अनुजा, डॉ पुष्पिता अवस्थी की विशेष उपस्थिति रही।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
अनिल कुमार राय	प्रोफ़ेसर	07.07.2009	पीएच.डी	उत्तर प्रदेश में महिलाओं का सशक्तीकरण और जनमाध्यम : पंचायती राज संस्थाओं का विश्लेणात्मक अध्ययन	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (टी.वी. कार्यक्रम निर्माण), रिपोर्टिंग एवं फीचर लेखन
कृपाशंकर चौबे	प्रोफ़ेसर	23.07.2009	पीएच.डी	हिंदी पत्रकारिता : परिवर्तन और प्रवृत्तियाँ	प्रिंट मीडिया एवं साहित्य
धरवेश कठेरिया	सहायक प्रोफ़ेसर	23.03.2007	पीएच.डी	सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन में जनमाध्यमों की भूमिका–जबलपुर के परिपेक्ष्य में (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया–फिल्म एवं टीवी के विशेष संदर्भ में)	टी.वी. एवं रेडियो पत्रकारिता और कार्यक्रम निर्माण
अख्तर आलम	सहायक प्रोफ़ेसर	10.07.2009	पीएच.डी	मुस्लिम महिलाओं के सशक्तीकरण में हिंदी पत्रों का योगदान (गोरखपुर, आजमगढ़, वाराणसी मंडल के संदर्भ में)	प्रिंट मीडिया और जनसंपर्क
संदीप वर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	15.06.2010	एम.फिल.	...	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और मीडिया विधि
राजेश लेहकपुरे	सहायक प्रोफ़ेसर	16.06.2010	एम.एम.सी.जे.	...	प्रिंट मीडिया, विज्ञापन एवं जनसंपर्क
रेणु सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	22.06.2010	पीएच.डी	डिजिटल डिवाइड इन हायर एजुकेशन	विकास संचार, न्यू मीडिया, शोध प्रविधि

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

आलम, अख्तर

- (7–8 अक्तूबर, 2018). पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय, छतीसगढ़, बिलासपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सामाजिक न्याय और गांधी की पत्रकारिता' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
- (2 फरवरी, 2019). हिंदी विभाग, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण में साहित्य, समाज और मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पर्यावरण संरक्षण में मीडिया की भूमिका' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (2 मार्च, 2019). न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा 'महात्मा @ 150' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी के सपनों का भारत और हिन्द स्वराज' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

वर्मा, संदीप कुमार

- (जनवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिजीटल माध्यमों पर सिनेमा का प्रसार और व्यापार' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
- (फरवरी, 2019). हिंदी विभाग, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण में साहित्य, समाज और मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत।
- (मार्च, 2019). न्यू कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, वर्धा द्वारा महात्मा@150 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधीयन अभिव्यक्ति और विचारों के आधार पर वेब संचार के नैतिक मापदंड' विषयक पत्र प्रस्तुत।

लेहकपुरे, राजेश

- (2 फरवरी 2019). हिंदी विभाग, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण में साहित्य, समाज और मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रिंट मीडिया और पर्यावरण' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (2 मार्च 2019). न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा 'महात्मा@150' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महात्मा गांधी के पत्रकारीय मूल्य और विज्ञापन नीति' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

सिंह, रेणु

- (3–4 दिसम्बर 2018). वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मूलभूत जनसंचार शब्दावली (अंग्रेजी–हिंदी) के निर्माण कार्य में विषय विशेषज्ञ एवं संपादक सदस्य के रूप मे सहभागिता।
- (5–7 दिसम्बर 2018). वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक शोध पत्रिका ज्ञान गरिमा सिंधु (जनसंचार विशेषांक) की संपादक समिति के सदस्य के रूप मे सहभागिता।
- (7–11 जनवरी, 2019). वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा न्यू मीडिया (अंग्रेजी–हिंदी) शब्दावली निर्माण कार्य पर म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में आयोजित बैठक के आयोजक एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- (02 फ़रवरी, 2019). यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण में साहित्य, समाज और मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पर्यावरण संरक्षण में मीडिया की भूमिका' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (02 मार्च, 2019). न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा 'महात्मा @150' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ गांधीग्राम स्वराज एंड ई–गवर्नन्स' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (28–30 मार्च, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 'ज़ेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समानांतर सत्र की सह–अध्यक्षता।
- (31 मार्च–01 अप्रैल, 2019). पालि सोसाइटी ऑफ़ इंडिया, वाराणसी द्वारा 'दी रिवाइवल ऑफ़ बुद्धिज्म इन मॉडर्न इंडिया' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बौद्ध धर्म और डॉ. भीमराव अंबेडकर' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

चौबे, कृपाशंकर

- (2018). मीडिया संस्कृति समय, नई दिल्ली : प्रकाशन संस्थान, ISBN : 978–81–7714–658–5
- (2018). हिंदी और पूर्वोत्तर (सं.), नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन, ISBN : 978–93–87648–50–0
- (2018). विरल सारस्वत साधना (सं.), नई दिल्ली : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, ISBN : 978–93–80935–7
- (2018). 'आदिवासी अधिकार की अग्निशिखा', मानव अधिकार नई दिशाएं, रजत जयंती विशेषांक, 15, 35–52, नई दिल्ल्ली : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, ISSN : 0973–7588
- (जुलाई 2018). 'वैचारिक लेखन में राजकिशोर का कोई जवाब नहीं था', आंचलिक पत्रकार, 22–24, ISSN : 23193107

- (जुलाई 2018). 'कुलपति के रूप में जगदीश उपासने की नई पारी', आंचलिक पत्रकार, 29–31, ISSN : 23193107
- (अगस्त 2018). 'हिंदी पत्रकारिता की भाषा और वर्तनी', आंचलिक पत्रकार, 37–43, ISSN : 23193107
- (अगस्त 2018). 'शिवपूजन सहाय की पत्रकारिता', जन मीडिया, 25–30, ISSN : 2277–2847
- (अक्टूबर 2018). 'राम बहादुर राय की अनूठी संवाद शैली', आंचलिक पत्रकार, 19–28, ISSN : 2319–3107
- (अक्टूबर 2018). 'अंतरराष्ट्रीय स्वरूप लेता विश्व हिंदी सम्मेलन', साहित्य अमृत, 14–19, ISSN : 2455–1171
- (अक्टूबर–दिसंबर 2018). 'हिंदी को सींचनेवाले मराठीभाषी', बहुवचन, 59, 30–58, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि, ISSN : 2348–4586
- (नवंबर 2018). 'जनोन्मुख पत्रकारिता के पैरोकार हरिवंश', आंचलिक पत्रकार, 04–11, ISSN : 2319–3107
- (दिसंबर 2018). 'कुमारसभा पुस्तकालय के सौ साल', आंचलिक पत्रकार, 16–20, ISSN : 2319–3107

कठेरिया, धरवेश

- (नवंबर 2018). 'विज्ञापन : सामाजिक जागरूकता और भावनात्मक आकर्षण', रिव्यू ऑफ रिसर्च, 08 (02) ISSN : 2249–894X

आलम, अख्तर

- (मई, 2018). 'सूचना समाज और सोशल मीडिया (फेसबुक के विशेष संदर्भ में)' सह–लेखक, रिव्यू ऑफ रिसर्च, 07, 9–14, ISSN : 2449–59 X
- (नवंबर 2018). 'प्रिंट मीडिया में तीन तलाक खबरों का प्रस्तुतीकरण', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हिंदी रिसर्च, 4, 40–44, ISSN : 2455–2232
- (मार्च 2019). 'गांधी के सपनों का भारत और हिंद स्वराज', इंटरनेशनल जर्नल, विशेषांक, 228–230, ISSN : 2319–9318
- (जनवरी–मार्च 2019). 'सरोगेट विज्ञापन के संवाद और उत्पाद के संबंधों का विश्लेषण' सह–लेखक, इंटरनेशनल जर्नल, 8, 6–10

लेहकपुरे, राजेश

- (अगस्त, 2018). 'युवाओं पर विज्ञापन का प्रभाव', रिसर्च जर्नी, 120–129, अमरावती : स्वातिधन प्रकाशन, ISSN : 2348–7143
- (जनवरी–मार्च, 2019). 'सरोगेट विज्ञापन के संवाद और उत्पाद के संबंधों का विश्लेषण', अजंता, 6–10, औरंगाबाद : अजंता प्रकाशन, ISSN : 2277–5730

सिंह, रेणु

- (जुलाई–सितंबर, 2018). ज्ञान गरिमा सिंधु (त्रैमासिक पत्रिका, जनसंचार विशेषांक) (संपादन समिति), 59, नई–दिल्ली : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग; मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) भारत सरकार. ISSN: 2321–0443
- (जुलाई– सितंबर 2018). 'राजनीतिक संचार और मीडिया साक्षरता में हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषा की भूमिका', ज्ञान गरिमा सिंधु, 59, 14–21, नई–दिल्ली : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग; मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) भारत सरकार. ISSN: 2321–0443
- (अक्टूबर–2018). 'जनमत निर्माण सिद्धांत का विकास एवं विश्व के प्रमुख चिंतक', हिंदी समय (ई. पत्रिका), वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.
- (2019). जनसंचार मूलभूत शब्दावली (अंग्रेज़ी–हिंदी) (विषय विशेषज्ञ), नई–दिल्ली : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग; मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) भारत सरकार।

5.2 महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र

विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2009 में की गई। देश के प्रचलित मानकों के साथ चल रहा समाज कार्य पाठ्यक्रम राष्ट्रहित में एक चुनौती के रूप में गांधी–मूल्यों का प्रसार करते हुए स्वाबलंबन की सीख देता है। यह पाठ्यक्रम शास्त्रीय अध्ययन मात्र नहीं बल्कि कार्य व्यवहार का विशाल क्षेत्र निर्मित करता है जिससे जीवन और जीविका दोनों की सुरक्षा संभव हो पाती है। केंद्र अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से ऐसे सुप्रशिक्षित विद्यार्थियों को तैयार करने को प्रयत्नशील है जो अकादमिक एवं व्यावहारिक तौर पर समाज के तमाम अन्यायों एवं शोषण के प्रति आवाज मुखर करते हुए सशक्त हस्तक्षेप कर सामाजिक न्याय पर आधारित समाज का निर्माण कर सके। केंद्र प्रचलित समाज कार्य के पठन–पाठन में एक सशक्त हस्तक्षेप करते हुए ऐसे मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करने का प्रयास कर रहा है जो समाज से सह–संवेदी होते हुए समाज कार्य की नई प्रविधि एवं दृष्टिकोणों की खोज कर सकें साथ ही ऐसा करते हुए अद्यतन तकनीकों के प्रयोग के माध्यम से समाज के साथ अपने ज्ञानोत्पादन को साझा कर सकें।

पाठ्यक्रम : • समाज कार्य में स्नातक (बी.एस.डब्ल्यू.) • समाज कार्य में स्नातकोत्तर (एम.एस.डब्ल्यू.) • एम.फिल. (समाज कार्य) • पी–एच.डी. (समाज कार्य) • एन.जी.ओ. प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

गतिविधियाँ

- (11 अप्रैल, 2018). महात्मा ज्योतिबा फुले तथा कस्तूरबा गांधी की जयंती के अवसर पर प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी के व्याख्यान का आयोजन।
- (7 मई, 2018). बा–बापू 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन।
- (29–30 जून, 2018). भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में समाज कार्य पाठ्यक्रम कार्यशाला का आयोजन।
- (11 सितंबर, 2018). केंद्र में विनोबा भावे की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन। मुख्य वक्ता प्रो. गिरीश्वर मिश्र।
- (16 सितंबर, 2018). केंद्र में एलजीबीटीक्यू समुदाय एवं उनके अधिकार (धारा– 377) के विशेष संदर्भ में परिचर्चा का आयोजन। मुख्य वक्ता रवीना बरिहा।
- (03 अक्टूबर, 2018). केंद्र द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर डॉ. एम. एल. कासारे का ''संविधान समाज और गांधी'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन।
- (14 जनवरी, 2019). केंद्र में शोधवार्ता के अंतर्गत पर्यावरण एवं सामाजिक जागरूकता विषय पर श्री. राजाराम त्रिपाठी ने वक्तव्य दिया।
- (19 जनवरी, 2019). केंद्र में विश्व समाज कार्य दिवस के अवसर पर 'प्रमोटिंग द इम्पॉर्टेन्स ऑफ ह्यूमन रिलेशनशिप' विषय पर एक दिवसीय परिचर्चा का आयोजन।
- (12–21 फरवरी, 2019). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र और शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा एम.जी.एन.सी. ऑफ रुरल एज्युकेशन, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में 'ग्रामीण समुदाय सहभागिता' विषय पर संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन।
- (17 फरवरी, 2019). एम. एस. एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, सोपेर कॉलेज, इजराइल, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं डॉ. एम. के. उमटे कॉलेज, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'यूथ इन इजराइल एंड इंडिया : इश्यूज एंड चैलेंजेज' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।

शोध परियोजनाएँ

पूर्ण परियोजना

- राष्ट्र बनाम आख्यान : 21 वीं सदी में राष्ट्रवाद, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषण (कुल रकम 18 लाख), प्रमुख अन्वेषक : प्रो. मनोज कुमार, सह–अन्वेषक : डॉ. मिथिलेश कुमार।
- 'सामाजिक पूँजी एवं किसान आत्महत्या', आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषण (कुल रकम 10 लाख), प्रमुख अन्वेषक : डॉ. शंभू जोशी, सह–अन्वेषक : डॉ. मिथलेश कुमार एवं डॉ. आमोद गुर्जर।

शोधरत परियोजना

- 'कल्याणकारी योजनाओं के बदलते संदर्भ म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा वित्तपोषित (राशि 50 हजार) प्रमुख अन्वेषक–डॉ. मिथिलेश कुमार।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
मनोज कुमार	निदेशक	23.03.2007	पी–एच.डी. गांधी विचार	शांति सेना : सिद्धांत एवं व्यवहार	गांधी अध्ययन, सामाजिक नीति एवं सामाजिक विकास
मिथिलेश कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	26.11.2015	पी–एच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन	सूचना का अधिकार : आलोचनात्मक अध्ययन	शांति अध्ययन शोध प्रविधि

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

कुमार, मनोज

- (7 मई, 2018). बा–बापू 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यशाला का निर्देशन।
- (29–30 जून, 2018). भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समाज कार्य पाठ्यक्रम कार्यशाला का निर्देशन।
- (15–16 दिसंबर, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र एवं भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में तुमकुर विश्वविद्यालय, कर्नाटक में ''गांधी वैल्यूज एंड सोशल वर्क'' विषय पर प्रपत्र वाचन तथा सम्मेलन का निर्देशन।
- (12–18 फरवरी, 2019). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र और शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा एम.जी.एन.सी. ऑफ रूरल एजुकेशन, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में 'ग्रामीण समुदाय सहभागिता' विषय पर आयोजित 'संकाय संवर्धन कार्यक्रम' का निर्देशन।
- (17 फरवरी, 2019). एम. एस. एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, सोपेर कॉलेज, इजराइल, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं डॉ.एम.के. उमटे कॉलेज, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'यूथ इन इजराइल एंड इंडिया : इश्यूज एंड चैलेंजेज' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समन्वयक।
- (20–22 फरवरी, 2019). गांधीनगर में 'भारतीय समाज शिक्षा एवं साहित्य' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।
- (28–30 मार्च, 2019). आई.सी.एस.एस. आर., नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक सत्र की अध्यक्षता।

कुमार, मिथिलेश

- (7 मई, 2018). बा–बापू 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यशाला का संयोजन।
- (29–30 जून, 2018). भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर द्वारा आयोजित समाज कार्य पाठ्यक्रम कार्यशाला का संयोजन।
- (27–28 सितंबर, 2018). स्कूल ऑफ सोशल वर्क, इग्नू, दिल्ली द्वारा 'इन्क्लूसिव सोशल वर्क एजुकेशन इन इंडिया एंड अंडरस्टैडिंग डिसएबिलिटी एंड सोशल वर्क' विषय पर आयोजित दो दिवसीय परिचर्चा में सहभागिता।
- (8 अक्टूबर, 2018). आई.आई.टी., मुंबई में 'गांधी–150' के उपलक्ष्य में आयोजित टास्क फोर्स मीटिंग में सहभागिता।
- (16 नवंबर–14 दिसंबर, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित 'संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम' में सहभागिता।
- (15–16 दिसंबर, 2018). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र एवं भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में तुमकुर विश्वविद्यालय, कर्नाटक में ''द रिलेवन्स ऑफ ओरबिंदो'' विषय पर प्रपत्र वाचन तथा सम्मेलन का संयोजन।
- (5 जनवरी, 2019). शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, होशंगाबाद में 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मानव तस्करी के विविध आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मानव तस्करी एवं मानवाधिकार का प्रश्न' विषय पर आलेख वाचन।
- (12–18 फरवरी, 2019). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र और शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा एम.जी.एन.सी. ऑफ रूरल एजुकेशन, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में 'ग्रामीण समुदाय सहभागिता' विषय पर आयोजित संकाय संवर्धन कार्यक्रम का संयोजन।
- (17 फरवरी, 2019). एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, सोपेर कॉलेज, इजराइल, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं डॉ.एम.के. उमटे कॉलेज, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'यूथ इन इजराइल एंड इंडिया : इश्यूज एंड चैलेंजेज' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधीयन विजन फॉर यूथ फॉर नेशन बिल्डिंग थ्रू कंस्ट्रक्टिव प्रोग्राम' विषय पर प्रपत्र वाचन एवं कार्यक्रम का संयोजन।
- (20–22 फरवरी, 2019). गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में गांधीनगर में 'भारतीय समाज शिक्षा एवं साहित्य' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 'गांधीय समाज कार्य की ज्ञानमीमांसा' विषयक आलेख प्रस्तुति एवं कार्यक्रम का संयोजन।
- (02 मार्च, 2019). न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'जे.सी. कुमारप्पा का आर्थिक चिंतन' विषय पर प्रपत्र वाचन।
- (11–12 मार्च, 2019). जमशेदपुर महिला महाविद्यालय, जमशेदपुर में एम.फिल. शोधार्थियों के लिए 08 विशेष व्याख्यान।
- (28–30 मार्च, 2019). आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली एवं म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।

प्रकाशन

कुमार, मनोज

(05 मई, 2018). 'मानसिक विकृति एवं समाज कार्य', इंटेरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव नॉलेज कन्सेप्ट्स, 6 (5), 120–126.

कुमार, मिथिलेश

- (2019). 'विशेष योग्यता वाले समूहों के मानवाधिकार का सवाल', रिइनवेंटिंग दिव्यांग : टूवर्ड सोशल इंक्लूजन (सं.), नई दिल्ली : शिवालिक प्रकाशन।
- (2019). गांधी दृष्टि के विविध आयाम (जोशी, एस. के साथ सह–लेखन), नई दिल्लीः राजकमल प्रकाशन।
- (जनवरी–मार्च, 2019). भूदान की ज्ञान मीमांसा, बहुवचन, 60, 168–177, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (2 मार्च, 2019). 'जे. सी. कुमारप्पा का आर्थिक चिंतन', इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, विशेषांक, 262–264

उपलब्धियाँ

- कु. रक्षा महाजन –बेस्ट इंटर्न (प्रथम) अवार्ड 2018, द्वारा मिशन समृद्धि
- श्री गणेश बोरकर –बेस्ट इंटर्न (द्वितीय) अवार्ड 2018, द्वारा मिशन समृद्धि

विभाग / केंद्र द्वारा एमओयू का विवरण

एमओयू की तिथि	संस्थान नाम	संस्थान की ओर हस्ताक्षर करने वाले का नाम
03 दिसंबर, 2018	मातृ सेवा संघ इंस्टीटयूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर	प्रो. जॉन मीनाचेरी

5.3 मानवविज्ञान विभाग

मानवविज्ञान विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण विभाग है। इस विभाग की स्थापना 17 सितम्बर, 2009 में की गई। मानवविज्ञान विभाग का उद्देश्य उत्कृष्ट शिक्षण एवं शोध के साथ–साथ विषय के अन्य पक्षों को भी उन्नत करना है। चूँकि मानवविज्ञान का एक प्रमुख अध्ययन क्षेत्र 'जनजातीय समुदाय' है इसलिए विदर्भ क्षेत्र में स्थित यह विभाग विशाल जनजातीय समुदाय विशेष रूप से मध्य भारत की जनजातियों पर महत्वपूर्ण अध्ययन कर रहा है, जिसमें विदर्भ क्षेत्र की विभिन्न जनजातियों की संस्कृतियाँ प्रमुखतः शामिल हैं। इस समय विभाग में सामाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान में विशेष शैक्षणिक एवं शोधकार्य चल रहा है, जिसका उद्देश्य मानव के सांस्कृतिक पहलुओं पर विशेष प्रकाश डालना है।

पाठ्यक्रम : • बी.ए.– एम.ए. एकीकृत मानव विज्ञान • एम. ए. मानव विज्ञान • एम.फिल. मानव विज्ञान
• पी–एच.डी. मानव विज्ञान • डिप्लोमा इन फॉरेंसिक साइंस।

गतिविधियाँ

'नृजातिवर्णन शोध के पद्धतिपरक परिप्रेक्ष्य' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। वक्ताः– प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. पी.सी. जोशी, प्रो. डी.पी.सिंह, प्रो. एस. एन. चौधरी, डॉ रत्ना धर, डॉ. समित घोषाल और डॉ. राम गंभीर।

शोध परियोजना

• 'शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की स्थिति (वर्धा जिले के विशेष संदर्भ में)' म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा वित्त पोषित।

शोध परियोजनाएँ पूर्ण : • 'डाइवर्सिटीज ऑफ आइडेंटिटीः इमेजिंड इंडिया अमंग यंग जनरेशन ऑफ इंडियन डायस्पोरा', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित।

जारी शोध परियोजनाएँ : • 'हेल्थ, न्यूट्रीशन एंड पोवर्टी अमंग द कोलाम ऑफ विदर्भ' म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा वित्त पोषित।
'जाति व कारीगर आधारित समाज व्यवस्था और श्री रविन्द्र शर्मा (गुरु जी) की दृष्टि', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित।
• 'रिकोनिटियरिंग द कल्चरल डायनिमिक्स ऑफ इंटरनेशनल माइग्रेशन (विद स्पेशल रेफरंस टू विलेज ऑफ मिडल गैस्कैटिक प्लान्स ऑफ ईस्टर्न यू.पी.)' भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
फरहद मलिक	प्रोफ़ेसर	06.07.2016	पी–एच.डी. मानवविज्ञान	एथनीसिटी एंड ट्राइबल अनरेस्ट : एन एंथ्रोपोलोजीकल इनक्वायरी इन मध्य प्रदेश एंड वेस्ट बंगाल	सामाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान
वीरेंद्र प्रताप यादव	सहायक प्रोफेसर	16.6.2010	पी–एच.डी. मानवविज्ञान	सोशल मोबिलिटी अमंग द ओबीसीज़ ऑफ उत्तर प्रदेश विद स्पेशल रिफरेंस टू द डायनॉमिक्स ऑफ यादवज़ इमरजिंग एज़ डोमिनेन्ट कास्ट	सामाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान
निशीथ राय	सहायक प्रोफेसर	16.6.2010	डी.फिल. मानवविज्ञान	अन इथनोआरकियोलाजीकल स्टडी ऑफ 'मवासी' ट्राईब इन सतना डिस्ट्रिक्ट ऑफ मध्य प्रदेश एलोंग विथ देयर हेल्थ एंड लिव्ड इन इन्वायरनमेंट	शारीरिक मानवविज्ञान

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

मलिक, फरहद

• (24–26 सितंबर, 2018). भारत मानवविज्ञान सर्वेक्षण, नागपुर द्वारा 'वर्तमान समय में भारतीय जनजातियों में पारंपरिक ज्ञान की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आदिवासी जीवन–शैली आधारित पारंपरिक ज्ञान' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

यादव, वीरेन्द्र प्रताप

• (27–29 जनवरी, 2019). राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ (समानान्तर साहित्य उत्सव) द्वारा 'आदिवासी समाज और आदिवासी संस्कृति' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "लोकतंत्र, साहित्य और नागरिक समाज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

राय, निशीथ

• (24–26 सितंबर, 2018). भारत मानवविज्ञान सर्वेक्षण, नागपुर द्वारा 'वर्तमान समय में भारतीय जनजातियों में पारंपरिक ज्ञान की प्रासंगिकता'

विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विदर्भ के कोलाम समाज में पंथ निरपेक्षतावाद का देशज स्वरूप : एक वैयक्तिक अध्ययन' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

- (5–7 दिसंबर, 2018). आई.सी.पी.आर. और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 'जनजातियों की तत्वदृष्टि और जीवनदृष्टि का दार्शनिक आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'तत्वदृष्टि के आईने में आदिवासी समाज बनाम आधुनिक समाज' विषयक शोध प्त्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

मलिक, फरहद

- (2018). विकास, पर्यावरण और आदिवासी समाज (सं. मलिक एवं कुमार), नई दिल्लीः के के पब्लिकेशन्स।
- (2018). 'संरक्षण एवं आदिवासी अधिकार से जुडे मुद्दे', विकास, पर्यावरण और आदिवासी समाज, (सं. मलिक एवं कुमार), 38–45, नई दिल्ली : के के पब्लिकेशन्स।
- (2018). 'संरक्षण, विस्थापन एवं आदिवासी समाज', विकास, पर्यावरण और आदिवासी समाज (सं. मलिक एवं कुमार), 52–59, नई दिल्लीः के के पब्लिकेशन्स।

यादव, वीरेन्द्र प्रताप

- (2018). 'शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की जातिगत स्थिति का अध्ययन (वर्धा जिले के विशेष संदर्भ में)', मानव, 36.
- (2018). 'सोशियो–इकनोमिक चेंजेस अमंग द ओ.बी.सीस ऑफ उत्तरप्रदेश,' इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल एंथ्रोपॉलोजी एंड हयूमन जेनिटिक्स, 37.

राय, निशीथ

- (जनवरी–अप्रैल 2018). रवींद्र शर्मा : गुरु, नायक और शिक्षक का एक विरल संयोग'. शोध. XV(1), 90–93.
- (मई–अगस्त, 2018). 'माइग्रेशन टू गल्फ़ कोपरेशन काउन्सिल रियेलटी एंड एफिकेसी' शोध . XV (2), 105–111.
- (सितंबर – दिसंबर, 2018). 'अंतरानुशासनिक अध्ययन : एक परिचय' शोध, XIV (2), 45–50.
- (2018). 'लाइवलीहुड स्ट्रेटेजिस ऑफ कोलाम : ए केस स्टडी इन ट्राइबल लाइवलीहुड' (सं. चौधरी), एस. के. जैन एवं आई.जी. आर. एन.एस. प्रकाशन, 235–56.

6. शिक्षा विद्यापीठ

म.ग.अं.हिं.वि. का शिक्षा विद्यापीठ वैयक्तिक और सामाजिक जीवन में सकारात्मक बदलाव की पहल और हस्तक्षेप करने वाले समर्पित छात्रों, शोधार्थियों व अध्यापकों का प्रगतिशील समुदाय है। शिक्षा विद्यापीठ पारस्परिक संवाद, क्रियाकलाप एवं विचार–विमर्श के माध्यम से ज्ञान के सहनिर्माण, शोध आधारित विश्लेषणात्मक एवं रचनात्मक ज्ञानराशि के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है। इस प्रयत्न की अन्तर्निहित धारणा यह है कि शिक्षा मनुष्य के जीवन को न्यायोचित और समतामूलक अवसर प्रदान करने हेतु एवं समग्र विकास की संभावनाओं का अन्वेषण करने हेतु सशक्त बनाने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं सार्वकालिक प्रयास है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्न दो विभाग संचालित हैं–

6.1 शिक्षा विभाग

6.2 मनोविज्ञान विभाग

6.1 शिक्षा विभाग

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का शिक्षा विद्यापीठ जीवन के सूक्ष्म व व्यापक स्तर पर सुधार लाने के लिए गहन, समग्र एवं सुव्यवस्थित अध्ययन और शैक्षिक क्रियाकलापों के माध्यम से सकारात्मक हस्तक्षेप करने हेतु समर्पित छात्रों, शोधार्थियों व अध्यापकों का विशिष्ट रूप से सहयोगात्मक एवं प्रगतिशील समुदाय है। शिक्षा विद्यापीठ सहयोगात्मक संवाद, क्रियाकलाप एवं विचार–विमर्श के माध्यम से ज्ञान के शोध–आधारित, विश्लेषणात्मक एवं रचनात्मक निर्माण हेतु सुविधा प्रदान करने के लिए सतत प्रयत्नशील है। इस प्रयत्न की अंतर्निहित धारणा यह है कि शिक्षा मनुष्य को जीवन के न्यायोचित अवसर प्राप्त करने हेतु एवं समग्र विकास की संभावनाओं का अन्वेषण करने हेतु सशक्त बनाने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं सार्वकालिक आयाम है।

शिक्षा विद्यापीठ म.गां.अं.हिं.वि.वि. की अकादमिक शाखाओं में अपेक्षाकृत एक नया परिवर्धन है जिसका प्रारंभ वर्ष 2014 में शिक्षाशास्त्र में दो–वर्षीय एम.ए. पाठ्यक्रम से हुआ था। शिक्षा विद्यापीठ ने अपेक्षाकृत बहुत कम समय में ही पर्याप्त विस्तार प्राप्त कर लिया है। वर्ष 2015 में शिक्षा विद्यापीठ में अकादमिक विस्तार के नए आयाम जुड़े जब विभाग में दो वर्षीय शिक्षा में स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम (छात्र संख्या 50), तीन सेमेस्टर अवधि का शिक्षाशास्त्र में मास्टर ऑफ फिलॉसफी (एम.फिल.) पाठ्यक्रम एवं शिक्षाशास्त्र में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी) पाठ्यक्रम का संचालन प्रारंभ हुआ। विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुशल संचालन को सुनिश्चित करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा विद्यापीठ के शिक्षा विभाग में योग्य व समर्पित शिक्षकों की नियुक्ति की गई। अध्यापक शिक्षा व शैक्षिक अनुसंधान के एक प्रमुख संस्थान के रूप में अपने को प्रतिष्ठित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह विद्यापीठ अपने उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में सतत प्रयत्नशील है और अपने अकादमिक स्वरूप को व्यापक करने हेतु विद्यापीठ में नए और नवाचारी पाठ्यक्रमों को प्रारंभ किया जा रहा है। हाल ही में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने शिक्षा विभाग को दो वर्षीय मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.) पाठ्यक्रम (छात्र संख्या 50) तथा तीन वर्षीय बी.एड.–एम.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम को सत्र 2016–17 से प्रारंभ की जा चुकी है।

शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण अधिगम वातावरण उपलब्ध कराने हेतु विभाग में पर्याप्त भौतिक व शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता है। शिक्षा विभाग के विभागीय पुस्तकालय में समुचित संख्या में पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ, शोध पत्रिकाएँ तथा अन्य उपयुक्त पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। इसके साथ ही छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक व शोध संसाधनों का उपयोग करने के लिए निर्बाध वाई फाई सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग ने प्रदर्शनकारी कलाओं के लिए विभिन्न वाद्ययंत्रों एवं संगीत के अन्य उपकरणों से परिपूर्ण एक समृद्ध संसाधन केंद्र की स्थापना की है।

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ विविध पाठ्यसहगामी क्रियाओं के अनूठे संगम की अवधारणा को साकार करते हुए शिक्षा विद्यापीठ का शिक्षा विभाग अनेकानेक सांस्कृतिक व साहित्यिक कार्यक्रम एवं खेल–कूद का आयोजन करता है जिसके फलस्वरूप छात्रों को अपने कौशल एवं क्षमताओं को विकसित व परिष्कृत करने के कई अवसर प्राप्त होते हैं।

पाठ्यक्रम : • एम. ए. (शिक्षाशास्त्र) • बी.एड. • एम. एड. • बी.एड.–एम.एड. (एकीकृत) • एम. फिल. (शिक्षाशास्त्र)
• पीएच. डी. (शिक्षाशास्त्र) • भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन) में सर्टिफिकेट

गतिविधियाँ

- (01–04 मई, 2018). कुलपति, प्रति कुलपति, निदेशक, अध्यक्ष तथा विभागाध्यक्षों के लिए सी.ए.एल.ई.एम., अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय तथा शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत अकादमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन (संयोजक–डॉ. शिल्पी कुमारी)।
- (26–28 सितंबर, 2018). 'अध्यापक शिक्षकों के लिए मिश्रित अधिगम उपागम' विषय पर शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन (समन्वयक– डॉ शिल्पी कुमारी)।

शोध परियोजनाएँ

• 'रिविजिटिंग गांधीज आइडिया ऑफ नई तालीम फॉर एजुकेशन टुवर्ड्स सस्टेनेबल डेवलपमेंट', मुख्य अन्वेषक–शिल्पी कुमारी सह अन्वेषक– डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
गोपाल कृष्ण ठाकुर	सह प्रोफ़ेसर	18.11.2015	पी–एच.डी., शिक्षा शास्त्र	डेवलपमेंट ऑफ़ ए मॉडल केमिस्ट्री लेबोरेटरी करिकुलम एट +2 लेवल एंड स्टडीइंग इट्स इफेक्टिवनेस	विज्ञान दर्शन एवं शिक्षा दर्शन विज्ञान शिक्षण
शिरीष पाल सिंह	सह प्रोफ़ेसर	01.12.2015	पी–एच.डी., शिक्षा शास्त्र	राष्ट्रीय मूल्यों एवं मानवाधिकारो के प्रति भावी अध्यापकों एवं सेवारत अध्यापकों की अभिवृति एवं प्रत्यक्षण का अध्ययन	शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा शोध शिक्षा तकनीकी
ऋषभ कुमार मिश्र	सहायक प्रोफ़ेसर	18.11.2015	एम. एड.	सामाजिक विज्ञान की कक्षा का सामाजिक सांस्कृतिक विश्लेषण	शिक्षा मनोविज्ञान, सामाजिक विज्ञान शिक्षण, शिक्षक शिक्षा
सारिका राय शर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	27.11.2015	एम. एड.	ए स्टडी ऑफ़ इन्काल्केशन ऑफ़ जेंडर सेंसिटिव वैल्यूज अमंग एडोलैसैंट्स थ्रू साइंस एजुकेशन	शिक्षक शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य के लिए शिक्षा
शिल्पी कुमारी	सहायक प्रोफ़ेसर	23.11.2015	पी–एच.डी.	इफेक्टिवनेस ऑफ़ सोशियो साइंटिफिक इशू बेस्ड इंस्ट्रक्शन ऑन साइंटिफिक लिटरेसी ऑफ़ प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रेन	जीव विज्ञान शिक्षणशास्त्र, शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी
समरजीत यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	19.11.2015	एम. एड.		सामाजिक विज्ञान शिक्षण, शिक्षा का समाजशास्त्र, सामाजिक सिद्धांत
आर. पुष्पा नामदेव	सहायक प्रोफ़ेसर	23.11.2015	पी–एच.डी.	ए स्टडी ऑफ सेल्फ कॉन्सेप्ट एंड एजुकेशनल एस्पीरेशन ऑफ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय स्टूडेंट इन रिलेशन टू देयर एजुकेशनल अपॉरच्युनिटीज	विज्ञान शिक्षण, शिक्षा मनोविज्ञान, मापन एवं मूल्यांकन
धर्मेन्द्र शंभरकर	सहायक प्रोफ़ेसर	18.11.2015	एम. एड.		मराठी शिक्षण, शिक्षक शिक्षा, शिक्षा का दर्शन
सुहासिनी बाजपेयी	सहायक प्रोफ़ेसर	22.12.2015	एम. एड.	कॉगनेटिव प्रीफरेन्सेज एज डीटरमिनेट्न्स ऑफ एकेडेमिक अचीवमेंट्स ऑफ सेकण्डरी स्कूल साइंस स्टूडेंट्स बिलांगिग टू डिफरेन्ट क्रिएटिविटी लेवलस्	शिक्षा में शोध प्रविधि, शिक्षा मनोविज्ञान, विज्ञान–शिक्षण
भरत कुमार पंडा	सहायक प्रोफ़ेसर	18.02.2016	पीएच. डी.	ए स्टडी ऑन पॉपुलेशन अवेयरनेस ऑफ संस्कृत स्टूडेंट्स एट् वैरियस लेवल	शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षा तकनीकी, मापन और मूल्यांकन, भाषा शिक्षण

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

ठाकुर, गोपाल कृष्ण

• (18–19 अप्रैल, 2018). तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रण तथा शोध लेखन की तकनीकी विषय पर व्याख्यान।

• (18–22 मई, 2018). प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, माउंट आबू द्वारा विश्वविद्यालयों और कॉलेज के शिक्षकों के सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रण तथा स्वयं को सशक्त बनाने के लिए मूल्य और आध्यात्मिकता विषय पर व्याख्यान।

• (23–25 मई, 2018). राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा द्वारा बच्चे कैसे सीखते है–अनुभव, भागीदारी, अवलोकन, नकल, परीक्षण, और त्रुटि, अंतर्दृष्टि के माध्यम से विषय पर डिप्लोमा इन इलेमेंट्री एजुकेशन प्रोग्राम हेतु व्याख्यान की आडियो– वीडियो रिकार्डिंग हेतु आमंत्रण।

• (14–16 मई, 2018). राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा द्वारा डिप्लोमा इन इलेमेंट्री एजुकेशन प्रोग्राम हेतु व्याख्यान की ऑडियो–वीडियो रिकार्डिंग हेतु आमंत्रण (06 विषयों पर)।

• (18–20 जून, 2018). न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में शिक्षकों के लिए अधिगम संसाधनों की पहचान विषय पर प्रस्तुतीकरण।

• (31 जुलाई–02 अगस्त, 2018). राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा द्वारा उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान सीखना विषय पर डिप्लोमा इन इलेमेंट्री एजुकेशन प्रोग्राम हेतु व्याख्यान की ऑडियो–वीडियो रिकार्डिंग हेतु आमंत्रण।

• (18–20 अगस्त, 2018). विश्व हिंदी सम्मेलन, मॉरीशस में प्रतिनिधि के रूप में सहभागिता हेतु भारत सरकार द्वारा नामित।

• (27–28 नवंबर, 2018). राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय तथा गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में घटना संबंधी अनुसंधान एवं ग्राउंड रिसर्च थ्योरी विषय की ऑडियो–वीडियो व्याख्यान रिकार्डिंग हेतु आमंत्रण।

- (30 नवंबर, 2018). आई.सी.एस.एस.आर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी–सह राष्ट्रीय संवाद कार्यक्रम में अकादमिक चर्चा हेतु आमंत्रण तथा शिक्षा कौशल और रोजगार एवं उच्च शिक्षा में पहुँच, समानता, और गुणवत्ता विषय पर व्याख्यान।
- (27–28 दिसंबर, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब द्वारा विकसित ई–सामग्री के मूल्यांकन कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित तथा समकालीन भारतीय शिक्षा, शिक्षार्थी को समझना, शिक्षा में लर्निंग और आई.सी.टी. में शिक्षा विषय पर व्याख्यान।
- (28 जनवरी, 2019). टी.एल.सी, एस.एल.बी.एस.आर.एस.वी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रण तथा प्रभावी नेतृत्व के लिए प्रमुख रणनीति और कौशल एवं विकास के लिए संगठन की आकांक्षा और राजनीति विकसित करना विषय पर व्याख्यान।
- (29–30 जनवरी, 2019). एम.डी.यू., रोहतक द्वारा आयोजित संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता तथा विश्वविद्यालय की संरचना एवं विश्वविद्यालय प्रशासन तथा जेंडर विषय पर व्याख्यान।
- (26–27 फरवरी, 2019). केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब द्वारा आयोजित संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभावी नेतृत्व के लिए प्रमुख राजनीति और कौशल एवं विकास के लिए संगठन की आकांक्षा और रणनीति विकसित करना, एच. ई. में दूरदर्शी नेतृत्व : दृष्टि से रणनीति तक : रणनीतिक रोडमैप विषय पर व्याख्यान।
- (06–07 मार्च, 2019). गांधीग्राम ग्रामीण संस्था द्वारा आयोजित संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम में 'प्रभावी नेतृत्व के लिए प्रमुख राजनीति और कौशल, रणनीतिक नेतृत्व और परिवर्तनकारी नेतृत्व के मूल सिद्धांत तथा विकास के लिए संगठन की आकांक्षा और रणनीति विकसित करना' विषय पर व्याख्यान।
- (26–29 मार्च, 2019). आई.आई.एस.ई.आर., पुणे द्वारा शिक्षकों के प्रशिक्षण पर कार्यशाला में सहभागिता।

सिंह, शिरीष पाल

- (28 मार्च–17 अप्रैल, 2018). श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (डीम्ड विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा 'ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन इवैल्यूएशन फॉर्मेट्स एंड स्ट्रैजीज्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 04–05 अप्रैल, 2018 को 08 सत्रों में व्याख्यान दिए।
- (06–08 अप्रैल, 2018). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा '21 वीं सदी में विद्यालयी शिक्षा : बदलते आयाम, हस्तक्षेप और उभरते विकल्प' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।
- (28–29 अप्रैल, 2018). दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मेरठ द्वारा 'रीडिफाइनिंग रोल ऑफ टीचर्स इन न्यू इमर्जिंग वर्ल्ड' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीतय संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- (14 मई–10 जून, 2018). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा तथा यू.जी.सी.–मानव संसाधन विकास केंद्र, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ, नागपुर द्वारा आयोजित 'अभिविन्यास कार्यक्रम' में पाठ्यक्रम समन्वयक, 16 मई, 2018 को 'सूक्ष्म शिक्षण' विषय पर 2 व्याख्यान दिए और 24 मई, 2018 को 'शोध लेखन' विषय पर 1 व्याख्यान दिया।
- (05–06 जुलाई, 2018). महात्मा गांधी नेशनल कौंसिल ऑफ रूरल एजुकेशन, हैदराबाद द्वारा 'नई तालीम एंड वर्क एजुकेशन थ्रू कम्युनिटी इंगेजमेंट (ए नेशनल कंसल्टेंसन वर्कशॉप)' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (10–12 सितंबर, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'शैक्षिक अनुसंधान के डॉक्टरेट कार्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- (26–28 सितंबर, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'अध्यापक शिक्षकों के लिए मिश्रित अधिगम उपागम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (06–07 अक्टूबर, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 'टीचर एजुकेशन : प्रेजेंट सिनैरियो एंड फ्यूचर चैलेंजिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संवाद में 'क्रिएटिंग कनस्ट्रक्टिविस्ट लर्निंग एनवायरनमेंट : ए पैराडाइम शिफ्ट टू रीइन्विगिटर टीचर एजुकेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत।
- (11–12 अक्टूबर, 2018). शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ द्वारा 'स्प्रिचुअल डेवेलपमेंट थ्रू एजुकेशन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'केस स्टडीज कन्वर्जिंग विद दी कांफ्रेंस थीम' पर आधारित सत्र की अध्यक्षता।
- (20 नवंबर–11 दिसंबर, 2018). बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां (सोनीपत) हरियाणा द्वारा 'व्यवसाय प्रबंधन अभिविन्यास कार्यक्रम' में 03 दिसंबर, 2018 को 'शोध लेखन एवं प्रकाशन' विषय पर 2 व्याख्यान दिए।
- (27 नवंबर–07 दिसंबर, 2018). श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (डीम्ड विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा 'नेशनल वर्कशॉप ऑन टेक्नो–पैडागोजिकल स्किल्स फॉर टीचर्स' में 04 दिसंबर, 2018 को 'डेवलपिंग ई–कंटेंट तथा ब्लैंडिड लर्निंग फॉर इफेक्टिव टीचिंग' विषय पर 4 व्याख्यान दिए।
- (14 दिसंबर, 2018). यू.जी.सी.–मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 'रिफ्रेशर कोर्स फॉर टीचर एजुकेटर' कार्यक्रम में 'क्वालिटी इंडीगेटर्स फॉर रिसर्च राईटिंग एंड पब्लिकेशन' विषय पर व्याख्यान।
- (14 दिसंबर, 2018). यू.जी.सी.–मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा '123वां फोर्थ ओरिएंटेशनन प्रोग्राम' में 'ब्लैंडिड लर्निंग' विषय पर व्याख्यान।
- (24 दिसंबर, 2018). आई.ई.सी.आई. ली मॉस इन, कालीकट द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'मॉडल्स फॉर करिकुलम डेवलपमेंट (इंटीग्रेटेड, कोर एंड बैलेंस्ड करीकुलम)' विषय पर व्याख्यान।
- (24 दिसंबर, 2018). आई.ई.सी.आई. ली मॉस इन, कालीकट द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'रिव्यू ऑफ एन.सी.एफ., एस.सी.एफ. एंड इंटरनेशनल करीकुलम्स' विषय पर व्याख्यान।

- (02–05 जनवरी, 2019). क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल द्वारा 'कैपिसिटी बिल्डिंग ऑफ के.आर.पी.एस. ऑफ गोवा ऑन करीकुलम डिजाइन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- (10–12 जनवरी, 2019). शिक्षा तथा मनोविज्ञान संकाय, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वड़ोदरा द्वारा 'टुवर्ड्स डेवलपिंग प्रोफेशनल एंड ह्युमन टीचर्स फॉर क्वालिटी एजुकेशन' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इन्नोवेटिव अस्सेस्मेंट प्रैक्टिस्स इन टीचर एजुकेशन : कनस्ट्रक्टिविज्म बेस्ड एप्रोच' विषयक आलेख प्रस्तुत।

मिश्र, ऋषभ कुमार

- (27 नवंबर–07 दिसंबर, 2018). श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा 'टेक्नो–पेडागोगीकल स्किल्स फॉर टीचर्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (13–15 जनवरी, 2019). विद्याश्री न्यास, वाराणसी द्वारा 'शिक्षा, दर्शन और समाज : प्रासंगिक विमर्श के आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शिल्प शिक्षा के माध्यम के रूप में' विषयक व्याख्यान।
- (20–22 फरवरी, 2019). गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधी नगर द्वारा 'शिक्षा, साहित्य और समाज में गांधी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नई तालीम : उपेक्षित विरासत और संभावना का बीज' विषय पर व्याख्यान।

शर्मा, सारिका राय

- (14 मई–10 जून, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा नवनियुक्त अध्यापकों के लिए आयोजित 'अभिमुखीकरण कार्यक्रम' में सहभागिता।
- (10–12 सितंबर, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'शैक्षिक शोध में डॉक्टरल उपाधि हेतु पाठ्यचर्या विकास' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (26–28 सितंबर, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'अध्यापक शिक्षकों हेतु ब्लेंडेड लर्निंग' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

कुमारी, शिल्पी

- (01–04 मई, 2018). सी.ए.एल.ई.एम., अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत कुलपति, प्रति कुलपति, निदेशक, अध्यक्ष तथा विभागाध्यक्षों के लिए आयोजित अकादमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन।
- (14 मई–10 जून, 2018). टी.एल.सी.एच.एस., म.गां.अं.हि.वि., वर्धा तथा यू.जी.सी.–एच.आर.डी.सी., राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में सहभागिता।
- (15 मई–28 जून, 2018). सी.ई.एम.सी.ए. तथा हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा 'इंजीनियर के लिए जीवन कौशल (स्तर–1)' विषय पर आयोजित मूक्स ऑनलाइन पाठ्यक्रम में क्षमता प्रमाण–पत्र।
- (10–12 सितंबर, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शैक्षिक अनुसंधान के डॉक्टरेट कार्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- (26–28 सितंबर, 2018). शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'अध्यापक शिक्षकों के लिए मिश्रित अधिगम उपागम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का समन्वयन।
- (12–21 फरवरी, 2019). समाज कार्य विभाग तथा शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा 'ग्रामीण समुदाय संलग्नता' विषय पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में सहभागिता।
- (28–30 मार्च, 2019). स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा द्वारा 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जेंडर समानता तथा महिला सशक्तिकरण पर गांधीवादी दृष्टिकोण' विषयक सत्र की सह–अध्यक्षता।

यादव, समरजीत

- (27 नवंबर–07 दिसंबर, 2018). लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ के अंतर्गत 'मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन' द्वारा टेक्नो–पेडागोजीकल स्किल्स फॉर टीचर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (13–15 जनवरी, 2019). विद्याश्री न्यास, वाराणसी द्वारा 'शिक्षा, दर्शन और समाज : प्रासंगिक विमर्श के कुछ आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नई तालीम और अध्यापक शिक्षा' विषय पर प्त्र प्रस्तुत।
- (04–08 फरवरी, 2019). केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब के अंतर्गत 'मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन' द्वारा 'एक्सप्लोरेशंस ऑन डोमेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (20–22 फरवरी, 2019). केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर के अंतर्गत 'मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन' द्वारा 'भारतीय समाज, शिक्षा और साहित्य में गांधी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विद्यालयी जीवन की पुर्नसंरचना के लिए नई तालीम' विषयक पत्र प्रस्तुत।

नामदेव, आर. पुष्पा

- (6–8 अप्रैल, 2018). टी.एल.सी.एच.एस., म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा '21वीं सदी में विद्यालय शिक्षा : बदलते आयाम, हस्तक्षेप और उभरते विकल्प' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
- (14 मई–10 जून, 2018). टी.एल.सी.एच.एस., म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं यू.जी.सी.–एच.आर.डी.सी., राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में सहभागिता।
- (15 मई–28 जून, 2018). कॉमन वेल्थ मीडिया सेंटर फॉर एशिया एवं हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'मूक्स ऑन लाइफ स्किल्स फॉर इंजीनीयर्स' (लेवल–1) में सहभागिता।
- (10–12 सितंबर, 2018). शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'शैक्षिक अनुसंधान के डॉक्टरेट कार्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (26–28 सितंबर, 2018). शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा "अध्यापक शिक्षकों के लिए मिश्रित अधिगम उपागम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (29 अक्टूबर–30 नवंबर, 2018). कॉमन वेल्थ ऑफ लर्निंग एंड थबसका यूनिवर्सिटी, लंदन 'मूक्स ऑन इंट्रोडक्सन टू टेक्नोलॉजी एनब्लेड लर्निंग' द्वारा आयोजित में सहभागिता।
- (06 नवंबर–20 दिसंबर, 2018). कॉमन वेल्थ मीडिया सेंटर फॉर एशिया एवं हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'मूक्स ऑन लाइफ स्किल्स फॉर इंजीनियर्स' (लेवल–2) में सहभागिता।
- (03–06 जनवरी, 2019). राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान, भोपाल में आयोजित कार्यशाला 'करीकुलम डेवलपमेंट फॉर के.आर पी. ऑफ गोवा स्टेट' में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- (06–08 फरवरी, 2019). राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान, भोपाल, मैपकॉस्ट भोपाल एवं सीईएमसीए, नई दिल्ली द्वारा "एमेर्जिंग ट्रेंड्स एंड इनोवेशनस इन स्कूल साइन्सेस" विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "ए स्टडी ऑफ अवेयरनेस अबाउट ग्रीन स्कूल करिकुलम एंड करीकुलर प्रक्टिसेस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट अमंग एलीमेंट्री स्कूल टीचर्स" विषयक शोध पत्र प्रस्तुति।

शंभरकर, धर्मेंद्र ना.

- (01–04 मई, 2018). सी.ए.एल.ई.एम., अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा विद्यापीठ, म.गां.अं.हि.विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत कुलपति, प्रति कुलपति, निदेशक, अध्यक्ष तथा विभागाध्यक्षों के लिए आयोजित अकादमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता।
- (14 मई–10 जून, 2018). टी.एल.सी.एच.एस., म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं यू.जी.सी.–एच.आर.डी.सी., राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में सहभागिता।
- (10–12 सितंबर, 2018). शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा "शैक्षिक अनुसंधान के डॉक्टरेट कार्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या विकास" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (26–28 सितंबर, 2018). शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा "अध्यापक शिक्षकों के लिए मिश्रित अधिगम उपागम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (03 अक्टूबर, 2018). यशवंत राव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के शिक्षणशास्त्र विभाग द्वारा अयोजित शिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता।
- (16 नवंबर–14 दिसंबर, 2018). शिक्षा विद्यापीठ एवं पंडित मदन मोहन मालवीय तथा भारत सरकार द्वारा आयोजित संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम का समन्वय।
- (12–18 फरवरी, 2019). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी एवं महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल ऑफ रूरल इंस्टीटयूट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संकाय सदस्य विकास कार्यक्रम में सहभागिता।
- (20–22 फरवरी 2019). हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा एवं भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय समाज, शिक्षा और साहित्य में गांधी पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शिक्षा में गांधी के रचनात्मक कार्यक्रम' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।

बाजपेयी सुहासिनी

- (14 मई–10 जून, 2018). म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में सहभागिता।
- (10–12 सितंबर, 2018). 'शैक्षिक अनुसंधान के डॉक्टरेट कार्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या विकास' विषय पर म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (26–28 सितंबर, 2018). 'अध्यापक शिक्षकों के लिए मिश्रित अधिगम उपागम' विषय पर म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

प्रकाशन

मिश्र, ऋषभ कुमार

- (मई–जून, 2018). 'परीक्षा परिणामों में व्याप्त पूर्वाग्रह', शिक्षा विमर्श, 20 (3), 20–23
- (जुलाई–अगस्त, 2018). 'नवउदारवादी एजेंडा और प्राइवेट स्कूल के शिक्षक', शिक्षा विमर्श, 20 (4), 16–22
- (सितंबर–अक्टूबर, 2018). 'नई तालीम : उपेक्षित विरासत और संभावना के बीज', शिक्षा विमर्श, 20 (5), 12–19

• (नवम्बर–दिसंबर, 2018). 'उपलब्धि सर्वेक्षणों का भूगोल और गांवों के स्कूल', शिक्षा विमर्श, 20 (6), 24–31

कुमारी, शिल्पी
• (18 अगस्त, 2018). 'शैक्षिक अनुसंधान' विषय से संबंधित मिजोरम विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के लिए 'परा सांख्यिकीय प्रविधियां', 'अपरा सांख्यिकीय प्रविधियां' और 'मात्रात्मक शोध में परिणामों की व्याख्या' विषय पर ई–मोड्यूल का निर्माण।
• (09 सितंबर, 2018). पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन केंद्र, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा के बी.एड. पाठ्यक्रम के लिए 'वृत्तिक विकास के लिए सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी', ई–पाठ्य–वस्तु का निर्माण।
• (18 दिसंबर, 2018). पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन केंद्र, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा के बी.एड. पाठ्यक्रम के लिए 'कंप्यूटर सुरक्षा', ई–पाठ्य–वस्तु का निर्माण।

नामदेव, आर. पुष्पा
• (अप्रैल.जून, 2018). 'एजुकेशनल एक्सपीरेस्नेस ऑफ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय स्टूडेंट्स इन रिलेशन टु देयर एजुकेशनल औपोर्चुनिटीज़', विद्यावार्ता, 10 (22), 45–48, बीड : महाराष्ट्र।
• (अप्रैल, 2018). 'प्रदूषण एवं प्रदूषक व्यवस्था', पर्यावरण और सामाजिक समस्याएं', महाराष्ट्र : हर्षवर्धन प्रकाशन।
• (जनवरी, 2019). 'कल्चर स्पेसिफिक पेडागोगी : इट्स रोल इन कोंटेक्सचुलाइज्ड लर्निंग', इनोवेटिव प्रक्टिसेस इन टीचर एजुकेशन : थ्योरी एंड रिसर्च, भोपाल : एनसीईआरटी।

शर्मा, सारिका राय
• (फरवरी, 2019). 'क्वालिटी ऑफ़ गर्ल्स इंगेजमेंट विदिन द स्कूल', अधिगम, 10, 49–55, उत्तर प्रदेश : राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज।

बाजपेयी सुहासिनी
• (जनवरी, 2019). 'डायनामिक प्रेजेंट एंड अनसर्टेन फ्यूचर : एन ओवरव्यू ऑफ़ टीचर एजुकेशन', रिव्यु ऑफ़ रिसर्च, कांफ्रेंस प्रोसेडिंग ISSN: 2249.894X

उपलब्धियाँ
• भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शिक्षा विद्यापीठ को कुलपतियों, प्रति कुलपतियों, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी एवं अन्य शैक्षिक नेतृत्व युक्त पदों आदि पर आसीन व्यक्तियों के लिए अकादमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यशाला के आयोजक के रूप में शिक्षा विद्यापीठ का चयन।

6.2 मनोविज्ञान विभाग

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के शिक्षा विद्यापीठ के अंतर्गत मनोविज्ञान विभाग की स्थापना सत्र 2014–15 में हुई। मनोविज्ञान के विद्यार्थियों में सकारात्मक अभिवृत्ति और आत्म–विश्वास में वृध्दि के क्रम में यह विभाग अकादमिक के साथ ही शोध गतिविधियों में, शुरुआत से ही सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है। मानव व्यवहार और इसकी सामाजिक तंत्र के साथ अंतःक्रिया में समझ के विकास हेतु यह विभाग व्यक्ति को ज्ञान प्राप्त करने में, कौशल और योग्यता अर्जित करने में सहायता करता है। हिंदी विश्वविद्यालय का एक भाग होने के कारण, विभागकी जिम्मेदारी उन विद्यार्थियों को जो मनोविज्ञान के अध्ययन से वंचित हैं, विशेषकर भाषा अवरोध के कारण, उन्हें अध्ययन में शामिल करना है। विभाग की संकल्पना है कि हिंदी में मनोविज्ञान को इस प्रकार से प्रचारित किया जाय जिससे वास्तविकता और पाश्चात्य ढांचे के प्रभाव में इसकी व्याख्या कैसी हो रही है। बीच के अंतर को कम किया जा सके। मनोविज्ञान के विद्यार्थियों में भारतीय चिंतन,सकारात्मक मनोविज्ञान, त्रिभुज, पंचकोणि सिद्धांत में आधार पर उनका व्यक्तित्व विकास किया जा सके।

पाठ्यक्रम : • बी. ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान • एम. ए. • एम. फिल. • पी.एच.डी. • योग एवं स्वास्थ अध्ययन में डिप्लोमा
• परामर्श एवं निर्देशन में डिप्लोमा

गतिविधियाँ
• (21–27 जून, 2018). योग पर कार्यशाला का आयोजन, बाहय विशेषज्ञ– श्री. प्रशांत रोकडे एवं सुश्री नीतू सिंह।
• (10 अक्टूबर, 2018). 'मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विशेष व्याख्यान दिए।
• (27 अक्टूबर, 2018). 'व्यक्तित्व विकास' विषय पर म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विशेष व्याख्यान दिए।

7. प्रबंधन विद्यापीठ

विश्व पटल पर भारत एक सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। भारत की राजभाषा तो हिंदी है ही, बहुत बड़ी आबादी के दैनंदिन व्यवहार की भी भाषा है तथा ऐसे समूचे समुदाय की व्यावसायिक गतिविधियाँ इसी भाषा में होती हैं। प्रबंधन विद्यापीठ हिंदी माध्यम से एम. बी.ए. करवाकर प्रबंधकों को देश की सर्वाधिक उपयोग में आने वाली भाषा में निपुण बनाने की ओर अग्रसर है। ऐसे छात्र जिनकी प्रारंभिक शिक्षा हिंदी माध्यम में हुई है तथा वे एम.बी.ए. करना चाहते हैं, उनके लिए प्रबंधन विद्यापीठ एक सुनहरा मौका लेकर आया है कि वे अपनी एम.बी.ए. की पढाई हिंदी माध्यम में पूरा कर सकते हैं। हिंदी माध्यम में एम.बी.ए. कर छात्र अच्छी नौकरी पा सकते हैं। ऐसे छात्र जो भारतीय बाजारों में सर्वाधिक व्यवहार में आने वाली भाषा हिंदी में निपुण होना चाहते हैं वे भी हिंदी माध्यम में एम.बी.ए. कर नई ऊँचाईयों तक पहुंच सकते हैं। इस विद्यापीठ के तहत प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग संचालित है।

7.1 प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

म.गां.अं.हिं.वि. का प्रबंधन विद्यापीठ जीवन के सूक्ष्म व व्यापक स्तर पर सुधार लाने के लिए गहन, समग्र एवं सुव्यवस्थित अध्ययन और शैक्षिक क्रियाकलापों के माध्यम से सकारात्मक हस्तक्षेप करने हेतु समर्पित छात्रों, शोधार्थियों व अध्यापकों का विशिष्ट रूप से सहयोगत्मक एवं प्रगतिशील समुदाय है। प्रबंधन विद्यापीठ में सहयोगात्मक संवाद, क्रियाकलाप एवं विचार–विमर्श के माध्यम से ज्ञान के शोध–आधारित, विश्लेषणात्मक एवं रचनात्मक निर्माण हेतु सुविधा प्रदान करने के लिए सतत प्रयत्नशील है। इस प्रयत्न की अन्तर्निहित धारणा यह है कि प्रबंधन की शिक्षा मनुष्य के व्यावसायिक क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाओं को जन्म देने के साथ ही उसे समाज और हिंदी विश्वविद्यालय ने सत्र 2015–18 में प्रबंधन पाठ्यक्रम को हिंदी भाषा में शुरू किया गया है और इसके साथ ही हिंदी में प्रबंधन पाठ्यक्रम को शुरू करने वाला दूसरा विश्व विद्यालय बन गया है।

विश्व पटल पर भारत देश एक सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। साथ ही साथ भारत विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक भूमिका निभा रहा है। पूरे विश्व के व्यवसाइयों की नज़र इस उभरते हुए बाजार में है जहां व्यापार की असीम संभावनाएं व्याप्त है। इसका प्रमुख कारण यह है कि हिंदी बोलने व समझने वालों की संख्या अंग्रेजी भाषियों की संख्या से अधिक है, जो मध्यम वर्ग के विशाल क्षेत्र को अपने में समेटे हुए है, इस मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति कुछ वर्षों में बढ़ी है। आज अपने माल के प्रचार–प्रसार, पैकिंग, गुणवत्ता आदि के लिए हिंदी को अपनाना बहुराष्ट्रीय कंपनियों की आवश्यकता है। उनकी यही विवशता आज हिंदी की शक्ति बन गई है। भारत सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला देश है जो संपूर्ण विश्व की व्यापारिक गतिविधियों के संदर्भ में आधार स्तंभ की भूमिका निभा रहा है। भारत की राजभाषा तो हिंदी है ही साथ ही बहुत बड़ी आबादी के प्रतिदिन व्यवहार की भाषा भी है तथा ऐसे समूचे समाज की गतिविधियां इसी भाषा में होती है।

प्रायः देखा जाता है कि कंपनियों मे काम करने वाले प्रबंधक अधिकांशतः हिंदी भाषा में सहज नहीं होते है। क्योंकि इनकी उच्च शिक्षा अंग्रजी भाषा के माध्यम से होती है। जमीनी स्तर के प्रबंधक तथा गैर प्रबंधकीय कर्मचारी प्रायः हिंदी भाषी होते हैं। भाषा के अंतर की वजह से प्रबंधक अपनी जमीनी स्तर के प्रबंधकों तथा गैर कर्मचारियों एवं सामान्य उपभोक्ताओं से अच्छी तरह जुड़ नहीं पाते। ऐसी दशा में कंपनियों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है।

आज के बदलते परिवेश में व्याापार केवल एक संस्था या क्रय–विक्रय ही नहीं है बल्कि उसे एक महत्वपूर्ण सामाजिक व्यवहार के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही साथ कुछ ऐसे छात्र हैं जो हिंदी भाषी है जिनकी शिक्षा–दीक्षा हिंदी माध्यम से हुई है तथा जब वे प्रबंधन की पढाई करते हैं तो वे सहज महसूस नहीं करते क्योंकि प्रायः हर जगह विश्वविद्यालयों संस्थानों में प्रबंधन आदि की पढाई अंग्रेजी माध्यम से होती है। फलस्वरूप वह मुश्किल से पढ़ाई पूरी कर पाते हैं या वे पढ़ाई बीच में ही छोड़ देते हैं। ऐसे छात्र प्रायः मानसिक दबाव में रहा करते हैं। हिंदी विश्वविद्यालय, ऐसे छात्रों के लिए 'शिक्षा सबके द्वार' की उक्ति को चरितार्थ करते हुए उनको ऐसा अवसर दे रहा है कि वह प्रबंधन पाठ्यक्रम का अध्ययन हिंदी भाषा में कर सके। हिंदी भाषा में पढाई कर छात्र बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अच्छी नौकरी पा सकते हैं। हिंदी विश्वविद्यालय ने एमबीए का पाठ्यक्रम हिंदी मे शुरू कर हिंदी भाषी छात्रों के लिए सुनहरा अवसर प्रदान किया है तथा नवीन संभावनाओं के द्वार को खोला है।

पाठ्यक्रम : • एम.बी.ए. • बी.कॉम • पी.जी.डी.एच.आर.एम.

क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज (इलाहाबाद)

म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा अकादमिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कार्य–परिषद की चौतीसवीं बैठक (6 नवंबर, 2008 स्थान, दिल्ली) में प्रयागराज (इलाहाबाद) केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसका अनुमोदन प्रस्ताव के मद संख्या 16 में किया गया है। इसके अंतर्गत देश में 5 क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया, जिसके अनुपालन में सर्वप्रथम कोलकाता एवं प्रयागराज (इलाहाबाद) में विस्तार केंद्र खोले गये। मार्च, 2011 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रयागराज (इलाहाबाद) केंद्र को मान्यता दी गई। मान्यता उपरान्त सत्र 2011–12 से ही नियमित पाठ्यक्रमों का संचालन प्रयागराज (इलाहाबाद) केंद्र में शुरू हुआ। वर्तमान कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के मार्गदर्शन में प्रयागराज (इलाहाबाद) केंद्र में एम.ए., एम.एस.डब्ल्यू., एम.फिल., पी–एच.डी. एवं विभिन्न पी.जी. डिप्लोमा एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों सहित कुल 12 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय केंद्र के लिए उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद द्वारा झूंसी में आवंटित भूमि पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो.कमलेश दत्त त्रिपाठी तथा कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा आवंटित भूखंड पर कार्यालयी संस्था के माध्यम से 27 फरवरी, 2019 को भूमि पूजन का कार्य किया गया, तत्पश्चात कार्यदायी संस्था यू.पी. सिडको द्वारा 27 फरवरी 2019 से आवंटित भूभाग में निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। वर्तमान में कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य प्रगति पर है। कार्यदायी संस्था यू.पी. सिडको के अनुसार सितंबर 2019 में प्रस्तावित भूखंड में एक मंजिला भवन तैयार कर विश्वविद्यालय को हस्तांतरित कर दी जाएगी। साथ ही अक्टूबर 2019 से विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय केंद्र, निर्माणाधीन भवन झूंसी, प्रयागराज में स्थानांतरित हो जाएगा। यह केंद्र की बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी।

पाठ्यक्रम : • पी–एच.डी. हिंदी साहित्य • पी–एच.डी. परफार्मिंग आर्ट (फिल्म एवं थिएटर) • एम.फिल परफार्मिंग आर्ट (फिल्म एवं थिएटर) • एम.ए. हिंदी साहित्य • एम.ए. समाजकार्य (एम.एस.डब्ल्यू.) • अनुवाद में पी.जी.डिप्लोमा • पी.जी. डिप्लोमा इन इन परफॉर्मिंग आर्ट (फिल्म एवं थिएटर) • स्त्री –अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा • अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा • बैचलर ऑफ़ सोशल वर्क

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
संतोष भदौरिया	प्रोफेसर प्रभारी (... से 01.07.2018)	15.06.2010	पी–एच.डी.	स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रिकाएं	आधुनिक हिंदी काव्य और पत्रकारिता
विधु खरे दास	सहायक प्रोफेसर प्रभारी (02 जुलाई, 2018 से)	12.03.2012	पी–एच.डी.	स्टडी ऑफ फॉर्म एण्ड कंटेंट ऑफ मेजर पोस्ट इंडिपेडेन्ट हिंदी प्ले राइट्स विथ स्पेशल रेफरेंस टू मॉडर्न वेस्टर्न ड्रामा थ्योरीज	नाटक

गोष्ठी / परिचर्चा / फिल्म प्रदर्शन का आयोजन

म.गां.अं.हिं.वि. अधिनियम में वर्णित उद्देश्यों, हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार, संवर्धन, साहित्यिक गतिविधियों आदि के लिए क्षेत्रीय केंद्र द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी, चर्चा–परिचर्चा आदि का आयोजन किया गया, जिसमें देश–विदेश के ख्यातनाम साहित्यकारों, साहित्य प्रेमियों द्वारा भाग लिया गया।

- (21 जुलाई, 2018). प्रयागराज केंद्र में नवगठित फिल्म एवं ड्रामा क्लब द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें रंगमंच एवं फिल्म के प्रसिद्ध अभिनेता यशपाल शर्मा द्वारा प्रदर्शनकारी कला के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियो को फिल्म अभिनय एवं निर्माण की बारीकियों से अवगत कराया।
- (2 अगस्त, 2018). प्रयागराज केंद्र के सत्ययप्रकाश मिश्र सभागार में मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में 'साहित्य के रंगमंच पर प्रेमचंद' विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके बाद प्रेमचंद की कहानी पर आधारित फिल्म 'सदगति' का प्रदर्शन किया गया।
- (01–15 अगस्त, 2018). स्वच्छता पखवाड़ा का आयेाजन स्वच्छता एवं पर्यावरण समिति द्वारा किया गया।
- (15 अगस्त, 2018). प्रयागराज केंद्र में 72वां स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें प्रभारी डॉ.विधु खरे दास ने ध्वजारोहण किया।
- (05 सितंबर, 2018). शिक्षक दिवस पर सत्यप्रकाश मिश्र सभागार में 'वर्तमान पीढ़ी और शिक्षक' विषय पर व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- (06 सितंबर, 2018). प्रयागराज केंद्र में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय 'स्वच्छ भारत और हम' था।
- (07 सितंबर, 2018). प्रयागराज केंद्र में काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- (10 सितंबर, 2018). प्रयागराज केंद्र में स्वच्छता पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया।
- (11 सितंबर, 2018). प्रयागराज केंद्र परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- (12 सितंबर, 2018). प्रयागराज केंद्र में 'विश्व मंच पर हिंदी' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- (14 सितंबर, 2018). हिंदी दिवस के अवसर पर 'स्वच्छता अभियान से देश स्वच्छ हुआ है' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस के अवसर पर प्रो. राम किशोर शर्मा (पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, इविवि) ने 'हम सब की गौरव भाषा : हिंदी' पर विशेष व्याख्यान दिया।

- (24 सितंबर, 2018). प्रयागराज केंद्र के अकादमिक सत्र 2018–19 हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी एवं कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। केंद्र में वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलाधिपति एवं कुलपति द्वारा किया गया। साथ ही केंद्र के पंडित विद्यानिवास मिश्र पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया।
- (27 सितंबर–2 अक्टूबर, 2018). प्रयागराज केंद्र में प्रदर्शनकारी कला के विद्यार्थियों हेतु राकेश यादव द्वारा आंगिक अभिनय विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रयागराज केंद्र के ड्रामा क्लब के विद्यार्थियों द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर लोगों को जागरूक करने हेतु स्वच्छता पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया।
- (28 सितंबर, 2018). प्रयागराज केंद्र में ल्यूमियर ब्रदर्स के फिल्मों की स्क्रीनिंग तथा चर्चा का आयोजन किया गया।
- (04–06 अक्टूबर, 2018). केंद्र में सिनेमेटोग्राफी पर आयोजित कार्यशाला में अश्विनी कुमार यादव ने मार्गदर्शन किया।
- (23–25 अक्टूबर, 2018). प्रयागराज केंद्र में स्पोर्ट्स क्लब क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद और इलाहाबाद शतरंज एसोसिएशन के सहयोग से शतरंज कार्यशाला का आयोजन सत्यप्रकाश मिश्र सभागार में किया गया। इस कार्यशाला में अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी और शिक्षक मयंक श्रीवास्तव तथा पंकज पाण्डेय द्वारा प्रतिभागियों को शतरंज के सूक्ष्म एवं गूढ नियमों से परिचय कराया गया।
- (26 अक्टूबर 2018). शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन सत्यप्रकाश मिश्र सभागार में किया गया। इस प्रतियोगिता में अमन त्रिपाठी प्रथम स्थान, अपर्णा गोरे, मदन मोहन, आकाश सिंह, प्रभात कुमार और स्वामीनाथ ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। नागेंद्र कुमार और अंजली कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- (27–31 दिसंबर 2018). प्रयागराज केंद्र में पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ विषय विशेषज्ञ सेंट्रल स्कूल स्पीच ऑफ ड्रामा, लंदन से प्रशिक्षित डॉ. दानिश इकबाल ने किया।
- (29 दिसंबर, 2018). प्रयागराज केंद्र में म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा का स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात नाट्य विशेषज्ञ डॉ. दानिश इकबाल थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. रेणु सिंह ने किया।
- (8 जनवरी 2019). विश्व हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर म.गां.अं.हिं.वि. के पूर्व कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र का 'विश्व हिंदी दिवस' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
- (26 जनवरी–28 फरवरी 2019). क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज द्वारा कुम्भ मेला 2019 में 26 जनवरी 2019 को मेला क्षेत्र के सेक्टर 06 में विश्वविद्यालय का शिविर लगाया गया। शिविर में समय–समय पर केंद्र के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़–नाटक, योग प्रशिक्षण, खो–खो, वालीवाल, कबड्डी, बैडमिंटन एवं रस्सा कसी आदि खेलों का आयोजन हुआ।
- (15–21 फरवरी 2019). प्रयागराज केंद्र में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली भारत सरकार के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक तथा शिक्षण अभियान के अंतर्गत संचालित हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के अध्यापकों, कर्मियों तथा विद्यार्थियों सहित देशभर के लगभग 200 प्रतिभागियों ने भागीदारी की। 15 फरवरी को मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण (अ.प्रा.) ने कार्यशाला का उद्घाटन किया जिसका विषय 'हिंदी का वैश्विक स्वरूप : विश्वव्यापी हिंदी' पर मुख्य वक्ता डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र (पूर्व महासचिव विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस) ने व्याख्यान दिया। 16 फरवरी को कार्यशाला के विषय 'हिंदी का वर्तनीकरण' पर, 17 फरवरी को कार्यशाला के विषय 'हिंदी अनुवाद : समस्याएँ और समाधान' पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र (पूर्व महासचिव विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस) ने व्याख्यान दिए। 18 फरवरी को कार्यशाला को विषय 'हिंदी भाषा का मानकीकरण और देवनागरी की भूमिका' पर प्रो. राम किशोर शर्मा (पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) ने वक्तव्य दिया। 19 फरवरी के कार्यशाला का विषय 'हिंदी लेखन और उच्चारण की अशुद्धियाँ' पर, 20 फरवरी को कार्यशाला के विषय 'सारांश/सार लेखन, पत्र लेखन, आलेखन, निबंध' डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय (प्रसिद्ध भाषाविद और समीक्षक, इलाहाबाद) ने व्याख्यान दिया। 21 फरवरी के समापन दिवस पर कार्यशाला के विषय 'हिंदी में रोजगार की संभावनाएं' पर प्रो. राम किशोर शर्मा (पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) ने व्याख्यान दिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. राजेंद्र प्रसाद (कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) थे।
- (19 मार्च 2019). प्रयागराज केंद्र में पहली बार 'विश्व समाज कार्य दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर परिचर्चा के लिए 'समाज कार्य के नए संदर्भ" विषय रखा गया है।
- (26–27 मार्च 2019). केंद्र में विश्व रंगमंच दिवस की पूर्व संध्या पर 26 मार्च को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. रामजी मिश्र थे।

पुस्तकालय एवं वाचनालय का संचालन

केंद्र में स्थापित पुस्तकालय को कुलपति महोदय के इलाहाबाद प्रवास के दौरान दिए गए निर्देशानुसार पुर्नव्यवस्थित किया गया। संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप छात्रों के लिए पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। पुस्तकालय को ऑनलाइन करने हेतु कार्य प्रगति पर है। केंद्र में स्थित पुस्तकालय का नाम पंडित विद्यानिवास मिश्र पुस्तकालय है।

उपलब्धियाँ

डॉ. विधु खरे दास

- वर्ष 2018 में थियेटर के क्षेत्र में बुनियाद फाउंडेशन, इलाहाबाद द्वारा अवार्ड ऑफ एक्सलेन्स से सम्मानित।

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता की स्थापना 02 मई 2011 को हुई किंतु विधिवत कामकाज की शुरुआत 01 जुलाई 2011 को हुई। आरंभिक अवधि में कोलकाता के समाज में इस केंद्र की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए बांग्ला लेखकों व संस्कृतिकर्मियों के साथ संवाद श्रृंखला आरंभ की गई। इसके अंतर्गत आयोजित संवाद कार्यक्रम में साहित्य अकादमी के तत्कालीन अध्यक्ष तथा बांग्ला के विशिष्ट साहित्यकार सुनील गंगोपाध्याय के साथ हिंदी के वरिष्ठ कवि केदारनाथ सिंह तथा इंडियन लिटरेचर के तत्कालीन संपादक सुबोध सरकार तथा अन्य ने संवाद किया। कोलकाता केंद्र ने बांग्ला व उड़िया के अलावा हिंदी और पूर्वोत्तर के बीच समन्वय तथा परस्पर सांस्कृतिक प्रभाव पर लगातार संवाद श्रृंखला चलाने के साथ ही उच्च अध्ययन और शोध की संभावनाएं तलाशने के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित कीं। कोलकाता केंद्र ने तीन जून 2012 को सात केंद्रीय विश्वविद्यालयों की संयुक्त प्रवेश परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की। कोलकाता केंद्र में आरंभिक सुविधाओं को देखते हुए 2013–14 से वेब पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा का नियमित पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। 2014–15 से तीन और नियमित पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। 01 अक्टूबर 2014 से यह केंद्र पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र–ईजेडसीसी, साल्ट लेक, सेक्टर–03 के ऐकतान परिसर में संचालित हो रहा है। इस समय क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में एम. ए. हिंदी साहित्य, एम. ए. जनसंचार तथा एम.फिल. हिंदी साहित्य के पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। समय–समय पर यहाँ विविध विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं विद्यार्थियों के अकादमिक संवर्द्धन के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होते रहते हैं।

पाठ्यक्रम : • एम. ए. हिंदी साहित्य • एम. ए. जनसंचार • एम. फिल. हिंदी साहित्य

गतिविधियाँ

- (12 सितंबर, 2018). 'हिंदी प्रिंट मीडिया की भाषा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव ने मुख्य वक्ता के रूप में उद्‌बोधन दिया।
- (14 सितंबर, 2018). हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में प्रो. प्रीति सागर, कादर नवाज़ ख़ान, डॉ. प्रेम बहादुर मांझी, डॉ. सुप्रिया पाठक ने विचार व्यक्त किए।
- (05 फरवरी, 2019). 'भारत और मॉरीशस : सामाजिक–सांस्कृतिक और साहित्यिक परिदृश्य' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. सरिता बुधू (कला एवं संस्कृति मंत्रालय, मॉरीशस), प्रो. चन्द्रकला पाण्डेय, मृत्युंजय कुमार सिंह, प्रो. विजय कुमार भारती बतौर वक्ता उपस्थित रहे।
- (11 फरवरी, 2019). अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला, कोलकाता में विश्वविद्यालय के कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 'डिजिटल समय में किताबें' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई।
- (21 फरवरी, 2019). अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कल्याणी ठाकुर ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया।
- (13–15 मार्च, 2019). 'हिंदी भाषा की सरंचना' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में भाषा विज्ञानी डॉ. अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी ने संबोधित किया।
- (14 मार्च, 2019). स्वच्छता अभियान तथा वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- (30 मार्च, 2019). 'हिंदी आलोचना और नामवर सिंह' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में प्रो. विजय कुमार भारती ने संबोधित किया।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
सुनील कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	21.07.2009	पी–एच.डी.	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में बाल मनोविज्ञान / प्रेमचंद की कहानियों में बाल मनोविज्ञान	अस्मितावादी साहित्य चिंतन, मनोविज्ञान, कथा साहित्य, नाटक, बाल साहित्य

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

कुमार, सुनील

- (21 अप्रैल, 2018). डॉ. बी.आर. अंबेडकर युवा मंच, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा डॉ. बी.आर. अंबेडकर जन्मशती वर्ष के पूर्व संध्या पर आयोजित खुली चर्चा के दौरान व्याख्यान।
- (22 अप्रैल, 2018). एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक कर्मचारी संगठन, पामगढ़ (छत्तीसगढ़) द्वारा आयोजित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की जयंती के विशेष अवसर पर व्याख्यान।
- (09 अगस्त, 2018). गोंड समाज महासभा, उमरिया, म.प्र. द्वारा 'विश्व आदिवासी दिवस' के विशेष अवसर पर 'आदिवासी समाज, साहित्य और संस्कृति की वर्तमान दशा और दिशा' विषय पर व्याख्यान।

- (12 अगस्त, 2018). माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल द्वारा 'पत्रकारिता में आधी दुनिया (महिला पत्रकारिता)'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
- (19 अगस्त, 2018). छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ, कबीरधाम द्वारा आयोजित 'विश्व आदिवासी दिवस' पर 'वर्तमान समय में आदिवासी समाज और भारतीय संविधान'' विषय पर व्याख्यान।
- (12 सितंबर 2018). क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता द्वारा 'हिंदी दिवस' के अवसर पर 'हिंदी प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भाषा' विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम का संयोजन।
- (20 नवंबर, 2018). मानविकी एवं भाषा संकाय, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी, बिहार में 'साहित्य और हाशिये का समाज' विषय पर व्याख्यान।
- (27 नवंबर, 2018). हिंदी विभाग, काजी नज़रुल विश्वविद्यालय, आसनसोल (पश्चिम बंगाल) द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में 'समाज एवं कविता का अंतर्संबंध' विषय पर व्याख्यान।
- (29 नवंबर, 2018). इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज (उ.प्र.) द्वारा "भारत में जाति की समस्या : इतिहास और इतिहास की जांच' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।
- (5 फरवरी, 2019). क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता द्वारा 'भारत और मॉरीशस : सामाजिक–सांस्कृतिक और साहित्यिक परिदृश्य' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।

प्रकाशन

कुमार, सुनील

- (मार्च, 2019). '' 'मनु' और 'द्रोणाचार्यों' से अछूता नहीं है अकादमिक जगत'', जाति की राजनीति (सं.), 97–105, नई दिल्ली : स्वराज प्रकाशन।
- (मार्च, 2019). 'व्यापक आदिवासी साहित्य अभी भी प्रकाश में नहीं आया है', वागर्थ, 284, 83–85, कोलकाता : भारतीय भाषा परिषद।

दूर शिक्षा निदेशालय

विश्वविद्यालय में स्थापित यह निदेशालय हिंदी भाषा को आधार बनाकर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि अनुशासनों में शिक्षण, मौलिक सोच एवं लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु कटिबद्ध है। यह निदेशालय स्त्री अध्ययन, अहिंसा एवं शांति अध्ययन जैसे नवीनतम अनुशासनों को व्यापक समाज तक पहुँचाने के लिए प्रयासरत है, ताकि विश्व शांति एवं समता जैसे मूल्यों को व्यावहारिक तौर पर सिद्ध किया जा सके।
हिंदी में मौलिक–वैकल्पिक सोच एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध इस विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा निदेशालय यह प्रयास कर रहा है कि एक ओर दूर शिक्षा कार्यक्रम शोध/अनुसंधान द्वारा हिंदी एव ज्ञान के अनुशासनों में मौलिक सृजन करें और दूसरी ओर हिंदी भाषा के माध्यम से रोज़गारोन्मुखी पाठ्यक्रमों द्वारा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। देश में उच्च शिक्षा के लगातार महँगे एवं आमजन की पहुँच से दूर होने के इस दौर में दूर शिक्षा की भूमिका निर्विवाद एवं महत्वपूर्ण है। अतः यह निदेशालय उन सभी व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्ति का एक बेहतर अवसर प्रदान करता है, जो किसी कारण से शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते हैं। वर्तमान सत्र में यहां 1601 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

पाठ्यक्रम :

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : • व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर • समाजकार्य में स्नातकोत्तर • पत्रकारिता में स्नातकोत्तर • पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर • हिंदी में स्नातकोत्तर • इतिहास में स्नातकोत्तर • समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर।

स्नातक पाठ्यक्रम : • शिक्षा स्नातक, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक, पत्रकारिता में स्नातक।
• स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम • इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • डिप्लोमा • कंप्यूटर एप्लिकेशन में डिप्लोमा

शोध परियोजनाएँ

डॉ. शंभू जोशी

• भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा 'सामाजिक पूँजी और किसान आत्महत्या' विषय पर वृहद् शोध परियोजना (राशि आवंटन रु. 10,00,000) स्वीकृत एवं 31 जुलाई, 2018 को रिपोर्ट प्रस्तुत।

डॉ. अमित राय

• 'भारत में सार्वजनिक प्रतिरोधों का बदलता स्वरूप', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वृहत् शोध परियोजना प्रदत्त, राशि रु. 10,00,000 स्वीकृत।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
रवीन्द्र टी. बोरकर	क्षेत्रीय निदेशक/ सह प्रोफेसर	30.01.2013	पी–एच.डी.	उद्योग व्यवसाय एवं शैक्षणिक संस्थानों का समन्वयः मानव संसाधन एवं विकास	प्रबंधन, व्यावसायिक शिक्षा, दूर शिक्षा
शंभू जोशी	सहायक प्रोफेसर	02.04.2007	पी–एच.डी.	गांधी दृष्टि एवं श्रम समस्या	गांधी दृष्टि और अहिंसा और शांति अध्ययन
अमित राय	सहायक प्रोफेसर	02.04.2007	पी–एच.डी.	राज्य और गैर सरकारी संगठनों के बीच अन्तस्सम्बन्धों का विश्लेषणात्मक अध्ययन	अहिंसा एवं शांति अध्ययन, शांति संघर्ष समाधान, मानव अधिकार, विकास अध्ययन एवं जनसंचार
अमरेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक प्रोफेसर	02.04.2007	पी–एच.डी.	भारतीय तुलनात्मक साहित्येतिहास : संदर्भ नवजागरण	तुलनात्मक साहित्य (साहित्य और सिनेमा)
संदीप मधुकर सपकाले	सहायक प्रोफेसर	02.04.2007	एम.फिल.	हिंदी एवं मराठी दलित आत्मकथाओं की सामाजिक पृष्ठभूमि	आत्मकथा, जीवनी, दलित साहित्य, हिंदी मराठी सामाजिक– सांस्कृतिक अध्ययन
शैलेश मरजी कदम	सहायक प्रोफेसर	22.05.2007	पी–एच.डी.	दलित साहित्य में अनुवाद परंपराः मराठी से हिंदी में अनूदित दलित आत्मकथाओं के संदर्भ में।	अनुवाद विज्ञान, शोध प्रविधि, अंतरानुशासनिक अध्ययन, मराठी दलित साहित्य, हिंदी दलित आत्मकथा।

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

जोशी, शंभू

- (02 अक्टूबर, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'गांधी का आलोक' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी दर्शन के विविध आयाम' विषय पर व्याख्यान।
- (12–21 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में 'ग्रामीण सामुदायिक सहभागिता में संकाय संवर्धन कार्यक्रम' विषयक आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता।
- (2 मार्च, 2019). गांधी अध्ययन केंद्र, न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा आयोजित एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'महात्मा 150 वर्ष' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संसदीय लोकतंत्र बजरिए हिंद स्वराज' विषय पर पत्र वाचन।
- (31 मार्च–01 अप्रैल, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा एवं पालि सोसायटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधन में 'दसवें पालि दिवस' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में 'बौद्ध अर्थशास्त्र की प्रासंगिकता' विषय पर पत्र वाचन।

राय, अमित

- (19–24 मार्च, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन के विविध आयाम' विषय पर आयोजित छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 'मानवाधिकार एवं शिक्षा' विषय पर व्याख्यान।
- (18–20 अगस्त, 2018). विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मॉरीशस में 'हिंदी विश्व और भारतीय संस्कृति' विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय 11 वें विश्व हिंदी सम्मलेन में 'जनसंचार माध्यम एवं भारतीय संस्कृति' विषय पर पत्र वाचन।
- (02 अक्टूबर, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग द्वारा 'गांधी का आलोक' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 'गांधी और राजनीति' विषय पर पत्र वाचन।
- (25 जनवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के गांधी एवं शान्ति अध्ययन विभाग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यशाला में सहभागिता।
- (12–21 फरवरी, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और महात्मा गांधी ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण सामुदायिक सहभागिता विषय पर आयोजित 'संकाय विकास कार्यक्रम' में सहभागिता।
- (28–30 मार्च, 2019). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली एवं गांधी विचार परिषद, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि : सामर्थ्य, संभावनाएं एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'आर्थिक सत्ता और ब्यूटी मिथ' विषय पर संयुक्त पत्र वाचन।

शर्मा, अमरेन्द्र कुमार

- (12–21 फरवरी, 2019). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र, शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और महात्मा गांधी नेशनल कौंसिल ऑफ रूरल एजुकेशन, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण सामुदायिक प्रतिबद्धता (रूरल कम्युनिटी इंगेजमेंट) विषय पर 'शिक्षक क्षमता निर्माण कार्यक्रम' (फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम) में सहभागिता।(16–18 फरवरी, 2018 को छोड़कर)
- (17–18 फरवरी 2019). बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ और अमृतलाल नागर सृजन पीठ, म.गां.अं.हिं.वि, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में 'अमृतलाल नागर का टुकड़े–टुकड़े दास्तान : एक मूल्य–मीमांसा' विषय पर आलेख वाचन।

कदम, शैलेश मरजी

- (14 अप्रैल, 2018). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र प्रस्तावक के रूप में व्याख्यान।
- (20–21 नवंबर, 2018). यशवंत महाविद्यालय, वर्धा और सेलू के संयुक्त तत्वावधान में 'मराठी शुद्धलेखन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
- (23–24 जनवरी, 2019). श्री सदगुरु गंगागीर महाराज विज्ञान, गौतम आर्ट एंड संजीवनी कॉमर्स कॉलेज, कोपरगाँव द्वारा 'हिंदी अनुवाद की प्रवृत्तियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मराठी से हिंदी में अनूदित दलित साहित्य के अनुवाद की समस्याएं' विषयक शोध पत्र प्रस्तुत।
- (2 फरवरी, 2019). यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण में साहित्य, समाज और मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पर्यावरण और समाज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
- (12–21 फरवरी, 2019). महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र तथा शिक्षा विद्यापीठ द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित 'ग्रामीण समुदाय सभागिता' विषयक संकाय विकास कार्यक्रम में सहभागिता।
- (31 मार्च–01 अप्रैल, 2019). पालि सोसाइटी ऑफ इंडिया, वाराणसी द्वारा आयोजित 'आधुनिक भारत में बौद्ध धर्म का पुनर्जागरण' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'बौद्ध धर्म के उत्थान में बौद्ध भिक्षुओं का योगदान' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

जोशी, शंभू

- (2018). 'आचार्य विनोबा भावे की श्रम दृष्टि', हिंदी समय (ऑनलाइन), वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (अक्टूबर–दिसंबर, 2018). 'मानव मूल्य और गांधी–अंबेडकर दर्शन', अजंता, 7 (4), 33–39, औरंगाबाद : अजंता प्रकाशन, ISSN : 2277-5730
- (2019). गांधी दर्शन के विविध आयाम. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
- (मार्च, 2019). 'संसदीय लोकतंत्र बजरिए हिंद स्वराज', रिसर्च जर्नी, जलगांव : प्रशांत पब्लिकेशन्स, 234–236, ISSN : 2348-7143

राय, अमित

- (जनवरी, 2018). 'भारत में बदलते बाल अधिकार एवं संरक्षण अधिनियमों की भूमिका', प्रेक्सिस इन्टरनेशल जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड लिट्रेचर, 2(1), महाराष्ट्र।
- (फरवरी, 2019). 'अभी पूँजीवाद का संरचनात्मक संकट है' (प्रो.सामिर अमीन के दो साक्षात्कारों का अनुवाद), पहल, 114, जबलपुर।

शर्मा, अमरेन्द्र कुमार

- (12 सितंबर, 2018). 'मुक्तिबोध सत्य और सत्ता का संघर्ष', समालोचन।
- (13 दिसंबर, 2018). 'कलाएँ एक संक्षिप्त यात्रा परिदृश्य', हिंदी समय (ऑनलाइन), वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (22 फरवरी, 2019). 'नवजागरण की उपनिवेशवादी बौद्धिक परिघटना और उसकी परियोजनाएँ', हिंदी समय (ऑनलाइन), वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि, वर्धा।

कदम, शैलेश मरजी

- (अक्टूबर–दिसंबर, 2018). 'दलित शब्द का उद्‌भव : एक ऐतिहासिक यात्रा', बहुवचन, 59, 345– 348 वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
- (जनवरी, 2019). 'मराठी से हिंदी में अनूदित दलित साहित्य के अनुवाद की समस्याएं', रिसर्च जर्नी, 101, 87– 92, येवला, स्वातिधन प्रकाशन, जिला : नाशिक, महाराष्ट्र।

शोध सहायता प्रकोष्ठ

शोध सहायता प्रकोष्ठ के अंतर्गत विश्वविद्यालय में संचालित शोध गतिविधियों का नियमन–निर्देशन किया जाता है। अधिष्ठाता, शोध द्वारा निर्देशित–संचालित इस प्रकोष्ठ में कार्यरत अनुसंधान अधिकारी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शोध संबंधी कार्यक्रमों एवं परियोजना कार्यों में अधिष्ठाता, शोध को अपेक्षित सहयोग करते हैं। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के अकादमिक सदस्यों को शोध संबंधी परियोजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही शोध संबंधी कार्यों में उन्हें सैद्धांतिक सहयोग भी प्रदान करता है। यह प्रकोष्ठ शोधार्थियों को शोध प्रविधि एवं शोध सामग्री संबंधी मार्गदर्शन देने के साथ–साथ विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों को शोध परियोजनाओं के प्रारूप उपलब्ध कराने, शोध स्वीकृति स्त्रोतों तथा इस हेतु धन उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं की जानकारी भी सुलभ कराता है। शोध परियोजनाओं के प्रारूप निर्माण में अपेक्षित सहयोग करने के साथ ही आवश्यक पत्र व्यवहार करना भी इस प्रकोष्ठ का महत्वपूर्ण कार्य है। प्रकोष्ठ में कार्यरत अनुसंधान अधिकारी दूर शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के संयोजन के साथ–साथ उन पाठ्यक्रमों के लिए सेमेस्टर पद्धति पर आधारित एवं स्वेच्छाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप नवीन पाठ्यक्रमों का निर्माण तथा उत्कृष्ट पाठ्य सामग्री के लेखन, संकलन तथा संपादन का कार्य भी संपन्न करते हैं। इसके साथ ही अनुसंधान अधिकारियों द्वारा विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के अंतर्गत संचालित अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अध्यापन कार्य संबंधी दायित्वों का भी निर्वहन किया जाता है।

- एम.ए. हिंदी (दू.शि.नि.) – पाठ्यक्रम संयोजक : डॉ. पुरन्दरदास
- एम.ए. इतिहास (दू.शि.नि.) – पाठ्यक्रम संयोजक : डॉ. परिमल प्रियदर्शी

अनुसंधान अधिकारी का विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	पी–एच.डी. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
परिमल प्रियदर्शी	अनुसंधान अधिकारी	12.03.2012	पी–एच.डी.	1857 की क्रांति का 19वीं सदी के परवर्ती हिंदी साहित्य पर प्रभाव	आधुनिक भारत का इतिहास
पुरन्दरदास	अनुसंधान अधिकारी /	28.03.2012	पी–एच.डी., हिंदी	हिंदी साहित्य में राम : स्वरूप–विश्लेषण	हिंदी भाषा एवं साहित्य

प्रकाशन

प्रियदर्शी, परिमल

- (2018). उर्वशी : उपलब्धि और सीमा, नई दिल्ली : स्वराज प्रकाशन।

पुरन्दरदास

http://hindivishwa.org/distance/contentdtl.aspx?

मार्च, 2019 :

- "भक्तिकाव्य का स्वरूप एवं भेद, निर्गुण–सगुण की अवधारणा, निर्गुण–सगुण का संबंध, साम्य–वैषम्य", हिंदी साहित्य का इतिहास – I एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "तुलसी के राम का स्वरूप, कबीर के राम और तुलसी के राम में साम्य–वैषम्य", मध्यकालीन हिंदी काव्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "मानस' का महाकाव्यत्व, 'मानस' में सौंदर्य–तत्व, 'मानस' का वैशिष्ट्य", मध्यकालीन हिंदी काव्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- '' 'अयोध्याकांड' में भक्ति का स्वरूप, 'चित्रकूट सभा' का वैशिष्ट्य", मध्यकालीन हिंदी काव्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "संत कवि सुंदरदास की भक्ति–भावना, सुंदरदास और लोकधर्म", मध्यकालीन हिंदी काव्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम– पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "सुंदरदास की बहुज्ञता, सुंदरदास का काव्यकलागत वैशिष्ट्य", मध्यकालीन हिंदी काव्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम– पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "भूषण के काव्य में युग–बोधय भूषण की राष्ट्रीय भावना, भूषण : एक जातीय कवि अथवा राष्ट्रीय कवि", मध्यकालीन हिंदी काव्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "एकांकी नाटक का स्वरूप और क्रमिक विकास", हिंदी नाटक एवं रंगमंच, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "गीति नाट्य : स्वरूप और परंपरा, प्रमुख गीति नाट्य", हिंदी नाटक एवं रंगमंच, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "प्रसाद की नाट्य–कला और 'चंद्रगुप्त' नाटक", हिंदी नाटक एवं रंगमंच, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- " 'चंद्रगुप्त' नाटक में अभिव्यक्त सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना", हिंदी नाटक एवं रंगमंच, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "'चंद्रगुप्त' नाटक की पात्र–संयोजना एवं प्रमुख पात्रों का चारित्रिक वैशिष्ट्य", हिंदी नाटक एवं रंगमंच, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम– पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक अरस्तू", पाश्चात्य काव्यशास्त्र, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक लोंजाइनस", पाश्चात्य काव्यशास्त्र, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक विलियम वर्ड्सवर्थ", पाश्चात्य काव्यशास्त्र, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक सैम्युअल टेलर कॉलरिज", पाश्चात्य काव्यशास्त्र, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।

- "काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक मैथ्यू आर्नल्ड", पाश्चात्य काव्यशास्त्र, एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक बेनेदितो क्रोचे", पाश्चात्य काव्यशास्त्र, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म. गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक टी. एस. एलियट", पाश्चात्य काव्यशास्त्र, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक आई. ए. रिचर्ड्स", पाश्चात्य काव्यशास्त्र, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पुरोधा भारतेन्दु और उनका मंडल", हिंदी साहित्य का इतिहास–II, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम : पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "भारतेंदुयुगीन नाटक, काव्य, निबंध, साहित्यिक पत्रकारिता और अन्य गद्य–विधाएँ", हिंदी साहित्य का इतिहास –II, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता की ऐतिहासिक भूमिका, द्विवेदीयुगीन कथा–साहित्य, साहित्यिक पत्रकारिता और 'सरस्वती' पत्रिका का योगदान, नवजागरण के संदर्भ में 'सरस्वती' पत्रिका का अवदान, विविध विषयपरक अनूदित साहित्य और अन्य गद्य–विधाएँ, हिंदी आलोचना का आरंभिक विकास", हिंदी साहित्य का इतिहास–II, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "प्रेमचंद और हिंदी कथा–साहित्य", हिंदी साहित्य का इतिहास–II, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं. हिं.वि., वर्धा
- "प्रसाद और उनके समकालीन नाटककार", हिंदी साहित्य का इतिहास–II, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "शुक्लयुगीन आलोचना, निबंध और अन्य गद्य–विधाएँ", हिंदी साहित्य का इतिहास–II, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम– पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "प्रगतिवाद, प्रयोगवाद", हिंदी साहित्य का इतिहास–II, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- " 'हरिऔध' का काव्य–शिल्प, 'प्रियप्रवास' का सामयिक संदर्भ, विश्वप्रेम", आधुनिककालीन हिंदी काव्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "रामनरेश त्रिपाठी का काव्यगत वैशिष्ट्य, 'पथिक' का संदेश", आधुनिककालीन हिंदी काव्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "रघुवीर सहाय की राजनैतिक चेतना, रघुवीर सहाय का भाषा–शिल्प", आधुनिककालीन हिंदी काव्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "कवि आलोचक जयशंकर प्रसाद", हिंदी आलोचना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "कवि आलोचक स. ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय'", हिंदी आलोचना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "कवि आलोचक गजानन माधव 'मुक्तिबोध'", हिंदी आलोचना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं. वि., वर्धा।
- "कवि आलोचक विजयदेवनारायण साही", हिंदी आलोचना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "कवि आचार्य केशवदास", हिंदी आलोचना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "कवि आचार्य चिंतामणि", हिंदी आलोचना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "कवि आचार्य देव", हिंदी आलोचना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "कवि आचार्य भिखारीदास", हिंदी आलोचना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी", हिंदी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "लेखकीय मनोविज्ञान", सृजनात्मक लेखन, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "'नीति' और 'नीतिकाव्य' : अवधारणा एवं स्वरूप, नीति के प्रकार, नीतिकाव्य : काव्यत्व विषयक मत, नीतिकाव्य का प्रयोजन, पद्य, सूक्ति और काव्य में भेद", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "मूल्य चेतना : अवधारणा एवं स्वरूप, मूल्य और जीवन–मूल्य, जीवन–मूल्य विषयक भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोण, विविध पक्ष", हिंदी

नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।

- "नीतिकाव्य की परम्परा : वैदिक साहित्य, संस्कृत साहित्य, पालि साहित्य, प्राकृत साहित्य, अपभ्रंश साहित्य, आदिकालीन साहित्य, भक्तिकालीन साहित्य, रीतिकालीन साहित्य में नीति और मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "कबीर के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "रज्जब के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "सुंदरदास के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "तुलसीदास के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "रहीम के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "बिहारीलाल के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "वृन्द के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- ''घाघ और भड्डरी के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "गिरिधर कविराय के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "दीनदयाल गिरि के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "रैदास (रविदास) के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "नानक और रसखान के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "जमाल, रामसहाय दास, सम्मन और बैताल के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना", हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "आचरण की सभ्यता–सरदार पूर्णसिंह", हिंदी के विविध गद्य–रूप, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "उत्साह–रामचंद्र शुक्ल", हिंदी के विविध गद्य–रूप, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र", हिंदी के विविध गद्य–रूप, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "आवारा मसीहा–विष्णु प्रभाकर", हिंदी के विविध गद्य–रूप, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- "साहित्य देवता–माखनलाल चतुर्वेदी", हिंदी के विविध गद्य–रूप, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "प्रारंभिक हिंदी काव्य", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–निर्धारित पाठ्यपुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "प्रारंभिक हिंदी काव्य", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम – पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी उपन्यास एवं कहानी", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–निर्धारित पाठ्यपुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी उपन्यास एवं कहानी", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "भारतीय काव्यशास्त्र", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी साहित्य का इतिहास -II", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "प्रयोजनमूलक हिंदी", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।

- (सं.) "लोक–साहित्य", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "मध्यकालीन हिंदी काव्य", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–निर्धारित पाठ्यपुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "मध्यकालीन हिंदी काव्य", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- "हिंदी नाटक एवं रंगमंच", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–निर्धारित पाठ्यपुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी नाटक एवं रंगमंच", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "पाश्चात्य काव्यशास्त्र", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी साहित्य का इतिहास -II, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी पत्रकारिता", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "आधुनिककालीन हिंदी काव्य", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–निर्धारित पाठ्यपुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "आधुनिककालीन हिंदी काव्य", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी आलोचना", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
- (सं.) "हिंदी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "तुलनात्मक भारतीय साहित्य", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–निर्धारित पाठ्यपुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "तुलनात्मक भारतीय साहित्य", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी भाषा एवं भाषा–शिक्षण", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "सृजनात्मक लेखन", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–निर्धारित पाठ्यपुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी के विविध गद्य–रूप", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–निर्धारित पाठ्यपुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी के विविध गद्य–रूप", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "भाषाविज्ञान", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "नव–सामाजिक विमर्श", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–निर्धारित पाठ्यपुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "नव–सामाजिक विमर्श", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–पाठ्यसामग्री पुस्तक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "रचनाकार का विशेष अध्ययन", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–परियोजना कार्य मार्गदर्शक पुस्तिका, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- (सं.) "हिंदी की संस्कृति का विशेष अध्ययन", एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम–परियोजना कार्य मार्गदर्शक पुस्तिका, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।

लेबोरेटरी इन इनफॉर्मेटिक्स फॉर द लिबरल आर्ट्स 'लीला'

लीला, जिसका नामकरण संइवतंजवतल पद प्दवितउंजपबे वित जीम स्पइमतंस ।तजेके प्राथमिक अक्षरों को संयोजित करके किया गया है और जिसे रोमन में स्प्स्। लिखा जाता है। विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में अभिकलन–आधारित पाठ्यचर्याओं का निर्धारण एवं शिक्षण, अभिकलन मूलक स्वतंत्र पाठ्यक्रमों को चलाना, ये सब लीला की जिम्मेदारियां हैं। संक्षेप में, विश्वविद्यालय की अभिकलन प्रस्तुति की सूत्रधारिता लीला का कार्य है।

विभाग / केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

अनिवार्य पाठ्यक्रम

- मॉडर्न कंप्यूटर एप्लीकेशन (समस्त स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्क्रमों में एक अनिवार्य विषय)
- कम्प्युटर संचालन एवं अनुप्रयोग (एम.फिल. एवं पी–एच.डी. में कोर्सवर्क का अनिवार्य विषय)

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	विशेषज्ञता
अंजनी कुमार राय	सिस्टम एनालिस्ट / प्रोग्रामर	22.03.2007	एम.एस–सी.(कंप्यूटर सांइस)	वेब टेक्नोलॉजी
गिरीश चंद्र पांडेय	लेक्सिकॉन एसोसिएट	10.04.2001	एम.एस–सी.	कंप्यूटर विज्ञान
हेमलता गोडबोले	सॉफ्टवेयर एसोसिएट	01.10.2002	एम.सी.ए., एम.ए. भाषाशास्त्र	कंप्यूटर विज्ञान

अन्य जानकारी

विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया।
विश्वविद्यालय के सभी छात्रावासों, विभागों एवं कार्यालयों में इंटरनेट की सुविधा तथा तकनीकी सहयोग,
पुस्तकालय, वित्तविभाग, अकादमिक एवं दूर शिक्षा के सभी ऑनलाइन गतिविधियों के डाटा का संरक्षण।

प्रकाशन विभाग

विश्वविद्यालय के प्राथमिक सरोकारों में से एक यह है कि पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और पाठ्यसामग्री को एक नई शताब्दी की नई चुनौतियों और प्रश्नाकुलता के अनुरूप ताजातरीन करते हुए इस क्षेत्र में नए विकल्पों को खोजा, विकसित और विन्यस्त किया जाए। तभी यह विश्वविद्यालय अध्ययन–अध्यापन और अनुसंधान के क्षेत्रों में नई प्रविधि विकसित कर सकता है। इसके लिए विश्वविद्यालय देश और विदेश के श्रेष्ठ विशेषज्ञों से विचार–विनिमय कर इस दिशा में प्रयत्न कर रहा है, क्योंकि हमारा लक्ष्य हिंदी साहित्य, भाषा और संस्कृति को उनकी समग्रता, जटिलता और बहुलता में आलोकित करते हुए नए प्रश्नों, चिंताओं और उत्सुकताओं से रूबरू होकर उनकी अपार क्षमता और संभावित दिशाओं को इंगित करना भी है। विश्वविद्यालय में एक प्रकाशन विभाग भी है, इस विभाग के अंतर्गत निम्न तीन पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं–

- **पुस्तक–वार्ता**
- **बहुवचन**
- **एनल्स ऑफ हिंदी स्टडीज**

कर्मी

- राजेश कुमार यादव, एम.ए.
- अशोक कुमार मिश्र, एम.ए.
- राकेश श्रीमाल, एम.ए.
- अमित कुमार विश्वास, पी–एच.डी.
- राजेश आगरकर, एम.ए.

वर्ष 2018–19 में प्रकाशित पत्रिकाएँ

(अ) पुस्तक–वार्ता (द्विमासिक)

संपादक : अशोक कुमार मिश्र
सहायक संपादक : डॉ. अमित कुमार विश्वास
अंक 73 (नवंबर–दिसंबर, 2017) (सं. विमल झा)

अंक 74 (जनवरी–फरवरी, 2018)
अंक 75 (मार्च–अप्रैल, 2018)
अंक 76–77 (मई–अगस्त, 2018)
अंक 78 (सितंबर–अक्टूबर, 2018)
अंक 79 (नवंबर–दिसंबर, 2018)

(ब) बहुवचन (त्रैमासिक)
संपादक : अशोक कुमार मिश्र
अंक 57 (अप्रैल–जून, 2018)
अंक 58 (जुलाई–सितंबर, 2018)
अंक 59 (अक्टूबर–दिसंबर, 2018)
अंक 60 (जनवरी–मार्च, 2019)

गतिविधियाँ
- राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली द्वारा 05 से 13 जनवरी, 2019 तक आयोजित विश्व 'पुस्तक मेला' में भागीदारी।
- वर्ष 2019 की डायरी, टेबल कैलेंडर एवं विवरणिका का प्रकाशन।
- 'हिंदी विश्व' का प्रकाशन – अंक–8, 15 अक्टूबर, 2018

अद्यतन प्रकाशित कृतियाँ
- स्पेनिश–अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश (सं. प्रो. ठाकुर दास, डॉ. रवि कुमार), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- जापानी–अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश (सं. सन्मति जैन), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- हिंदी और पूर्वोत्तर (सं. कृपाशंकर चौबे), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- अस्तित्व की खोज (सं. रेखा मोदी), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- भोजपुरी हिंदी अंग्रेजी शब्दकोश (सं. अरुणेश नीरन), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- निःशब्द नुपूर (सं. बलराम शुक्ल), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- मेरी कहानी (गांधी की कहानी गांधी की जुबानी) (सं. मनोज कुमार राय), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- अनुवाद अनुसृजन (सं. ए. अरविंदाक्षन), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- हिंदी का संगणकीय व्याकरण (सं. धनजी प्रसाद), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- मोहन से महात्मा तक (सं. डॉ. आरती स्मित), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- गांधी–दृष्टि युवा रचनात्मकता के आयाम (सं. प्रो. मनोज कुमार, डॉ. अमित कुमार विश्वास), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
- आलोचना के परिसर (सं. गोपेश्वर सिंह), म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।

प्रकाशनाधीन
- वर्धासंचार कोश (स. अर्जुन तिवारी)
- लघु विनिबंध (मोनोग्राफ) श्रृंखला
  - चंद्रकांता संतति : सं. वागीश शुक्ल
  - व्याकरण में स्त्री : सं. वागीश शुक्ल
  - फारसी और भारतीय छंद विधान : सं. बलराम शुक्ल
- वर्धा हिंदी शब्दकोश का परिमार्जित संस्करण
- किसी आम का नाम मिठउवा (सं. श्री अष्टभुजा शुक्ल)

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुति

अमित कुमार विश्वास, सहायक संपादक
- (01 अक्टूबर, 2018). 'वैज्ञानिक गांधी के पर्यावरणीय प्रयोग' विषय पर आकाशवाणी, नागपुर से को सप्तपरंग कार्यक्रम में वार्ता का प्रसारण।
- (12 जनवरी, 2019). 'राष्ट्र निर्माण में स्वामी विवेकानन्द का योगदान' विषय पर आकाशवाणी, नागपुर से सप्तरंग कार्यक्रम में वार्ता का प्रसारण।

प्रकाशन

- (अक्टूबर–दिसंबर, 2018). 'जरूरत है तीसरे प्रेस आयोग की', संवाद पथ, 3, 42–50, दिल्ली : केंद्रीय हिंदी संस्थान।
- (जून–दिसंबर, 2018). 'चंपारण का दर्द', अंतिम जन, 2, 48–52, नई दिल्ली : गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, गांधी दर्शन, राजघाट।
- (सितंबर, 2018). 'मानवतावादी चितेरे कवि', आजकल, 5, 29–30, नई दिल्ली : प्रकाशन विभाग, सूचना भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड।
- (जुलाई–सितंबर, 2018). 'मीडिया का अनुकूलन कारोबार', ज्ञान गरिमा सिंधु, 59, 62–67, नई दिल्ली : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग।
- (2018). 'गांधी दृष्टि युवा रचनात्मकता के आयाम', नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ, ISBN : 978–93–263–5551–3
- (2018). 'लघु भारत : मॉरीशस', लोकमत समाचार उत्सव, दीपावली 2018 जीवन, 151–156, नागपुर : लोकमत मीडिया प्रा.लि.।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधार हेतु सजग सतत् एवं उत्प्रेरक पद्धति का विकास करने, गुणवत्ता संस्कृति को बढ़ावा देने नवाचारों के संस्थानीकरण द्वारा विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता वृद्धि के उपायों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) सक्रिय रूप से कार्यरत है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) का स्वरूप

प्रो. गिरीश्वर मिश्र कुलपति	–	अध्यक्ष
प्रो. आनंदवर्धन शर्मा, प्रतिकुलपति	–	सदस्य
प्रो. मनोज कुमार, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र	–	सदस्य
प्रो. एल. कारूण्यकरा, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	–	सदस्य
प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	–	सदस्य
प्रो. अनिल कुमार राय, जनसंचार विभाग	–	सदस्य
प्रो. अवधेश कुमार शुक्ल, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	–	सदस्य
डॉ. मैत्रेयी घोष, पुस्तकालयाध्यक्ष	–	सदस्य
डॉ. अनिल कुमार पांडेय, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	–	सदस्य
डॉ. रामानुज अस्थाना, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	–	सदस्य
डॉ. राजीव रंजन राय, प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग	–	सदस्य
कुलसचिव	–	सदस्य
श्री क़ादर नावाज़ ख़ान, संयुक्त कुलसचिव	–	सदस्य
प्रो. आनंद प्रकाश, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	–	सदस्य
डॉ. प्रफुल्ल काले, पूर्व निदेशक, एमगिरी, वर्धा	–	सदस्य
डॉ. अशोक पावडे, पूर्व प्राचार्य, विधि महाविद्यालय, वर्धा	–	सदस्य
श्री भरत महोदय, (पूर्व विद्यार्थी) गांधी विचार परिषद, वर्धा	–	सदस्य
श्री शावेज़ ख़ान, (विद्यार्थी) अनुवाद अध्ययन विभाग	–	सदस्य
डॉ. शोभा पालीवाल, अकादमिक संयोजक	–	समन्वयक

गतिविधियाँ

1. 19 जुलाई 2018 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की दसवीं बैठक का आयोजन किया गया।
2. 30 अगस्त 2018 को नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की संस्कृति, रीति नीति एवं ज्ञान–शांति–मैत्री के भावों से परिचय कराने के लिए कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव तथा कुलानुशासक ने अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर सभी छात्रावासों के अधीक्षकों से विद्यार्थियों का परिचय कराया गया। अंत में विश्वविद्यालय पर बनी फिल्म भी विद्यार्थियों को दिखाई गई।
3. 16 नवंबर 2018 को विश्वविद्यालय की एनुअल क्वालिटी एश्योरेंस रिपोर्ट (AQAR) राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बंगलौर को प्रेषित की गई तथा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई।
4. 17 दिसबंर 2018 को अपरान्ह शाश्वत विकास के लिए शिक्षणशास्त्र (उच्च शिक्षा के विशेष संदर्भ में) विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें डॉ. सिल्विया क्रिस्टीन अल्मीदिया, मोनाश विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया तथा प्रो. भारती बावेजा, पूर्व प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने व्याख्यान दिए।
5. 11 व 12 फरवरी 2019 को विश्वविद्यालय का तीन वर्ष का अकादमिक ऑडिट करवाया गया। ऑडिट रिपोर्ट दिनांक 04 मार्च 2019 को आयोजित विद्या परिषद की बैठक में विचार–विमर्श हेतु प्रस्तुत की गई।

स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय

दृष्टि : हमारी धरोहर : हमारा आज, हमारा कल।

उद्देश्य :

1. विश्वभर में फैली हिंदी की साहित्यिक धरोहर को संगृहीत कर अध्ययन एवं शोध हेतु सुलभ बनाना।
2. हिंदी की साहित्यिक धरोहर के माध्यम से ज्ञान–परंपरा का विकास करना तथा उसे समृद्ध बनाना।
3. विलुप्ति के कगार पर पहुँचे साहित्य के संरक्षण की व्यवस्था करना और उसके प्रकाशन की योजना पर कार्य करना।
4. लेखकों की स्मृति से जुड़ी साहित्येतर वस्तुओं को सहेजकर रखना।
5. हिंदी साहित्यिक धरोहर को विश्व संस्कृति के निर्माण का अनिवार्य अंग बनाना।

संग्रहालय की गतिविधियाँ

प्राप्त सामग्री

क्र.सं.	पत्रिका का नाम	प्रकाशन वर्ष	अंक	प्रति	संपादक
1.	कल्पना–129	फरवरी–अप्रैल 1962	2–3–4– 03		डॉ. आर्येंद्र शर्मा
2.	कल्पना–137	मार्च– 1963	03	03	डॉ. आर्येंद्र शर्मा
3.	कल्पना–227	अप्रैल–1971	04		मधुसूदन चतुर्वेदी
4.	पाक्षिक सारिका	अगस्त– 1981	290	07	कन्हैयालाल नंदन
5.	पाक्षिक सारिका	अप्रैल– 1984	354		अवधनारायण मुद्गल
6.	पाक्षिक सारिका	अप्रैल– 1981	282		कन्हैयालाल नंदन
7.	पाक्षिक सारिका	जून– 1982	289		रामलोचन शरण
8.	पाक्षिक सारिका	अप्रैल– 1983	330		अवधनारायण मुद्गल
9.	पाक्षिक सारिका	नवंबर– 1983	282		अवधनारायण मुद्गल
10.	पाक्षिक सारिका	सितंबर– 1984	364		अवधनारायण मुद्गल
11.	सारिका	जुलाई– 1972	136	01	कमलेश्वर
12.	सारिका–विज्ञान कथा–अंक	सितंबर– 1985	388	01	अवधनारायण मुद्गल
13.	दिनमान	नवंबर– 1978			रघुवीर सहाय
14.	दिनमान	मार्च– 1976		02	रघुवीर सहाय
15.	पूर्वादल	अगस्त–अक्टूबर– 1968	19	01	परमात्मा नाथ द्विवेदी
16.	नया पथ (प्रवेशांक)	जुलाई–सितंबर–1986		01	भैरवप्रसाद गुप्त
17.	अक्षरा	दिसंबर–1982	02	01	प्रभाकर श्रोत्रिय
18.	नटरंग	1980	35	01	नेमिचंद्र जैन

पांडुलिपि	लेखक
• मनचाहा पुरुष (उपन्यास)	ध्रुव जायसवाल
• न महकने का दंड (उपन्यास)	ध्रुव जायसवाल
• जल सतह (कहानी)	ध्रुव जायसवाल

नोट : प्रो. गिरीश्वर मिश्र कुलपति ने अपने पास रखी वस्तुएँ संग्रहालय को भेंट कीं।

सामग्री संकलन हेतु किए जा रहे प्रयास :–

हिंदी साहित्य के विद्वानों से उनके द्वारा संरक्षित उनकी अपनी व अन्य रचनाकारों के पत्र व अन्य महत्वपूर्ण सामग्री संग्रहालय हेतु प्राप्त करने के लिए उनके परिजनों से पत्राचार के माध्यम से प्रयास किया जा रहा।

इलाहाबाद साहित्यकारों का मुख्य केंद्र रहा है, अतः विश्वविद्यालय के इलाहाबाद केंद्र पर कार्यरत डॉ. विधु खरे दास से अनुरोध किया गया कि वे निम्नांकित हिंदी सेवियों के परिजनों से संपर्क कर सामग्री प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करें।

1. भैरवप्रसाद गुप्त, 2. लक्ष्मीकांत वर्मा, 3. रघुवंश, 4. अमरकांत, 5. जगदीश गुप्त, 6. दूधनाथ सिंह,

- विश्वविद्यालय में आवसीय लेखक के रूप में तथा 'हिंदी समय डॉट–काम' के पूर्व संपादक राजकिशोर के पास संरक्षित सामग्री को प्राप्त करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती विमल गुप्त से पत्राचार कर सहमति प्राप्त की गई।
- सप्रे संग्रहालय भोपाल स्थित के मुख्य कर्ता–धर्ता विजयदत्त श्रीधर से सामग्री प्राप्ति हेतु बात की गई। तथा उन्होंने सहमति भी प्रदान की।

प्रदर्शनी :

- अगस्त 2018 मारीशस में आयोजित 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में विश्वविद्यालय के संग्रहालय द्वारा पांडुलिपियों एवं पत्रों का प्रदर्शन किया गया।
- विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर संग्रहालय द्वारा पांडुलिपियों, पत्रिकाओं, दुर्लभ पुस्तकों एवं पत्रिकाओं के प्रवेशांकों को प्रदर्शित किया गया।

संग्रहालय परिदर्शन एवं प्रतिक्रियाएँ

विश्वविद्यालय में भिन्न–भिन्न विभागों द्वारा आयोजित अकादमिक कार्यक्रमों में आए भिन्न–भिन्न विधाओं से संबंधित अध्यापक, शोधछात्र, साहित्यकार एवं लेखक तथा स्थानीय विद्यालयों के छात्रों ने संग्रहालय में प्रदर्शित की गई पांडुलिपि, पत्र, चित्रकला, पत्रिकाओं का अवलोकन किया–

- हैम्बर्ग यूनिवर्सिटी जर्मनी से आईं तत्याना ओरांस्कया ने संग्रहालय में अवलोकनार्थ रखी गई सामग्री को देखा। तदनंतर अपनी प्रतिक्रिया भी व्यक्त कीं– उन लोगों के प्रति जिन्होंने यहाँ हिंदी के साहित्य के इतिहास की मणि–मोतियाँ संगृहीत और सुरक्षित की हैं, उनको हार्दिक आभार।
- राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने संग्रहालय में प्रदर्शित पांडुलिपि, पत्रों आदि को देखकर अपना अभिमत प्रकट किया–समृद्ध विरासत की एक झलक देखी, स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय में उन पुराने पत्र–पत्रिकाओं को मूल रूप में देखा, जो 'आजाद' हिंदुस्तान का माध्यम बनी। उन यशस्वी, प्रिय लेखकों की निजी चीजें भी देखीं, जिनके ऋण हम पर हैं उन्हें पढ़कर ही हम जैसे करोड़ों देशवासी बौद्धिक विकसित कर सके, इस काम में लगे विश्वविद्यालय के सभी लोगों को बेहतर ढंग से यह अद्‌भुत धरोहर संजोए रखने के लिए बधाई।

अकादमिक गतिविधि

- विद्यानिवास मिश्र को संबोधित साहित्यकारों, मित्रों, राजनेताओं व अन्यों से प्राप्त पत्रों की पांडुलिपि तैयार कर संबंधित विभाग को सौंपी गई।
- चिट्ठियों की दुनियाँ के दूसरे खंड के प्रकाशन हेतु पांडुलिपि तैयार की जा रही है।
- संग्रहालय में उपलब्ध सभी पत्रिकाओं की अनुक्रमणिका के टंकण का कार्य चल रहा है। शोधकर्ताओं तथा अध्येताओं की सुविधा हेतु उनकी सहायता।

मंगलवार पोस्ट :

संग्रहालय द्वारा 'मंगलवार पोस्ट' के नाम से एक साप्ताहिक ई–बुलेटिन का प्रकाशन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य संग्रहालय में उपलब्ध संदर्भ सामग्री की जानकारी प्रदान करना है। इनमें पांडुलिपियों से चुनी हुई सामग्री, पत्रिकाओं में छपी कहानियाँ एवं टिप्पणियाँ, छायाचित्र, पत्रों आदि का चयन किया जाता है।

भावी योजनाएँ :

1. संग्रहालय–विज्ञान पर पाठ्यक्रम का संचालन
2. संग्रहालय में उपलब्ध सामग्री पर शोध
3. संगृहीत सामग्री को इंटरनेट पर सुलभ बनाना
4. महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का प्रकाशन
5. सामग्री के चल प्रदर्शन
6. संकलन का संवर्धन
7. अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन
8. राष्ट्रीय कार्यशाला एवं संगोष्ठी
9. राष्ट्रीय तथा विदेशी विशेषज्ञों को संग्रहालय के संवर्धन हेतु निमंत्रित करना
10. दुर्लभ ग्रंथों का पुनर्प्रकाशन

राजभाषा विभाग

राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने और संघ के सरकारी काम–काज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में राजभाषा विभाग की स्थापना की गई। विभाग विश्वविद्यालय के काम–काज में हिंदी का प्रगामी प्रयोग बढाने के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में भारत सरकार की राजभाषा नीति को पूरी तरह से लागू किया गया है। विश्वविद्यालय में राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का पूर्ण रूप से पालन किया जाता है। जिसके तहत सामान्य आदेश, ज्ञापन, संकल्प, अधिसूचनाएँ, नियम, करार, संविदा नोटिस, संसदीय प्रश्न आदि द्विभाषी रूप में जारी किए जाते हैं।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(4) और धारा 8 में दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजभाषा विभाग द्वारा बनाए गए सभी नियमों का पालन करने के पूर्ण प्रयास किए जाते हैं।

गतिविधियाँ

क. विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। हिंदी दिवस के परिप्रेक्ष्य में 14.09.2018 से 26.09.2018 तक हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया –

1. कविता पाठ/गीत गायन (गैर–शैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए)
2. हिंदी टंकण (एम.टी.एस. कर्मचारियों के लिए)
3. वाद–विवाद (गैर–शैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए)
4. हिंदी निबंध (गैर–शैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए)
5. हिंदी सुलेख (एम.टी.एस. कर्मचारियों के लिए)
6. हिंदी निबंध (विश्वविद्यालय के छात्र)
7. भाषण प्रतियोगिता (विश्वविद्यालय के छात्र)

महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय

2010 में केंद्रीय पुस्तकालय अपने दो मंजिला नए भवन में स्थानांतरित किया गया है। पुस्तकालय विद्वानों को जानकारी और सूचना सेवाओं का वितरण के माध्यम से विश्वविद्यालय के अनुदेशात्मक और अनुसंधान मिशनों का समर्थन करता है और उसे समृद्ध करता है। केंद्रीय पुस्तकालय के विशेष संग्रह और अभिलेखागार में दुर्लभ अद्वितीय और विशिष्ट सामग्री शामिल है। छात्रों एवं सकायों की अनुसंधान और सूचनात्मक आवश्यकताओं का समर्थन करने वाले प्रारूपों की एक विस्तृत श्रृंखला है। पुस्तकालय संग्रह के विकास नीति में हिंदी भाषा के अनुसंधान और शिक्षण में नेतृत्व करने के लिए विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण के विपरीत है। केंद्रीय पुस्तकालय स्नातक, संशोधक और संकायों के अनुसंधान और शिक्षण आवश्यकताओं के बीच एक उपयुक्त संतुलन बनाए रखता है।

पुस्तकालय का समय	
दिन	समय
सोमवार से शुक्रवार	प्रातः 9.30 से रात्रि 9.00 बजे तक
शनिवार एवं रविवार	प्रातः 10.00 से सायं 5.00 बजे तक

कर्मियों का विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	योग्यता विषय	पी एच. डी. / एम.फिल का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
मैत्रेयी घोष	पुस्तकालयाध्यक्ष	2011	पीएच.डी. पोस्ट डॉक्टेरेट (यू.एस.ए.)	पुस्तुकालय एवं सूचना विज्ञान, साईबर लॉ, मानवाधिकार	सेटेस्टाइंग ऐंड यूजेज थ्रू कन्सॉटिया बेस्ड सिस्टम्स : ए मॉडल फॉर कोलेब्रेशन एमंग इंजीनियरिंग लाइब्रेरीज इन वेस्टर्न इंडिया	लाइब्रिरी कंसॉटिया, ई.टी.डी. रीपज़िशन, ऑन्ट्रप्रनुर लाइब्रिरीज, ग्रीन टेक्नॉलाजी इन लाइब्रेरी
आनंद मंडित मलयज	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	2007	पी.एच.डी.	पुस्तकालय विज्ञान	हिंदी के संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों की सूचना आवश्यकता एवं सूचना अन्वेषण संबंधी व्यवहार (केंद्रीय विश्वविद्यालय कें संबंध में)	

संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / व्याख्यान / प्रस्तुतीकरण

घोष, मैत्रेयी

• (अगस्त, 2018). इफ्ला सेटेलाइट मीटिंग इन पेनांग, मलेशिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आर्चिवल पॉलिसी इनकॉरपोरेट आर्चिवर्स इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत।

प्रकाशन

मलयज, आनंद मंडित

• (2018). सूचना आवश्यकता एवं सूचना अन्वेषण व्यवहार, नई दिल्ली : यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन। ISBN 9788175558601

• (2018). साइबर मीडिया, नई दिल्ली : प्रिय साहित्य सदन। ISBN 9789382699736

केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध संग्रह

• प्रो. राम कुमार वर्मा की पुस्तकों का संग्रह • प्रो.विजेन्द्र नारायण सिंह की पुस्तकों का संग्रह • प्रो. रमेश कुंतल मेघ की पुस्तकों का संग्रह • सत्यवती मलिक की पुस्तकों का संग्रह • गजानन माधव मुक्तिबोध की पुस्तकों का संग्रह • कर्मेंदु शिशिर की पुस्तकों का संग्रह • महापंडित राहुल सांकृत्यायन की पुस्तकों का संग्रह • महात्मा गांधी की पुस्तकों का संग्रह।

केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधन

पुस्तक एवं पत्रिका का विवरण	
टेक्स्ट बुक की कुल संख्या	120389
संदर्भ बुक की कुल संख्या	3913
ब्रेल बुक	26
दान स्वरूप प्राप्त बुक	26
कुल पुस्तकों की संख्या	124354
कुल मैगजीन एवं जर्नल	105
कुल शोध प्रबंध	254
कुल लघु शोध प्रबंध	1750
ई–जर्नल	विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्धा हैं । उदा. https://jgateplus.com/search/ http://www.satishserial.com/index.php?p=issn0972-9348 एवं अन्य.

केंद्रीय पुस्तकालय में प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

• ओपेन एक्सेस सिस्टम सेवा (Open Access System Service) : केंद्रीय पुस्तकालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शैक्षणिक एवं, गैर–शैक्षणिक उपयोक्ताओं को उनकी वांछित पुस्तक तक पहुँच हेतु ओपेन एक्सेस सेवा प्रदान की जाती है ।

• ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस केटालॉग सेवा (Online Public Access Catalogue) : केंद्रीय पुस्तकालय उपयोक्ताओं को वांछित सूचना एवं पुस्तकों की ऑनलाइन खोज हेतु ओपैक (Online Public Access Catalogue) सेवा प्रदान की जाती है ।

• कंप्यूटर लैब सेवा : शोध में संलग्न विश्वविद्यालय के शोधार्थियों को कम्प्यूटर लैब सेवा प्रदान की जाती है ।

• दिव्यांग वाचन कक्ष : दिव्यांग छात्र हेतु अलग से वाचन कक्ष उपलब्ध है।

खेल समिति

विश्वविद्यालय की वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता 26 जनवरी 2019 से प्रारंभ हुई जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं शोधार्थियों अध्यापकों एवं कर्मचारियों से उत्साह से हिस्सेदारी की। खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन एवं समापन माननीय कुलपति महोदय के द्वारा किया गया तथा विश्वविद्यालय के सभी सांविधिक अधिकारी, संकायाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतियोगिता प्रारंभ होने पर मार्च पास्ट की सलामी ली जिसे विभिन्न संकायों के खिलाड़ियों ने प्रस्तुत किया। खेल समिति के अध्यक्ष प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी के नेतृत्व में विभिन्न प्रतियोगिताओं के संचालन के लिये अलग–अलग कमेटियां बनाई गई थी, जिसमें विश्वविद्यालय के अध्यापकों/कर्मचारियों के साथ–साथ विद्यार्थियों की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रही थे समितियॉ निम्न थी।

क्रिकेट संयोजक – डॉ. राकेश मिश्र, डॉ. अमित राय संयोजक – डॉ. अवंतिका शुक्ला, डॉ. भरत कुमार पांडा	**फुटबॉल** संयोजक – श्री संदीप सपकाले संयोजक – डॉ. हिमांशु शेखर
वॉलीबॉल संयोजक – डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा संयोजक – डॉ. अनिर्वाण घोष	**टेबल टेनिस** संयोजक – डॉ. ऋषभ मिश्र संयोजक – डॉ. समरजीत यादव
बैडमिंटन संयोजक – श्री. कमल शर्मा संयोजक – श्री सुधीर ठाकुर, वैभव सुशील	**शतरंज** संयोजक – डॉ. अमित राय संयोजक – डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा
एथलेटिक्स संयोजक – डॉ. समरजीत यादव संयोजक – डॉ. शैलेश मरजी कदम	**योग** संयोजक – डॉ. ज्योतिष पायेंङ संयोजक – सुश्री सारिका राय शर्मा

एमेच्योर			
क्रिकेट संयोजक – डॉ. अमित राय संयोजक – श्री राजीव पाठक	**बैडमिंटन** संयोजक – श्री कमल शर्मा संयोजक – श्री सुधीर ठाकुर संयोजक – श्री वैभव सुशील	**शतरंज** संयोजक – डॉ. अमित राय संयोजक – डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा	**फुटबॉल** संयोजक –श्री संदीप सपकाले संयोजक –डॉ. हिमांशु शेखर

इन प्रतियोगिताओं के निम्न विजेताओं को मा. कुलपति महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया

खेल का नाम	स्थान	खिलाड़ी का नाम	विभाग
100 मीटर दौड़ (छात्रा)	प्रथम	नेहा बलवीर	भाषा विद्यापीठ
	द्वितीय	आकांक्षा राय	साहित्य विद्यापीठ
	तृतीय	फायजा कुरेशी	प्रबंधन
100 मीटर दौड़ (छात्र)	प्रथम	कमलेश यादव	साहित्य विद्यापीठ
	द्वितीय	अनिकेत सुनिलराव	गायकी चीनी भाषा
	तृतीय	नवनीत नागर	शिक्षा विद्यापीठ
200 मीटर दौड़ (छात्रा)	प्रथम	अनामिका यादव	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	नोमिका एसनामन	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	नीतु सोनकर	शिक्षा विद्यापीठ
200 मीटर दौड़ (छात्र)	प्रथम	कमलेश यादव	साहित्य विद्यापीठ
	द्वितीय	नवनीत नागर	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	अनुपसिंह यादव	भाषा विद्यापीठ
400 मीटर दौड़ (छात्रा)	प्रथम	आकांक्षा राय	साहित्य विद्यापीठ
	द्वितीय	नीतु सोनकर	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	रजनी तिवारी	शिक्षा विद्यापीठ

400 मीटर दौड़ (छात्र)	प्रथम	अनुपसिंह यादव	भाषा विद्यापीठ
	द्वितीय	अप्पी कुमार	अंग्रेजी विभाग
	तृतीय	निमीश देशमुख	भाषा विद्यापीठ
भाला फेंक (छात्रा)	प्रथम	रिना सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	रिना राय	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	रजनी तिवारी	शिक्षा विद्यापीठ
भाला फेंक (छात्र)	प्रथम	मनीष मिश्र	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	बापु अरजुन चौहान	समाज कार्य
	तृतीय	विजय	
गोला फेंक (छात्रा)	प्रथम	रिना राय	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	फायजा कुरॅशी	प्रबंधन विद्यापीठ
	तृतीय	रिना सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
गोला फेंक (छात्र)	प्रथम	मनीष मिश्र	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	अशीष कुमार	गांधी एवं शांति अध्ययन
	तृतीय	जसविंदर सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
चक्का फेंक (छात्रा)	प्रथम	निता ज्ञानदेवराव उघडे	समाज कार्य
	द्वितीय	रिना राय	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	रिना सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
चक्का फेंक (छात्र)	प्रथम	नवनित नागर	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	मनीष मिश्र	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	कुणाल गणेश भोवरे	साहित्य विद्यापीठ
ऊँची कूद (छात्र)	प्रथम	अतुल खेस	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	नागेन्द्र साहू	जनसंचार
	तृतीय	शिवम तिडके	नाट्यकला विभाग
लंबी कूद (छात्रा)	प्रथम	नेहा बलविर	भाषा विद्यापीठ
	द्वितीय	निता ज्ञानेश्वर उघडे	समाज कार्य
	तृतीय	नीतु सोनकर	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	कांचन दाते	समाज कार्य
लंबी कूद (छात्र)	प्रथम	अनूपसिंह यादव	भाषा विद्यापीठ
	द्वितीय	संतोष कुमार	जनसंचार विभाग
	तृतीय	मयुर विलासराव मसने	समाज कार्य
बैडमिंटन (छात्रा)	प्रथम	आकांक्षा	साहित्या विद्यापीठ
	द्वितीय	नेहा बलवीर	भाषा विद्यापीठ
	तृतीय	आर.आशा	साहित्या विद्यापीठ
बैडमिंटन (छात्र)	प्रथम	आनंद सुरेश बोरकर	डायस्पोकरा विभाग
	द्वितीय	दीपक सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	मनीष कांत मयंक	प्रबंधन विभाग
टेबल टेनिस (छात्रा)	प्रथम	नेहा बलवीर	भाषा विद्यापीठ
	द्वितीय	नोमिका	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	बबीता	शिक्षा विद्यापीठ
टेबल टेनिस (छात्र)	प्रथम	मनीष कांत मयंक	प्रबंधन विभाग
	द्वितीय	दीपक सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	अंकित प्रसाद	प्रबंधन विभाग

योग (छात्रा)	प्रथम	आर. आशा	साहित्य विद्यापीठ
	द्वितीय	दीपिका राय	
	तृतीय	रेखा तिवारी	शिक्षा विद्यापीठ
योग (छात्र)	प्रथम	निमीश प्र. देशमुख	जनसंचार विभाग
	द्वितीय	पुनीत कुमार सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
	तृतीय	पंकज कुमार बेला	गांधी एवं शांति अध्ययन
शतरंज (छात्रा)	प्रथम	सुश्री रीना राय	शिक्षा विद्यापीठ
	द्वितीय	सुश्री नेहा बलवीर	भाषा विद्यापीठ
	तृतीय	सुश्री वर्तिका सिंह	शिक्षा विद्यापीठ
शतरंज (छात्र)	प्रथम	धर्मपाल यादव	जनसंचार
	द्वितीय	सुदेश कुमार	भाषा प्रोद्योगिकी विभाग
	तृतीय	आनंद सुरेश बोरकर	डायस्पोरा
खेल का नाम	**स्थान**	**कप्तान का नाम**	**टीम का नाम**
क्रिकेट (छात्रा)	विजेता	नीता उघड़े	सावित्रिबाई फुले (समाज कार्य) एकादश
	उपविजेता	गायत्री सेठी	शिक्षा विद्यापीठ एकादश
क्रिकेट (छात्र)	विजेता	मनीष मिश्र	योध्दा एकादश
	उपविजेता	सूरज सिंह	द ग्राऊंड ब्रेकर्स एकादश
वॉलीबॉल (छात्रा)	विजेता	नीता	समाज कार्य एकादश
	उपविजेता	नोमिका	शिक्षा एकादश
वॉलीबॉल (छात्र)	विजेता	अंकित	प्रबंधन एकादश
	उपविजेता	तुफान	भाषा एकादश
फुटबॉल (छात्रा)	विजेता	हिना राजपूत	शिक्षा विभाग (अ) एकादश
	उपविजेता	नेहा बलवीर	भाषा विद्यापीठ एकादश
फुटबॉल (छात्र)	विजेता	राज गजानन	यूनिवर्सिटी बॉयज एकादश
	उपविजेता	जय प्रकाश गुप्ता	गाँव एकादश

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र (टी.एल.सी.एच.एस.)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र (Teaching Learning Centre for Hindi Studies) की स्थापना वर्ष 2015–16 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण अभियान (Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teachers and Teaching) के अंतर्गत परियोजना अनुमोदन परिषद (Project Approval Board) की द्वितीय बैठक दिनांक 10 जुलाई, 2015 के निर्णय के आलोक में की गई। (F.No.3-13/2015-PN-II, Dated 20 October, 2015)

उच्च शैक्षिक संस्थानों में शिक्षकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के उपयोग हेतु पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक, हैंडबुक, मोनोग्राफ, अनुवाद, शोध, नीतिगत दस्तावेज, शिक्षा और शिक्षण सामग्री, जिसमें ई–सामग्री भी सम्मिलित है, के हिंदी में निर्माण एवं विकास के उद्देश्य से इस केंद्र (TLCHS) को स्थापित किया गया है, जिससे हिंदी का संवर्धन व विकास यथोचित रीति से हो सके। यह केंद्र शिक्षकों, संकाय सदस्यों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के कार्य में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक ठोस आधार प्रदान करने के इरादे से स्थापित है, जो भारत की समकालीन व सम–सामयिक शैक्षणिक जरूरतों के साथ ही भारतीय विरासत के तत्वों को जोड़ने तथा उनसे जुड़े शिक्षकों, शोधकर्ताओं तथा विद्वानों के समृद्ध समूह का भी प्रतिनिधित्व करेगा। इसके अंतर्गत हिंदी भाषा व साहित्य के संवर्धन के साथ ही हिंदी के माध्यम से अन्य ज्ञानानुशासनों जैसे–शिक्षा, प्रबंधन, मनोविज्ञान, समाजकार्य इत्यादि का अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण आदि भी समाविष्ट है ताकि एक सशक्त माध्यम के रूप में हिंदी का समग्र विकास हो सके तथा वैश्विक धरातल पर समर्थ हिंदी की पहचान बन सके।

प्राध्यापक विवरण

नाम	पदनाम	कार्यारंभ की तिथि	योग्यता	योग्यता विशय	पी–एच.डी./एम.फिल. का शोध विषय	विशेषज्ञता का क्षेत्र
कृष्ण कुमार सिंह	निदेशक	18.12.2017	पीएच.डी	हिंदी	अवतारवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि : भक्तिकालीन हिंदी साहित्य के संदर्भ में	मध्यकालीन भक्ति साहित्य एवं आधुनिक हिंदी आलोचना
अवधेश कुमार	संयुक्त निदेशक	18.12.2017	पीएच.डी	हिंदी	विजय देव नारायण साही और उनका साहित्य	हिंदी काव्य एवं समीक्षा
गोपाल कृष्ण ठाकुर	एसोशिएट निदेशक	20.10.2015 (नाम मूल परियोजना प्रस्ताव में)	पीएच.डी	शिक्षा शास्त्र	12वीं स्तर पर आधुनिक रसायन विज्ञान, प्रयोगशाला पाठ्क्रम का विकास और इसकी प्रभावशीलता का अध्ययन	विज्ञान दर्शन, विज्ञान शिक्षा, शिक्षा दर्शन, अध्यापक शिक्षा
अशोक नाथ त्रिपाठी	एसोशिएट निदेशक	20.10.2015 (नाम मूल परियोजना प्रस्ताव में)	पीएच.डी	हिंदी	निराला के कथा साहित्य का उत्तर–आधुनिक अध्ययन	हिंदी आलोचना, तुलनात्मक साहित्य, शोध प्राविधि
रूपेश कुमार सिंह	सहायक निदेशक	31.01.2018	पीएच.डी	हिंदी	राम विलास शर्मा की साहित्येतिहास संबंधी मान्यताएँ और उनकी इतिहास दृष्टि	हिंदी साहित्य का इतिहास, हिंदी आलोचना समकालीन विमर्श
ऋषभ कुमार मिश्र	सहायक निदेशक	31.01.2018	पीएच.डी	शिक्षा शास्त्र	बच्चों के सामाजिक विज्ञान की समझ : उनके दैनंदिनी ज्ञान और विद्यालयी ज्ञान की पारस्परिकता का अध्ययन	शिक्षा मनोविज्ञान, सामाजिक विज्ञान शिक्षण, शिक्षक शिक्षा

केंद्र के प्रमुख उद्देश्य

केंद्र (TLCHS) निम्नलिखित कार्यक्रमों/योजनाओं के प्रति समर्पित है–

1. हिंदी शिक्षण के पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या संरचना/रूपरेखा के विकास संबंधी कार्यक्रम।
2. हिंदी शिक्षण हेतु पाठ्यक्रम संरचना में प्रतिमानात्मक बदलाव के आलोक में मूल्यांकन पद्धति के विकास संबंधी कार्यक्रम।
3. हिंदी शिक्षण में पाठ्यक्रम ढाँचे/संरचना के विकास के अनुरूप वैकल्पिक शिक्षा वैज्ञानिक अंतःक्षेपों (Pedagogic interventions) को स्पष्ट करने संबंधी कार्यक्रम।
4. हिंदी शिक्षण हेतु शिक्षण–अधिगम सामग्री के विकास संबंधी कार्यक्रम।
5. हिंदी शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तक/पुस्तिका के विकास से संबंधित कार्यक्रम।
6. क्षेत्रीय/प्रादेशिक भाषाओं में/से मूलपाठ के अनुवाद हेतु कार्यक्रम।
7. हिंदी तथा भाषा वैज्ञानिक शिक्षण से संबंधित शोध के प्रोत्साहन हेतु संसाधनों, संदर्भ सेवा, इलेक्ट्रानिक डाटाबेस के भण्डारण तथा ई–सामग्री के विकास से संबंधित कार्यक्रम।
8. हिंदी शिक्षण के प्रोत्साहन हेतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, उच्च शिक्षा केंद्रों का संजाल/समूह विकसित करने संबंधी बहुआयामी कार्यक्रम।
9. हिंदी में पाठ्य पुस्तकों के विकास एवं निर्माण संबंधी कार्यक्रम।
10. सृजनात्मक लेखन के लिए पाठ्यक्रम निर्माण व विकास संबंधी कार्यक्रम।
11. हिंदी एवं कला, हिंदी एवं हिंदी साहित्य, हिंदी एवं भारतीय संस्कृति के साथ ही अन्य विषयों पर शोध संबंधी कार्यक्रम।
12. हिंदी में संदर्भ कोश/पारिभाषिक कोश/प्रासंगिक कोश के विकास हेतु कार्यक्रम।

अन्य जानकारी

पाठ्यक्रम एवं ई–पाठ्यसामग्री का विकास

सूचना प्रौद्योगिकी के विस्फोट ने पिछले कुछ दशकों में मनुष्य के जीवन को क्रांतिकारी ढंग से बदल दिया है। सुखद है कि भारत शुरू से इसे लेकर सजग रहा है और अब तक इस दिशा में हमारी प्रगति संतोषजनक है। सूचना प्रौद्योगिकी के द्वारा देश का विकास बहुस्तरीय हुआ है जिसका प्रभाव शिक्षा और शिक्षण पर भी पड़ा है और निकट भविष्य में इस शिक्षण–प्रक्रिया का अनिवार्यतः पुनरोन्नयन होगा।

सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार ने शिक्षण प्रक्रिया को न सिर्फ रुचिकर और आनंददायक प्रक्रिया बना दिया है बल्कि इसने अभिग्रहण को गहन स्तरों तक प्रभावित किया है। इसलिए आज की दुनिया में हम इससे मुँह नहीं फेर सकते बल्कि एक सजग समाज के बतौर हमारा यह दायित्व हो जाता है कि हम अपने शिक्षण, पाठ्यक्रम,पाठ्यचर्या और पाठ्यसामग्री को भी उसके समायोजन में ले आएँ। हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र के उद्देश्यों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ई–पाठ्यसामग्री का विकास करना है। अतः प्रारम्भ से ही इस केंद्र ने इस दिशा में सार्थक प्रयास किया है। इस दिशा में सबसे पहला प्रयास पाठ्यक्रम के साथ–साथ ई–पाठ्यपुस्तकों के निर्माण का था और हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र ने हिंदी की परास्नातक कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम और ई–पाठ्यसामग्री बी.एड., एम.एड. और बी.एड.–एम.एड. (एकीकृत पाठ्यक्रम) के लिए पाठ्यसामग्री और एम.एस.डब्ल्यू. के लिए पाठ्यक्रम और पाठ्यसामग्री का निर्माण किया। ध्यातव्य है कि वर्तमान में इस संपूर्ण पाठ्यसामग्री का उपयोग दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों के उपयोग के लिए संबंधित सामग्री को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड भी किया जा चुका है, जिसका विवरण अग्रलिखित है–

पाठ्यक्रम	क्रम	पाठ्यसामग्री विवरण	क्रम	पाठ्यसामग्री विवरण
बी.एड., एम.एड., बी.एड.–एम.एड. (एकीकृत)	1	शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन	10	मराठी शिक्षण
	2	शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ	11	संस्कृत शिक्षण
	3	समकालीन भारत एवं शिक्षा	12	अंग्रेजी शिक्षण
	4	शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीक	13	सामाजिक विज्ञान शिक्षण
	5	विद्यालय संगठन एवं शिक्षण	14	भौतिकीय विज्ञान शिक्षण
	6	संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण	15	जीव विज्ञान शिक्षण
	7	शैक्षिक आकलन	16	गणित शिक्षण
	8	विद्यालय, प्रबंधन एवं नेतृत्व	17	स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा
	9	हिंदी शिक्षण		
एम.एस.डब्ल्यू.	1	सामाजिक कार्य अनुसंधान	3	सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया
	2	सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य एवं समूह कार्य	4	सामाजिक कल्याण प्रशासन, नीति और नियोजन
एम.ए. हिंदी	1	प्रारंभिक हिंदी काव्य –1, प्रारंभिक हिंदी काव्य– 2	13	आधुनिककालीन हिंदी काव्य–1, आधुनिककालीन हिंदी काव्य–2
	2	हिंदी उपन्यास एवं कहानी–1, हिंदी उपन्यास एवं कहानी–2	14	हिंदी आलोचना
	3	भारतीय काव्यशास्त्र	15	हिंदी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि
	4	हिंदी साहित्य का इतिहास– 1	16	तुलनात्मक भारतीय साहित्य
	5	प्रयोजनमूलक हिंदी	17	हिंदी भाषा एवं भाषा–शिक्षण
	6	लोक–साहित्य	18	सृजनात्मक लेखन
	7	मध्यकालीन हिंदी काव्य–1, मध्यकालीन हिंदी काव्य–2	19	हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना
	8	हिंदी नाटक एवं रंगमंच–1, हिंदी नाटक एवं रंगमंच–2	20	हिंदी के विविध गद्य–रूप
	9	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	21	भाषाविज्ञान
	10	हिंदी साहित्य का इतिहास–2	22	नव सामाजिक विमर्श
	11	हिंदी पत्रकारिता	23	परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन
	12	हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण	24	परियोजना कार्य : हिंदी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

विकसित सॉफ्टवेयर

1. कुशल : हिंदी वर्तनी जाँचक (यूनिकोड हेतु)
2. रूपविश्लेषक : रूपवैज्ञानिक रूप विश्लेषक
3. रूपसर्जक : रूपवैज्ञानिक रूप प्रजनक
4. हिंटै : संदर्भ–मुक्त पी.ओ.एस टैगर
5. खोजी : संदर्भ में शब्द प्राप्तकर्ता
6. अंतरक : देवनागरी रोमन लिप्यंतरण प्रणाली
7. गणक : शब्द आवृत्ति गणक
8. सामान्यक : विराम चिह्न सामान्यीकारक
9. अन्वेषक : कोशीय इकाई (कोशिम) प्राप्तकर्ता
10. शब्दनिधि : हिंदी–अंग्रेजी द्विभाषिक शब्दकोश

उपर्युक्त सॉफ्टवेयरों के अलावा तीन पर कार्य जारी है और भविष्य की योजना में दो अन्य सॉफ्टवेयरों को रखा गया है, जो निम्नलिखित हैं–

1. संहिंटै : संदर्भयुक्त पी.ओ.एस. टैगर
2. विशेषज्ञ : हिंदी पदबंध चिह्नक
3. हंश : हिंदी शब्द विसंदिग्धिकारक
4. ज्ञाता : हिंदी पद–विच्छेदक
5. पाणिनि : हिंदी का व्याकरण जाँचक

पुस्तक–प्रकाशन

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र के प्रमुख उद्देश्यों में हिंदी शिक्षण हेतु शिक्षण–अधिगम सामग्री का विकास महत्वपूर्ण स्थान रखता है। अतः केंद्र ने इस दिशा में प्रारंभ से ही सम्यक ध्यान दिया है और ई–पाठ्य सामाग्री के साथ गुणवत्ता युक्त पुस्तकों का प्रकाशन भी किया है। इसके अंतर्गत अबतक कुल चार पुस्तकों का प्रकाशन हुआ है और कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित होने की प्रक्रिया में हैं जो शीघ्र ही आपके सामने होंगी।

1. हिंदी शिक्षण का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

आज हिंदी का जितनी तेजी से विस्तार हो रहा है उसके साथ हमें हिंदी शिक्षण को भी उसके सामंजस्य में रखना होगा। इस समझ और ज़िम्मेदारी को महसूस करते हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र ने 'हिंदी शिक्षण का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' शीर्षक पुस्तक का प्रकाशन किया है। यह पुस्तक शिक्षण अनुभव के आधार पर अन्य देशों के छात्रों और अध्येताओं को हिंदी सीखने और उसके प्रयोग में दक्ष बनाने एवं हिंदी का प्रचार–प्रसार करने के लिए तैयार की गयी है। इसमें हिंदी सीखाने के सूत्र, सिद्धान्त, शिक्षण–विधियों और प्रविधियों को प्रस्तुत किया गया है। हिंदी शिक्षण के दो पक्ष हैंः साहित्य और भाषिक कौशल का शिक्षण। यह पुस्तक दोनों के लिए उपयोगी है। इसमें विभिन्न कौशलों के विकास हेतु अभ्यास भी दिए गए हैं।

लेखक : प्रो. वीना शर्मा, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
संपादक : प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

2. भारत में शिक्षाः चुनौतियाँ और अपेक्षाएं

इस पुस्तक के लेखक जाने–माने मनोविद प्रो. गिरीश्वर मिश्र हैं। इस पुस्तक में भारतीय परिवेश में शिक्षा के सम्मुख उपस्थित चुनौतियों और विभिन्न पक्षों पर केंद्रित लेखों, व्याख्यानों और साक्षात्कारों को संकलित किया गया है। इसमें उनकी मुख्य चिंता शिक्षा को मूल्यपरक, नवोंमेषी और समावेशी बनाने की है। प्रो. मिश्र वर्तमान सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में युवा मन पर भी विचार करते हैं। वे शिक्षा में स्वराज और स्वदेशी पर बल देने के साथ ही शिक्षा को मूल अधिकार बनाए जाने की महत्व को भी रेखांकित करते चलते हैं। जहाँ वे शिक्षा पर गहन चिंतन में उतरते हैं वहीं एक सजग चिंतक की तरह शिक्षा की भाषा को भी लगातार दृष्टिपथ में रखते हैं।

लेखक : प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
संपादक : प्रो. अरविंद कुमार झा, शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

3. स्पेनिश–अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा 'स्पेनिश–अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश' के निर्माण का काम महत्वपूर्ण है। आज स्पेनी भाषा–साहित्य को बोलने, सीखने और समझने वाले लोगों का एक उल्लेखनीय हिस्सा तैयार हो रहा है। हम हिंदी समाज को इस ज्ञान से अछूता नहीं रख सकते। हिंदी और स्पेनी भाषा के बीच एक सेतु रचने की आकांक्षा से इस कोश का निर्माण किया गया है। कोश के इस प्रथम संस्करण में 9000 शब्द सम्मिलित हैं। भविष्य में इसे और समृद्ध किए जाने की योजना है।

संपादक : प्रो. ठाकुर दास , सेवानिवृत्त प्रोफेसर, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
सह–संपादक : डॉ. रवि कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर
विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

4. धर्म और जेंडर : धर्म संस्था के जरिए जेंडरगत मानस का निर्माण

यह संचयन दो भागों में विभाजित है। पहले भाग के अंतर्गत दस आलेखों का संकलन है जो भारत, पाकिस्तान और चीन से संबंधित हैं। इन आलेखों को तीन विषय–वस्तुओं के तहत बाँटा गया है। पहली विषय–वस्तु में शामिल तीन आलेख जाति और धर्म के बीच अंतर्संवाद और उसके जेंडरगत परिणामों के बारे में सैद्धांतिक चर्चा करते हैं। दूसरी विषय–वस्तु में वे आलेख समाहित हैं जो भिन्न–भिन्न तरीकों से जेंडर का निर्माण करने वाले सांस्थानिक मानकों और नियमों की श्रेष्ठता के आत्मसातीकरण की चर्चा करते हैं। तीसरी श्रेणी में उन लेखों को शामिल किया गया है जो सीधे तौर पर महिलाओं के आंदोलन से संबंधित हैं या जहाँ धर्म के साथ नारीवादी संबद्धता है। इस अंतर्संबंध की अभिव्यक्ति अस्मिता–विमर्श, कट्टरपंथी सामूहिकता या धार्मिक–राजनीतिक आंदोलनों के रूप में होती है।

संचयन के दूसरे भाग में धार्मिक दृष्टि से महिलाओं के आचरण–संबंधी मानकों को निर्देशित करने वाली हिंदी और उर्दू की एक–एक प्रचलित पुस्तक ('बहिश्ती जेवर' और 'नारी शिक्षा') के चुनिंदा हिस्सों को शामिल किया गया है। ये उपदेशात्मक पुस्तकें हिंदू और मुस्लिम महिलाओं के आचरण और व्यवहार से जुड़ी जेंडरगत परंपराओं को मज़बूत करती हैं।

अनुवाद और संपादन : स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई

शब्दकोश परियोजना कार्य

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र के सहयोग से भाषा विद्यापीठ, मा.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा 'मानक हिंदी प्रयोग कोश' के निर्माण संबंधी परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत अब तक लगभग 15000 शब्दों की ऑनलाइन मोड में प्रविष्टियाँ की जा चुकी हैं ।

विशेषज्ञ व्याख्यान

केंद्र द्वारा आयोजित विषय–विशेषज्ञों के व्याख्यान निम्नवत हैं–
शिक्षा में अनुसंधान पद्धति : प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
मूल्य के लिए शिक्षा : प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
मानव मूल्य और नीतिशास्त्र : प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
भारत और चीन का सांस्कृतिक अतीत : प्रो. रेन हुईलियन, डीन, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल कल्चरल एक्सचेंज, नार्थवेस्ट यूनिवर्सिटी, शिआन, चीन।
उच्च शिक्षा में शोध : प्रो. वीना शर्मा, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
भारत और चीन में सांस्कृतिक समानताएँ : प्रो. शेन होंग, निदेशक इंटरनेशनल एक्सचेंज प्रोग्रामः नार्थवेस्ट यूनिवर्सिटी, शिआन, चीन।
पर्यावरण शिक्षा : प्रो. फातिमा बेगम, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद।
तुलसी की सामाजिक दृष्टि : प्रो. रामजी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई।
सिनेमा और साहित्य का अंतरसंबंध : श्री अखिलेश दास, वरिष्ठ छायाकार (सिनेमा), मुंबई।

वित्तीय व्यय							
अनावर्ती मद				आवर्ती मद			
स्वीकृत राशि	निर्गत राशि	व्यय राशि	शेष राशि	स्वीकृत राशि	निर्गत राशि	व्यय राशि	शेष राशि
4,28,00,000/-	4,06,00,000/-	2,24,00,000/-	1,82,00,000/-	1,10,00,000/- प्रतिवर्ष 5,50,00,000/- पांच वर्ष के लिए (2015-2020)	1,23,00,000/-	81,00,000/-	42,00,000/-

परिसर विकास विभाग

विश्वविद्यालय में निर्माण कार्य केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ–साथ यू.पी. स्टेट कंस्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रकचर डेवलेपमेन्ट कारपोरेशन लि. वर्धा (पूर्व नाम उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम, लखनऊ) द्वारा किया जा रहा है।

रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास एवं पुस्तकालय भवन के निर्माण हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली से अनुदान प्राप्त हो गया है। भवन निर्माण की प्रक्रिया विश्वविद्यालय की कार्य परिषद एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्टैंडिंग कमेटी से अनुमति हो गयी है। भविष्य में एक ओपेन थियेटर तथा एक योग केंद्र के निर्माण की योजना है।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद के भवन निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता हेतु भूखंड प्राप्ति के लिए प्रयास जारी है।

वित्तीय वर्ष 2018–19 में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग एवं यू.पी. स्टेट कंस्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेन्ट कारपोरेशन लि. वर्धा द्वारा पूर्ण हो चुके कार्यः

क्रम	कार्य का नाम
1	अकादमिक भवन (डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्या भवन) का निर्माण कार्य ।
2	दूर शिक्षा निदेशालय (पं. मदन मोहन मालवीय भवन) का निर्माण कार्य ।
3	महिला छात्रावास के लिए डायनिंग हाल (अन्नपूर्णा मंडपम्) का निर्माण कार्य।
4	छात्रावास क्रमांक–4 (सुखदेव छात्रावास) का निर्माण कार्य ।
5	मीटर रूम का निर्माण कार्य ।
6	पार्किंग शेडों का निर्माण कार्य ।
7	पुरूष छात्रावास क्रमांक – 5 (राजगुरु छात्रावास) का निर्माण कार्य ।
8	छात्रावास क्रमांक 03.04 के मध्य डायनिंग हॉल का निर्माण कार्य ।
9	33 KV का कार्य।

यू.पी. स्टेट कंस्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन लि. द्वारा किए जा रहे कार्यः

क्रम	कार्य का नाम
1	पुरूष छात्रावास क्रमांक– 6 का निर्माण कार्य ।
2	संग्रहालय भवन का निर्माण कार्य ।
3	56 नग कर्मचारी आवासों का निर्माण कार्य ।
4	टेगोर कल्चरल कॉम्पलेक्स का निर्माण कार्य ।
5	उत्तरी परिसर की शेष सड़क का निर्माण कार्य ।
6	एटीएम रूम का निर्माण कार्य ।
7	सुरक्षा कक्षों हेतु टॉयलेट का निर्माण कार्य।

जनसंपर्क कार्यालय

संपादित कार्य :

- विश्वविद्यालय में संचालित गतिविधियों को समाचार पत्रों में प्रसारित करना।
- विशिष्ट तथा अतिविशिष्ट व्यक्तियों को विश्वविद्यालय से जोड़ने का प्रयास करना।
- समय–समय पर विज्ञापन जारी करना।
- विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाओं के माध्यम से संगोष्ठी / कार्यशालाएँ आयोजित करना।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट को लीला के माध्यम से संचालित करने में मदद करना।
- विदेशी विद्यार्थियों के विश्वविद्यालय में आने पर वीजा संबंधी कार्य।
- समय–समय पर पत्र–परिषदों का आयोजन करना।
- विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सहयोग करना।

गतिविधियाँ

- भारतरत्न बाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 127वीं जयंती के अवसर पर हिंदी विश्वविद्यालय में 14 अप्रैल को समता मार्च का आयोजन किया गया।
- हिंदी विश्वविद्यालय में 16 से 28 मई के दौरान विश्वविद्यालय के बच्चों तथा वर्धा एवं आसपास के बच्चों के लिए 'बालरंग' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की।
- विश्वविद्यालय में 14 से 10 जून के दौरान हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र (TLCHS) तथा यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, नागपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में अभिविन्यास पाठयक्रम का आयोजन प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।
- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में 31 मई से 05 जून तक पर्यावरण सप्ताह का उदघाटन श्यामा प्रसाद मुखर्जी भवन में किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण तथा हर्बल औषधियों के संरक्षण तथा आदिवासी समुदायों में काम करने वाले डॉ. राजाराम त्रिपाठी उपस्थित थे।
- हिंदी विश्वविद्यालय में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलसचिव के.के. सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मी उपस्थित थे।
- वर्धा जिले की ग्राम पंचायत पिपरी (मेघे) में 31 जुलाई को आयोजित स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के तीन छात्रों ने सहभागिता की।
- विश्वविद्यालय में 01 से 15 अगस्त तक राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न् हुआ।
- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आकाशवाणी से 'मन की बात' के 47वें संस्करण को 26 अगस्त को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत फिल्ड आउटरिच ब्यूरो की ओर से हिंदी विवि में विद्यार्थियों को सुनाया गया।
- विश्वविद्यालय में 01 सितंबर को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 18 सितंबर को आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों का वितरण प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा की अध्यक्षता में किया गया।
- विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह के अवसर पर भव्य राष्ट्रीय पुस्तक मेला का आयोजन 12 से 15 अक्टूबर को किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ चिंतक प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी उपस्थित थे।
- विश्वविद्यालय में आयोजित भव्य राष्ट्रीय पुस्तक मेले में 13 अक्टूबर को प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा की अध्यक्षता में हुस्न तबत्सुम की पुस्तक का लोकार्पण किया गया।
- विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में 15 अक्टूबर को 2163 को उपाधि, 526 विद्यार्थियों को स्वर्णपदक प्रदान किए। मुख्य अतिथि के रूप में गोवा की राज्यपाल माननीय श्रीमती मृदुला सिन्हा उपस्थित थीं।
- विश्वविद्यालय में 26 नवंबर को संविधान दिवस पर 'संविधान की नैतिकता' विषय पर यशंवत महाविद्याद्यय के विधि विभाग के अध्यक्ष डॉ. रविशंकर मोर के व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की।
- विश्वविद्यालय के 21वें स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध उपन्यासकार श्रीमती चित्रा मुद्गल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी।
- विश्वविद्यालय में 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आनंद के. कुमारस्वामी ने की। कार्यकारी कुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।
- विश्वविद्यालय में 11 जनवरी को चुनाव जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी प्रवीण महिरे तथा कार्यकारी कुलपति प्रो. के.के. सिंह उपस्थित थे।
- राष्ट्रीय सेवा योजना तथा जिला सामान्य अस्पताल, वर्धा की ओर से राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। उदघाटन कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह ने किया।
- विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष शिविर (11–17 मार्च) का उद्घाटन नेरी पुनर्वसन गांव में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में किया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का समापन 17 मार्च को मुख्य अतिथि यशवंत महाविद्यालय के पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉ. के.पी. निंबालकर की अध्यक्षता में हुआ।
- विश्वविद्यालय में 20 मार्च को गौरेया तथा अन्य पक्षियों के लिए पात्रों में पानी डालने का अभियान राष्ट्रीय सेवा योजना तथा पर्यावरण क्लब की ओर से आरंभ किया गया।

पर्यावरण क्लब

म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में वर्ष 2011 में पर्यावरण क्लब की स्थापना की गई। पर्यावरण क्लब के संयोजक के रूप में सर्वप्रथम विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिर्बान घोष को दायित्व दिया गया। 2011 से 09 मार्च 2017 तक वे कार्यरत थे। 10 मार्च 2017 से पर्यावरण क्लब के संयोजक का दायित्व जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे संभाल रहे हैं।

पर्यावरण क्लब : राजेश लेहकपुरे–संयोजक, डॉ. धूपनाथ प्रसाद–सलाहकार, डॉ रवि कुमार–सलाहकार, डॉ. राजेश्वर सिंह – सलाहकार, बी. एस. मिरगे–सदस्य, डॉ. अमित कुमार विश्वास–सदस्य, राजेश अरोड़ा–सदस्य, आरती देवी–छात्रा प्रतिनिधि, अभिषेक त्रिपाठी–छात्र प्रतिनिधि

गतिविधियाँ

पौधारोपण कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा पर्यावरण क्लब की ओर से पिछले वर्ष विश्वविद्यालय परिसर में 50 पौधे लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत 05 जून, 2018 विश्व पर्यावरण दिवस का अवसर पर की गई। रासेयो इकाई की महाराष्ट्र सरकार के पौधारोपण अभियान में भी सहभागिता रही ।

स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा पर्यावरण क्लब की ओर से 1–15 अगस्त, 2018 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया । इस पखवाड़े की शुरुआत प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति के द्वारा की गयी। यह अभियान गांधी हिल से शुरू होकर नजीर हाट तक चलाया गया। साथ ही 30 सितंबर 2018 को गांधी हिल पर और 12 अक्तूबर 2018 को भी विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

सात दिवसीय विशेष शिविर

रासेयो और पर्यावरण क्लब के द्वारा रासेयो के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 11–17 मार्च, 2019 तक नेरी (सालोड) में किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति के द्वारा किया गया। इस अवसर पर नेरी की सरपंच धनराज टूले, डॉ. रामकृष्ण मिरगे, बुद्ध विहार के पदाधिकारी सुखदेवराव मिरगे, रासेयो संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे की उपस्थिति थी। शिविर के दौरान नेरी 125 घरों का प्राथमिक सुविधाओं के आधार पर सर्वेक्षण किया गया। विविध प्रकार के 25 पौधे बुद्ध विहार परिसर में लगाए गए। जल संरक्षण, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, स्वच्छता, बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत रैली निकली गई, जिसमें स्वयं–सहायता समूह के महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता की।

अस्पताल

डॉ. हेमंत धामट (एम.बी.बी.एस.) – सामान्य चिकित्सा अधिकारी

डॉ. अर्चना जाधव (एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ.)– स्त्री रोग चिकित्सा अधिकारी

विश्वविद्यालय के कर्मियों एवं विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा देने हेतु एक अस्पताल है। अस्पताल में प्रतिदिन करीब 30–40 रोगी इलाज करवाने आते हैं। इस वर्ष कुल 5,897 मरीजों का इलाज किया गया। अस्पताल के लिए प्रति माह 30,000 रु. की दवा खरीदी जाती है। अस्पताल में नेम्बुलाइजेशन, हेल्थ एजुकेशन, योगासन चार्टसुविधा उपलब्ध है। मरीजों को दवाई से संबंधित विवरण की जानकारी हेतु पर्चा हिंदी में दी जाती है। डॉ. अर्चना जाधव द्वारा (फिटल डॉप्लर) मशीन से गर्भस्थ शिशुओं की जाँच सुविधा उपलब्ध की गई है।

शिशु विहार

म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के शिशु विहार (नन्हें खरगोश) में कुल 15 बच्चे पंजीकृत हैं। इसमें महिला और पुरुष दोनों कर्मियों तथा शोधार्थियों के बच्चे शामिल हैं। यहाँ बच्चों के खेलने के लिए विभिन्न प्रकार के खिलौनों एवं उनकी सुविधा हेतु टी.वी., फ्रीज, कूलर, म्यूजिक सिस्टम, इंडक्शन चूल्हा आदि की व्यवस्था की गई है। फिलहाल बच्चों के लिए यहाँ बेहतरीन बाल–पुस्तकें मँगवाई गई हैं, ताकि बच्चे उनसे लाभान्वित हो सकें। बच्चों के लिए बेहतरीन खिलौने खरीदे गए हैं। बच्चों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार की खेलनेवाली गाड़ियों की व्यवस्था की गई है। बच्चों के मैदानी खेल के लिए शिशु विहार भवन के सामने एक मैदान है जिसमें बच्चों के मैदानी खेलों के लिए व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग का शुभारंभ 20 फरवरी 2013 को राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ भाऊ दायदार के करकमलों द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग के संयोजक का दायित्व सर्वप्रथम कला एवं प्रदर्शनकारी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश पावड़े को दिया गया। उसके बाद 12 नवंबर 2014 को अनुवाद एवं निर्वाचन विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी को इस विभाग का दायित्व दिया गया। 04 जनवरी 2016 से जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे को राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक पद का दायित्व दिया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में स्त्री अध्ययन विभाग सहायक प्रोफेसर तथा प्रभारी अध्यक्ष डॉ. सुप्रिया पाठक एवं जनसंपर्क अधिकारी बी एस मिरगे को दायित्व दिया गया।

गतिविधियाँ

पौधारोपण कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से पिछले वर्ष विश्वविद्यालय परिसर में 50 पौंधे लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस का अवसर पर की गयी। रासेयो इकाई की महाराष्ट्र सरकार के पौधरोपण अभियान में भी सहभागिता रही ।

स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से 1 से 15 अगस्त 2018 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया । इस पखवाड़े की शुरुआत प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति के द्वारा की गयी। यह अभियान गांधी हिल से शुरू होकर नजीर हाट तक चलाया गया। साथ ही 30 सितंबर 2018 को गांधी हिल पर और 12 अक्तूबर 2018 को भी विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 24 सितंबर 2018 को रासेयो दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. मनोज कुमार ने की तथा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अनिल कुमार राय, अधिष्ठाता, विद्यार्थी कल्याण, प्रो. कृपाशंकर चौबे, राजेश लेहकपुरे, संयोजक, रासेयो, बी.एस. मिरगे, कार्यक्रम अधिकारी की उपस्थिति थी ।

सर्जिकल स्ट्राइक दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से 29 सितंबर 2018 को सर्जिकल स्ट्राइक दिवस मनाया गया। इस अवसर मुख्य वक्ता के रूप में ब्रिगेडियर गावपांडे की उपस्थिति थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. मनोज कुमार ने की तथा इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के.के सिंह, राजेश लेहकपुरे, संयोजक, रासेयो, बी.एस. मिरगे, कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की रासेयो इकाई और जिला सामान्य अस्पताल के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उदघाटन प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति ने किया। शिविर में विद्यार्थी और कर्मचारी तथा अधिकारियों ने बढ़–चढ़कर सहभागिता की। इस शिविर में 12 बोतल रक्त संग्रहीत किया गया।

सात दिवसीय विशेष शिविर

रासेयो के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 11 से 17 मार्च 2019 तक नेरी (सालोड) में किया गया। शिविर का उदघाटन प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति द्वारा किया गया। इस अवसर पर नेरी की सरपंच धनराज टूले, डॉ. रामकृष्ण मिरगे, बुद्ध विहार के पदाधिकारी सुखदेवराव मिरगे, रासेयो संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे की उपस्थिति थी। शिविर के दौरान नेरी 125 घरों का प्राथमिक सुविधाओं के आधार पर सर्वेक्षण किया गया। विविध प्रकार के 25 पौधे बुद्ध विहार परिसर में लगाए गए। जल संरक्षण, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, स्वच्छता, बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत रैली निकली गयी । जिसमें स्वयं सहायता समूह के महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता की। शिविर के दौरान डॉ अनवर अहमद सिद्दीकी, डॉ. सतीश पावड़े, गजेंद्र सुरकार, धनराज टूले, राजेश लेहकपुरे, संयोजक, रासेयो, बी.एस. मिरगे, कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

हिंदी समय डॉट कॉम

विश्वविद्यालय से यह अपेक्षा की जाती है कि वह हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा बनने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए। यह तभी संभव हो सकता है जब हिंदी न सिर्फ गंभीर विमर्श का माध्यम बने, बल्कि हिंदी में लिखा गया महत्वपूर्ण साहित्य देश–विदेश के विशाल पाठक समुदाय तक पहुंचे। दुनिया के कोने–कोने में बैठे हिंदी के पाठकों के लिए 'हिंदी समय डॉट कॉम' hindisamay.com नामक वेबसाइट शुरू करने की एक महत्वाकांक्षी योजना वर्ष 2009 में आरंभ की गई। इसके जरिए हम हिंदी की सभी महत्वपूर्ण पुस्तकों, रचनाओं तथा अन्य भाषाओं से हिंदी में अनूदित साहित्य को इंटरनेट पर एक जगह उपलब्ध कराना चाहते हैं।

साहित्य, समाज, संस्कृति से जुड़े तमाम विषयों पर विमर्श के लिए 'हिंदी समय डॉट कॉम' पर इस समय साढ़े पांच लाख से ज्यादा पृष्ठों पर हिंदी की मूल्यवान रचनाएँ संजोई जा चुकी हैं तथा रोज कुछ नया जोड़ा जा रहा है। यह सारा साहित्य बिना किसी शुल्क के न केवल इंटरनेट पर पढ़ा जा सकता है, बल्कि डाउनलोड भी किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय का प्रयास है कि अगले कुछ माह में हिंदी के लगभग दस लाख पृष्ठ ऑनलाइन कर दिए जाएंगे। इसके अलावा हम विश्व भर की महत्वपूर्ण कृतियों, जो चीनी, अरबी, फ्रेंच, जर्मन या भारतीय भाषाओं में लिखी गई हैं, उन्हें भी हिंदी में अनूदित कर ऑनलाइन करने के लिए प्रयासरत हैं। अक्टूबर, 2014 के पहले प्रत्येक सप्ताह में सामग्री दी जाती थी अब यह माह के दूसरे और चौथे शुक्रवार को पत्रिका की शक्ल में सामग्री पाठकों को उपलब्ध करायी जा रही हैं। वर्ष 2018–19 में 20 अंकों का प्रकाशन किया गया। इस दौरान लगभग छह हजार पृष्ठ हिंदी समय पर अपलोड किए गए। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अभिप्रेरणा से गांधीजी द्वारा लिखे साहित्य को भी 'हिंदी समय डॉट कॉम' के पाठकों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

वर्ष 2018–19 में हिंदी समय पर कुल 18 अंक प्रकाशित हुए जिसके अंतर्गत लगभग पाँच हजार पृष्ठ हिंदी समय पर अपलोड किए गए। प्रकाशित की गई सामग्री के अंतर्गत हिंदी तथा दुनिया भर की अन्य भाषाओं को मिलाकर कुल 150 से अधिक कहानियाँ, एक हजार से अधिक कविताएँ अपलोड की गईं। विमर्श, आलोचना, स्मरण आदि के अंतर्गत लगभग 140 आलेख अपलोड किए गए। निबंध, बाल साहित्य, व्यंग्य तथा संस्मरण तथा अन्य विधाओं के अंतर्गत लगभग 120 से अधिक रचनाएँ अपलोड की गईं। इसी तरह विज्ञान, मीडिया, शिक्षा विमर्श, सिनेमा, रंगमंच, पत्रकारिता आदि से जुड़े करीब 80 आलेख इस बीच हिंदी समय पर अपलोड किए गए। इस दौरान इस बात का ध्यान रखा गया कि समकालीन रचनाओं के साथ ऐसे रचनाकारों की रचनाओं को भी हिंदी समय पर ले आया जाय जो अब क्लासिक का दर्जा हासिल कर चुके हैं। इसके अंतर्गत महाकवि भूषण, घनानंद तथा आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचनाएँ हिंदी समय पर अपलोड की गईं। इसी तरह विदेशी रचनाकारों की रचनाएँ भी बड़ी संख्या में हिंदी समय पर अपलोड की गईं। इस बीच मोहनदास करमचंद गांधी की विश्वविख्यात कृति 'दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास' की धारावाहिक प्रस्तुति शुरू की गई जो अब भी चल रही है।

कर्मी

संपादक : प्रो. आनंद वर्धन शर्मा
समन्वयक : डॉ. अमित कु. विश्वास
तकनीकी सहयोग : रवि वानखेड़े

महत्वपूर्ण तथ्य

1. तकरीबन छह लाख पचपन हजार से अधिक पृष्ठ ऑनलाइन किए जा चुके हैं।
2. हमारे रचनाकार कॉलम के तहत तकरीबन एक हजार चार सौ पचासी से अधिक लेखक जुड़ चुके हैं।
3. तकरीबन दो हजार छह सौ पचासी लेखकों के संक्षिप्त परिचय उपलब्ध हैं।
4. देश–विदेश में एक सप्ताह लगभग 65 हजार से अधिक पाठक हैं।
5. लगभग दस से ग्यारह हजार से अधिक पाठक प्रतिदिन 'हिंदी समय डॉट कॉम' का पन्ना खोलते हैं, इनमें भारत सहित संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, नार्वे, डेनमार्क, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, यूएई, कनाडा, आस्ट्रेलिया, ईरान, पुर्तगाल, स्पेन सहित और भी अनेक देशों के पाठक होते हैं।

यूजीसी–नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण तथा आरजीएनएफ/अन्य शोधवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची

विद्यार्थियों के नाम	विभाग/केंद्र	शोधवृत्ति का नाम	माह एवं वर्ष
डॉ. हिमाद्री सायकिया	भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	पीडीएफ	दिसंबर, 2018
डॉ. स्वप्निल धनराज मून		पीडीएफ	दिसंबर, 2018
विवेक कुमार	हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	यूजीसी–जे.आर.एफ.	जुलाई, 2018
वर्षा पाल		यूजीसी– जे.आर.एफ.	जुलाई, 2018
अमन ऋषि साहू		यूजीसी–जे.आर.एफ.	जुलाई, 2018
अनुराग कुमार		यूजीसी– जे.आर.एफ.	दिसंबर, 2018
प्रीति		यूजीसी– जे.आर.एफ.	दिसंबर, 2018
पारुल		यूजीसी–नेट	दिसंबर, 2018
नेहा झा		यूजीसी–नेट	जुलाई, 2018
रमेश मालाकार	संस्कृत विभाग	यूजीसी–नेट	08 जुलाई, 2018
मलय बर्मण		यूजीसी–नेट	08 जुलाई, 2018
नितप्रिया प्रलय	प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग	यूजीसी–नेट	जुलाई 2018
सुनील गावस्कर		यूजीसी–नेट	जुलाई 2018
विपिन कुमार गौड़		यूजीसी–नेट–जे.आर.एफ.	
शुभम जायसवाल	गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	यूजीसी–नेट	जुलाई, 2018
प्रवीण कुमार जायसवाल		यूजीसी–नेट	जुलाई, 2018
चन्द्रमणि राय		यूजीसी–नेट	जुलाई, 2018
मोहन कुमार मिश्रा		यूजीसी–नेट	जुलाई, 2018
संगीता		यूजीसी–नेट–जे.आर.एफ.	
मंजरी कुशवाहा	स्त्री अध्ययन विभाग	यूजीसी–नेट	दिसंबर, 2018
पुष्पेन्द्र सिंह		यूजीसी–नेट	दिसंबर, 2018
अमित चौबे		यूजीसी–नेट	दिसंबर, 2018
अश्वनि कुमार	डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू–मुर्मू दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र	यूजीसी–नेट–जे.आर.एफ.	फरवरी, 2019
इन्द्रश्री बौद्ध	डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	यूजीसी–नेट–जे.आर.एफ.	दिसंबर, 2018
आलोक कुमार बौद्ध		यूजीसी–नेट	दिसंबर, 2018
नीतू आनन्द		यूजीसी–नेट	दिसंबर, 2018
उपासना गौतम	अनुवाद अध्ययन विभाग	यूजीसी–नेट	दिसंबर, 2018
मोनिका वर्मा	प्रवासन एवं डायस्पोरा विभाग	आई.सी.एच.आर. जे.आर.एफ	मई, 2018
रविचन्द्र	म.गां.फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र	नेट/जे.आर.एफ.	2018
चंदन सरोज		नेट	2018
प्रेरित बाथरी		नेट	2018
रचना राय		आई. सी. एस. एस. आर. डॉक्टोरल फेलोशिप	दिसंबर, 2018
आशुतोष पाण्डेय		आई. सी. एस. एस. आर. डॉक्टोरल फेलोशिप	दिसंबर, 2018
छविनाथ यादव		आई. सी. एस. एस. आर. डॉक्टोरल फेलोशिप	दिसंबर, 2018
निता देशभ्रतार		आई. सी. एस. एस. आर. डॉक्टोरल फेलोशिप	दिसंबर, 2018
किशन पाठक	मानवविज्ञान विभाग	यूजीसी–नेट	जुलाई, 2018
गणेश शुक्ल	शिक्षा विभाग	यूजीसी–नेट	जनवरी 2019
हर्षवर्धन		यूजीसी–जेआरएफ	जनवरी 2019
सुधीर कुमार तिवारी		यूजीसी–नेट	जुलाई 2018
सौरभ		यूजीसी–नेट	जुलाई 2018
आशीष		यूजीसी–नेट	जुलाई 2018
नवीन कुमार त्रिपाठी	मनोविज्ञान विज्ञाग	यूजीसी–नेट, सेट (उत्तराखंड़) आई.सी.एस.एस.आर डॉक्टोरल फेलोशिप	2018–19
बृजेश यादव		यूजीसी–नेट, आई.सी.एस.एस.आर डॉक्टोरल फेलोशिप	2018–19
आनंद रामटेके	प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	यूजीसी–नेट	जून, 2018

नियोजन प्रकोष्ठ (प्लेसमेंट सेल)

29 अक्टूबर 2018 को व्यवसाय एवं नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा 'शोध के नैतिक सरोकार' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में डॉ. गौरव सिंह, सहायक प्रोफेसर इग्नू ने साधन सेवी की भूमिका निभायी। उन्होंने बताया कि शोधकर्ताओं के सम्मुख ऑनलाइन प्रस्तुति के माध्यम से प्लेगेरिज्म की पहचान कैसे की जाए। उन्होंने कहा कि कैसे शोध में नकल से बचा जाए। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नकल रोकथाम मार्गदर्शिका का संदर्भ लेते हुए शोध के नैतिक सरोकारों के प्रति शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को जागरूक किया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के अनेक संकाय सदस्य और विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। आयोजन का समन्वयन डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

विभाग/केंद्र के विद्यार्थियों का समायोजन (प्लेसमेंट) का विवरण :

क्र.	विद्यार्थी का नाम	विभाग/केंद्र	पदनाम	संस्थान का नाम
01.	श्री अभिजीत कुमार मिश्रा	भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	राजभाषा अधिकारी	बंगलुरू
02.	डॉ. अम्ब्रीश त्रिपाठी		सह– समन्वयक	म.गा.अं.हि.वि.वर्धा
03.	श्री अभिजीत प्रसाद		शोध सहायक	म.गा.अं.हि.वि.वर्धा
04.	श्री अरुण कुमार पाण्डेय		रिसर्च एसोसिएट	झारखंड
05.	श्री प्रफुल्ल बी. मेश्राम		रिसर्च एसोसिएट	म.गा.अं.हि.वि.वर्धा
06.	डॉ. प्रवीण कुमार पाण्डेय		शोध सहायक	म.गा.अं.हि.वि.वर्धा
07.	श्री विश्वनाथ सार्वे	सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र	प्रलेखन अधिकारी	इं.गां. रा. जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
08.	श्री हेमंत राय		शोध सहयोगी	इं.गां. रा. जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
09.	मोनिका मर्सकोले	हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	टीजीटी हिंदी, 01.06. 2018	डेली पब्लिक वर्ल्ड स्कूल, इंदौर, म.प्र.
10.	श्वेता साहू		टीजीटी हिंदी, 02.07. 2018	प्रौद्योगिकी बहुउद्देशीय विद्यालय, भोपाल, म. प्र.
11.	कृष्ण कुमार मिश्र		पीजीटी हिंदी, 13.08. 2018	सर्वोदय सह शिक्षा विद्यालय, नई दिल्ली
12.	राम मनोहर मिश्र		सहायक प्रोफेसर, 11. 11.2018	छत्रपति शाहूजी महाराज वि.वि., कानपुर
13.	शशिकांत यादव		सहायक प्रोफेसर, 11. 11.2018	बी.सी.कॉलेज, राँची विश्वविद्यालय, राँची
14.	विजय कुमार यादव		सहायक प्रोफेसर, 20. 11.2018	जे.पी. इंटर कॉलेज, केपीयरगंज, गोरखपुर
15.	कुमार गौरव मिश्रा	प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म एवं थियेटर)	अध्यापक, 2018–19	झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
16.	चैतन्य आठले		अध्यापक, 2018–19	प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म एवं थियेटर)
17.	प्रखर सक्सेना		2018–19	मुंबई फिल्म उद्योग
18	श्वेता क्षीरसागर		अनाउंसर, 2018–19	एम.गिरी. रेडियो स्टेशन
19.	जोगदंड शिवाजी रघुनाथराव	गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग	अतिथि अध्यापक 1 अक्टूबर, 2018	म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा
20.	शिव गोपाल		असिस्टेंट प्रोफेसर 21 जनवरी, 2019	गुरु घासीदास, विलासपुर विश्वविद्यालय, विलासपुर

21.	अतुल कुमार मिश्रा	स्त्री अध्ययन	सहायक संपादक, 5 मार्च, 2019	एनसीईआरटी
22.	किरण कुंभरे	डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	अतिथि अध्यापक, 1 अगस्त, 2018	डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र
23.	फ़िरोज़ नन्द	डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	सहायक प्रोफेसर, तदर्थ, जुलाई 2018	नागार्जुन इंस्टीट्यूट, नागपुर
24.	चंद्रभूषण सिंह	म.गां.फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र	सहायक परियोजना समन्वयक	लुपिन फाउंडेशन,
25.	विकास कुमार सिंह		जिला समन्वयक	एन सी आर फाउंडेशन, बिहार
26.	नुरीश परवीन		प्रोजेक्ट मैनेजर	जे. एंड के . सोसाइटी फॉर यूथ एण्ड मासेस, जम्मू
27.	धनेश कुमार कन्नौजे	मानवविज्ञान विभाग	वैज्ञानिक अधिकारी	गृह (पुलिस) विभाग, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
28.	बलदेव	शिक्षा विभाग	शिक्षक 2018–19	झारखंड शिक्षक चयन सेवा
29.	जितेंद्र कुमार		शिक्षक 2018–19	झारखंड शिक्षक चयन सेवा
30.	सौरभ		शिक्षक 2018–19	झारखंड शिक्षक चयन सेवा
31.	प्रियंका तिवारी	मनोविज्ञान विभाग	परामर्शदाता 02 जुलाई, 2018	पूर्वी दिल्ली, नगर निगम, दिल्ली
32.	इंतखाब अंसारी		परामर्शदाता 02 जुलाई, 2018	प्राइमरी स्कूल घोंडा नॉर्थ, पूर्वी दिल्ली नगर निगम, दिल्ली
33.	मोहम्मद एहसान		परामर्शदाता 02 जुलाई, 2018	पूर्वी दिल्ली, नगर नि गम, दिल्ली
34.	संदीप यादव		परामर्शदाता 02 जुलाई, 2018	पूर्वी दिल्ली नगर निगम, दिल्ली
35.	कौसर अली		परामर्शदाता 02 जुलाई, 2018	पूर्वी दिल्ली नगर निगम, सीलमपूर, दिल्ली
36.	महेश कुमार तिवारी		सहायक प्रोफेसर 06 अगस्त,2018	जी डी कॉलेज बेगूसराय, ललित नारायण मैथिली विश्वविद्यालय दरभंगा, बिहार
37.	आनंद रामटेके	प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	नि.श्रे.लि., 03 दिसंबर, 2018	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया,
38.	वंदना	कोलकाता, केंद्र	हिंदी अध्यापक, 19 मार्च, 2019	दिल्ली पब्लिक स्कूल, मेगासिटी, राजारहाट, कोलकाता

विश्वविद्यालय के गैर–शैक्षणिक कर्मियों की सूची

क्रम	नाम	पदनाम	विश्वविद्यालय में नियुक्ति तिथि
कुलपति कार्यालय			
1	प्रो. गिरीश्वर मिश्र	कुलपति	05.03.2014
2	श्री राजेश अरोड़ा	सहायक कुलसचिव	21.12.2012
3	श्री शत्रुघ्न सिंह	वाहन चालक	01.11.2000
4	श्री मनोज शि. ठाकुर	निम्न श्रेणी लिपिक	26.09.2016
5	श्री शरद सु. बकाले	निम्न श्रेणी लिपिक	26.09.2016
6	श्री विश्राम सिंह	एम.टी.एस.	01.09.1999
7	श्री हीरामणी भंडारी	एम.टी.एस.	01.04.2001
प्रतिकुलपति कार्यालय			
1	प्रो. आनंद वर्धन शर्मा	प्रतिकुलपति	22.04.2016
2	श्री पवन कुमार	निजी सचिव	07.02.2014
3	श्री सुरेश कुमार	वाहन चालक	06.12.2002
4	श्री रामजस	एम.टी.एस.	05.11.2002
कुलसचिव कार्यालय			
1	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	कुलसचिव	01.06.2018
2	श्री किशोर र. जाधव	सहायक	25.07.2016
3	श्री प्रदीप गं. आदे	निम्न श्रेणी लिपिक	26.09.2016
4	श्री प्रवीण रा. शिळके	एम.टी.एस.	07.01.2004
स्थापना एवं प्रशासन विभाग			
1	श्री सुशील बी. पखिडे	सहायक कुलसचिव	23.03.2007
2	श्री संजय कुमार तिवारी	सहायक	18.03.2002
3	श्री समीर अवस्थी	सहायक	22.11.2010
4	सुश्री कल्पना थुल	कंप्यूटर ऑपरेटर	31.03.2012
5	सुश्री रोहिणी पोहाणे (उमाटे)	उच्च श्रेणी लिपिक	10.02.2014
6	श्री पुष्कर सिंह	निम्न श्रेणी लिपिक	17.06.2013
7	श्री मनोहर म. रसे	निम्न श्रेणी लिपिक	26.09.2016
वित्त विभाग			
1	श्री क़ादर नवाज़ ख़ान	वित्ताधिकारी	30.06.2017
2	श्री यशराज सिंह पाल	सहायक क्षेत्रीय निदेशक	03.04.2012
3	श्री ब्रिजेश गु. पाटिल	अनुभाग अधिकारी	21.03.2007
4	श्री कमल शर्मा	अनुभाग अधिकारी	25.07.2016
5	श्री अमित प्र. पांडे	सहायक	29.11.2002
6	श्री भालचंद्र सिंह	सहायक	01.10.2000
7	श्री सुधीर एस. ठाकुर	सहायक	23.11.2010
8	श्री पंकज वा. पाटिल	सहायक	21.04.2008
9	श्री कुणाल हे. वैद्य	उच्च श्रेणी लिपिक	26.09.2016
अकादमिक विभाग			
1	डॉ. शोभा पालीवाल	अकादमिक संयोजक	27.05.2013
2	डॉ. ज्योतिष पायेङ	सहायक कुलसचिव	13.12.2011
3	डॉ. आलोक कुमार सिंह	सहायक	12.09.2002
4	सुश्री संगीता मालवीय	सहायक	02.09.2011
परीक्षा विभाग			
1	श्री कौशल किशोर त्रिपाठी	सॉफ्टवेयर अनुषंगी	14.01.2000
2	श्री मनोज कुमार	अनुभाग अधिकारी	07.02.2014
3	श्री वैभव जी सुशील	सहायक	22.11.2010
4	श्री केशरी प्रसाद	उच्च श्रेणी लिपिक	26.09.2016
5	श्री रामप्रसाद कुमरे	कंप्यूटर ऑपरेटर	31.03.2012
6	श्री सुनील चि. लांडे	एम.टी.एस.	01.05.2004

परिसर विकास विभाग			
क्रम	**नाम**	**पदनाम**	**विश्वविद्यालय में नियुक्ति तिथि**
1	डॉ. राजेश्वर सिंह	सहायक कुलसचिव	28.03.2011
2	श्री तुषार म. वानखेडे	कनिष्ठ अभियंता	22.11.2010
3	श्री विजयपाल पांडेय	वाहन चालक	01.05.2000
क्रय एवं भंडार विभाग			
1	श्री राजेश अरोड़ा	सहायक कुलसचिव	21.12.2012
2	श्री राजीव कुमार पाठक	सहायक	15.11.2002
3	श्री सचिन म. हाडके	सहायक	14.03.2007
4	श्री वेद प्रकाश	उच्च श्रेणी लिपिक	07.02.2014
5	सुश्री ऋचा श्रीवास्तव	निम्न श्रेणी लिपिक	12.08.2011
6	श्री प्रमोद सु. उरकुडे	वाहन चालक	01.10.2001
जनसंपर्क कार्यालय			
1	श्री बी. एस. मिरगे	जनसंपर्क अधिकारी	28.02.2007
2	श्री दीपक भै. साल्वे	एम.टी.एस.	01.03.2004
प्रकाशन विभाग			
1	श्री राजेश कुमार यादव	हिंदी अधिकारी	13.12.2011
2	श्री अशोक कुमार मिश्र	संपादक	14.03.2012
3	डॉ. अमित कुमार विश्वास	सहायक संपादक	06.03.2012
4	श्री राजेश म. आगरकर	सहायक	13.08.2002
राजभाषा विभाग			
1	श्री राजेश कुमार यादव	हिंदी अधिकारी	13.12.2011
2	सुश्री आरती गुडधे	अनुवादक	09.09.2011
जनसूचना कार्यालय			
1	डॉ. शंभू जोशी	जनसूचना अधिकारी	04.02.2007
2	श्री अतुल सोबती	सहायक	01.07.2002
महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय			
1	डॉ. मैत्रेयी घोष	पुस्तकालयाध्यक्ष	10.08.2011
2	श्री आनंद मंडित मलयज	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	22.02.2007
3	श्री नटराज वर्मा	सहायक	02.07.2001
4	श्री दानसिंह नेगी	उच्च श्रेणी लिपिक	23.04.2012
5	श्रीमती गीता देवी	एम.टी.एस.	01.09.2000
6	श्री सुनील वि. ढोरे	एम.टी.एस.	01.11.2000
7	श्री श्यामल भट्टाचार्य	एम.टी.एस.	01.10.2002
8	श्री राजेंद्र ना. मते	एम.टी.एस.	01.11.2002
9	श्री आनंद कुमार विश्वकर्मा	एम.टी.एस.	15.02.2007
स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय			
1	डॉ. श्रीरमण मिश्र	व्याकरण अनुषंगी	15.05.2000
लीला विभाग			
1	श्री गिरीश चंद्र पाण्डेय	कोश अनुषंगी	10.04.2001
2	सुश्री हेमलता गोडबोले	सॉफ्टवेयर अनुषंगी	01.10.2002
3	श्री अजय प्रताप सिंह	तकनीकी सहायक	31.03.2012
4	श्री रविंद्र सा. वानखडे	निम्न श्रेणी लिपिक	26.09.2016
दूर शिक्षा निदेशालय			
1	डॉ. एम. एम. मंगोडी	क्षेत्रीय निदेशक	03.04.2007
2	श्री विनोद र. वैद्य	सहायक कुलसचिव	25.07.2016
3	श्री अरविंद कुमार	तकनीकी सहायक	05.09.2011
4	सुश्री शिल्पा म. मसराम	निम्न श्रेणी लिपिक	27.06.2013
5	श्री राम कि. कनोरिया	एम.टी.एस.	01.03.2004

भाषा प्रौद्योगिकी विभाग			
1	श्री संदीप राय	निम्न श्रेणी लिपिक	17.06.2013
सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र			
1	सुश्री गुंजन जैन	भाषा अनुषंगी	01.08.2001
प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म एवं थियेटर)			
1	डॉ. हिमांशु नारायण	तकनीकी सहायक	25.05.2012
डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र			
1	श्रीमती मालती दि. चौहाण	सहायक	01.10.2002
अनुवाद अध्ययन विभाग			
1	श्रीमती शील आ. खांडेकर	सहायक	07.02.2014
महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र			
1	डॉ. पी. राधावाणी	सहायक	31.08.2012
मानवविज्ञान विभाग			
1	सुश्री सुमन	सहायक	11.09.2001
जनसंचार विभाग			
1	श्री अंजनी कुमार राय	प्रोग्रामर	22.03.2007
2	श्री सुनील कुमार	एम.टी.एस.	01.03.2002
शिक्षा विभाग			
1	सुश्री पद्मा भालेराव	सहायक	04.01.2001
क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज (इलाहाबाद)			
1	डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी	सहायक क्षेत्रीय निदेशक	07.03.2012
2	श्री शंभू दत्त सती	अनुभाग अधिकारी	07.02.2014
3	श्री देवमूर्ति द्विवेदी	एम.टी.एस.	01.10.2000
क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता			
1	डॉ. पीयूष कुमार पतंजलि	क्षेत्रीय निदेशक	06.03.2012
2	श्री राकेश श्रीमाल	सहायक संपादक	28.05.2001
अकादमिक संयोजक कार्यालय			
1	श्री संजय सिंह	सहायक	29.11.2002
सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास			
1	सुश्री सीता देवी	एम.टी.एस.	10.11.2006
फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास			
1	श्री गजानन गु. गोबाडे	एम.टी.एस.	01.04.2004

जनसूचना कार्यालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में प्राप्त जन सूचना आवेदन का त्रैमासिक विवरण

वर्ष : 2018–2019

क्र.	मंत्रालय विभाग / संगठन	तिमाही	प्रारंभिक शेष आवेदन	तिमाही के दौरान प्राप्त आवेदन	कुल आवेदन (कॉलम45)	अन्य प्राधिकरण को भेजे गए आवेदन	ऐसे निर्णय जहां आवेदन स्वीकार नहीं किए गए हो	ऐसे निर्णय जहां किसी अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई हो	(प्राप्त शुल्क/अन्य शुल्क/पैनल्टी) रुपये में	विभिन्न उपबंधों के अनुसार अस्वीकार्य मामले													
										आर.टी.आई.अधिनियम 2005 की संगत धाराओं के अनुसार													
										धारा 8 (1)											अन्य धाराएं			
										(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ड.)	(च)	(छ)	(ज)	(झ)	( )	(9)	(11)	(24)	(अन्य)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)	(17)	(18)	(19)	(20)	(21)	(22)	(23)	(27)
1	मानव विकास संसाधन मंत्रालय																						
1.1	उच्च शिक्षा विभाग																						
1.1.1	म.गां.अं.हिं.वि.	प्रथम तिमाही (अप्रैल 18–जून 18)	43	60	103	0	2	0	860	0	0	0	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		द्वितीय तिमाही (जुलाई 18–सितंबर 18)	25	55	80	0	7	0	380	0	0	0	5	5	0	2	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय तिमाही (अक्टूबर 18–दिसंबर 18)	30	32	62	0	3	0	200	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	2
		चतुर्थ तिमाही (जनवरी 19–मार्च 19)	17	41	58	0	3	0	588	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
विभागीय कुल			115	188	303	0	15	0	2028	0	0	0	8	7	0	2	0	0	2	0	0	0	4

स्नातक पाठ्यक्रम सत्र : 2018–19

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	बी.ए. (ऑनर्स) भाषा विज्ञान	00	01	**01**	00	01	**01**	01	02	**03**	00	00	**00**	**05**
2	बी.ए. (ऑनर्स) जापानी भाषा	02	02	**04**	06	05	**11**	01	01	**02**	00	00	**00**	**17**
3	बी.ए. (ऑनर्स) स्पेनिश भाषा	05	00	**05**	01	03	**04**	01	01	**02**	00	00	**00**	**11**
4	बी.ए. (ऑनर्स) फ्रेंच भाषा	01	00	**01**	01	01	**02**	00	01	**01**	00	01	**01**	**05**
5	बी.ए. (ऑनर्स) चीनी भाषा	02	01	**03**	00	02	**02**	02	01	**03**	01	00	**01**	**09**
6	बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	01	00	**01**	04	03	**07**	04	00	**04**	01	00	**01**	**13**
7	बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी	02	04	**06**	02	02	**04**	04	04	**08**	00	02	**02**	**20**
8	बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार	06	01	**07**	07	06	**13**	03	03	**06**	01	02	**03**	**29**
9	बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	01	01	**02**	02	00	**02**	00	01	**01**	01	01	**02**	**07**
10	बी.एस.डब्ल्यू.	02	04	**06**	18	05	**23**	07	02	**09**	02	02	**04**	**42**
11	बी.वोक (फिल्म निर्माण)	01	00	**01**	03	00	**03**	06	00	**06**	00	00	**00**	**10**
12	बी.वोक (अभिनय एवं मंच विन्यास)	07	01	**08**	06	01	**07**	03	00	**03**	00	00	**00**	**18**
13	बी.कॉम. ऑनर्स	04	01	**05**	02	02	**04**	05	02	**07**	00	02	**02**	**18**
14	बी.ए. समाजशास्त्र सामान्य	00	00	**00**	04	01	**05**	04	01	**05**	00	00	**00**	**10**
15	बी.ए. राजनीति विज्ञान सामान्य	00	00	**00**	04	00	**04**	00	00	**00**	00	00	**00**	**04**
16	बी.ए. इतिहास सामान्य	02	00	**02**	01	01	**02**	00	00	**00**	00	00	**00**	**04**
17	बी.एड.	05	07	**12**	16	09	**25**	06	04	**10**	01	01	**02**	**49**
	कुल	**41**	**23**	**64**	**44**	**21**	**65**	**31**	**13**	**44**	**01**	**06**	**07**	**271**

एम.ए. पाठ्यक्रम सत्र : 2018–19

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	भाषा प्रौद्योगिकी	02	02	**04**	00	02	**02**	00	01	**01**	00	00	**00**	**07**
2	इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग	00	01	**01**	00	03	**03**	03	02	**05**	00	00	**00**	**09**
3	हिंदी साहित्य	03	09	**12**	07	04	**11**	02	03	**05**	00	01	**01**	**29**
4	अंग्रेजी	02	04	**06**	02	02	**04**	02	07	**09**	01	00	**01**	**20**
5	उर्दू	01	02	**03**	00	00	**00**	00	00	**00**	00	00	**00**	**03**
6	मराठी	04	03	**07**	03	02	**05**	01	00	**01**	01	01	**02**	**15**
7	संस्कृत	00	02	**02**	05	01	**06**	06	01	**07**	01	00	**01**	**16**
8	प्रदर्शनकारी कला	11	04	**15**	16	0	**16**	07	00	**07**	00	00	**00**	**38**
9	गांधी एवं शांति अध्ययन	02	01	**03**	01	00	**01**	00	01	**01**	04	00	**04**	**09**
10	स्त्री अध्ययन	00	01	**01**	01	02	**03**	00	00	**00**	00	00	**00**	**04**
11	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	00	00	**00**	00	00	**00**	02	02	**04**	05	01	**06**	**10**
12	बौद्ध अध्ययन	00	00	**00**	00	00	**00**	01	00	**01**	04	00	**04**	**05**
13	अनुवाद अध्ययन	00	00	**00**	04	00	**04**	02	00	**02**	00	00	**00**	**06**
14	प्रवासन एवं डायस्पोरा	00	00	**00**	03	02	**05**	00	01	**01**	00	00	**00**	**06**
15	जनसंचार	06	05	**11**	07	03	**10**	03	01	**04**	01	01	**02**	**27**
16	मानवविज्ञान	00	01	**01**	01	00	**01**	01	00	**01**	01	00	**01**	**04**
17	समाज कार्य	01	05	**06**	09	16	**25**	07	05	**12**	03	03	**06**	**49**
18	शिक्षाशास्त्र	00	00	**00**	01	02	**03**	00	00	**00**	00	00	**00**	**03**
19	मनोविज्ञान	02	02	**04**	05	08	**13**	01	04	**05**	03	00	**03**	**25**
20	एम.बी.ए.	03	02	**05**	13	06	**19**	02	00	**02**	00	00	**00**	**26**
21	एम.एड.	04	07	**11**	04	03	**07**	02	04	**06**	01	00	**01**	**25**
22	बी.ए.–एम.ए. मानवविज्ञान (एकीकृत)	00	01	**01**	02	01	**03**	02	02	**04**	03	01	**04**	**12**
23	हिंदी साहित्य (क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज)	04	05	**09**	06	01	**07**	00	00	**00**	00	00	**00**	**16**
24	समाज कार्य (क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज)	12	03	**15**	07	07	**14**	00	04	**04**	00	00	**00**	**33**
25	हिंदी साहित्य (क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता)	00	02	**02**	00	00	**00**	00	01	**01**	01	00	**01**	**04**
26	जनसंचार विभाग (क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता)	02	03	**05**	01	00	**01**	00	00	**00**	00	00	**00**	**06**
	कुल	**59**	**65**	**124**	**98**	**65**	**163**	**44**	**39**	**83**	**29**	**08**	**37**	**407**

एम.फिल. पाठ्यक्रम सत्र : 2018–19

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	भाषा प्रौद्योगिकी	03	03	**06**	03	00	**03**	02	01	**03**	00	00	**00**	**12**
2	कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	00	00	**00**	01	01	**02**	01	00	**01**	00	00	**00**	**03**
3	हिंदी साहित्य	01	01	**02**	07	02	**09**	02	03	**05**	00	00	**00**	**16**
4	प्रदर्शनकारी कला	00	01	**01**	00	00	**00**	00	00	**00**	00	00	**00**	**01**
5	गांधी एवं शांति अध्ययन	02	00	**02**	03	00	**03**	02	00	**02**	00	00	**00**	**07**
6	स्त्री अध्ययन	01	00	**01**	00	01	**01**	00	00	**00**	00	00	**00**	**02**
7	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	00	00	**00**	01	01	**02**	01	01	**02**	00	00	**00**	**04**
8	बौद्ध अध्ययन	00	00	**00**	00	01	**01**	01	00	**01**	00	00	**00**	**02**
9	अनुवाद अध्ययन	01	00	**01**	01	00	**01**	00	00	**00**	00	00	**00**	**02**
10	प्रवासन एवं डायस्पोरा	00	01	**01**	00	01	**01**	00	00	**00**	00	00	**00**	**02**
11	जनसंचार	01	01	**02**	02	01	**03**	01	00	**01**	00	00	**00**	**06**
12	मानवविज्ञान	00	00	**00**	01	01	**02**	02	00	**02**	00	00	**00**	**04**
13	समाज कार्य	01	01	**02**	00	02	**02**	02	00	**02**	00	00	**00**	**06**
14	शिक्षाशात्र	01	00	**01**	00	02	**02**	02	00	**02**	00	00	**00**	**05**
15	मनोविज्ञान	00	00	**00**	02	00	**02**	00	00	**00**	00	00	**00**	**02**
16	प्रदर्शनकारी कला (क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज)	01	00	**01**	00	00	**00**	00	00	**00**	00	00	**00**	**01**
17	हिंदी साहित्य (क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता)	00	00	**00**	00	00	**00**	00	01	**01**	00	00	**00**	**01**
18	जनसंचार (क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता)	00	01	**01**	02	00	**02**	00	00	**00**	00	00	**00**	**03**
	कुल	**12**	**09**	**21**	**23**	**13**	**36**	**16**	**06**	**22**	**00**	**00**	**00**	**79**

पी.एच.डी पाठ्यक्रम सत्र : 2018–19

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	भाषा प्रौद्योगिकी	02	00	**02**	04	01	**05**	01	00	**01**	00	01	**01**	**09**
2	इंफारमेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग	00	00	**00**	02	00	**02**	00	01	**01**	00	00	**00**	**03**
3	हिंदी साहित्य	01	02	**03**	01	00	**01**	00	01	**01**	00	00	**00**	**05**
4	गांधी एवं शांति अध्ययन	01	01	**02**	01	02	**03**	00	01	**01**	00	00	**00**	**06**
5	स्त्री अध्ययन	00	00	**00**	00	01	**01**	00	00	**00**	00	00	**00**	**01**
6	दलित एवं जनजाति अध्ययन	00	00	**00**	00	01	**01**	01	02	**03**	00	00	**00**	**04**
7	बौद्ध अध्ययन	00	00	**00**	02	00	**02**	03	01	**04**	01	00	**01**	**07**
8	जनसंचार	02	01	**03**	01	00	**01**	00	01	**01**	00	00	**00**	**05**
9	मानवविज्ञान	01	00	**01**	01	00	**01**	00	00	**00**	00	00	**00**	**02**
10	समाजकार्य	00	00	**00**	01	00	**01**	00	00	**00**	00	00	**00**	**01**
11	शिक्षाशास्त्र	01	00	**01**	03	01	**04**	00	00	**00**	00	00	**00**	**05**
12	जनसंचार (क्षेत्रीय केंद, कोलकाता)	00	01	**01**	01	00	**01**	00	00	**00**	00	00	**00**	**02**
	कुल	**08**	**05**	**13**	**17**	**06**	**23**	**05**	**07**	**12**	**01**	**01**	**02**	**50**

सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	चीनी भाषा में सर्टिफिकेट	02	03	**05**	09	02	**11**	08	00	**08**	01	00	**01**	**25**
2	जापानी भाषा में सर्टिफिकेट	01	04	**05**	05	04	**09**	01	01	**02**	00	00	**00**	**16**
3	फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट	01	03	**04**	04	05	**09**	02	02	**04**	00	00	**00**	**17**
4	स्पेनिश भाषा में सर्टिफिकेट	01	03	**04**	06	03	**09**	04	02	**06**	00	00	**00**	**19**
5	अंग्रेजी भाषा में सर्टिफिकेट	09	09	**18**	12	12	**24**	07	03	**10**	04	02	**06**	**58**
6	संस्कृत भाषा में सर्टिफिकेट	01	02	**03**	00	00	**00**	00	00	**00**	00	00	**00**	**03**
7	उर्दू भाषा में सर्टिफिकेट	03	01	**04**	01	02	**03**	00	00	**00**	00	00	**00**	**07**
8	मराठी भाषा में सर्टिफिकेट	00	02	**02**	00	00	**00**	00	00	**00**	00	00	**00**	**02**
9	भारतीय शास्त्रीय संगीत में सर्टिफिकेट	02	01	**03**	01	02	**03**	01	00	**01**	00	01	**01**	**08**
	कुल	**20**	**28**	**48**	**38**	**30**	**68**	**23**	**08**	**31**	**05**	**03**	**08**	**155**

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल योग
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	चीनी भाषा में डिप्लोमा	00	01	01	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**02**
2	जापानी भाषा में डिप्लोमा	01	00	01	01	00	01	00	01	01	00	00	00	**03**
3	फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा	02	03	05	02	01	03	03	00	03	00	00	00	**11**
4	स्पेनिश भाषा में डिप्लोमा	00	00	00	03	00	03	00	00	00	00	00	00	**03**
5	अंग्रेजी भाषा में डिप्लोमा	01	00	01	02	00	02	00	00	00	00	00	00	**03**
6	पालि भाषा में डिप्लोमा	00	00	00	00	00	00	01	02	03	00	00	00	**03**
7	फॉरेंसिक साइंस में डिप्लोमा	03	00	03	03	02	05	02	00	02	00	01	01	**11**
8	परामर्श एवं निर्देशन में डिप्लोमा	08	09	17	13	07	20	07	03	10	04	00	04	**51**
9	योग एवं स्वास्थ्य में डिप्लोमा	13	10	23	12	06	18	05	02	07	01	01	02	**50**
10	डी.सी.ए.	04	01	05	03	02	05	02	00	02	01	00	01	**13**
11	भारतीय शास्त्रीय संगीत में डिप्लोमा	01	01	02	01	01	02	00	02	02	00	00	00	**06**
12	जापानी भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा	00	00	00	00	00	00	01	00	01	00	00	00	**01**
13	फ्रेंच भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा	01	01	02	00	01	01	00	01	01	00	00	00	**04**
14	स्पेनिश भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा	01	01	02	01	01	02	02	02	04	00	00	00	**08**
15	चीनी भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा	00	00	00	01	00	01	00	00	00	00	00	00	**01**
	कुल	**35**	**27**	**62**	**43**	**21**	**64**	**23**	**13**	**36**	**06**	**02**	**08**	**170**

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य			अन्य पिछड़ा वर्ग			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			कुल
		पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	
1	भाषा विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	08	06	14	06	03	09	03	02	05	00	00	00	**28**
2	कम्प्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	04	05	09	09	04	13	07	03	10	00	01	01	**33**
3	गांधी अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	02	01	03	03	00	03	01	01	02	00	00	00	**08**
4	स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	01	01	02	07	01	08	00	00	00	00	00	00	**10**
5	दलित विचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	00	00	00	00	00	00	01	01	02	00	01	01	**03**
6	बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	00	01	01	00	00	00	00	01	01	00	00	00	**02**
7	पालि भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	01	00	01	00	00	00	01	02	03	00	00	00	**04**
	बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	00	00	00	01	00	01	02	00	02	00	00	00	**03**
8	तिब्बति भाषा एवं धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	00	00	00	02	00	02	01	00	01	00	00	00	**03**
9	अनुवाद अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	05	03	08	07	00	07	03	01	04	00	00	00	**19**
10	भारतीय डायस्पोरा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	02	02	04	04	01	05	01	01	02	00	00	00	**11**
11	एन.जी.ओ. मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	02	01	03	01	01	02	01	00	01	00	00	00	**06**
12	मानव संसाधन प्रबंधन में पी.जी.डिप्लोमा	06	01	07	05	01	06	03	00	03	00	01	01	**17**
13	प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एंड थियेटर) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज)	03	05	08	05	00	05	00	01	01	00	00	00	**14**
14	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज)	03	00	03	01	00	01	00	01	01	00	01	01	**06**
15	स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज)	04	02	06	02	00	02	01	01	02	00	00	00	**10**
17	अनुवाद अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज)	03	03	06	02	01	03	01	00	01	00	00	00	**10**
	कुल	**44**	**31**	**75**	**55**	**12**	**67**	**26**	**15**	**41**	**00**	**04**	**04**	**187**

शुल्क विवरण : पी–एच.डी.

शुल्क मद/ पाठ्यक्रम का नाम	पंजीयन शुल्क	परीक्षा शुल्क	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	स्टूडियो /प्रयोगशाला/ क्षेत्रीय कार्य/शैक्षणिक भ्रमण शुल्क	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम /खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोश (वार्षिक)	कुल
पी–एच.डी. (समस्त पाठ्यक्रम)	2000	2500	350	विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	500	75	25	600	50	100	6200

शुल्क विवरण: एम.ए./एम.एड./एम.बी.ए./एम.एस.डब्ल्यू./बी.ए.–एम.ए. मानवविज्ञान (एकी.)/एम.फिल.

शुल्क मद/ पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (वार्षिक)	स्टूडियो /प्रयोगशाला/ क्षेत्रीय कार्य शुल्क/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम /खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोश (वार्षिक)	कुल
एम.ए. श्रेणी– 01	300	500	250	250	विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	100	75	25	600	50	100	2250
एम.ए. श्रेणी– 02	300	1000	250	250		100	75	25	600	50	100	2750
एम.ए. श्रेणी– 03	300	1500	250	250		100	75	25	600	50	100	3250
एम.एड.	3000	5000	550	250		100	75	25	600	50	100	9750
एम.बी.ए.	2500	3000	550	250		100	75	25	600	50	100	7250
एम.फिल (समस्त पाठ्यक्रम)	1500	1000	250	250		100	75	25	600	50	100	3950

श्रेणी : 01 भाषा प्रौद्योगिकी, उर्दू, अनुवाद अध्ययन, हिंदी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, गांधी एवं शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, दलित एवं जनजातीय अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, मानवविज्ञान, संस्कृत, अंग्रेजी, मराठी, बी.ए.–एम.ए. मानवविज्ञान (एकीकृत), राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास।

श्रेणी : 02 मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट (फिल्म एंड थियेटर), जनसंचार, एम.एस.डब्ल्यू. प्रवासन तथा डायस्पोरा अध्ययन, मनोविज्ञान

श्रेणी : 03 मास्टर ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग (एमआईएलई)।

शुल्क विवरण : बी.एस.डब्ल्यू./बी.वोक./बी.ए. (ऑनर्स)/बी.एड.												
शुल्क विवरण	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परिक्षा शुल्क (वार्षिक)	स्टूडियो /प्रयोगशाला/ क्षेत्रीय कार्य शुल्क/ शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम /खेलकूद शुल्क	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोश (वार्षिक)	कुल
बीएसडब्ल्यू/बी.वोक. /बी.ए. (ऑनर्स)	300	500	250	250	विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	100	75	25	600	50	100	2250
बी.–एड.	2000	4000	550	250		100	75	25	600	50	100	7750

शुल्क विवरण : सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस्ड डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम													
शुल्क विवरण/मद	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	प्रयोगशाला शुल्क	परीक्षा शुल्क (वार्षिक)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	पुस्तकालय शुल्क	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	सांस्कृतिक कार्यक्रम /खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोश (वार्षिक)	कुल
श्रेणी–1	300	800	600	000	250	250	50	50	25	75	100	2500
श्रेणी–2	300	1000	600	000	250	250	50	50	25	75	100	2700
श्रेणी–3	300	1000	600	500	250	250	50	50	25	75	100	3200
श्रेणी–4	300	2000	600	000	250	250	50	50	25	75	100	3700
श्रेणी–5	300	1000	600	1000	250	250	50	50	25	75	100	3700
श्रेणी–6	300	2000	600	1000	250	250	50	50	25	75	100	4700

श्रेणी : 01 – सर्टिफिकेट (मराठी, उर्दू, संस्कृत), डिप्लोमा भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन।
श्रेणी : 02 – पी.जी.डिप्लोमा : अनुवाद, स्त्री एवं मीडिया, बौद्ध अध्ययन, मानवाधिकार, भारतीय डायस्पोरा, भाषा विज्ञान, दलित विचार।
श्रेणी : 03 – सर्टिफिकेट (फ्रेंच, चीनी, स्पेनिश, जापानी, अंग्रेजी)।
श्रेणी : 04 – डिप्लोमा (फ्रेंच, चीनी, स्पेनिश, जापानी), पी.जी.डिप्लोमाः सामुदायिक सहभागिता, परामर्श और निर्देशन।
श्रेणी : 05 – डिप्लोमा इन फोरेंसिक साइंस (अंशकालिक)।
श्रेणी : 06 – पी.जी.डी.सी.ए.।

दूर शिक्षा निदेशालय (सत्र 2018–19) में प्रवेशित विद्यार्थियों का विवरण

क्र.	पाठ्यक्रम के नाम	कुल विद्यार्थियों की संख्या	सामान्य	अपिव	अजा	अजजा
01	व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर	224	110	78	33	03
02	समाजकार्य में स्नातकोत्तर	420	142	130	127	21
03	पत्रकारिता में स्नातकोत्तर	10	07	03	00	00
04	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर	168	76	67	19	06
05	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक	149	59	56	19	15
06	पत्रकारिता में स्नातक	28	17	05	05	01
07	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	15	09	04	02	00
08	पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	12	04	01	06	01
09	एमए हिंदी	53	33	15	04	01
10	कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	02	02	00	00	00
11	शिक्षा में स्नातक	499	123	219	99	58
12	डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन	03	01	01	00	01
13	एम.ए. इतिहास	04	02	02	00	00
14	एम.ए. समाजशास्त्र	08	04	01	03	00
15	एम.ए. राजनीति विज्ञान	06	03	01	02	00
	कुल विद्यार्थी	**1601**	**592**	**583**	**319**	**107**

एम.ए. पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2016–18)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	भाषा प्रौद्योगिकी	0	0	0	3	2	1	3
2	मास्टर ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एं ड लैंग्वेज इंजीनियरिंग	0	1	0	2	1	2	3
3	कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	0	1	0	0	0	1	1
4	हिंदी साहित्य	9	3	2	16	16	15	31
5	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)	14	1	1	12	23	5	28
6	एम.ए. संस्कृत	1	5	0	0	6	0	6
7	एम.ए. मराठी	1	0	0	5	2	4	6
8	एम.ए. अंग्रेजी	3	4	1	2	8	3	11
9	विकास एवं शांति अध्ययन	0	1	0	1	2	0	2
10	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	0	1	0	2	0	3	3
11	बौद्ध अध्ययन	0	5	1	0	6	0	6
12	अनुवाद अध्ययन	10	1	0	4	2	13	15
13	एम.ए. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन	0	0	0	1	0	1	1
14	जनसंचार	16	1	2	7	18	8	26
15	एम.ए. मानवविज्ञान	1	0	0	0	1	0	1
16	मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एम.एस.डब्ल्यू.)	11	7	3	11	17	15	32
17	एम.एड.	5	4	0	8	10	7	17
18	एम.ए. मनोविज्ञान	1	0	0	2	4	0	4
19	एम.बी.ए.	5	4	1	7	9	8	17
	कुल योग	**77**	**39**	**11**	**83**	**127**	**86**	**213**

एम.ए. पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2015–17) पूरक

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)	0	1	0	0	1	0	1
2	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	0	1	0	0	1	0	1
3	जनसंचार	1	0	1	0	2	0	2
4	मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एम.एस.डब्ल्यू.)	0	2	0	0	2	0	2
	कुल योग	**1**	**4**	**1**	**0**	**6**	**0**	**6**

स्नातक पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2015–18)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	बी.एड. (शिक्षाशास्त्र में स्नातक)	20	3	2	16	17	27	44
2	बी.वोक. (फिल्म निर्माण)	2	0	0	1	2	1	3
3	बैचलर ऑफ सोशल वर्क (बी.एस.डब्ल्यू.)	3	4	1	2	6	4	10
	कुल योग	**25**	**7**	**3**	**19**	**25**	**32**	**57**

पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2017–18)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	कंप्यूटर एप्लिकेशन (पीजीडीसीए)	5	1	0	5	10	1	11
2	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान	3	1	0	1	5	0	5
3	भाषाविज्ञान	1	2	0	4	4	3	7
4	भाषा शिक्षण	1	0	0	1	1	1	2
5	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)	1	0	0	3	2	2	4
6	गांधी अध्ययन	1	4	0	3	6	2	8
7	स्त्री अध्ययन	3	1	0	0	3	1	4
8	दलित थॉट	0	1	0	3	2	2	4
9	अनुवाद	3	1	0	4	5	3	8
10	भारतीय डायस्पोरा	3	4	0	3	9	1	10
11	विज्ञापन एवं जनसंपर्क	3	2	0	1	5	1	6
12	हिंदी पत्रकारिता	2	0	0	1	3	0	3
13	एन.जी.ओ. प्रबंधन	4	2	0	1	6	1	7
	कुल योग	**30**	**19**	**0**	**30**	**61**	**18**	**79**

पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2016–17) पूरक

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	कंप्यूटर एप्लिकेशन (पीजीडीसीए)	2	1	0	1	3	1	4
2	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)	1	0	0	1	2	0	2
3	एन.जी.ओ. प्रबंधन	0	0	0	1	1	0	1
	कुल योग	**3**	**1**	**0**	**3**	**6**	**1**	**7**

पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2015–16) पूरक

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	एन.जी.ओ. प्रबंधन	1	0	0	3	4	0	4

एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2017–18)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	संस्कृत भाषा	0	1	0	0	1	0	1
2	उर्दू भाषा	1	0	0	0	0	1	1
3	जापानी भाषा	1	0	0	0	0	1	1
4	फ्रेंच भाषा	1	0	0	2	2	1	3
	कुल योग	**3**	**1**	**0**	**2**	**3**	**3**	**6**

एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2016–17) पूरक

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	फ्रेंच भाषा	1	0	0	0	0	1	1

डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2017–18)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	डिप्लोमा एन कंप्यूटर एप्लिकेशन (डी.सी.ए.)	1	0	0	0	1	0	1
2	संस्कृत भाषा	0	0	0	1	1	0	1
3	उर्दू भाषा	1	1	0	4	5	1	6
4	चीनी भाषा	0	3	1	5	6	3	9
5	स्पेनिश भाषा	2	3	0	1	2	4	6
6	जापानी भाषा	0	1	0	2	1	2	3
7	फ्रेंच भाषा	2	1	0	1	1	3	4
8	फोरेंसिक साइंस	0	1	1	2	3	1	4
9	योग तथा स्वास्थ्य अध्ययन	5	3	1	5	11	3	14
10	परामर्श और निर्देशन	0	0	0	0	9	6	15
11	भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन)	1	2	0	0	2	1	3
	कुल योग	**12**	**15**	**3**	**21**	**42**	**24**	**66**

डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2016–17) पूरक

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	फोरेंसिक साइंस	0	0	0	1	1	0	1
2	योग तथा स्वास्थ्य अध्ययन	0	0	0	1	1	0	1
3	परामर्श और निर्देशन	1	1	0	0	2	0	2
	कुल योग	**1**	**1**	**0**	**2**	**4**	**0**	**4**

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2017–18)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	अंग्रेजी भाषा	3	6	1	5	10	5	15
2	चीनी भाषा	1	0	1	1	3	1	4
3	स्पेनिश भाषा	5	2	0	3	6	4	10
4	फ्रेंच भाषा	4	4	0	2	7	4	11
5	जापानी भाषा	1	1	0	4	4	2	6
6	भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन)	0	4	0	5	7	2	9
	कुल योग	**14**	**17**	**2**	**20**	**37**	**18**	**55**

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2017–18) पूरक

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	अंग्रेजी भाषा	1	0	0	1	1	1	2

पी–एच.डी. उपाधि

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)	0	0	0	2	1	1	2
2	हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)	4	0	0	0	4	0	4
3	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)	5	1	0	1	7	0	7
4	अहिंसा एवं शांति अध्ययन	1	0	0	3	4	0	4
5	स्त्री अध्ययन	1	1	0	1	2	1	3
6	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	0	0	0	1	1	0	1
7	बौद्ध अध्ययन	1	1	0	0	0	2	2
8	हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)	1	0	0	0	0	1	1
9	जनसंचार	5	1	0	2	5	3	8
10	मानवविज्ञान	1	0	0	2	2	1	3
	कुल योग	**19**	**4**	**0**	**12**	**26**	**9**	**35**

एम.फिल. पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2016–17) तीन छमाही

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग / श्रेणी				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल योग
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री	
1	भाषा प्रौद्योगिकी	5	2	0	5	9	3	12
2	तुलनात्मक साहित्य	6	3	0	9	12	6	18
3	हिंदी साहित्य	6	4	1	8	12	7	19
4	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)	6	4	0	2	9	3	12
5	विकास एवं शांति अध्ययन	5	5	2	4	12	5	17
6	स्त्री अध्ययन	1	5	1	6	5	8	13
7	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	0	3	1	0	4	0	4
8	बौद्ध अध्ययन	2	2	0	0	4	0	4
9	अनुवाद अध्ययन	3	6	1	1	4	7	11
10	प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन	0	2	0	7	8	1	9
11	जनसंचार	10	0	2	8	14	6	20
12	मानवविज्ञान	0	1	0	2	2	1	3
13	सोशल वर्क	7	3	2	8	12	8	20
14	शिक्षाशास्त्र	3	1	1	2	3	4	7
15	मनोविज्ञान	4	0	0	1	4	1	5
	कुल योग	**58**	**41**	**11**	**63**	**114**	**60**	**174**

एम.फिल. उपाधि प्राप्त शोधार्थियों की सूची सत्र 2016–17			
क्र.	विद्यार्थी का नाम	शोध निर्देशक	शोध शीर्षक
भाषा विद्यापीठ (भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी			
1	नागेन्द्र कुमार गौतम	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय	हिंदी और भोजपुरी की सरल क्रियाओं का तुलनात्मक अध्ययन
2	ममता यादव	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय	संस्कृत–हिंदी के क्रियापदों का व्यतिरेकी विश्लेषण (काल, वाच्य के संदर्भ में)
3	सत्येन्द्र कुमार	डॉ. धनजी प्रसाद	भारतीय सांकेतिक भाषा कोश का निर्माण (एंड्राइड आधारित)
4	रामलखन कुमार	डॉ. धनजी प्रसाद	मैथिली लोकगीतों का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन (विशेष संदर्भ : ऋतु एवं पर्व गीत)
5	रश्मि मिश्रा	डॉ. अनिल कुमार दुबे	कोड मिश्रण का सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य (21वीं सदी की हिंदी की कुछ कहानियों के विशेष संदर्भ में)
6	कुमार रितेश रंजन	डॉ. अनिल कुमार दुबे	कोड परिवर्तन का सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य (विशेष संदर्भ– हिंदी के कुछ उपन्यासों में)
7	मिथलेश कुमार यादव	डॉ. धनजी प्रसाद	हिंदी–अवधी काल, पक्ष, वृत्ति : व्यतिरेकी विश्लेषण
8	तेज प्रताप टण्डन	डॉ. एच.ए. हुनगुंद	डॉ. कुँअर बेचैन की गजलों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन (विशेष संदर्भ–महावर इंतजारों का)
9	कामेश्वर सिंह	डॉ. धनजी प्रसाद	हिंदी मिश्र क्रियाओं का अंग्रेजी एकल क्रिया आधारित अभिज्ञानक
10	उज्ज्वल सिंह	डॉ. एच.ए. हुनगुंद	जेवर तद्भसील की भाषा का विश्लेषणात्मक अध्ययन (जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश)
11	शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय	डॉ. एच.ए. हुनगुंद	जनहित में जारी विज्ञापनों की भाषा
12	पंचदेव प्रसाद	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	'सृष्टि चक्र' और 'शैली त्तव' (प्रसन्न कुमार चौधरी की लंबी कविता का अध्ययन)
साहित्य विद्यापीठ (हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. हिंदी साहित्य			
1	मनोज प्रसाद रजक	डॉ. सुनील कुमार	सुशीला टाकभौरे और कल्याणी ठाकुर की कविताओं में अस्मिता के प्रश्न
2	काजल कुमारी सिंह	डॉ. सुनील कुमार	चन्द्रकिशोर जायसवाल की कहानियों में सामाजिक सरोकार (खट्टे नहीं अंगूर' के विशेष संदर्भ में)
3	मदालसा मणि त्रिपाठी	डॉ. सुनील कुमार	'उत्तर पूर्व' उपन्यास का यथार्थ बोध
4	मयंक	डॉ. सुनील कुमार	विष्णु नागर के व्यंग्य में राजनीतिक चेतना 'देश सेवा का धंधा' एवं 'ईश्वर की कहानियाँ' के विशेष संदर्भ में
5	अनिल गौतम	प्रो. संतोष भदौरिया	समकालीन दलित कहानी और डॉ. अंबेडकर की विचारधारा (संदर्भ : 'भरोसे की बहन' डॉ. श्यौराज सिंह बेचैन)
6	निधि त्रिपाठी	प्रो. संतोष भदौरिया	हिंदी उपन्यास, धर्मसत्ता और स्त्री ;विशेष संदर्भ : (दिव्या' और 'हलाला)
7	मनोज कुमार यादव	प्रो. संतोष भदौरिया	स्त्री आत्मकथाओं में स्त्री जीवन के साक्ष्य (विशेष संदर्भ : 'अन्या से अनन्या' और 'जमाने में हम')
8	रीना मिश्रा	प्रो. संतोष भदौरिया	समकालीन आदिवासी कविता में स्त्री (संदर्भ : निर्मला पुतुल की कविताएँ)
9	सहाब अली	प्रो. संतोष भदौरिया	समकालीन ग्रामीण यथार्थ और महेश कटारे की कहानियाँ
10	श्वेता मिश्रा	प्रो. प्रीति सागर	शमशेर के काव्य में प्रेम का स्वरूप
11	नवीन सिंह	डॉ. रूपेश कुमार सिंह	सामाजिक अंतर्द्वंद्व एवं शैक्षणिक जीवन की विडंबना (संदर्भ : अपवित्र आख्यान)
12	अरविंद कुमार यादव	डॉ. रूपेश कुमार सिंह	रघुवीर सहाय की कविताओं में आम आदमी का संघर्ष और त्तकालीन राजनीति
13	विजय कुमार	डॉ. बीर पाल सिंह यादव	पेरियार ललई के नाटकों में सामाजिक चेतना का उभार
14	मनीषा देवी	डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी	सुधा अरोड़ा की कहानियों में स्त्री संघर्ष (अन्नपूर्णा मंडल की आखिरी चिट्ठी के विशेष संदर्भ में)
15	अमित कुमार	डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी	नागार्जुन की राजनीतिक कविताएँ : जे.पी. आंदोलन (विशेष संदर्भ : खिचड़ी विप्लव देखा हमने)

16	हेमलता	डॉ. रामानुज अस्थाना	'पारिजात' उपन्यास में स्त्री
17	सत्यवन्त यादव	डॉ. रामानुज अस्थाना	कवि रमाशंकर 'विद्रोही' की कविताओं में युगचेतना
18	लोकेश कुमार	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	हिंदी गजल की विषयवस्तु का विश्लेषणात्मक अध्ययन (विशेष संदर्भ : वशिष्ठ अनूप की ग़ज़लें)
19	गावीत राकेश राजु	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	मावची बोली के लोकगीतों का संग्रह एवं विश्लेषण
पाठ्यक्रम : एम.फिल. तुलनात्मक साहित्य			
1	किरन गुप्ता	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	हिंदी एवं तमिल आंचलिक उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन (विशेष संदर्भ : मैला आंचल एवं पीढियाँ)
2	कृष्ण मोहन	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	'कोहबर की शर्त' और फिल्म 'नदिया के पार' का तुलनात्मक अध्ययन
3	विवेकानन्द	प्रो. प्रीति सागर	साहित्य से सिनेमा माध्यम में रूपांतरण (सारा आकाश उपन्यास और फिल्म के विशेष संदर्भ में)
4	मनदीप	डॉ. रामानुज अस्थाना	'सर्कस' और 'चंद्रमुखी' उपन्यासों में स्त्री–संघर्ष
5	नरेन्द्र कुमार सिंह	डॉ. रामानुज अस्थाना	'आधे अधूरे' और 'हयवदन' नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन
6	साधना	डॉ. रामानुज अस्थाना	हरिशंकर परसाई की कहानियों का सिनेमाई रूपांतरण
7	काजल	प्रो. प्रीति सागर	मेहरून्निसा परवेज एवं नासिरा शर्मा की कहानियों में स्त्री जीवन : विशेष संदर्भ कहानी संग्रह 'अंतिम चढ़ाई' एवं 'खुदा की वापसी'
8	आरती शर्मा	डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी	'गगन दमामा बाज्यो' और 'छिपण तों पहलां' नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन
9	रमन कुमार	डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी	'अल्मा कबूतरी' और 'रेत' उपन्यास का तुलनात्मक अध्ययन
10	नीरज छिलवार	डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी	प्रेमचंद की कहानियों का माध्यम रूपांतरण (विशेष संदर्भ : गुलजार द्वारा निर्देशित 'तहरीर' धारावाहिक)
11	राहत जमाल सिद्दीक़ी	प्रो. प्रीति सागर	घनानंद और वली दकनी के काव्य में प्रेम का स्वरूप
12	सागरिका नायक	डॉ. बीर पाल सिंह यादव	'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' में प्रेम भावना का तुलनात्मक अध्ययन
13	बुधुराम बेहेरा	डॉ. रूपेश कुमार सिंह	'कामिनी काय कांतारे' और 'अमृतफल' की कथावस्तु का तुलनात्मक अध्ययन
14	तरुण कुमार	डॉ. बीर पाल सिंह यादव	हिंदी दलित साहित्य की चेतना के विकास में 'हरिहर' और जिज्ञासु का योगदान
15	प्रेम प्रकाश	प्रो. प्रीति सागर	ग्लोबल गाँव के देवता और किस्सागो में चित्रित आदिवासी समाज
16	गोविन्द वर्मा	डॉ. रूपेश कुमार सिंह	'आधा गाँव' और 'उदास नस्लें' में प्रयुक्त गालियों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
17	अरुण कुमार सोनी	डॉ. रूपेश कुमार सिंह	'गोदान' और 'किसान' का तुलनात्मक अध्ययन
18	रौशन कुमार	डॉ. बीर पाल सिंह यादव	हिंदी लोरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन
साहित्य विद्यापीठ : परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर) विभाग			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)			
1	राहुल त्रिपाठी	डॉ. ओम प्रकाश भारती	डिजिटल फिल्म : निर्माण एवं व्यवहार (विशेष संदर्भ : डीएसएलआर कैमरा का फिल्म निर्माण पर प्रभाव)
2	अर्णव सिंह	डॉ. सतीश पावड़े	पटना इप्टा की नाट्य प्रस्तुतियों में युगीन यथार्थ (विशेष संदर्भ : 2001 से 2017)
3	शिशु कुमार सिंह	डॉ. ओम प्रकाश भारती	छत्तीसगढ़ी लोकगाथा पंडवानी में नाट्य त्तव : एक अध्ययन
4	राजेश अहिरवार	डॉ. सतीश पावड़े	महिला निर्देशकों की हिन्दी फिल्मों में चित्रित नारी समस्याएं विशेष संदर्भ : अरूणा राजे पाटिल, दीपा मेहता, लीना यादव, जोया अख्तर, गौरी शिंदे
5	शैंकी जैन	डॉ. ओम प्रकाश भारती	सिक्किम के बौद्ध मठों में प्रचलित नाट्य–नृत्य रूपों का अध्ययन एवं विश्लेषण : विशेष संदर्भ रूमटेक एवं इनचे मठ
6	अशोक बैरागी	डॉ. ओम प्रकाश भारती	मालवा के लोकनाट्यों की पृष्ठभूमि में माच : अध्ययन और विश्लेषण
7	कंचन	डॉ. ओम प्रकाश भारती	फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का नाट्य–रूपांतरण तथा रंगमंचीय प्रस्तुति का अध्ययन (विशेष संदर्भ : मैला आँचल और जुलूस)
8	भाग्यश्री सुरेश राउत	डॉ. ओम प्रकाश भारती	महाराष्ट्र का पुतुल नाट्य 'कळसुत्री बाहुल्या': एक विवेचन
9	दीप्ति ओग्रे	डॉ. ओम प्रकाश भारती	संथालों के बीच प्रचलित नाटकीय प्राय विधा 'समाज सिंगराई' का अध्ययन और विश्लेषण (विशेष संदर्भ : मयूरभंज)
10	सुहास उत्तमराव नगराळे	डॉ. सतीश पावड़े	प्रकाश विन्यास में पारंपरिक स्रोत तथा बदलते परिप्रेक्ष्य में आधुनिक प्रयोग : विशेष संदर्भ विदर्भ
11	प्रितेश पाण्डेय	डॉ. ओम प्रकाश भारती	हबीब तनवीर के नाट्य प्रयोग में छत्तीसगढ़ी लोक परम्परा
12	विक्रम कुमार सिंह	डॉ. सतीश पावड़े	वेब सीरीज : सिनेमा का उभरता माध्यम एक शोध अध्ययन

संस्कृति विद्यापीठ (गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. विकास एवं शांति अध्ययन			
1	अवधेश कुमार	डॉ. चित्रा माली	सांप्रदायिक दंगों में मीडिया की भूमिका विशेष संदर्भ : मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)
2	वीरेन्द्र कुमार	डॉ. डी.एन. प्रसाद	गांधी दर्शन के मूलत्तवों की मीमांसात्मक विवेचना
3	क्षमा	डॉ. डी.एन. प्रसाद	अनासक्ति दर्शन एवं विनोबा का जीवन
4	संजय रमेशराव देशमुख	प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	वर्धा क्षेत्र के विद्यालयीन विद्यार्थियों पर योग का प्रभाव
5	कु. सुवर्णा कोराते	डॉ. चित्रा माली	स्वयं सहायता समूह और महिला सशक्तिकरण विशेष संदर्भ– वर्धा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के स्वयं सहायता समूह
6	धनलता शालिकराम कांबले	डॉ. चित्रा माली	ग्राम स्वराज्य की अवधारणा और हिवरे बाजार एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
7	निशा राय	डॉ. मनोज कुमार राय	'सांसद आदर्श ग्राम योजना एवं ग्रामीण विकास' तुलनात्मक अध्ययन (जयापुर और दुल्लहपुर शंकर सिंह ग्राम के विशेष संदर्भ में)
8	देवेन्द्र मौर्य	डॉ. मनोज कुमार राय	'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और गरीबी उन्मूलन' विशेष संदर्भ : अकबरपुर (अंबेडकर नगर, उत्तर प्रदेश)
9	संगीता	डॉ. डी.एन. प्रसाद	तन और मन के स्वास्थ्य का आधार : राजयोग (संदर्भ : प्रजापति ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, माउंट आबू)
10	अभय भिकाजी तायडे	डॉ. डी.एन. प्रसाद	'मिहान : विकास की परिकल्पना की आर्थिकी' (परिप्रेक्ष्य : [illegible] की आर्थिकी में मिहान की सकारात्मकता का अध्ययन)
11	संजीव कुमार	डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन में भारत की भूमिका (विशेष संदर्भ : 2000–2015)
12	विजय शंकर चौधरी	डॉ. चित्रा माली	भारत में गठबंधन सरकार एवं संघवाद में केंद्र की भूमिका : एक अध्ययन
13	सुमीत कुमार गुप्ता	डॉ. राकेश मिश्र	गांधी जी की इतिहास दृष्टि
14	रोशन सुभाष टेंभरे	प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	वर्धा जिले के आत्महत्याग्रस्त किसान परिवारों का पुनर्वसन
15	सुमन्त कुमार मिश्रा	डॉ. राकेश मिश्र	महात्मा गांधी और वीर सावरकर के राष्ट्र संबंधी विचारों का तुलनात्मक अध्ययन
16	प्रविण रमेश कुरसंगे	डॉ. राकेश मिश्र	आदिवासियों के उत्थान में लोकबिरादरी प्रकल्प का योगदान
17	अमित कुमार सिंह	डॉ. मनोज कुमार राय	रेडियो प्रसारित कार्यक्रम मन की बात का वाराणसी के ग्रामीण क्षेत्रों में अध्ययन
संस्कृति विद्यापीठ (स्त्री अध्ययन विभाग)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. स्त्री अध्ययन			
1	आकाशदीप	डॉ. अवंतिका शुक्ला	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में महिलाओं की भूमिका (1885–1947 ई.)
2	अनिकेत गौतम	प्रो. शंभु गुप्त	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य में लेखिकाएँ विशेष संदर्भ : सूर्यबाला
3	कु. अनीता	डॉ. सुप्रिया पाठक	हिंदी साहित्य में यौनिकता का विमर्श नारीवादी दृष्टिकोण
4	अनिल कुमार	प्रो. शंभु गुप्त	उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लखनऊ की दलित स्त्रियों की शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन
5	अतुल कांबळे	डॉ. अवंतिका शुक्ला	आदिवासी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी (विशेष संदर्भ : वर्धा और सेलू तहसील)
6	आशुतोष	प्रो. शंभु गुप्त	देह व्यापार की राजनीति (संदर्भ : मोहनदास नैमिशराय के उपन्यास, क्या मुझे खरीदोगे, आज बाजार बंद है)
7	माधवी बापुराव धुर्वे	डॉ. सुप्रिया पाठक	वर्धा शहर में महिलाओं का प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण
8	रेखा अहिरवार	डॉ. अवंतिका शुक्ला	इंटरनेट की दुनिया में हो रहे महिलाओं के विरुद्ध साइबर अपराध
9	आरती कुमारी	डॉ. अवंतिका शुक्ला	इस्मत चुगताई की कहानियों में स्त्री का बदलता रूप व संघर्ष (विशेष संदर्भ : कहानी संग्रह– लिहाफ, छुईमुई, आधी औरत, आधा ख्वाब)
10	मेघा	डॉ. सुप्रिया पाठक	भारत और उसके पड़ोसी देश–साहित्य में स्त्री प्रतिरोधी स्वर
11	अनुराधा	डॉ. सुप्रिया पाठक	अनामिका की कविताओं में स्त्री
12	नेहा तिवारी	डॉ. अवंतिका शुक्ला	हिंदी स्वास्थ्य पत्रिकाओं में स्त्री छवि
13	राम सिंह	डॉ. सुप्रिया पाठक	घरेलू महिलाओं की आत्महत्या : एक नारीवादी अध्ययन (विशेष संदर्भ : लखीमपुर–खीरी जनपद)
14	शिप्रा देवी	प्रो. शंभु गुप्त	सुधा अरोड़ा की कहानियों में स्त्री चित्रण (विशेष संदर्भ : 21 श्रेष्ठ कहानियाँ)

संस्कृति विद्यापीठ (डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. दलित एवं जनजातीय अध्ययन			
1	केश नाथ प्रसाद	प्रो. एल. कारूण्यकरा	दलित समुदाय के शैक्षिक उत्थान के लिये ज्योति राव फुले का योगदान : एक ऐतिहासिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन
2	भगत नारायण महतो	प्रो. एल. कारूण्यकरा	थारू जनजाति का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अध्ययन (बिहार के पश्चिमी चम्पारण जिले के संदर्भ में)
3	आकाश संजय खोब्रागडे	प्रो. एल. कारूण्यकरा	दलित समुदाय के आर्थिक विकास में डिक्की की भूमिका (विशेष संदर्भ नागपुर शहर)
4	अतुल नथ्थुजी अवथरे	प्रो. एल. कारूण्यकरा	दलित आंदोलन में समता सैनिक दल की भूमिका : आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन (विशेष संदर्भ : वर्धा जिला, महाराष्ट्र)
संस्कृति विद्यापीठ (भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. बौद्ध अध्ययन			
1	जितेन्द्र कुमार	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह	कुरू प्रदेश में बौद्ध धम्म का प्रवेश एवं ऐतिहासिक महत्व
2	आत्माराम भानुदास लोखंडे	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह	अंबेडकरी आंदोलन में वर्धा जिले के सहभागियों का जीवनवृत्त और कार्य
3	सुरेश शिवरामजी काळे	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह	कवि राजानंद गड़पायले का अंबेडकरी आंदोलन में योगदान
4	कारुणिक सिद्धार्थ नन्दन	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह	भिक्खु डॉ. धर्मरक्षित का बौद्ध धर्म–दर्शन के विकास में योगदान
अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ (अनुवाद अध्ययन विभाग)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. अनुवाद अध्ययन			
1	अक्षय लोहट	डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी	विदेशी भाषा पाठ्यक्रम में अधिगम : अनुवाद की भूमिका
2	अनुज कुमार गौतम	डॉ. देवराज	ऐतिहासिक पर्यटन के विकास में निर्वचन की भूमिका (दिल्ली राज्य के 12वीं से 20वीं शताब्दी के मध्य निर्मित स्मारकों के संदर्भ में)
3	माने अपर्णा पिराजी	डॉ. राम प्रकाश यादव	चिकित्सा पर्यटन में अनुवाद और निर्वचन की भूमिका (नागपुर शहर के संदर्भ में)
4	आशीष कुमार पाण्डेय	डॉ. देवराज	जेम ब्वेज वि स्विअमरू । ब्वउउवद डंदश् स्वअम`जवतलश् उपन्यास का हिंदी अनुवाद और अनुवाद संबंधी समस्याओं का अध्ययन
5	ज़ीनत उल खुशबू	डॉ. राम प्रकाश यादव	बांग्ला एवं हिंदी मुहावरों का समाज भाषा परक अध्ययन (अनुवाद के विशेष संदर्भ में)
6	मंडवधरे दीपिका काशीनाथ	डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी	संत गाडगे बाबा के चयनित कीर्तनों का हिंदी अनुवाद : समाजभाषापरक अध्ययन
7	वी. अलीशा	डॉ. राम प्रकाश यादव	'किसने मेरा भाग्य लिखा' का अनुवादपरक विश्लेषण
8	वर्षा अशोकराव विघ्ने	डॉ. राम प्रकाश यादव	बौद्ध पर्यटन क्षेत्र में अनुवाद एवं निर्वचन की भूमिका (महाराष्ट्र के संदर्भ में)
9	विशाल आनंदराव सयाम	डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी	परधान जनजाति की बोली के लोकगीतों का हिंदी अनुवाद : समस्या और समाधान
10	वर्षा प्रल्हादराव उभाले	डॉ. हरप्रीत कौर	मराठी से हिंदी में अनुदित काव्यृति 'आधा आसमाँ सिर पर' का अनुवाद परक मूल्यांकन
11	रिंकी कुमारी	डॉ. हरप्रीत कौर	तिरिया चरित्तर के सिनेमा संस्करण का अंतरप्रतीकात्मक अध्ययन
अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ (माइग्रेशन एवं डायस्पोरा अध्ययन केंद्र)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. माइग्रेशन एवं डायस्पोरा अध्ययन			
1	राजू कुमार	डॉ. मुन्नालाल गुप्ता	भर्ती की प्रक्रिया से डिपो तक के दस्तावेजों का ऐतिहासिक अध्ययन : गिरमिट प्रथा के संदर्भ में
2	राम सूरत	डॉ. राजीव रंजन राय	वृत्तचित्रों में प्रदर्शित गिरमिटिया मुद्दों का विश्लेषणात्मक अध्ययन
3	अंकित कुमार यादव	डॉ. राजीव रंजन राय	भारत में प्रवासी नेपाली समुदाय के सामाजिक–आर्थिक स्थिति का अध्ययन
4	अखिलेन्द्र कुमार सिंह	डॉ. राजीव रंजन राय	मॉरीशस के बहुसांस्कृतिक समाज में शिक्षा : भारतवंसियों के विशेष संदर्भ में
5	विजय कुमार	डॉ. राजीव रंजन राय	भारत में चीनी डायस्पोरा की सामाजिक–सांस्कृतिक गतिशीलता का अध्ययन
6	सोनम मौर्या	डॉ. मुन्नालाल गुप्ता	फिजी में आर्य समाज की भूमिका : सामाजिक–ऐतिहासिक अध्ययन
7	आशुतोष कुमार	डॉ. मुन्नालाल गुप्ता	रोमा समुदायों के भारत से जुड़ाव के विविध स्वरूपों का अध्ययन
8	मु. जसीम अहमद	डॉ. मुन्नालाल गुप्ता	गर्भनाल ई–पत्रिका में प्रदर्शित प्रवासी भारतीय संस्कृति का विश्लेषणात्मक अध्ययन
9	अश्विनी कृष्णराव राऊत	डॉ. मुन्नालाल गुप्ता	भारत सरकार के प्रवासी नीतियों के उद्भव और विकास का अध्ययन

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (जनसंचार विभाग)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. जनसंचार			
1	अविनाश त्रिपाठी	डॉ. धरवेश कठेरिया	'बेहद' धारावाहिक की प्रस्तुति एवं दर्शकों के अंतर्मन पर प्रभाव
2	आबिद रेज़ा	प्रो. कृपाशंकर चौबे	प्रिंट मीडिया में तीन तलाक मुद्दा
3	भँवर लाल सेंणचा	डॉ. धरवेश कठेरिया	देशज संस्कृति के प्रसार में यू–ट्यूब की भूमिका
4	वानोले सटवाजी तुकाराम	डॉ. रेणु सिंह	पेसा कानून के क्रियान्वयन में संचार माध्यमों की भूमिका
5	अरुण कुमार जायसवाल	डॉ. रेणु सिंह	आमिर खान की फिल्मों का सामाजिक यथार्थ
6	सौरभ राय	डॉ. रेणु सिंह	'कुलदीप नैयर की पत्रकारिता' भारत पाक संबंध
7	राम सुन्दर कुमार	प्रो. अनिल कुमार राय	बल्देव भाई शर्मा की पत्रकारिता : विमर्श व विवेचन
8	दाऊ गावेन्द्र देशमुख	डॉ. रेणु सिंह	ग्रामीण स्वास्थ्य और वैकल्पिक मीडिया
9	रजनीश कुमार त्रिपाठी	प्रो. अनिल कुमार राय	इक्कीसवीं सदी में परंपरागत वेश्यावृत्ति एवं मीडिया हस्तक्षेप
10	भूपेश कुमार आर्य	डॉ. अख्तर आलम	डॉ. ब्रह्मदेव शर्मा की आदिवासी दृष्टि और प्रिंट मीडिया
11	विपिन बिहारी शांडिल्य	प्रो. अनिल कुमार राय	पी. साईनाथ की पत्रकारिता दृष्टि उपयोगिता एवं प्रासंगिकता
12	अनुज	डॉ. अख्तर आलम	मनोरंजन के रूप में बहुरूपिया लोक कला की भूमिका का अध्ययन
13	सचिन प्रताप सिंह	डॉ. अख्तर आलम	खेल केंद्रित फिल्मों की विवेचना
14	कु. अंकिता पंवार	डॉ. अख्तर आलम	टिहरी बाँध आंदोलन का मीडिया कवरेज
15	नीतिका अम्बष्ट	डॉ. अख्तर आलम	डीडी किसान चैनल की पत्रकारिता
16	कविता वर्मा	डॉ. धरवेश कठेरिया	पर्यावरण पत्रकारिता और अनुपम मिश्र
17	पद्मा वर्मा	डॉ. धरवेश कठेरिया	विमुद्रीकरण और सीएनबीसी आवाज
18	आदित्य उत्तम	डॉ. धरवेश कठेरिया	बिहार में दैनिक भास्कर की उपस्थिति
19	शिवांगी राय	डॉ. रेणु सिंह	उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव अभियान 2017 और मतदान व्यवहार
20	गरिमा राय	प्रो. कृपाशंकर चौबे	मृणाल पाण्डे की पत्रकारिता
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी समाजिक कार्य अध्ययन केंद्र)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. समाज कार्य			
1	राकेश कुमार	प्रो. मनोज कुमार	शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रवाद की समकालीन बहस एवं समाज कार्य हस्तक्षेप
2	अनुपम सिन्हा	प्रो. मनोज कुमार	कोसी नदी निवासियों की चुनौतियाँ, प्रबंधन–प्रारूप और समाज कार्य हस्तक्षेप की संभावनाएँ : निर्मली और मरौना गाँव का अध्ययन
3	मंगेश अजाबराव भोकटे	डॉ. अमित राय	वर्धा शहर में लघु उद्योगों की वर्तमान स्थिति का अध्ययन
4	विकास कुमार सिंह	प्रो. मनोज कुमार	मद्यपान की वास्तविकता और समाज कार्य हस्तक्षेप : बिहार राज्य के औरंगाबाद जिले के कुटुम्बा प्रखंड का क्षेत्रीय अध्ययन
5	अतुल श्रीवास्तव	डॉ. मिथिलेश कुमार	वर्धा जिले के आर्वी तहसील में जलयुक्त शिवार योजना की वास्तविकता, जनसहभागिता का अध्ययन एवं समाज कार्य हस्तक्षेप की संभावनाएं
6	राजन लाल	डॉ. मिथिलेश कुमार	ग्रामीण मातृ–शिशु स्वास्थ्य का अध्ययन एवं सामाजिक कार्य हस्तक्षेप की संभावनाएँ : जमुनहा ब्लॉक, श्रावस्ती जिला, उत्तर प्रदेश
7	विलास फकिराजी चुनारकर	डॉ. शंभू जोशी	गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों के बालकों के अधिकारों की स्थिति : वर्धा पंचायत समिति का क्षेत्रीय अध्ययन
8	मीना अंगारे	प्रो. मनोज कुमार	आदिवासी महिलाओं में रजोनिवृत्ति की चुनौतियाँ एवं समाज कार्य हस्तक्षेप की संभावनाएँ : कोथलकुंड पंचायत का क्षेत्रीय अध्ययन
9	नौशेर आलम मोहम्मद नजीर आलम	डॉ. अमित राय	ठेका श्रमिकों के सशक्तिकरण में श्रमिक संघ की भूमिका एवं समाज कार्य हस्तक्षेप की संभावनाएँ (इफ्फको लिमिटेड फूलपुर इकाई इलाहाबाद जिला के विशेष संदर्भ में)
10	विशाखा देवरावजी पोराटे	डॉ. मिथिलेश कुमार	महिला सरपंच की चुनौतियाँ, स्थिति एवं समाजकार्य हस्तक्षेप की संभावनाएँ : वर्धा तहसील का क्षेत्रीय अध्ययन
11	रीता मेश्राम	डॉ. शंभू जोशी	अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के प्रति युवतियों में जागरूकता, अभिवृत्ति एवं समाज कार्य हस्तक्षेप की संभावनाएँ : मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले का क्षेत्रीय अध्ययन

12	शुभांगी जगनराव उईके	डॉ. शंभू जोशी	ग्रामीण वृद्धजनों की मनोसामाजिक एवं समायोजन संबंधी समस्याएँ : सेलू तहसील जिला वर्धा का क्षेत्रीय अध्ययन
13	रानी सिंह	डॉ. शंभू जोशी	माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण–पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रति लक्षित समूह में जागरूकता, अभिवृत्ति व लाभ : नई दिल्ली के दक्षिण–पश्चिम जिला के स्लम्स में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों का अध्ययन
14	स्वाती अरुण दुधकोहे	डॉ. अमित राय	जिला शिक्षण और प्रशिक्षण संस्था ;क्म्ज्द्ध वर्धा द्वारा गुणवत्ता विकास कार्यक्रम हेतु कार्यरत दत्तक पाठशालाओं का मूल्यांकन
15	सीमा सुभाषराव जुनघरे	डॉ. अमित राय	क्षयरोगियों की समस्याएं एवं समाजकार्य हस्तक्षेप की संभावनाएं : जिला सामान्य रूग्णालय, वर्धा का क्षेत्रीय अध्ययन
16	राघेश्याम यादव	डॉ. मिथिलेश कुमार	सिलिका खदानों में कार्यरत कामगारों की स्थिति, समस्याएं एवं समाजकार्य हस्तक्षेप : उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जिले के शंकरगढ़ ब्लाक के जनवाँ गाँव में सिलिका खदानों का क्षेत्रीय अध्ययन
17	बन्दना चौबे	डॉ. अमित राय	किसान आत्महत्या प्रभावित परिवार के नवयुवाओं की स्थिति : 'अग्रिण्डस' वर्धा के विद्यार्थियों का वैयक्तिक अध्ययन (केस स्टडी)
18	छविनाथ यादव	डॉ. मिथिलेश कुमार	राजनैतिक सहमति निर्माण द्वारा ग्रामीण युवाओं में सामाजिक विघटन एवं समाजकार्य हस्तक्षेप (विशेष संदर्भ : गाजीपुर जनपद)
19	मो. आदिल खान	प्रो. मनोज कुमार	आतंकवाद निरोधी कानून और मानवाधिकार
20	आशुतोष पाण्डेय	डॉ. शंभू जोशी	विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व : कार्यान्वयन, समस्याएँ एवं समाज कार्य हस्तक्षेप
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (मानवविज्ञान विभाग)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. मानवविज्ञान			
1	रजनेश यादव	डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव	ग्रामीण महिलाओं की शैक्षणिक स्थिति : वर्धा जिले के पिपरी गाँव के विशेष संदर्भ में
2	रवि कुमार	डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव	ग्रामीण क्षेत्र से उच्च जातियों का प्रवसन (उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के रानेपुर गाँव के विशेष संदर्भ में)
3	प्रफुल्ल कुमार साहू	डॉ. निशीथ राय	जुड़वाओं का जैव–सांस्कृतिक विश्लेषण
शिक्षा विद्यापीठ (शिक्षा विभाग)			
पाठ्यक्रम : एम.फिल. शिक्षा			
1	शमीमा अंसारी	डॉ. शिरीष पाल सिंह	मदरसे की शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया–एक नृजातीय अध्ययन
2	उषा वामनराव चिकाटे	डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर	कैदी महिलाओं के बच्चों की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन
3	रोली गुप्ता	प्रो. अरबिंद कुमार झा	बाल अपराधी किशोरियों की शैक्षिक आकांक्षाओं का अध्ययन
4	दिव्या तिवारी	प्रो. अरबिंद कुमार झा	उच्च प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण प्रदूषण जागरूकता हेतु सामग्री (मॉड्यूल) का निर्माण एवं उसकी प्रभावशीलता का अध्ययन
5	विद्यासागर कुमार	डॉ. शिरीष पाल सिंह	सेवारत प्राथमिक शिक्षकों के वृत्तिक विकास में शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका का अध्ययन
6	राजेश माधवराव धुर्वे	डॉ. भरत कुमार पंडा	किशोरावस्था के विद्यार्थियों की समस्याओं का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन
7	सुधीर कुमार तिवारी	प्रो. अरबिंद कुमार झा	दिव्यांगों के प्रति हिंदी फिल्म–जगत का शैक्षिक दृष्टिकोण
पाठ्यक्रम : एम.फिल. मनोविज्ञान			
1	संदीप कुमार यादव	प्रो. अरबिन्द कुमार झा, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी	ग्रामीण महिलाओं की स्थिति को विकसित करने के लिए सरकारी हस्तक्षेप : पूर्वी उत्तर प्रदेश के गांव में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का एक केस अध्ययन
2	विकास कुमार सिंह	प्रो. अरबिन्द कुमार झा, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी	नयी तालीम पद्धति से अध्यापन में सृजनात्मकता के त्तव
3	राहुल कुमार गुप्ता	प्रो. अरबिन्द कुमार झा, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी	किशोरावस्था में मैत्री व्यवहार का अध्ययन
4	कौसर अली	प्रो. अरबिन्द कुमार झा, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी	मुस्लिम छात्राओं में सम्प्रेषण समस्या एवं सामाजीकरण का अध्ययन
5	प्रियंका तिवारी	प्रो. अरबिन्द कुमार झा, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी	सड़क के किनारे रहने वाले बच्चों के जीवनानुभवों का अध्ययन : वाराणसी शहर के परिप्रेक्ष्य में

पी.–एच.डी. अधिसूचना प्राप्त शोधार्थियों की सूची

क्र.	विद्यार्थी का नाम	निर्देशक / सह–निर्देशक	शोध का विषय
भाषा विद्यापीठ (भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग)			
पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)			
1	संजय कुमार	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	वेब आधारित हिंदी भाषा शिक्षण सामग्री का मूल्यांकन
2	सलाम अमित्रा देवी	डॉ. हरीश हुनगुंद	मणिपुरी–हिंदी क्रियाओं का व्यतिरेकी विश्लेषण (प्राकृतिक भाषा संसाधन के संदर्भ में)
साहित्य विद्यापीठ (हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग)			
पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)			
1	राम मनोहर मिश्र	डॉ. रामानुज अस्थाना	शिवमूर्ति के कथा साहित्य में युगीन समस्याएँ
2	संजीव कुमार झा	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	सांस्कृतिक वर्चस्व की चुनौतियाँ और हिंदी उपन्यास (आदिवासी समाज के विशेष संदर्भ में)
3	संजीव कुमार	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	सामाजिक आंदोलन और 'हंस' (1990–2000)
4	शैलेन्द्र कुमार शुक्ल	डॉ. रामानुज अस्थाना	अवधी कविता : स्वभाव और प्रवृत्तियाँ (संदर्भ : 1850–2010)
संस्कृति विद्यापीठ (प्रदर्शनकारी कला (नाटक एवं फिल्म) अध्ययन विभाग)			
पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. परफॉर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर)			
1	धीरेन्द्र कुमार	डॉ. ओम प्रकाश भारती	लोकनाट्यों की परंपरा में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोकनाट्य रूपों का अध्ययन और विश्लेषण (विशेष संदर्भ – नौटंकी, स्वांग तथा भगत)
2	अमरेन्द्र प्रताप सिंह	प्रो. सुरेश शर्मा	हिंदी सिनेमा में लोक संस्कृति का स्वरूप
3	कुमार गौरव मिश्रा	प्रो. सुरेश शर्मा	वैष्णव भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि में विकसित पारंपरिक नाट्य रूपों का अध्ययन : पूर्वांचल भारत के विशेष संदर्भ में
4	अश्विनी कुमार सिंह	प्रो. सुरेश शर्मा	हिंदी सिनेमा और रंगमंच का अन्तःसंबंध (निर्माण प्रक्रिया और जनसंचार के विशेष संदर्भ में)
5	अजय कुमार सरोज	डॉ. सतीश पावड़े	साठोत्तरी हिंदी नाटकों में अभिव्यक्त युगीन यथार्थ : आलोचनात्मक अध्ययन (1960 ई. – 2010 ई.)
6	भगवत प्रसाद पटेल	डॉ. ओमप्रकाश भारती	सन् 70 के बाद की कला फिल्मों की बदलती दृष्टि का विश्लेषण
7	आदित्य कुमार मिश्रा	प्रो. सुरेश शर्मा	इप्टा आंदोलन और हिंदी सिनेमा
संस्कृति विद्यापीठ (गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग)			
पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन			
1	मनोज कुमार	डॉ. मनोज कुमार राय	उत्तर प्रदेश में बाल श्रमिकों की स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन (उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के विशेष संदर्भ में)
2	चन्दन कुमार	प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	राज्य निर्माण की प्रक्रिया और जन–आन्दोलन
3	विवेक पाठक	डॉ. राकेश मिश्रा	हरियाणा के खाप पंचायतों का सामाजिक अध्ययन
4	नलिन कुमार मंडल	प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	भारतीय राष्ट्र राज्य में नवगठित राज्यों की स्थिति (झारखंड के विशेष संदर्भ में)
संस्कृति विद्यापीठ (स्त्री अध्ययन विभाग)			
पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. स्त्री अध्ययन			
1	राज कुमार	प्रो. शंभु गुप्त	भारतीय सूफी परंपरा में सूफी महिलाओं का जीवन–दर्शन और साहित्य लेखन में योगदान
2	अस्मिता हरिभाऊ राजूरकर	प्रो. शंभु गुप्त	नर्सिंग पेशे का नारीवादी अध्ययन (विदर्भ–नागपुर के विशेष संदर्भ में)
3	मनोज कुमार द्विवेदी	प्रो. इलीना सेन	यौन इच्छाओं का नव संस्थानीकरण : जेंडर दृष्टिकोण
संस्कृति विद्यापीठ (डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र)			
पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. दलित एवं जनजातीय अध्ययन			
1	नरेश कुमार साहू	प्रो. एल. कारूण्यकरा	आदिवासी संस्कृति एवं विकास पर जनसंचार का प्रभाव : बस्तर (छत्तीसगढ़) के आदिवासियों के विशेष संदर्भ में
संस्कृति विद्यापीठ (भदंत आनंद कौशल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र)			
पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. बौद्ध अध्ययन			
1	शुभांगी महादेव शंभरकर	प्रो. मनोज कुमार	डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन का बौद्ध–धम्म–दर्शन के विकास में साहित्यिक योगदान
2	मेघा मून	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह	श्रमण संस्कृति में जैन और बौद्ध भिक्षुओं की आचार–प्रणाली का अध्ययन (आचारंग सूत्र और विनय–पिटक के विशेष संदर्भ में)

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ (अनुवाद अध्ययन विभाग)			
पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)			
1	मेघा आचार्य	डॉ. सी. अन्नपूर्णा	दीप–शिखा : अंतरप्रतीकात्मक अनुवाद : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (जनसंचार विभाग)			
पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. जनसंचार			
1	विकास चन्द्र	डॉ. कृपाशंकर चौबे	प्राइम टाइम में विज्ञापन प्रस्तुतीकरण और उपभोक्ता व्यवहार ('आज तक' और 'स्टार प्लस' के संदर्भ में)
2	शम्भू शरण गुप्त	डॉ. कृपाशंकर चौबे	जनसंपर्क उपकरण के रूप में सोशल मीडिया : उपयोग एवं प्रभाव (हिंदुस्तान युनिलीवर एवं एमवे के विशेष संदर्भ में)
3	बलराम राम	डॉ. कृपाशंकर चौबे	टेलीविजन धारावाहिकों के परिप्रेक्ष्य में पारिवारिक मूल्यों में बदलाव : एक अध्ययन (बालिका बधू' और 'ना आना इस देस लाडो' के विशेष संदर्भ में)
4	हिमांशु बाजपेयी	डॉ. रेणु सिंह	राष्ट्रीय चेतना के विकास में नवल किशोर प्रेस का योगदान (विशेष संदर्भ : अवध अख़बार एवं तत्कालीन सरोकार)
5	भवानी शंकर	डॉ. कृपाशंकर चौबे	मीडिया का वर्तमान यथार्थ : एकाधिकारवाद और नियमन
6	शशि गौड़	डॉ. रेणु सिंह	सरकारी विज्ञापनों का लक्षित समूह पर प्रभाव
7	उमा यादव	डॉ. कृपाशंकर चौबे	आदिवासियों के विकास एवं सांस्कृतिक संरक्षण में सामुदायिक रेडियो का योगदान
8	संतोष मिश्रा	डॉ. अख्तर आलम	सोशल मीडिया में सूचना का लोकतंत्रीकरण (सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों के विशेष संदर्भ में)
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (मानवविज्ञान विभाग)			
पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. मानवविज्ञान			
1	रामचंद साहू	डॉ. फरहद मलिक	टाइगर रिजर्व क्षेत्र के बैगा जनजाति में विस्थापन का प्रभाव : एक मानवशास्त्रीय अध्ययन
2	अर्चना भालकर	डॉ. फरहद मलिक	स्त्री प्रजनन स्वास्थ्य का सांस्कृतिक आयाम (विशेष संदर्भ : महाराष्ट्र राज्य के विदर्भ क्षेत्र की कोलाम तथा आंध जनजाति)
3	शिव कुमार	डॉ. निशीथ राय	अभिज्ञान, निरंतरता एवं सांस्कृतिक परिवर्तन : धोबी की पारंपरिक लोक कला पर एक मानवशास्त्रीय अध्ययन

गतिविधियाँ : वर्धा मुख्य परिसर

'21वीं सदी में विद्यालयी शिक्षा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

08 अप्रैल, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. में हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र और शिक्षा विभाग की ओर से ''21वीं सदी में विद्यालयी शिक्षा : बदलते आयाम, हस्तक्षेप और उभरते विकल्प'' विषय पर तीन दिवसीय (6–8 अप्रैल, 2019) राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस दौरान प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा विशिष्ट वक्ता तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. आनंद प्रकाश बीज वक्ता के रूप में मौजूद थे। 'शिक्षा में वैकल्पिक हस्तक्षेप : सिद्धांत और अभ्यास', 'शिक्षा में विकल्प : श्री अरबिंद और रबीन्द्र के विद्यालयों का आख्यान', 'विस्थापन और हाशियाकरण के बीच हस्तक्षेप' विषय पर चर्चा की गई। संगोष्ठी के दूसरे दिन 'भारतीय समाज, संस्कृति और शिक्षा', 'भारत में वैकल्पिक शिक्षा के प्रयोग', 'महानगरों में औपचारिक शिक्षा में हस्तक्षेप और विकल्प', 'वैश्वीकरण के दौर में शिक्षा', 'संपोषणीय विकास के लिए शिक्षा' और '21वीं सदी में विद्यालयी शिक्षा' विषय पर विद्वत वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए।

डॉ. अंबेडकर जयंती पर समता मार्च

14 अप्रैल, 2018 : भारतरत्न बाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 127वीं जयंती पर म.गां.अं.हिं.वि. में शिक्षक संघ की ओर से समता मार्च का आयोजन 14 अप्रैल को सुबह 6.30 बजे किया गया। विश्वविद्यालय के नागार्जुन अतिथि गृह से इस मार्च को प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने रवाना किया। इस अवसर पर शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार, प्रो. के. के. सिंह, प्रो. शंभू गुप्त, महासचिव डॉ. अमित राय सहित शिक्षक संघ के पदाधिकारी, सदस्य तथा शोधार्थी एवं विद्यार्थी बडी संख्या में उपस्थित थे। प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, प्रो. के. के. सिंह, प्रो. मनोज कुमार ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये। समता मार्च में पुरुष वर्ग में रविंद्र शेंडे, रोशन वानखेड़े और राजू गुरनुले महिला वर्ग में अंकिता शर्मा, खुशबू, डॉ. चित्रा माली, किशोर वर्ग में सुनीत कुमार, अनुभव अमरेंद्र शर्मा और काश्वीव राय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

कराटे प्रशिक्षण शिविर

25 अप्रैल, 2018 : महिला सुरक्षा हेतु कराटे प्रशिक्षण आवश्यक है। शैक्षणिक परिसर में छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय हमेशा प्रयत्नशील है। इस आशय के विचार प्रो. मनोज कुमार ने व्यक्त किये। म.गां.अं.हिं.वि. शिक्षक संघ की ओर से महिला सुरक्षा हेतु प्रशिक्षण के उदघाटन के अवसर पर वे बोल रहे थे। प्रो. कुमार ने कहा कि विद्यार्थी तथा बच्चों को कराटे के माध्यम से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण 15 दिन तक दिया जाएगा। शिक्षक संघ की उपाध्यक्ष डॉ. अवंतिका शुक्ला की अध्यक्षता में 25 अप्रैल को मेजर ध्योनचंद क्रीड़ा संकुल में आयोजित कार्यक्रम में साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो.के.के. सिंह, शिक्षक संघ के महासचिव डॉ. अमित राय, कराटे के प्रशिक्षक पराग पाटिल तथा वैष्णवी प्रमुखता से उपस्थित थे।

अकादमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम

04 मई 2018 : उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को सुधारना आज के समय की बड़ी चुनौती है। इससे निपटने के लिए सरकार और संस्थाओं को तालमेल बिठाकर काम करना होगा। अकादमिक नेतृत्व करने की दिशा में हर शिक्षक समर्पित होकर कार्य करें तो शिक्षा में परिवर्तन लाया जा सकता है। उक्त आशय के विचार म.गां.अं.हिं.वि. के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किए। वे अकादमिक नेतृत्व एवं शैक्षिक प्रबंधन केंद्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ तथा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षा मिशन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार प्रायोजित उच्च शिक्षा संस्थाओं के कुलपति, प्रतिकुलपति, अधिष्ठाता तथा प्राचार्यों के लिए 1 मई को श्यामा प्रसाद मुकर्जी अकादमिक भवन के सभागार में आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन के अवसर पर अध्यक्षीय वक्तव्य में बोल रहे थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. जनक पांडे तथा प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. के. के. सिंह, शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, कार्यक्रम संयोजक डॉ. शिरीष पाल सिंह मंचासीन थे। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा उच्च शिक्षा संस्थाओं के अधिकारी एवं प्राचार्य उपस्थित हुए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विषयों पर विमर्श किया जाएगा।

बाल रंग कार्यशाला का उद्घाटन

16 मई 2018 : बच्चों के भीतर की कलाओं के विकास के लिए 'बाल रंग' जैसी कार्यशालाएं महत्वपूर्ण साबित होती है। 28 मई तक चलनेवाली इस कार्यशाला में बच्चों को नाटक, नृत्य और चित्रकला के गुर सिखाए जाएंगे तथा बच्चों में मूल्यगत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई प्रेरक व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के इस प्रयास का परिसर में स्थित बच्चों के साथ–साथ वर्धा एवं आसपास के बच्चों को फायदा उठाना चाहिए। उक्त प्रतिपादन म.गां.अं.हिं.वि. के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने किए। वे विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग की ओर से 16 मई को हबीब तनवीर सभागार में आयोजित नाटक, नृत्य और चित्रकला के प्रशिक्षण की कार्यशाला 'बालरंग' के उदघाटन के अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर मंच पर दाते स्मृति संस्था, वर्धा के अध्यक्ष प्रदीप दाते, कहानीकार डॉ. उषा शर्मा तथा विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग की प्रभारी अध्यक्ष डॉ. सुप्रिया पाठक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संयोजक बी. एस. मिरगे ने किया तथा आभार प्रदर्शनकारी कला विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरभि विप्लव ने माना।

अभिविन्यास पाठ्यक्रम

14 मई, 2018 : संस्कृति हमारे आचरण और व्यवहार को प्रभावित करती है, वह हमारी भावनाओं को रचती और गढ़ती है। उक्त विचार म.गां.अं.हिं.

वि. के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने 'संस्कृति, भाषा और मन' विषय पर बोलते हुए व्यक्त किये। वे विश्वविद्यालय में हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षक एवं शिक्षण अभियान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में 14 मई से 10 जून तक आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में 22 मई को बतौर विशेष वक्तव्य दे रहे थे। अकादमिक भवन के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के प्रो. अवधेश कुमार तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ. शिरीष पाल सिंह मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग के सहायक प्रोफेसर लेखराम दन्नाना ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के शिक्षक उपस्थित थे।

पर्यावरण सप्ताह

05 जून, 2018 : पर्यावरण हमारे जीवन को बचाने में मददगार है। पर्यावरण ही हीरा और मोती है, वह सबसे बड़ी सम्पत्ति है। उक्त आशय के विचार जाने–माने पर्यावरणविद तथा बस्तर में पर्यावरण तथा हर्बल औषधियों के संरक्षण में आदिवासी समुदायों के बीच काम करने वाले डॉ. राजाराम त्रिपाठी ने व्यक्त किये। म.गां.अं.हिं.वि. में 31 मई को पर्यावरण सप्ताह का उदघाटन श्यामा प्रसाद मुकर्जी भवन के सभागार में उनके वक्तव्य से किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उनके कार्यों को लेकर बनी फिल्म 'खेती का सिकंदर' दिखायी गयी। विश्वविद्यालय में पाँच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं जनसंपर्क कार्यालय की ओर से पर्यावरण सप्ताह का आयोजन किया गया जिसमें स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्ति अभियान, वृक्षारोपण, पर्यावरण पर पोस्टर एवं चित्रकला स्पर्धा, अरण्यऋषि मारुति चितमपल्ली के साथ वार्तालाप, पर्यावरण पर फिल्म का प्रदर्शन आदि उपक्रम शामिल रहा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

21 जून, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। प्रातः 6.30 बजे योगाभ्यास सत्र का आरंभ हुआ। इस सत्र में आयुष द्वारा प्रकाशित योग मैनुअल में बताए गए योगासनों का अभ्यास किया गया। अभ्यास सत्र के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मी उपस्थित थे। वर्धा के योग विशेषज्ञ तथा योग प्रशिक्षक प्रशांत रोकड़े द्वारा योगासन का प्रशिक्षण दिया गया। तदुपरांत सेवाग्राम मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ चिकित्सक एवं प्रोफेसर डॉ. ओ.पी. गुप्ता ने योग एवं स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान दिया। अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि योग स्वास्थ्य का उत्सव है। इस अवसर पर प्रो. मिश्र ने एक सप्ताह तक चलने वाली योग कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ. अरुण प्रताप सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार भी वितरित किए गये। योग दिवस के उपलक्ष्य में 02 मई 2018 को निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण और विशिष्ट योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की दसवीं बैठक

20 जुलाई, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की दसवीं बैठक कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में भाषा विद्यापीठ के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में डॉ. प्रफुल्ल काले एवं डॉ. अशोक पावडे उपस्थित थे। प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल, सदस्य के रूप में प्रो. मनोज कुमार, प्रो. एल. कारूण्यकरा, प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, प्रो. अनिल कुमार राय, डॉ. मैत्रेयी घोष, प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. राजीव रंजन राय, क़ादर नवाज़ ख़ान, विद्यार्थी सदस्य शावेज खान, विशेष आमंत्रित सदस्य सुशील पखीड़े उपस्थित थे। बैठक में शिक्षण को अनुभवपरक एवं गुणात्मक रूप से समृद्ध करने पर विचार–विमर्श किया गया।

प्रेमचंद जयंती पर कार्यक्रम

31 जुलाई, 2018 : कथासम्राट प्रेमचंद ने समाज के सभी वर्ग को स्पर्श करते हुए हिंदी साहित्य में बड़ा योगदान दिया है। भाषा और शिल्प के स्तर पर उनका लेखन भारतीय साहित्य के लिए बड़ी उपलब्धि है। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने प्रेमचंद जयंती के अवसर पर गालिब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए उक्त बातें कहीं। कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह, साहित्य विद्यापीठ की अधिष्ठाता प्रो. प्रीति सागर, विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय मंचासीन थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा

15 अगस्त, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. की राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से 01–15 अगस्त, 2018 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वच्छदता पखवाड़ा का प्रारंभ 1 अगस्त को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलाकर किया गया। इसके बाद गांधी हिल्स पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। विश्वविद्यालय परिसर में प्रतिदिन सुबह 7 से 8 बजे तक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि

17 अगस्त, 2018 : भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी को म.गां.अं.हिं.वि. की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यकारी कुलपति प्रो. एल. कारूण्यकरा की अध्यक्षता में 17 अगस्त को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में शोकसभा रखी गई। प्रो. कारूण्यकरा ने शोक प्रस्ताव पढ़ा। शोक सभा में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। शोक सभा में विश्वविद्यालय के कार्यकारी

कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, अध्यापक, कर्मी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संस्कृत सप्ताह

29 अगस्त, 2018 : संस्कृत केवल भाषा नहीं, अपितु संपूर्ण जीवन दर्शन है। संस्कृत आने वाले युग की आवश्यकता है। उक्त उदबोधन दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य, संस्कृत के प्रसिद्ध विद्वान प्रो. चाँद किरण सलूजा ने दिये। वे म.गां.अं.हिं.वि. के संस्कृत विभाग एवं संस्कृत भारती, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। 23 से 29 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह मनाया गया। 23 अगस्त को आयोजित उद्घाटन समारोह में साहित्य विद्यापीठ की अधिष्ठाता प्रो. प्रीति सागर, शिक्षा विद्यापीठ के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, संस्कृत भारती, वर्धा के विदर्भ प्रांत के सहमंत्री संजीव लाभे, विवि के संस्कृत विभाग प्रभारी अध्यक्ष एवं संयोजक लेखराम दन्नाना ने वक्तव्य दिए। संचालन अभिषेक शांडिल्य ने किया तथा सहसंयोजक डॉ. भरत पण्डा ने आभार माना। संस्कृत सप्ताह का समापन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में 29 अगस्त को किया गया। समारोह में के मुख्य अतिथि कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विवि, रामटेक के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, सारस्वत अतिथि के रूप में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, साहित्य विद्यापीठ की अधिष्ठाता प्रो. प्रीति सागर तथा विशेष उपस्थिति के रूप में संस्कृत भारती, वर्धा के विदर्भ प्रांत के सहमंत्री संजीव लाभे एवं कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह ने वक्तव्य दिए।

'मन की बात' कार्यक्रम

26 अगस्त, 2018 : प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आकाशवाणी से 'मन की बात' के 47वें संस्करण को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत फील्ड आउटरिच ब्यूरो की ओर से 26 अगस्त को म.गां.अं.हिं.वि. में विद्यार्थियों को सुनाया गया। आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने केरल में आयी बाढ़, नारी शक्ति के खिलाफ हो रही घटनाएं, केंद्र तथा राज्यों में एक साथ चुनाव कराने, महिला सुरक्षा, इंजीनियरिंग दिवस, शिक्षक दिवस तथा पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को लेकर अपनी बात रखी।

अभिविन्यास कार्यक्रम

30 अगस्त, 2018: म.गां.अं.हिं.वि. में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से 30 अगस्त को नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को उँचाई प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। उन्होंने विद्यार्थियों से आहवान किया कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाओं का लाभ लेकर अपने–आपको अधिक ज्ञान और गुण सम्पन्न बनाएं। हमें संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास के अभियान में शामिल होकर जीवन में अपना स्थान बनाना चाहिए। इस अवसर पर प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल, कुलानुशासक डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मैत्रेयी घोष, छात्रावास अधीक्षक डॉ. धरवेश कठेरिया, डॉ. अवंतिका शुक्ला, डॉ. सुहासिनी वाजपेयी, डॉ. भरत पण्डा, ऋषभ कुमार मिश्र मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय पर निर्मित डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई।

स्वच्छता पखवाड़ा

15 सितंबर, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में 01 सितंबर से 15 सितंबर 2018 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' का प्रारंभ गांधी हिल्स पर स्वच्छता की शपथ लेकर और परिसर में सफाई अभियान चलाकर किया गया। 03 सितंबर को जनसंचार विभाग में स्वच्छता विषय पर व्याख्यान, 04 सितंबर को विश्वविद्यालय के संपूर्ण छात्रावासों में स्वच्छता अभियान, 05 सितंबर को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' विषय पर निबंध प्रतियोगिता, 06 सितंबर को पिपरी गांव का शैक्षणिक भ्रमण, 07 सितंबर को नजीर हाट से गांधी हिल्स तक स्वच्छता, 10 सितंबर को केंद्रीय विद्यालय के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, 11 सितंबर को प्रदर्शनकारी कला विभाग में 'स्वच्छ भारत के प्रति मेरा योगदान' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता, 12 सितंबर को गुर्रम जाशुआ सभागार में 'स्वच्छ भारत : भविष्य का भारत' विषय भाषण प्रतियोगिताख् 14 सितंबर को गालिब सभागार में 'स्वच्छता के प्रति जागरूकता' विषय पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। 14 सितंबर को गालिब सभागार में पुरस्कार वितरण तथा समापन हुआ।

तुलसीदास की सामाजिक दृष्टि पर व्याख्यान

03 सितंबर, 2018 : गोस्वामी तुलसीदास ने महाकाव्य रामायण के भाव को चौपाई के माध्यम से उद्घाटित किया। उन्होंने इसे त्याग और समानता के तत्व के साथ जोड़ा। रामायण को लेकर उनकी दृष्टि समतामूलक समाज को प्रतिष्ठापित करने की रही है। उक्त विचार साहित्यकार प्रो. रामजी तिवारी ने रखे। वे म.गां.अं.हिं.वि. में तुलसीदास की सामाजिक दृष्टि विषय पर बोल रहे थे। हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र के अंतर्गत साहित्य विद्यापीठ की ओर से गालिब सभागार में व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य विद्यापीठ की अधिष्ठाता प्रो. प्रीति सागर ने की। कार्यक्रम में कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह एवं हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के प्रो. अवधेश कुमार ने भी वक्तव्य दिए।

अध्यापकों के लिए मिश्रित अधिगम उपागम

28 सितंबर, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. के शिक्षा विद्यापीठ में 26 से 28 सितंबर तक आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर एवं डॉ. शिरीष पाल सिंह उपस्थित रहे। अतिथि के रूप

में बी. आर. अम्बेडकर मुक्त विश्व विद्यालय के डॉ. सी. आर. राजामौली तथा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रो. प्रदीप मिश्र एवं इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की प्रो. निशा सिंह आदि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में देशभर से कुल 62 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अतिथि सदस्या प्रो. निशा सिंह ने मिश्रित अधिगम उपागम को 'दीप से दीप जले' उदाहरण के माध्यम से समझाने की कोशिश की तथा साथ ही ऑनलाइन स्रोतों के क्या–क्या फायदे होते हैं, पर विचार व्यक्त की। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने वर्तमान समय में नेट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की शिक्षा में प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रकट किए।

गांधी जयंती

2 अक्टूबर 2018 : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा बताए गए रचनात्मक कार्यक्रमों को पाठ्यक्रमों में शामिल करते हुए नई पीढ़ी में गांधी विचारों को रोपित किये जाने की आवश्यकता है। उक्त विचार गांधीग्राम ग्रामीण विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के पूर्व कुलपति, टी. करूणाकरण ने व्यक्त किए। वे म.गां.अं.हिं.वि. में गांधी हिल्स पर आयोजित गांधी जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। कार्यक्रम का संचालन गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने किया तथा सर्वधर्म प्रार्थना महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का प्रारंभ गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। समारोह में गांधीजी का प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो..' की प्रस्तुति डॉ. अप्रमेय मिश्र एवं साथी कलाकारों ने की। आभार ज्ञापन कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह ने किया। गांधीजी की 150 वीं जयंती के मौके पर विश्वविद्यालय के महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र के छात्र–छात्राओं ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी अकादमिक भवन के प्रांगण में 150 पौधे लगाकर उन्हें याद किया।

सेवाग्राम कार्यांजली उत्सव में 'गांधी–एक यात्रा' नाटक का मंचन

2 अक्टूबर, 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. के प्रदर्शनकारी कला विभाग के छात्रों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सेवाग्राम आश्रम 'बापू कुटी' में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में 'गांधी–एक यात्रा' नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक में गांधीजी के जन्म से मृत्यु तक की सभी घटनाओं को दिखाया गया और साथ ही आज के समय में गांधीजी के विचारों और सिद्धांतों की प्रासंगिकता को बखूबी ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक निर्माण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र तथा प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने मार्गदर्शन किया। इस नाटक की परिकल्पना, लेखन एवं निर्देशन विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. सुरभि विप्लव ने किया। नाट्य निर्माण सहयोग प्रदर्शनकारी कला विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतीश पावड़े तथा प्रस्तुति संयोजन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस मिरगे ने किया। सूत्रधार के रूप में उत्कर्ष उपेन्द्र सहस्रबुद्धे, गांधी जी की प्रौढ़ भूमिका में वेद प्रकाश एवं बाल भूमिका में नितीश प्रियदर्शी थे।

तृतीय दीक्षांत समारोह

15 अक्टूबर, 2018 : हिंदी को रोजगार और परिवार की भाषा बनाए बगैर उसका विकास नहीं होगा। घर में हिंदी में बातचीत करते हुए हमें हिंदी को परिवार की भाषा बनाना होगा। हिंदी केवल भाषा नहीं है बल्कि संस्कार और संस्कृति भी है। उक्त उद्‌बोधन गोवा की राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा ने दिए। वह म.गां.अं.हिं. वि. के तीसरे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं। 15 अक्टूबर को संपन्न हुए समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का दीक्षांत उपदेश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया। दीक्षांत समारोह में विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के 985, एम.फिल के 977 एवं पी.एच.डी. के 201 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह में केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावडेकर के संदेश का वाचन कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह ने किया। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विश्वविद्यालय के आठ विद्यापीठों के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रथम दीक्षांत समारोह में 244 तथा द्वितीय दीक्षांत समारोह में 243 उपाधिधारकों को उपाधियां प्रदान की गई थी। इस वर्ष तृतीय दीक्षांत समारोह में 3948 उपाधिधारकों को उपाधियां प्रदान की गई है। कार्यक्रम में राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा एवं कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने स्वर्णपदक प्राप्त विद्यार्थियों को स्वर्णपदक प्रदान किए तथा कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने उपाधियां प्रदान कीं। समारोह में विद्यापीठों के अधिष्ठाता, कार्यपरिषद के सदस्य, विद्या परिषद के सदस्य मंचासीन थे। दीक्षांत समारोह प्रारंभ होने से पहले राज्यपाल श्रीमती सिन्हा एवं कुलाधिपति प्रो. त्रिपाठी ने गांधी हिल पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांलजलि अर्पित की। इसके पश्चात 'हिंदी विश्वविद्यालय : प्रगति के सोपान' शीर्षक से लगी प्रदर्शनी का उद्‌घाटन राज्यपाल मृदुला सिन्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'हिंदी विश्व' के दीक्षांत समारोह विशेषांक का विमोचन तथा प्रदर्शनी स्थल तथा निर्माणाधीन भवनों के शिलापट्ट का अनावरण भी राज्यपाल श्रीमती सिन्हा द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय पुस्तक मेला

15 अक्टूबर 2018 : म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा में तीसरे दीक्षांत समारोह के अवसर पर 12 से 15 अक्टूबर के दौरान आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेले का उद्‌घाटन समता भवन के प्रांगण में वरिष्ठ चिंतक प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध कथाकार श्रीमती चित्रा मुद्‌गल उपस्थित थी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह, आवासीय लेखक आनंद भारती प्रमुखता से उपस्थित थे। इस पुस्तक मेले में देशभर के 70 से अधिक प्रकाशकों ने सहभागिता की। मुंशी प्रेमचंद राष्ट्री य पुस्तुक मेले का समापन सोमवार 15 को किया गया। मेले के अंतिम दिन गोवा के राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा के कहानी पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा राज्यपाल श्रीमती सिन्हा का स्वागत पुष्पगुच्छ, सूतमाला, श्रीफल एवं शाल देकर किया गया।

प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्तग त्रिपाठी का स्वागत किया। कार्यक्रम के आरंभ में डॉ. उषा शर्मा के कहानी संग्रह 'बर्फ' का विमोचन किया गया। विजेन्द्र नारायण सिंह के लेखों के संग्रह 'आधुनिक कविता का परिदृश्य' का भी विमोचन किया गया। इस पुस्तक के संपादक परिमल प्रियदर्शी हैं। राज्यपाल श्रीमती सिन्हा ने अपनी कहानी 'बेनाम रिश्ते' का पाठ किया। 'बेनाम रिश्ते' कहानी पर अपने विचार रखते हुए वरिष्ठ कथाकार श्रीमती चित्रा मुद्गल ने अंगदान संबंधी जन धारणाओं का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे हिंदी संबंधी प्रयासों की सराहना की। पुस्तक मेले के संयोजक प्रो. अखिलेश कुमार दुबे तथा सह संयोजक डॉ. बीरपाल सिंह यादव को गोवा के राज्यपाल श्रीमती सिन्हा द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

खाद्य संस्कृति को बढ़ावा देता है जेवण उत्सव – शैलेश नवाल

15 अक्टूबर 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. के तीसरे दीक्षांत समारोह के दौरान मेजर ध्यानचंद्र क्रीड़ा प्रांगण में 'जेवण उत्सव' (फूड फेस्टिवल) का उद्घाटन वर्धा के जिलाधिकारी शैलेश नवाल द्वारा किया गया। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुक्ताकाश मंच का उद्घाटन आकाशवाणी, नागपुर केंद्र के निदेशक डॉ. हरीश पाराशर 'ऋषु' ने किया। 'जेवण उत्सव' में देशभर के विभिन्न प्रांतों के लजीज़ व्यंजनों के 60 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए जिसका लगभग दस हजार से अधिक लोगों ने लाभ उठाया। जिलाधिकारी नवाल ने उत्सव का उद्घाटन फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि हर राज्य का अपना अलग स्वाद होता है, इस प्रकार के आयोजनों से खाने की विभिन्न संस्कृतियां एक जगह पर प्रदर्शित होती है और इससे खाद्य संकृति को बढ़ावा भी मिलता है। इस आयोजन के लिए उन्होंने विश्वविद्यालय और आयोजकों को बधाई दी। फेस्टिवल में 197 देशों की करेंसी नोट व सिक्कों की प्रदर्शनी तथा नारायण देशमुख द्वारा चौथी ई. पूर्व की मुद्राएं, बहुमूल्य वस्तुओं का संग्रह तथा राजेंद्र भोयर द्वारा मुगलकालीन ऐतिहासिक सातवाहन काल से मुगलकालीन सिक्के व मुद्राओं के स्टॉल्स मुख्य आकर्षण बने रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये वहीं जनसंचार विभाग के चटपटी खबरों के स्टॉल ने सभी का मनोरंजन किया। समारोह को सफल बनाने में 'जेवण उत्सव' के संयोजक डॉ. अमित विश्वास, डॉ. अवंतिका शुक्ला, डॉ. राजेश्वर सिंह, डॉ. अनिर्बाण घोष, डॉ. रूपेश कुमार सिंह ने सहयोग किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती

31 अक्टूबर, 2018 : देश को एकसूत्र में बांधने में सरदार वल्लभभाई पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। उक्त विचार म.गां.अं.हिं.वि. के म.गां. फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य में 'वर्तमान संदर्भ में सरदार पटेल के विचारों की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। गालिब सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। समारोह में मंच पर प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा तथा कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में एकता दिवस पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता के प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आभार ज्ञापन कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह तथा संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया। सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनायी गई, जिसका प्रारंभ राष्ट्रींय एकता की शपथ ग्रहण तथा एकता दौड़ के आयोजन के साथ किया गया।

दलित पैंथर आंदोलन अहिंसक, समानता, स्व–सुरक्षा का था : रामदास आठवले

2 नवंबर, 2018 : केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास आठवले ने 2 नवंबर को म.गां.अं.हिं.वि. में डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र की ओर से दलित पैंथर आंदोलन विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में कहा कि दलित पैंथर आंदोलन अहिंसक, समानता और स्व–सुरक्षा के लिए था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में यूपीएससी, एमपीएससी तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए केंद्र, अंबेडकर पीठ तथा छात्रावास के निर्माण के लिए मदद किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने राज्य मंत्री आठवले के प्रति आभार जताते हुए कहा कि विकास यात्रा में सभी को शामिल करना एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती को अंजाम देने का काम अठावले अपनी नेतृत्व क्षमता से पूरजोर तरीके से कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. धरवेश कठेरिया ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक तथा केंद्र के निदेशक प्रो. लेला कारूण्यकरा ने स्वागत भाषण दिया। समारोह में राज्य मंत्री श्री आठवले को कुलपति प्रो. मिश्र द्वारा सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में दलित पैंथर आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ता आर. एम. पाटिल, डॉ. रविदत्त कांबले, नरेश ओंकार, विजय आगलावे एवं नागपुर के एड. सुरेश चंद्र घाटे तथा विनोद मेश्राम को सम्मान पत्र से विभूषित किया गया।

बिरसा मुंडा जयंती

19 नवंबर 2018 : म.गां.अं.हिं.वि. के बिरसा मुंडा छात्रावास में बिरसा मुंडा की जयंती मनायी गई। छात्रावास में आयोजित समारोह में कार्यकारी कुलपति प्रो. एल. कारुण्यकरा ने बिरसा मुंडा की मूर्ति पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया। इस अवसर पर कुलानुशासक डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, वित्ताधिकारी कादर नवाज़ ख़ान, बिरसा मुंडा छात्रावास के अधीक्षक डॉ. धरवेश कठेरिया, सहायक कुलसचिव सुशील पखिड़े, सुखदेव छात्रावास के अधीक्षक डॉ. भरत पंडा, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, आदि सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी प्रमुखता से उपस्थित थे।

संविधान दिवस पर 'संविधान की नैतिकता' पर चर्चा

26 नवंबर, 2018 : संविधान हमारे देश का आईना है। संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहब अंबेडकर ने संविधान में नैतिकता के सूत्रों को महत्व दिया है

जिससे संविधान मजबूत हुआ है। उन्होंने देश की भलाई के लिए अपने व्यक्तिगत विचारों को दूर रखकर बहुलतावादी देश को एकसंघ बनाए रखने के लिए प्रयास किये हैं। उक्त विचार वर्धा स्थित यशवंत महाविद्यालय के विधि विभाग के अध्यक्ष डॉ. रविशंकर मोर ने व्यक्त किए। वे म.गां.अं.हिं.वि. में संविधान दिवस पर 26 नवंबर को विवि के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अकादमिक भवन के सभागार में 'संविधान की नैतिकता' विषय पर आयोजित चर्चा में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर मंच पर कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह, विधि विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार, शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर एवं डॉ. एम. एल. कासारे उपस्थित थे। समारोह के पूर्व विवि के प्रशासनिक भवन में संविधान की उद्देशिका और डॉ. बाबासाहब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पार्पण किया गया।

विश्व हिंदी दिवस

10 जनवरी, 2019 : देश और विदेशों की विभिन्न संस्कृतियों को मिलाकर हिंदी भाषा को विश्व में प्रवाहित करने तथा प्रचार–प्रसार करने की आवश्यकता है। समान संस्कृति एवं शब्दों के आदान–प्रदान से हिंदी को और बल मिलेगा। उक्त उद्‌बोधन म.गां.अं.हिं.वि. के कार्यकारी कुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने दिए। वे विवि के आनंद के. कुमारस्वामी अंतरराष्ट्रीय भाषा एवं संस्कृति संस्थान की ओर से 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस समारोह की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। कार्यक्रम में विवि में अध्ययनरत थाईलैंड, गयाना एवं कजाकिस्तान के विद्यार्थियों ने हिंदी में गीत, भाषण आदि की प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर विवि के हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. उमेश कुमार सिंह ने विदेशों में हिंदी शिक्षण के अपने अनुभवों को साझा किया। मुख्य वक्ता के रूप में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. देवराज ने अपनी बात रखी। स्वागत वक्तव्य प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने दिया। कार्यक्रम में गयाना के धनपाल मोहन, थाईलैंड की पदमा, शिरारत और सिसमोर्न, कजाकिस्तान की गुलशाद और सुपिग्यार आदि विद्यार्थियों ने हिंदी में भाषण, गीत और संगीत से अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संचालन विजया सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजीव रंजन ने किया।

'इक्कीसवीं सदी में हिंदी साहित्य : प्रवृत्तियां और संभावनाएं' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

09 फरवरी, 2019 : म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र और कालीकट विश्वविद्यालय, केरल के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'इक्कीसवीं सदी में हिंदी साहित्य : प्रवृत्तियां और संभावनाएं' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी कालीकट विश्वविद्यालय में 7 से 9 फरवरी को सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का उद्‌घाटन कालीकट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुहम्मद के. बशीर ने किया। म.गां.अं.वि., वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. जी. गोपीनाथन ने बीज वक्तव्य दिए। उद्‌घाटन अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा प्रेषित संदेश को कार्यकारी कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने पढ़ा। संगोष्ठी में कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, विमर्श केंद्रित साहित्य और आलोचना, निबंध एवं अन्य विधाओं पर केंद्रित छह अकादमिक सत्रों में विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ की संकायाध्यक्ष प्रो. प्रीति सागर, कार्यकारी कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, प्रो. अवधेश कुमार, डॉ अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ रूपेश कुमार सिंह, प्रो. आर. सेतुनाथ, संगोष्ठी के संयोजक प्रो. अखिलेश कुमार दुबे, कालिकट विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुब्रमण्यम वी.के., प्रो. तंकमणि अम्मा, प्रो. सुधा बालकृष्णन, प्रो. रवींद्र नाथ, गोवा, प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, मुम्बई, प्रो. रामप्रकाश, तिरुपति, प्रो. जयशंकर, प्रो.ए. अच्युतन, प्रो. के. अजिता, प्रो. सुनीता मंजन बेल, प्रो. प्रतिभा मुदलियार, स्थानीय समन्वयक प्रो. प्रमोद कोवप्रत ने वक्तव्य दिए।

ग्राम विकास पर कार्यक्रम

18 फरवरी, 2019 : महात्मा गांधी स्वयं पूर्ण एवं स्वावलंबी ग्राम के लिए गांवों को सशक्त करना चाहते थे। गांव के विकास के लिए वहां के समुदाय को शामिल कर बदलाव लाया जा सकता है। ग्राम सशक्तीकरण की दिशा में संवेदना के साथ अध्ययन जरूरी है। उक्त विचार म.गां.अं.हिं.वि. के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने म.गां. फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र एवं शिक्षा विभाग तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण सामुदायिक सहभाग विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम के उद्‌घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। 12 से 18 फरवरी तक चले इस कार्यक्रम में देश भर से 40 से अधिक संकाय सदस्य सहभागी हुए। उद्‌घाटन अवसर पर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. कृपाशंकर चौबे, शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, डॉ. शिरीष पाल सिंह मंचासीन थे। संचालन एवं आभार ज्ञापन डॉ. मिथिलेश कुमार ने किया। सात दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के अंतर्गत गांवों पर केंद्रित विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें सामुदायिक लक्ष्यों का निर्धारण, गांधीजी एवं नई तालीम, आधुनिक भारत में गांवों का बदलता परिदृश्य, सामुदायिक सहभागिता की पद्धतियां और साधन, सहभागी शिक्षण और सामाजिक आकलन, ग्राम आपदा प्रबंधन, ग्राम विकास नियोजन, मूलभूत ग्रामीण उद्योजकता, ग्रामीण वित्त, सामुदायिक सहभागिता में तकनीकी की भूमिका, सामुदायिक सहभागिता के उत्कृष्ठ उदाहरण : शिक्षकों का दायित्व, सामुदायिक सहभागिता के लिए पारंपरिक एवं ठोस दृष्टिकोण, सामाजिक बदलाव, स्वास्थ एवं स्वच्छता के लिए ग्राम सहभागिता हेतु नियोजन, पुनर्वास : भौतिक एवं मनोवैज्ञानिक पहलू आदि विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं में डॉ. डी. एन. दास, हैदराबाद, प्रो. टी. करुणाकरण, वर्धा, प्रो. आनंद प्रकाश, दिल्ली, डॉ. गीता ठाकुर, पुणे, डॉ. जॉन मीनाचेरी, नागपुर, प्रो. पी. एन. सिंह, भागलपुर, डॉ. पी. एस. श्रीदेवी, तमिलनाडु, प्रो. वी. सुधाकर, हैदराबाद, प्रो. प्रदीप देशमुख, डॉ. उल्हास जाजू, वर्धा, श्री शरद बेहार, बिलासपुर आदि शामिल हैं।

छायाचित्र झलकियाँ

तृतीय दीक्षांत समारोह में विचार व्यक्त करते हुए गोवा की महामहिम राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा।
Her Excellency the Governor of Goa, Smt. Mridula Sinha, expressing views at the Third Convocation.

वृक्षारोपण करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, जिलाधिकारी शैलेश नवाल, विधायक पंकज भोयर, वैद्यकीय जागृति मंच के डॉ. सचिन पावड़े व अन्य महानुभाव।
Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra, District Magistrate Shailesh Naval, MLA Pankaj Bhoyar, Dr. Sachin Pawade of the Vaidyakiya Jagriti Manch and other dignitaries were present while planting trees.

सावित्री बाई फुले जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सावित्री बाई फुले महिला छात्रावास में सावित्री बाई फले की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद उपस्थित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार, प्रो. के.के. सिंह, छात्रावास अधीक्षिका डॉ. अवंतिका शुक्ला, कर्मी तथा छात्राएं।
During the program organized on the occasion of Savitri Bai Phule Jayanti, Senior Professor of the university Manoj Kumar, garlanded the statue of Savitri Bai Phule in Savitri Bai Phule Women Hostel. Prof. K.K. Singh, hostel superintendent Dr. Avantika Shukla and students.

'जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टिः सामर्थ्य, संभावनाएं एवं चुनौतियां' विषय पर आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए प्रो. नंदकिशोर आचार्य, प्रो. आशा शुक्ला, प्रो. चंद्रकला पाडिया, प्रो. मनोज कुमार, डॉ. सुप्रिया पाठक, भरत महोदय तथा प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी।
Inaugurating the seminar on 'Gandhian Vision of Gender Equality: Strengths, Prospects and Challenges', Nandkishore Acharya, Prof. Asha Shukla, Prof. Chandrakala Padiya, Prof. Manoj Kumar, Dr. Supriya Pathak, Bharat Mahoday and Prof. Nripendra Prasad Modi.

श्री रामदास अठावले, राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, बाएं प्रो. एल. कारूण्यकरा तथा प्रो. के.के सिंह।
Shri Ramdas Athawale, Minister of State, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, presenting a memento to Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra, from left Prof. L. Karunakara and Prof. K.K. Singh were also present.

'तुलसी की सामाजिक दृष्टि' पर आयोजित व्याख्यान समारोह में विचार व्यक्त करते हुए प्रो. रामजी तिवारी, मंच पर बाएं से प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. प्रीति सागर व प्रो. के.के. सिंह।
While expressing his views in the lecture ceremony organized on 'Social Vision of Tulsi' by Prof. Ramji Tiwari, from left on stage Prof. Awadhesh Kumar, Prof. Priti Sagar and Prof. K.K. Singh.

'गांधीः एक यात्रा' का मंचन करते हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी।
University students staging 'Gandhi: A Journey'.

युवा और सामाजिक सरोकार विषय पर उद्‌बोधन देते हुए गांधीवादी चिंतक कुमार प्रशांत, मंच पर बाएं से संदीप कुमार वर्मा, कुलपति गिरीश्वर मिश्र और प्रो. मनोज कुमार।
Gandhian thinker Kumar Prashant delivering speech on the topic of 'Youth and Social interest, on the dias from left Sandeep Kumar Varma, Vice Chancellor Girishwar Misra and Prof. Manoj Kumar.

'संपादकों की कहानीः हरिवंश की जुबानी' विषयक कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, मंच पर बाएं से राजेश लेहकपुरे, प्रो. कृपाशंकर चौबे, कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. के.के. सिंह तथा प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी।

Mr. Harivansh, Deputy Chairman, Rajya Sabha, while expressing his views on the program titled 'Story of Editors: The speech of Harivansh', Rajesh Lehkapure from left on stage, Prof. Kripa Shankar Chaubey, Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra, Prof. KK Singh and Prof. Arun Kumar Tripathi.

राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को गुलाब का फूल देकर स्वागत करते हुए कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के.के. सिंह तथा अन्य महानुभाव।

Acting Registrar Prof. K.K. Singh and other dignitaries Welcoming Rose to blood donors in blood donation camp organized on National Youth Day

राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित एकता दौड़ में शामिल विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, अध्यापक व कर्मी।

University students, teachers and staffs involved in unity race organized on National Unity Day.

अकादमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, मंच पर बाएं से डॉ. शिरीष पाल सिंह, प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, प्रो. जनक पांडेय, प्रो. के.के सिंह तथा डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra addressing the academic leadership training program, From left on stage Dr. Shirish Pal Singh, Prof. Anand Vardhan Sharma, Prof. Janak Pandey, Prof. K.K. Singh and Dr. Gopal Krishna Thakur.

कोलकाता केंद्र में विचार व्यक्त करते हुए मॉरीशस की सरिता बुधु, मंच पर हैं विद्वत वक्ता।
Sarita Budhu of Mauritius, speaking at the Kolkata Center, other scholars on the stage.

संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते हुए एड. रविशंकर मोर, मंच पर बाएं से डॉ. एम.एल. कासारे, प्रो. के.के. सिंह, प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. मनोज कुमार तथा डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर।
While delivering the address in the program organized on Constitution Day, Advocate Ravi Shankar More, Dr. ML Kasare from left on stage, Prof. K.K. Singh, Prof. Girishwar Misra, Prof. Manoj Kumar and Dr. Gopalakrishna Thakur.

राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्‌घाटन करते हुए पूर्व कुलपति प्रो. जी. गोपीनाथन व अन्य महानुभाव।
Inaugurating the National Seminar, former Vice Chancellor Prof. G. Gopinathan and other dignitaries.

संस्कृत सप्ताह समारोह में विचार व्यक्त करते हुए चांद किरण सलूजा, मंच पर बाएं से संजीव लाभे, कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. प्रीति सागर तथा डॉ. लेखराम दन्नाना।
Chand Kiran Saluja, expressing thoughts in Sanskrit week celebrations, Sanjeev Sabhe from left on stage, Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra, Prof. Preeti Sagar and Dr. Lekhram Dannana.

राष्ट्रीय पुस्तक मेला का उद्घाटन करते हुए साहित्यकार चित्रा मुद्गल, बाएं से आनंद भारती, प्रो. इन्द्रनाथ चौधुरी, कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. के.के. सिंह, डॉ. बीरपाल सिंह यादव, प्रो. आनंद वर्धन शर्मा तथा प्रो. अखिलेश कुमार दुबे।

Inaugurating the National Book Fair, litterateur Chitra Mudgal, Anand Bharti from left, Prof. Indranath Chaudhuri, Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra, Prof. K.K. Singh, Dr. Birpal Singh Yadav, Prof. Anand Vardhan Sharma and Prof. Akhilesh Kumar Dubey.

विश्वविद्यालय के 21 वें स्थापना दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, मंच पर हैं अन्य विद्वान वक्ता।

Pro Vice-Chancellor Prof. Anand Vardhan Sharma while expressing his views on the 21st Foundation Day of the university and other scholars presenet on the dias.

राजगुरु छात्रावास का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र और साथ में हैं प्रो. मनोज कुमार, प्रो. कृपाशंकर चौबे, डॉ. राजेश्वर सिंह, प्रो. के.के.सिंह, लेखराम दन्नाना, बी.एस.मिरगे व अन्य महानुभाव।

Inaugurating the Rajguru hostel, Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra and Prof. Manoj Kumar, Prof. Kripa Shankar Chaubey, Dr. Rajeshwar Singh, Prof. K.K. Singh, Lekhram Dannana, B.S. Mirge and other dignitaries.

तृतीय दीक्षांत समारोह के दौरान शोभायात्रा में शामिल विश्वविद्यालय परिवार।

The procession during the third convocation.

विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुति।
Cultural Programme Prsentated by students.

शिक्षक दिवस समारोह में उद्‌बोधन देते हुए प्रो. मनोज कुमार, मंच पर बाएं से डॉ. शिरीषपाल सिंह, क़ादर नवाज़ खान, सपना शर्मा, प्रो. के.के. सिंह तथा डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर।
While giving the address at the Teachers' Day celebrations, Prof. Manoj Kumar, Dr. Shirishpal Singh from left on stage, Kadar Nawaz Khan, Sapna Sharma, Prof. K.K. Singh and Dr. Gopal Krishna Thakur.

योग दिवस पर योगासन मुद्रा में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के साथ विश्वविद्यालय के कर्मी व विद्यार्थी।
The Vice Chancellor Prof. Girishwar Misra in Yogasana Mudra on Yoga Day with University personnel and students.

सर्जिकल स्ट्राइक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए पूर्व ब्रिगेडियर सुनील गांवपांडे, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. के.के. सिंह व अन्य महानुभाव।
Former Brigadier Sunil Gaonpandey, Prof. Manoj Kumar, Prof. K.K. Singh and other dignitaries on the occasion of surgical strike day.